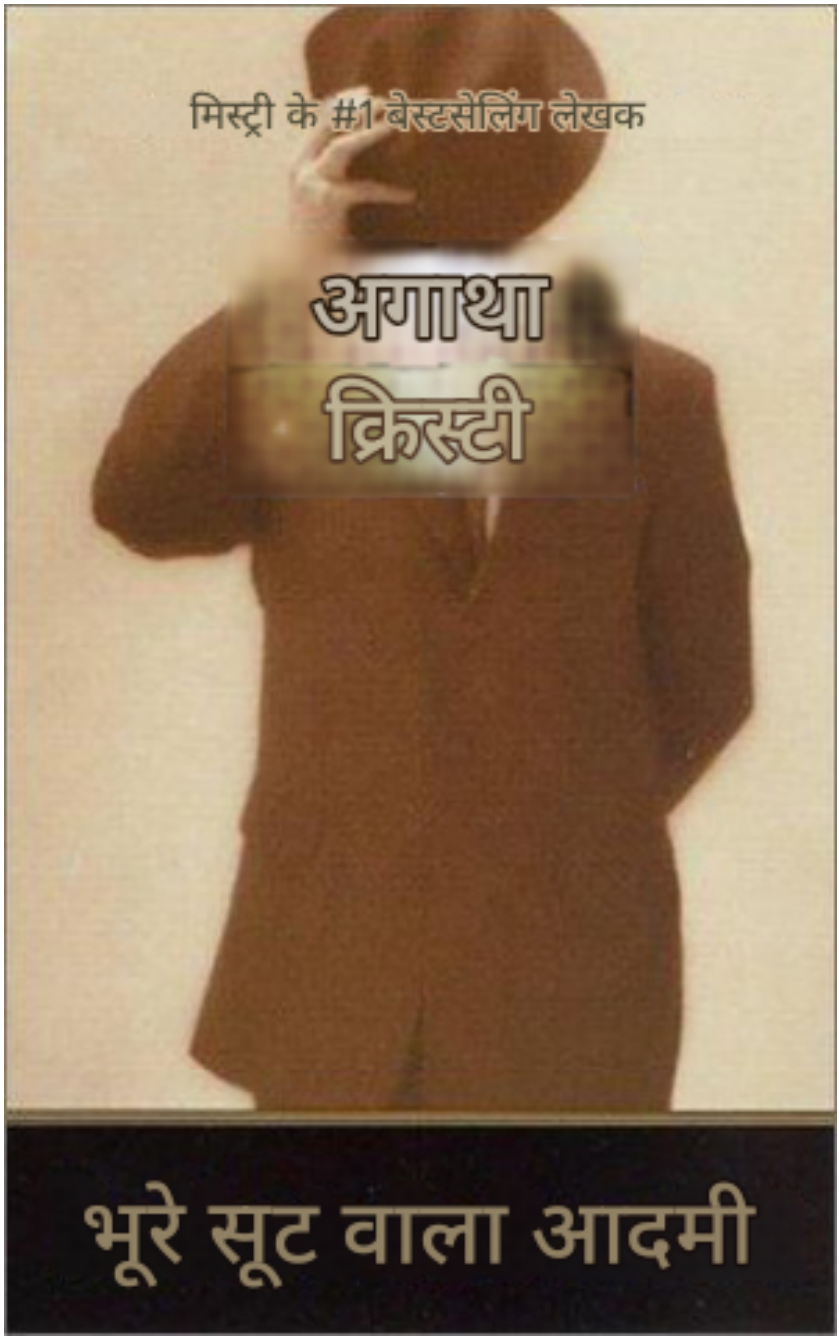
मिस्ट्री के #1 बेस्टसेलिंग लेखक
अगाथा
क्रिस्टी
भूरे सूट वाला आदमी

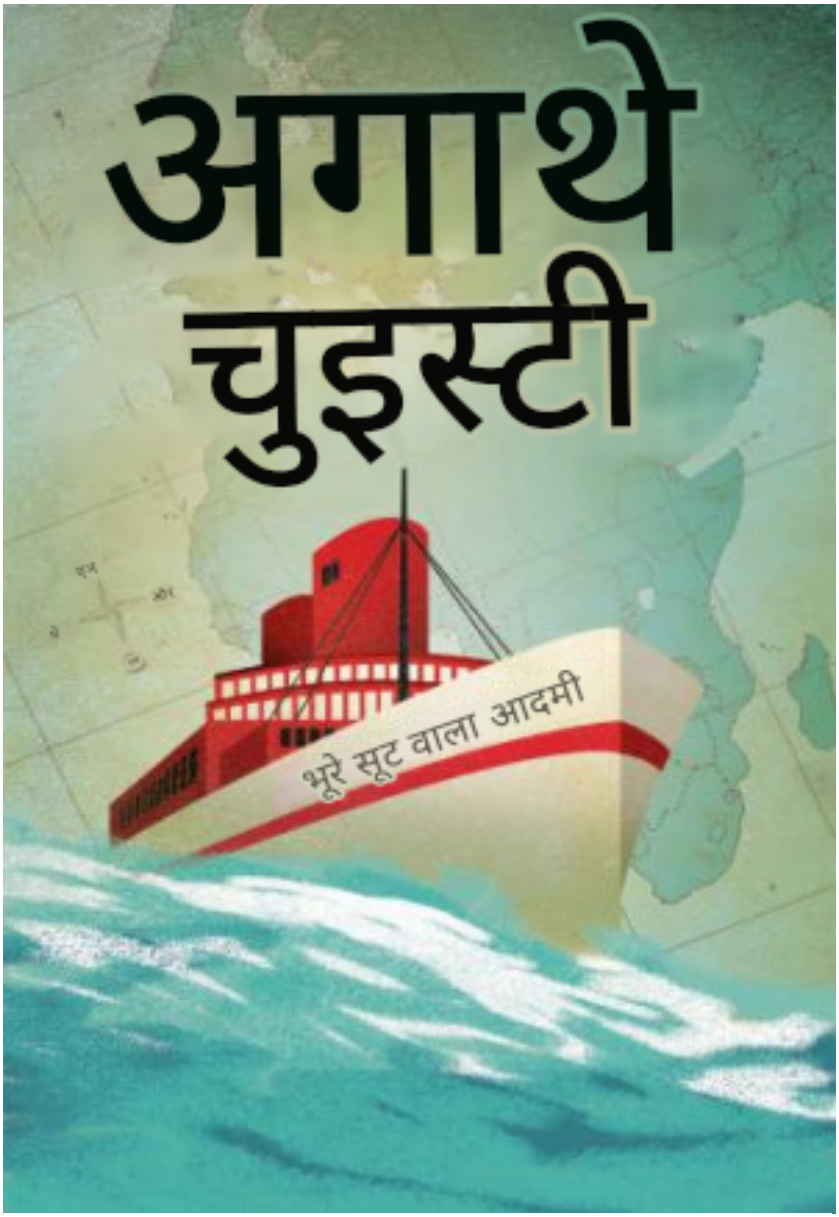

अगाथा क्रिस्टी

https://onemorelibrary.com

भूरे रंग के सूट वाला आदमी

अगाथा क्रिस्टी

डोड, मीड एंड कंपनी, न्यूयॉर्क, 1924

अंतर्वस्तु

प्रस्तावना
अध्याय I
अध्याय II
अध्याय III
अध्याय IV
अध्याय V
अध्याय VI
अध्याय VII
अध्याय VIII
अध्याय IX
अध्याय X

अध्याय XI
अध्याय XII
अध्याय XIII
अध्याय XIV
अध्याय XV
अध्याय XVI
अध्याय XVII
अध्याय XVIII
अध्याय XIX
अध्याय XX
अध्याय XXI
अध्याय XXII
अध्याय XXIII
अध्याय XXIV
अध्याय XXV
अध्याय XXVI
अध्याय XXVII
अध्याय XXVIII
अध्याय XXXIX
अध्याय XXX
अध्याय XXXI
अध्याय XXXII
अध्याय XXXIII
अध्याय XXXIV
अध्याय XXXV
अध्याय XXXVI

भूरे रंग के सूट वाला आदमी

प्रस्तावना

पेरिस में धूम मचाने वाली रूसी नर्तकी नादिना तालियों की गड़गड़ाहट पर झूम उठी, बार-बार झुककर अभिवादन किया। उसकी काली आँखें और भी सिकुड़ गईं, उसके लाल होंठों की लंबी रेखा हल्की सी ऊपर की ओर मुड़ गई। उत्साहित फ्रांसीसी लोग सराहना में ज़मीन पीटते रहे, तभी पर्दा सरसराते हुए गिरा और विचित्र सजावट के लाल, नीले और मैजेंटा रंग छिप गए। नीले और नारंगी पर्दों के भंवर में नर्तकी मंच से चली गई। एक दाढ़ी वाले सज्जन ने उत्साहपूर्वक उसे बाहों में भर लिया। वह प्रबंधक था।

“शानदार, प्यारी, शानदार,” वह चिल्लाया। “आज रात तुमने अपनी सारी खूबियाँ भुला दी हैं।” उसने बड़े ही सहज अंदाज़ में उसके दोनों गालों पर चुंबन किया।

मैडम नादिना ने लंबे समय से चली आ रही आदत के अनुसार सहजता से भेंट स्वीकार की और अपने ड्रेसिंग रूम की ओर चल पड़ीं, जहाँ चारों ओर फूलों के गुलदस्ते बेतरतीब ढंग से रखे हुए थे, भविष्यवादी डिज़ाइन के अद्भुत वस्त्र खूंटियों पर टंगे थे, और हवा फूलों की खुशबू और परिष्कृत इत्रों की महक से महक रही थी। ड्रेसर जीन अपनी मालकिन की सेवा में लगी हुई थी, लगातार बातें कर रही थी और उनकी भरपूर प्रशंसा कर रही थी।

दरवाजे पर दस्तक से बातचीत रुक गई। जीन दरवाजा खोलने गई और हाथ में एक कार्ड लेकर लौटी।

“क्या मैडम स्वागत करेंगी?”

"मुझे देखने दो।"

नर्तकी ने सुस्ती से अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन कार्ड पर लिखे नाम, "काउंट सर्जियस पॉलोविच" को देखते ही उसकी आँखों में अचानक रुचि की एक झलक दिखाई दी।

“मैं उससे मिलूंगा। जीन, मक्के का पेग्नॉयर, जल्दी से। और जब काउंट आए तो तुम जा सकती हो।”

"बहुत खूब, महोदया।"

जीन एक पेग्नॉयर लेकर आई, जो मक्के के रंग के शिफॉन और फर का एक बेहद खूबसूरत कपड़ा था। नादिना ने उसे पहन लिया और मुस्कुराते हुए बैठ गई, जबकि उसका एक लंबा सफेद हाथ ड्रेसिंग टेबल के शीशे पर धीरे-धीरे थपथपा रहा था।

काउंट ने अपने विशेषाधिकार का तुरंत लाभ उठाया—मध्यम कद का, बेहद दुबला-पतला, बेहद सुरुचिपूर्ण, बेहद पीला और असाधारण रूप से थका हुआ व्यक्ति। चेहरे

से इतना सजग कि पहचानना मुश्किल था, अगर उसके हाव-भाव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाए तो उसे दोबारा पहचानना भी मुश्किल था। उसने अतिशय शिष्टता से नर्तकी के हाथ पर झुककर प्रणाम किया।
"महोदया, यह तो वाकई बहुत खुशी की बात है।"
बाहर जाने से पहले जीन ने बहुत कुछ सुना और फिर दरवाजा बंद कर दिया। अपने मेहमान के साथ अकेले में, नादिना की मुस्कान में एक सूक्ष्म बदलाव आया।
उन्होंने कहा, "हालांकि हम देशवासी हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हम रूसी नहीं बोलेंगे।"
"चूंकि हम दोनों में से किसी को भी इस भाषा का एक शब्द भी नहीं पता, तो शायद यही बेहतर होगा," उसके मेहमान ने सहमति जताते हुए कहा।
आम सहमति से, वे अंग्रेज़ी में बात करने लगे, और अब जब काउंट के हाव-भाव गायब हो चुके थे, तो किसी को भी इस बात पर संदेह नहीं हो सकता था कि यह उनकी मातृभाषा थी। दरअसल, उन्होंने लंदन में एक संगीत हॉल कलाकार के रूप में अपना जीवन शुरू किया था।
उन्होंने कहा, "आज रात आपको बहुत बड़ी सफलता मिली। मैं आपको बधाई देता हूं।"
“फिर भी,” महिला ने कहा, “मैं परेशान हूँ। मेरी स्थिति पहले जैसी नहीं रही। युद्ध के दौरान पैदा हुए संदेह कभी शांत नहीं हुए। मुझ पर लगातार नज़र रखी जाती है और मेरी जासूसी की जाती है।”
"लेकिन आप पर जासूसी का कोई आरोप कभी नहीं लगाया गया?"
"हमारे प्रमुख अपनी योजनाओं को इतनी सावधानी से बनाते हैं कि ऐसा संभव नहीं है।"
“कर्नल की उम्र लंबी हो,” काउंट ने मुस्कुराते हुए कहा। “यह कितनी अद्भुत खबर है कि वे सेवानिवृत्त होने वाले हैं? सेवानिवृत्त! बिल्कुल एक डॉक्टर, या कसाई, या प्लंबर की तरह—”
“या कोई और व्यापारी,” नादिना ने बात पूरी की। “इसमें हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। ‘कर्नल’ हमेशा से एक कुशल व्यापारी रहे हैं। उन्होंने अपराध को ऐसे संगठित किया है जैसे कोई दूसरा व्यक्ति जूते बनाने का कारखाना चलाता है। बिना खुद को प्रतिबद्ध किए, उन्होंने कई बड़े कारनामों की योजना बनाई और उन्हें अंजाम दिया, जिसमें उनके ‘पेशा’ की हर शाखा शामिल है। गहनों की चोरी, जालसाजी, जासूसी

(युद्धकाल में जासूसी बेहद लाभदायक रही), तोड़फोड़, गुप्त हत्या, शायद ही कोई ऐसा काम हो जिसे उन्होंने न किया हो। सबसे बड़ी समझदारी यह है कि उन्हें पता है कि कब रुकना है। जब खेल खतरनाक होने लगता है? —वे शान से सेवानिवृत्त हो जाते हैं—एक विशाल संपत्ति के साथ!"

"हम्म!" काउंट ने संदेह भरे स्वर में कहा। "यह तो हम सबके लिए काफी निराशाजनक है। हम सब एक तरह से अधर में लटके हुए हैं।"

"लेकिन हमें तो बड़ी उदारता से मुआवज़ा मिल रहा है!" उसके लहजे में कुछ व्यंग्य का भाव था, जिसने उस आदमी को उसकी ओर तीक्ष्ण दृष्टि से देखने पर मजबूर कर दिया। वह मन ही मन मुस्कुरा रही थी, और उसकी मुस्कान की प्रकृति ने उसकी जिज्ञासा जगा दी। लेकिन उसने कूटनीतिक ढंग से बात आगे बढ़ाई:

"हाँ, 'कर्नल' हमेशा से ही उदार वेतनदाता रहे हैं। उनकी सफलता का बहुत बड़ा श्रेय इसी को जाता है—और साथ ही साथ हमेशा किसी उपयुक्त बलि का बकरा ढूंढने की उनकी योजना को भी। वाकई, वे एक महान बुद्धिमान व्यक्ति हैं! और इस कहावत के अगुआ हैं, 'यदि आप किसी काम को सुरक्षित रूप से करवाना चाहते हैं, तो उसे स्वयं न करें!' हम सब यहाँ पूरी तरह से दोषी ठहराए गए हैं और पूरी तरह से उनके वश में हैं, फिर भी हममें से किसी के पास भी उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है।"

वह कुछ देर रुका, मानो उसे उम्मीद हो कि वह उससे असहमत होगी, लेकिन वह चुप रही और पहले की तरह ही मन ही मन मुस्कुराती रही।

"हममें से कोई नहीं," उसने सोचते हुए कहा। "फिर भी, आप जानते हैं, वह बूढ़ा आदमी अंधविश्वासी है। मुझे लगता है, कई साल पहले वह किसी ज्योतिषी के पास गया था। उसने जीवन भर की सफलता की भविष्यवाणी की, लेकिन यह भी कहा कि उसका पतन एक स्त्री के कारण होगा।"

अब उसमें उसकी दिलचस्पी जाग उठी थी। उसने उत्सुकता से ऊपर देखा।

"यह तो अजीब है, बहुत अजीब! आप कह रहे हैं कि एक महिला के माध्यम से?"

वह मुस्कुराया और उसने अपने कंधे उचका दिए।

"निस्संदेह, अब जब वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं, तो वह शादी करेंगे। किसी युवा, सुंदरी महिला से, जो उनके लाखों रुपये उससे भी तेज़ी से खर्च कर देगी जितनी तेज़ी से उन्होंने उन्हें अर्जित किया था।"

नदीना ने अपना सिर हिलाया।

नहीं, नहीं, बात ऐसी नहीं है। सुनो मेरे दोस्त, कल मैं लंदन जा रहा हूँ।
लेकिन आपका अनुबंध यहाँ कैसा है?
मैं सिर्फ एक रात के लिए जा रहा हूँ। और मैं छुपकर जा रहा हूँ, जैसे कोई राजा। किसी को पता भी नहीं चलेगा कि मैंने फ्रांस छोड़ दिया है। और आपको क्या लगता है कि मैं क्यों जा रहा हूँ?
“साल के इस समय में तो ये मनोरंजन के लिए तो बिल्कुल नहीं। जनवरी, एक घिनौना, धुंध भरा महीना! ये ज़रूर मुनाफ़े के लिए ही होगा, है ना?”
“बिल्कुल।” वह उठी और उसके सामने खड़ी हो गई, उसके शरीर की हर सुंदर रेखा गर्व से भरी हुई थी। “आपने अभी कहा था कि हममें से किसी के पास भी मुखिया के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। आप गलत थे। मेरे पास है। मैं, एक औरत, में इतनी बुद्धि और हाँ, इतना साहस था—क्योंकि इसके लिए साहस चाहिए—कि मैं उसे धोखा दे सकूँ। आपको डी बीयर के हीरे याद हैं?”
“हाँ, मुझे याद है। किम्बरली में, युद्ध शुरू होने से ठीक पहले? मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं था, और मैंने कभी इसके बारे में विस्तार से नहीं सुना, पता नहीं क्यों मामला दबा दिया गया था, है ना? बहुत बढ़िया माल मिला था।”
“एक लाख पाउंड कीमत के पत्थर। हम दो लोगों ने उस पर काम किया— ज़ाहिर है, ‘कर्नल’ के आदेश पर। और तभी मुझे अपना मौका मिला। दरअसल, योजना यह थी कि डी बीयर के कुछ हीरों को दक्षिण अमेरिका से लाए गए कुछ नमूना हीरों से बदल दिया जाए। ये हीरे दो युवा खोजकर्ताओं द्वारा लाए गए थे जो उस समय किम्बरली में मौजूद थे। तब शक उन पर पड़ना तय था।”
"बहुत ही चतुराई से," काउंट ने प्रशंसा करते हुए कहा।
“‘कर्नल’ हमेशा चालाक होते हैं। खैर, मैंने अपना काम तो कर दिया—लेकिन मैंने एक ऐसा काम भी किया जिसकी ‘कर्नल’ ने कल्पना भी नहीं की थी। मैंने दक्षिण अमेरिकी पत्थरों में से कुछ अपने पास रख लिए—उनमें से एक-दो तो अनोखे हैं और आसानी से साबित किया जा सकता है कि वे डी बीयर के हाथों से कभी नहीं गुजरे। इन हीरों के मेरे कब्जे में होने से, मेरे आदरणीय प्रमुख पर मेरा पूरा नियंत्रण है। एक बार जब दोनों युवकों को बरी कर दिया जाएगा, तो इस मामले में उनकी भूमिका पर संदेह होना तय है। इतने सालों तक मैंने कुछ नहीं कहा, मैं इस बात से संतुष्ट था कि मेरे पास यह हथियार मौजूद है, लेकिन अब हालात अलग हैं। मुझे अपनी कीमत चाहिए

—और यह बहुत बड़ी, लगभग चौंका देने वाली कीमत होगी।”
“असाधारण,” काउंट ने कहा। “और निस्संदेह आप इन हीरों को अपने साथ हर जगह ले जाते होंगे?”
उसकी निगाहें अव्यवस्थित कमरे में धीरे-धीरे घूमती रहीं।
नदीना धीरे से हंसी। “आपको ऐसा कुछ भी सोचने की ज़रूरत नहीं है। मैं मूर्ख नहीं हूँ। हीरे एक सुरक्षित जगह पर रखे हैं जहाँ कोई उन्हें खोजने का सपना भी नहीं देखेगा।”
“मैंने आपको कभी मूर्ख नहीं समझा, मेरी प्रिय महिला, लेकिन क्या मैं यह कहने का साहस कर सकता हूँ कि आप कुछ हद तक लापरवाह हैं? आप जानती हैं कि ‘कर्नल’ उस तरह के व्यक्ति नहीं हैं जो ब्लैकमेल किए जाने पर आसानी से मान जाएँ।”
“मुझे उससे डर नहीं लगता,” वह हंसते हुए बोली। “सिर्फ एक ही आदमी था जिससे मैं डरती थी—और वह मर चुका है।”
उस आदमी ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
"तो चलिए उम्मीद करते हैं कि वह दोबारा जीवित नहीं होगा," उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा।
“तुम्हारा क्या मतलब है?” नर्तकी ने तीखी आवाज में कहा।
काउंट थोड़ा आश्चर्यचकित दिखे।
“मेरा मतलब सिर्फ इतना था कि पुनरुत्थान आपके लिए अजीब होगा,” उन्होंने समझाया। “एक मूर्खतापूर्ण मजाक।”
उसने राहत की सांस ली।
“ओह, नहीं, वह तो मर चुका है। युद्ध में मारा गया। वह एक ऐसा आदमी था जो कभी मुझसे प्यार करता था।”
"दक्षिण अफ्रीका में?" काउंट ने लापरवाही से पूछा।
"जी हां, चूंकि आपने पूछा है, तो दक्षिण अफ्रीका में।"
“यह आपका मूल देश है, है ना?”
उसने सिर हिलाया। उसका मेहमान उठा और अपनी टोपी उठाने के लिए हाथ बढ़ाया।
“खैर,” उन्होंने टिप्पणी की, “आप अपने काम को सबसे अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन अगर मैं आपकी जगह होता, तो मैं किसी भी निराश प्रेमी से कहीं ज्यादा ‘कर्नल’ से डरता। वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे कम आंकना बेहद आसान है।”
वह तिरस्कारपूर्ण ढंग से हंसी।

“जैसे कि इतने वर्षों बाद भी मैं उसे जानता ही न हूँ!”
“मुझे आश्चर्य है कि क्या आप ऐसा करते हैं?” उसने धीरे से कहा। “मुझे बहुत आश्चर्य है कि क्या आप ऐसा करते हैं।”
“अरे, मैं मूर्ख नहीं हूँ! और मैं इसमें अकेला नहीं हूँ। दक्षिण अफ्रीका की डाक-यात्रा कल साउथेम्प्टन में पहुंचेगी, और उस पर एक ऐसा व्यक्ति है जो मेरे अनुरोध पर विशेष रूप से अफ्रीका से आया है और जिसने मेरे कुछ आदेशों का पालन किया है। ‘कर्नल’ को हम में से एक नहीं, बल्कि दो लोगों से निपटना होगा।”
क्या यह बुद्धिमानी है?
"यह आवश्यक है।"
"क्या आपको इस आदमी पर पूरा भरोसा है?"
नर्तकी के चेहरे पर एक विचित्र सी मुस्कान दिखाई दी।
“मुझे उन पर पूरा भरोसा है। वे भले ही अक्षम हों, लेकिन पूरी तरह भरोसेमंद हैं।” वह थोड़ी देर रुकीं और फिर उदासीन स्वर में बोलीं, “दरअसल, वे मेरे पति हैं।”

अध्याय 1

हर कोई, दाएं-बाएं से, इस कहानी को लिखने के लिए मुझ पर दबाव डाल रहा है, चाहे वो बड़े लोग हों (जिनका प्रतिनिधित्व लॉर्ड नैस्बी कर रहे हैं) या छोटे लोग (जिनका प्रतिनिधित्व हमारी दिवंगत, हर काम में माहिर नौकरानी एमिली कर रही हैं, जिनसे मैं पिछली बार इंग्लैंड में मिली थी। “अरे, महोदया, आप इससे कितनी खूबसूरत किताब बना सकती हैं—बिल्कुल तस्वीरों जैसी!”)।
मैं मानता हूँ कि इस काम के लिए मेरे पास कुछ योग्यताएँ हैं। मैं शुरू से ही इस मामले में शामिल था, पूरी तरह से इसके केंद्र में था, और अंत तक विजयी रूप से इसमें शामिल रहा। सौभाग्य से, जो जानकारी मेरे ज्ञान से नहीं मिल सकती, वह सर यूस्टेस पेडलेर की डायरी में भरपूर रूप से मौजूद है, जिसका उपयोग करने के लिए उन्होंने मुझसे सहर्ष अनुरोध किया है।
तो चलिए शुरू करते हैं। ऐनी बेडिंगफेल्ड अपने कारनामों का वर्णन करना शुरू करती है।
मुझे हमेशा से रोमांच की चाहत थी। दरअसल, मेरा जीवन बेहद नीरस और एक जैसा

था। मेरे पिता, प्रोफेसर बेडिंगफेल्ड, आदिम मानव पर इंग्लैंड के सबसे महान जीवित विद्वानों में से एक थे। वे सचमुच एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे—यह बात सर्वमान्य है। उनका मन पाषाण युग में ही बसा रहता था, और उनके लिए जीवन की असुविधा यही थी कि उनका शरीर आधुनिक संसार में रहता था। पापा को आधुनिक मनुष्य से कोई लगाव नहीं था—यहाँ तक कि नवपाषाण युग के मनुष्य को भी वे केवल मवेशी चराने वाला मानकर तुच्छ समझते थे, और उनमें उत्साह तब तक नहीं जागा जब तक वे मौस्टेरियन काल तक नहीं पहुँच गए।

दुर्भाग्य से, आधुनिक मनुष्यों से पूरी तरह छुटकारा पाना संभव नहीं है। कसाई, बेकर, दूधवाले और फल-सब्जी विक्रेताओं से किसी न किसी तरह का संबंध रखना ही पड़ता है। इसलिए, पापा अतीत में डूबे रहते थे और मम्मी का निधन मेरे बचपन में ही हो गया था, इसलिए जीवन के व्यावहारिक पहलुओं को संभालने की जिम्मेदारी मुझ पर आ पड़ी। सच कहूँ तो, मुझे पुरापाषाण काल का मनुष्य बिल्कुल पसंद नहीं, चाहे वह ऑरिग्नेशियन हो, मौस्टेरियन हो, चेलियन हो या कोई और। हालाँकि मैंने पापा की 'निएंडरथल मैन एंड हिज एंसेस्टर्स' नामक पुस्तक का अधिकांश भाग लिखा और संशोधित किया, फिर भी निएंडरथल मनुष्य मुझे घृणा से भर देते हैं, और मैं हमेशा सोचता हूँ कि यह कितना सौभाग्यपूर्ण था कि वे सुदूर युगों में विलुप्त हो गए।

मुझे नहीं पता कि पापा ने इस विषय पर मेरे विचारों को समझा या नहीं, शायद नहीं, और वैसे भी उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं होती। दूसरों की राय में उन्हें ज़रा भी रुचि नहीं थी। मुझे लगता है कि यह वास्तव में उनकी महानता का प्रतीक था। इसी तरह, वे दैनिक जीवन की ज़रूरतों से पूरी तरह अलग रहते थे। जो कुछ भी उनके सामने परोसा जाता था, वे उसे अनुकरणीय ढंग से खाते थे, लेकिन जब भुगतान का सवाल उठता था तो वे थोड़ा दुखी हो जाते थे। हमारे पास कभी पैसे की कमी नहीं होती थी। उनकी प्रसिद्धि ऐसी नहीं थी जिससे उन्हें कोई आर्थिक लाभ मिले। हालाँकि वे लगभग हर महत्वपूर्ण संस्था के सदस्य थे, और उनके नाम के आगे कई उपाधियाँ थीं, फिर भी आम जनता उनके अस्तित्व से लगभग अनभिज्ञ थी, और उनकी विद्वतापूर्ण पुस्तकें, हालाँकि मानव ज्ञान में उल्लेखनीय वृद्धि करती थीं, आम जनता के लिए कोई आकर्षण नहीं रखती थीं। केवल एक बार वे सार्वजनिक रूप से चर्चा में आए। उन्होंने किसी संस्था के समक्ष चिंपैंजी के बच्चों के विषय पर एक लेख पढ़ा था। मानव जाति के बच्चे कुछ मानव जैसे लक्षण दिखाते हैं, जबकि चिंपैंजी के बच्चे वयस्क चिंपैंजी की

तुलना में मनुष्य से अधिक मिलते-जुलते हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि जहाँ हमारे पूर्वज हमसे अधिक वानर जैसे थे, वहीं चिंपैंजी के पूर्वज वर्तमान प्रजाति से कहीं अधिक उन्नत थे—दूसरे शब्दों में, चिंपैंजी एक पतित प्रजाति है। उस उद्यमी अखबार, डेली बजट, को कुछ सनसनीखेज खबर की सख्त जरूरत थी, इसलिए उसने तुरंत बड़े-बड़े शीर्षकों के साथ इसे प्रकाशित किया। “हम बंदरों से उत्पन्न नहीं हुए हैं, लेकिन क्या बंदर हमसे उत्पन्न हुए हैं? प्रख्यात प्रोफेसर कहते हैं कि चिंपैंजी पतित मनुष्य हैं।” कुछ समय बाद एक रिपोर्टर पापा से मिलने आया और उन्हें इस सिद्धांत पर लोकप्रिय लेखों की एक श्रृंखला लिखने के लिए मनाने की कोशिश की। मैंने पापा को इतना क्रोधित शायद ही कभी देखा हो। उन्होंने रिपोर्टर को बिना किसी औपचारिकता के घर से बाहर निकाल दिया, जिससे मुझे बहुत दुख हुआ, क्योंकि उस समय हमारे पास पैसों की बहुत कमी थी। दरअसल, एक पल के लिए मैंने सोचा कि उस युवक के पीछे दौड़कर उसे बता दूं कि मेरे पिता ने अपना इरादा बदल लिया है और वे संबंधित लेख भेज देंगे। मैं उन्हें खुद भी लिख सकता था, और संभावना यही थी कि पापा को इस बात का कभी पता भी नहीं चलता, क्योंकि वे डेली बजट अखबार नहीं पढ़ते थे। लेकिन मैंने इस विकल्प को जोखिम भरा समझकर छोड़ दिया, इसलिए मैंने अपनी सबसे अच्छी टोपी पहनी और उदास मन से गांव की ओर चल पड़ा, ताकि हम अपने गुस्से में भरे दुकानदार से बात कर सकें।

डेली बजट का रिपोर्टर ही इकलौता नौजवान था जो कभी हमारे घर आया था। कई बार मुझे हमारी छोटी नौकरानी एमिली से ईर्ष्या होती थी, जो मौका मिलते ही किसी बड़े नाविक के साथ बाहर चली जाती थी, जिससे उसकी सगाई हुई थी। कभी-कभी, जैसा कि वह कहती थी, "अपना हाथ थामे रखने" के लिए वह सब्जीवाले के नौजवान और दवाखाने के सहायक के साथ भी बाहर चली जाती थी। मैं उदास होकर सोचती थी कि मेरे पास "अपना हाथ थामे रखने" के लिए कोई नहीं है। पापा के सभी दोस्त उम्रदराज प्रोफेसर थे—आमतौर पर लंबी दाढ़ी वाले। यह सच है कि प्रोफेसर पीटरसन ने एक बार मुझे प्यार से गले लगाया और कहा कि मेरी "कमर पतली" है और फिर मुझे चूमने की कोशिश की। सिर्फ इस वाक्य से ही उनकी उम्र का पता चल जाता है। जब मैं छोटी थी तब से किसी भी स्वाभिमानी महिला की "कमर पतली" नहीं रही है। मुझे रोमांच, प्रेम और रोमांस की तीव्र इच्छा थी, और ऐसा लगता था मानो मेरा जीवन नीरस और उपयोगहीन हो गया हो। गाँव में एक पुस्तकालय था, जो फटी-पुरानी

कहानियों से भरा था, और मैं दूसरों से सुनी कहानियों के माध्यम से ही खतरों और प्रेम प्रसंगों का आनंद लेता था। मैं सोते समय गंभीर, शांत रोडेशियनों और उन बलवान पुरुषों के सपने देखता था जो हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वी को एक ही प्रहार में नॉकआउट कर देते थे। गाँव में ऐसा कोई भी नहीं था जो देखने में भी ऐसा लगे कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी को एक ही प्रहार में, चाहे कई प्रहारों में, नॉकआउट कर सकता है। वहाँ किनेमा भी था, जहाँ हर हफ़्ते "द पेरिल्स ऑफ़ पामेला" का एक एपिसोड आता था। पामेला एक शानदार युवती थी। उसे किसी चीज़ से डर नहीं लगता था। वह हवाई जहाज़ से गिर जाती, पनडुब्बियों में रोमांचक यात्राएँ करती, गगनचुंबी इमारतों पर चढ़ जाती और बिना किसी डर के पाताल लोक में घूमती रहती। वह उतनी चालाक नहीं थी, पाताल लोक का सरगना उसे हर बार पकड़ लेता था, लेकिन क्योंकि वह उसे आसानी से सज़ा देने से कतराता था, और हमेशा उसे सीवर-गैस चैंबर में या किसी नए और चमत्कारी तरीके से मौत के घाट उतार देता था, इसलिए हीरो अगले हफ़्ते के एपिसोड की शुरुआत में उसे हमेशा बचा लेता था। मैं अक्सर चक्कर खाकर बाहर आता था—और फिर घर पहुँचकर देखता तो गैस कंपनी का एक नोटिस मिलता था जिसमें बकाया बिल का भुगतान न करने पर गैस कनेक्शन काटने की धमकी दी जाती थी!

और फिर भी, हालांकि मुझे इसका अंदाजा नहीं था, हर पल रोमांच को मेरे करीब ला रहा था।

हो सकता है कि दुनिया में ऐसे कई लोग हों जिन्होंने उत्तरी रोडेशिया की ब्रोकन हिल खदान में मिली एक प्राचीन खोपड़ी के बारे में कभी सुना ही न हो। एक सुबह जब मैं नीचे आया तो देखा कि पापा बहुत ज़्यादा उत्साहित थे। उन्होंने मुझे पूरी कहानी सुना दी।

“तुम समझ रही हो, ऐनी? जावा की खोपड़ी से कुछ समानताएँ तो हैं, लेकिन सतही तौर पर—सिर्फ़ सतही तौर पर। नहीं, यहाँ हमारे पास वही है जो मैं हमेशा से कहता आया हूँ—नियंडरथल जाति का पूर्वज रूप। तुम मानती हो कि जिब्राल्टर की खोपड़ी अब तक मिली नियंडरथल खोपड़ियों में सबसे आदिम है? क्यों? इस जाति का उद्गम स्थल अफ्रीका था। वे यूरोप पहुँचे—”

“पापा, किपर्स पर मुरब्बा नहीं,” मैंने जल्दी से कहा और अपने माता-पिता के अनमने हाथ को रोका। “जी हाँ, तुम्हारा यही मतलब था?”

वे यूरोप के लिए रवाना हुए——”
यहां उसे घुटन का एक गंभीर दौरा पड़ा, जो मछली की हड्डियों के अत्यधिक निवाले का परिणाम था।
“लेकिन हमें तुरंत निकलना होगा,” भोजन समाप्त होते ही उठते हुए उन्होंने घोषणा की। “समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। हमें तुरंत वहाँ पहुँचना होगा—निस्संदेह आस-पास अनगिनत चीज़ें मिलेंगी। मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि क्या ये औज़ार मौस्टेरियन काल के हैं—मुझे लगता है कि आदिम बैल के अवशेष तो मिलेंगे, लेकिन ऊनी गैंडे के नहीं। हाँ, एक छोटी सी सेना जल्द ही रवाना होगी। हमें उनसे आगे निकलना होगा। ऐनी, तुम आज कुक को पत्र लिखोगी?”
“पैसों का क्या होगा, पापा?” मैंने धीरे से इशारा किया।
उसने तिरस्कार भरी दृष्टि से मुझे देखा।
“तुम्हारा दृष्टिकोण मुझे हमेशा निराश करता है, मेरे बच्चे। हमें नीच नहीं होना चाहिए। नहीं, नहीं, विज्ञान के हित में नीच नहीं होना चाहिए।”
मुझे लगता है कि कुक का खाना घिनौना हो सकता है, पापा।
पापा दुखी दिख रहे थे।
"मेरी प्यारी ऐनी, तुम उन्हें नकद भुगतान करोगी।"
मेरे पास कोई नकद राशि नहीं है।
पापा बेहद परेशान दिख रहे थे।
“मेरे बच्चे, मुझे इन फालतू पैसों के विवरणों में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है। बैंक से मुझे कल मैनेजर का एक पत्र मिला था, जिसमें लिखा था कि मेरे पास सत्ताईस पाउंड हैं।”
"मुझे लगता है कि यह आपका ओवरड्राफ्ट है।"
“अरे, मुझे मिल गया! मेरे प्रकाशकों को लिखो।”
मैंने संशय के साथ सहमति दी, क्योंकि पापा की किताबों से पैसों से ज़्यादा शोहरत मिलती थी। मुझे रोडेशिया जाने का विचार बहुत अच्छा लगा। "कठोर और शांत स्वभाव के लोग," मैंने उत्साह में मन ही मन कहा। तभी मेरे माता-पिता के रूप-रंग में कुछ ऐसा दिखा जो मुझे असामान्य लगा।
“पापा, आपने अलग-अलग रंग के जूते पहने हैं,” मैंने कहा। “भूरे रंग का जूता उतारिए और काला वाला पहन लीजिए। और साइलेंसर लगाना मत भूलिएगा। आज

बहुत ठंड है।”
कुछ ही मिनटों में पापा सही ढंग से बूट पहने और अच्छी तरह से साइलेंसर लगाए हुए वहां से चले गए।
वह उस शाम देर से लौटा, और मुझे यह देखकर बहुत निराशा हुई कि उसका मफलर और ओवरकोट गायब थे।
"अरे वाह, ऐनी, तुम बिल्कुल सही कह रही हो। मैंने गुफा में जाने के लिए उन्हें उतार दिया था। वहां बहुत गंदगी हो जाती है।"
मैंने भावुक होकर सिर हिलाया, मुझे वह अवसर याद आ गया जब पापा सिर से पैर तक समृद्ध प्लीओसीन मिट्टी से सने हुए लौटे थे।
लिटिल हैम्प्सली में बसने का हमारा मुख्य कारण हैम्प्सली कैवर्न का इलाका था, जो एक दबी हुई गुफा थी जिसमें ऑरिग्नेशियन संस्कृति के अवशेष प्रचुर मात्रा में पाए जाते थे। हमारे गाँव में एक छोटा सा संग्रहालय था, और क्यूरेटर और पापा अपना अधिकांश समय भूमिगत रहकर ऊनी गैंडे और गुफा भालू के अवशेषों को बाहर निकालने में बिताते थे।
पापा को पूरी शाम बहुत खांसी आती रही, और अगली सुबह मैंने देखा कि उन्हें बुखार था, इसलिए मैंने डॉक्टर को बुलवाया।
बेचारे पापा, उनके बचने की कोई उम्मीद ही नहीं थी। उन्हें दोहरी निमोनिया हो गई थी। चार दिन बाद उनका निधन हो गया।

अध्याय II

सब लोग मेरे प्रति बहुत दयालु थे। मैं स्तब्ध थी, फिर भी मैंने उनकी दयालुता को सराहा। मुझे कोई गहरा दुख नहीं हुआ। पापा ने मुझे कभी प्यार नहीं किया था, यह मैं अच्छी तरह जानती थी। अगर उन्होंने किया होता, तो शायद मैं भी उन्हें बदले में प्यार करती। नहीं, हमारे बीच प्यार नहीं था, लेकिन हम एक-दूसरे के लिए बने थे, और मैंने उनकी देखभाल की थी, और उनकी विद्वत्ता और विज्ञान के प्रति उनके अटूट समर्पण की मैं मन ही मन प्रशंसा करती थी। और मुझे इस बात का बहुत दुख हुआ कि पापा का निधन ठीक उस समय हुआ जब उनके जीवन में रुचि अपने चरम पर थी। अगर मैं उन्हें किसी गुफा में, बारहसिंगा के चित्रों और पत्थर के औजारों के साथ दफना पाती,

तो मुझे अधिक खुशी होती, लेकिन जनमत के दबाव के कारण हमारे बदसूरत स्थानीय कब्रिस्तान में एक साफ-सुथरी कब्र (संगमरमर की पटिया के साथ) ही बनवानी पड़ी। पादरी की सांत्वनाएँ, हालांकि नेक इरादे से दी गई थीं, लेकिन उनसे मुझे जरा भी सांत्वना नहीं मिली।

मुझे यह समझने में कुछ समय लगा कि जिस चीज़ की मुझे हमेशा से चाह थी—आज़ादी—वह आखिरकार मेरी हो गई थी। मैं अनाथ थी, लगभग कंगाल थी, लेकिन आज़ाद थी। उसी समय मुझे इन सभी भले लोगों की असाधारण दयालुता का एहसास हुआ। पादरी ने मुझे समझाने की पूरी कोशिश की कि उनकी पत्नी को एक सहायक की सख्त ज़रूरत है। हमारे छोटे से स्थानीय पुस्तकालय ने अचानक एक सहायक लाइब्रेरियन रखने का फैसला किया। अंत में, डॉक्टर मुझसे मिलने आए, और बिल न भेजने के कई हास्यास्पद बहाने बनाने के बाद, उन्होंने काफी सोच-विचार किया और अचानक सुझाव दिया कि मुझे उनसे शादी कर लेनी चाहिए।

मैं बहुत हैरान थी। डॉक्टर तीस से ज़्यादा चालीस के करीब लग रहे थे, और गोल-मटोल, छोटे कद के आदमी थे। वे "द पेरिल्स ऑफ पामेला" के हीरो जैसे बिलकुल नहीं थे, और एक गंभीर और शांत रोडेशियन तो बिल्कुल भी नहीं। मैंने एक मिनट सोचा और फिर उनसे पूछा कि वे मुझसे शादी क्यों करना चाहते हैं। इससे वे काफी घबरा गए और धीरे से बोले कि एक पत्नी एक जनरल प्रैक्टिशनर के लिए बहुत बड़ी मदद होती है। यह प्रस्ताव पहले से भी ज़्यादा अरुचिकर लग रहा था, फिर भी मेरे मन में इसे स्वीकार करने की इच्छा जाग रही थी। सुरक्षा, यही तो मुझे दिया जा रहा था। सुरक्षा—और एक आरामदायक घर। अब सोचती हूँ तो लगता है मैंने उस छोटे कद के आदमी के साथ अन्याय किया। वे सचमुच मुझसे प्यार करते थे, लेकिन एक गलत झिझक ने उन्हें खुलकर अपनी बात कहने से रोक दिया। खैर, रोमांस के प्रति मेरा प्रेम विद्रोह कर गया।

मैंने कहा, "आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी है। लेकिन यह नामुमकिन है। मैं किसी ऐसे पुरुष से शादी नहीं कर सकती जिससे मैं बेइंतहा प्यार न करती हो।"

“आपको नहीं लगता कि—?”

“नहीं, मैं नहीं करता,” मैंने दृढ़ता से कहा।

उसने आह भरी।

लेकिन, मेरे प्यारे बच्चे, तुम क्या करने का इरादा रखते हो?

मैंने बिना किसी झिझक के जवाब दिया, "साहसिक यात्राएं करो और दुनिया देखो।"
“मिस ऐनी, आप अभी भी बहुत बच्ची हैं। आप समझ नहीं पातीं—”
“व्यावहारिक कठिनाइयाँ? जी हाँ, डॉक्टर साहब। मैं कोई भावुक स्कूली छात्रा नहीं हूँ —मैं एक कठोर दिमाग वाली, लालची और झगड़ालू औरत हूँ! अगर आप मुझसे शादी करेंगे तो आपको पता चल जाएगा!”
काश आप पुनर्विचार कर लेते—
"मैं नहीं कर सकता।"
उसने फिर आह भरी।
“मेरे पास एक और प्रस्ताव है। मेरी एक चाची वेल्स में रहती हैं और उन्हें मदद के लिए एक युवती की आवश्यकता है। क्या यह प्रस्ताव आपको पसंद आएगा?”
“नहीं, डॉक्टर साहब, मैं लंदन जा रहा हूँ। अगर कहीं कुछ घटित होता है, तो वो लंदन में ही होता है। मैं सतर्क रहूँगा और आप देखेंगे, कुछ न कुछ तो पता चलेगा! अगली बार आप मेरे बारे में चीन या टिम्बकटू में सुनेंगे।”
मेरे अगले आगंतुक श्री फ्लेमिंग थे, जो पापा के लंदन स्थित वकील थे। वे मुझसे मिलने के लिए विशेष रूप से शहर से आए थे। स्वयं एक उत्साही मानवविज्ञानी होने के नाते, वे पापा की रचनाओं के बहुत बड़े प्रशंसक थे। वे लंबे, दुबले-पतले, पतले चेहरे और भूरे बालों वाले व्यक्ति थे। जैसे ही मैं कमरे में दाखिल हुई, वे मेरा अभिवादन करने के लिए उठे और मेरे दोनों हाथों को अपने हाथों में लेकर स्नेहपूर्वक थपथपाया।
“मेरा बेचारा बच्चा,” उसने कहा। “मेरा बेचारा, बेचारा बच्चा।”
बिना किसी दिखावे के, मैंने खुद को एक अनाथ और शोकग्रस्त लड़की के रूप में ढाल लिया। उसने मुझे सम्मोहित कर लिया था। वह दयालु, विनम्र और पिता तुल्य था— और उसे ज़रा भी शक नहीं था कि वह मुझे एक निर्दयी दुनिया में अकेली पड़ी हुई एक नासमझ लड़की समझता था। शुरू से ही मुझे लगा कि उसे इसके विपरीत समझाने की कोशिश करना सरासर व्यर्थ है। जैसा कि बाद में पता चला, शायद यह अच्छा ही हुआ कि मैंने ऐसा नहीं किया।
"मेरे प्यारे बच्चे, क्या तुम मेरी बात सुन पाओगे जब मैं तुम्हें कुछ बातें समझाने की कोशिश करूँ?"
"ओह हां।"

“जैसा कि आप जानते हैं, आपके पिता एक बहुत महान व्यक्ति थे। आने वाली पीढ़ियां उनकी सराहना करेंगी। लेकिन वे एक अच्छे व्यापारी नहीं थे।”
मुझे यह बात श्री फ्लेमिंग से कम नहीं, बल्कि उनसे बेहतर ही पता थी, लेकिन मैंने ऐसा कहने से खुद को रोक लिया। उन्होंने आगे कहा:
मुझे नहीं लगता कि आपको इन मामलों की ज्यादा समझ है। मैं यथासंभव स्पष्ट रूप से समझाने का प्रयास करूंगा।
उन्होंने अनावश्यक रूप से लंबा-चौड़ा स्पष्टीकरण दिया। अंततः मुझे 87 पाउंड, 17 शिलिंग, 4 पेंस की राशि के साथ जीवन का सामना करना पड़ा। यह राशि मुझे कुछ हद तक असंतोषजनक लगी। मैं कुछ घबराहट के साथ आगे क्या होगा, इसका इंतजार कर रहा था। मुझे डर था कि मिस्टर फ्लेमिंग की स्कॉटलैंड में कोई चाची जरूर होंगी जिन्हें एक प्रतिभाशाली युवा साथी की आवश्यकता होगी। लेकिन जाहिर तौर पर, ऐसा नहीं था।
उन्होंने आगे कहा, “सवाल यह है कि भविष्य का क्या होगा। मुझे पता चला है कि आपके कोई जीवित रिश्तेदार नहीं हैं?”
मैंने कहा, "मैं दुनिया में अकेली हूँ," और मुझे एक बार फिर से फिल्म की नायिका से अपनी समानता का अहसास हुआ।
“क्या आपके दोस्त हैं?”
मैंने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, "सभी लोग मेरे प्रति बहुत दयालु रहे हैं।"
“इतनी कम उम्र और आकर्षक लड़की के प्रति कौन दयालु नहीं होगा?” श्री फ्लेमिंग ने बड़े ही विनम्र लहजे में कहा। “अच्छा, अच्छा, मेरी प्यारी, हमें देखना होगा कि क्या किया जा सकता है।” वे एक मिनट के लिए हिचकिचाए, और फिर बोले: “मान लीजिए—अगर आप कुछ समय के लिए हमारे पास आ जाएं तो कैसा रहेगा?”
मैंने इस मौके को तुरंत लपक लिया। लंदन! घटनाओं के लिए सबसे अच्छी जगह।
मैंने कहा, "आपकी बहुत मेहरबानी है। क्या मैं सचमुच आ सकता हूँ? बस जब तक मैं आस-पास देख रहा हूँ। मुझे अपनी रोजी-रोटी कमाना शुरू करना है, आप जानते हैं ना?"
“जी हां, मेरे प्यारे बच्चे। मैं अच्छी तरह समझती हूं। हम कुछ उपयुक्त चीज़ ढूंढेंगे।”
मुझे सहज रूप से यह महसूस हुआ कि श्री फ्लेमिंग के "कुछ उपयुक्त" के विचार और मेरे विचार काफी भिन्न होने की संभावना है, लेकिन निश्चित रूप से यह अपने विचार

व्यक्त करने का सही समय नहीं था।
“तो फिर बात पक्की हो गई। आज ही मेरे साथ वापस क्यों नहीं चलते?”
“ओह, धन्यवाद, लेकिन क्या श्रीमती फ्लेमिंग——”
मेरी पत्नी आपका स्वागत करके बहुत प्रसन्न होगी।
मुझे आश्चर्य होता है कि क्या पति अपनी पत्नियों के बारे में उतना जानते हैं जितना वे सोचते हैं। अगर मेरा पति होता, तो मैं उससे यह नफरत करती कि वह मुझसे पहले सलाह लिए बिना अनाथ बच्चों को घर ले आए।
वकील ने आगे कहा, "हम थाने से उसे एक तार भेजेंगे।"
मेरा थोड़ा-बहुत निजी सामान जल्दी से पैक हो गया। टोपी पहनने से पहले मैंने उसे उदास निगाहों से देखा। असल में, यह एक ऐसी टोपी थी जिसे मैं "मैरी" टोपी कहती हूँ, यानी ऐसी टोपी जो घर की नौकरानी को बाहर घूमने जाते समय पहननी चाहिए—लेकिन पहनती नहीं! काले भूसे की एक ढीली-ढाली टोपी, जिसका किनारा भी थोड़ा दबा हुआ था। एक अनोखे विचार से प्रेरित होकर, मैंने इसे एक बार लात मारी, दो बार घूंसा मारा, इसके ऊपरी हिस्से में गड्ढा कर दिया और इस पर एक ऐसी चीज़ चिपका दी जो किसी क्यूबिस्ट कलाकार के जैज़ गाजर के सपने जैसी लग रही थी। नतीजा बेहद आकर्षक था। गाजर तो मैंने पहले ही हटा दी थी, और अब मैं अपनी बाकी की कारीगरी को खोलने में जुट गई। "मैरी" टोपी अपने पुराने रूप में लौट आई, और पहले से भी ज़्यादा जर्जर दिखने लगी, जिससे वह पहले से भी ज़्यादा उदास लग रही थी। मैं जितना हो सके एक अनाथ की आम धारणा जैसी दिखना चाहती थी। मुझे श्रीमती फ्लेमिंग के स्वागत को लेकर थोड़ी घबराहट थी, लेकिन उम्मीद थी कि मेरा पहनावा उन पर काफी असर डालेगा।
मिस्टर फ्लेमिंग भी घबराए हुए थे। यह बात मुझे तब समझ आई जब हम शांत केंसिंग्टन स्क्वायर में स्थित उस ऊंचे मकान की सीढ़ियों पर चढ़ रहे थे। मिसेज़ फ्लेमिंग ने मेरा बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से स्वागत किया। वह एक मजबूत कद-काठी वाली, शांत स्वभाव की महिला थीं, जो एक आदर्श पत्नी और माँ की तरह थीं। वह मुझे एक बेदाग, साफ-सुथरे, चकोतरा से सजे शयनकक्ष में ले गईं, उम्मीद जताई कि मुझे मेरी सभी ज़रूरतें पूरी हो गई हैं, मुझे बताया कि चाय लगभग पंद्रह मिनट में तैयार हो जाएगी, और फिर मुझे मेरे हाल पर छोड़ दिया।
मैंने उसकी आवाज सुनी, जो थोड़ी ऊंची थी, जब वह पहली मंजिल पर नीचे वाले

ड्राइंग रूम में दाखिल हुई।
“अच्छा, हेनरी, आखिर क्यों——” बाकी का शब्द मैं सुन नहीं पाया, लेकिन लहजे में कड़वाहट साफ झलक रही थी। और कुछ मिनट बाद एक और वाक्य मेरे कानों में गूंजा, और भी तीखे लहजे में:
मैं आपसे सहमत हूँ! वह वाकई बहुत खूबसूरत है।
यह वाकई बहुत कठिन जीवन है। अगर आप सुंदर नहीं हैं तो पुरुष आपके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करेंगे, और अगर आप सुंदर हैं तो महिलाएं आपके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करेंगी।
एक गहरी आह भरकर मैंने अपने बालों को संवारना शुरू किया। मेरे बाल अच्छे हैं। काले हैं—एकदम काले, गहरे भूरे नहीं, और माथे से लेकर कानों तक लंबे हैं। मैंने बेरहमी से उन्हें ऊपर की ओर खींचा। कानों के हिसाब से मेरे कान ठीक-ठाक हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि आजकल कान फैशन से बाहर हो गए हैं। वे प्रोफेसर पीटरसन के ज़माने में "स्पेन की रानी के पैरों" जैसे लगते हैं। जब मैंने काम खत्म किया, तो मैं लगभग उस अनाथ बच्चे जैसी लग रही थी जो छोटी सी टोपी और लाल लबादा ओढ़कर कतार में चलता है।
जब मैं नीचे उतरी तो मैंने देखा कि श्रीमती फ्लेमिंग की निगाहें बड़ी ही स्नेह भरी नज़र से मेरे खुले कानों पर टिकी हुई थीं। श्री फ्लेमिंग असमंजस में लग रहे थे। मुझे पूरा यकीन था कि वे मन ही मन सोच रहे होंगे, "बच्ची ने अपने साथ क्या कर लिया है?" कुल मिलाकर दिन का बाकी हिस्सा ठीक-ठाक बीता। यह तय हो गया था कि मुझे तुरंत कुछ काम ढूंढना शुरू करना है।
जब मैं सोने गई, तो शीशे में अपना चेहरा बड़ी ध्यान से देखती रही। क्या मैं सचमुच सुंदर थी? सच कहूँ तो, मुझे ऐसा नहीं लगता था! मेरी नाक न तो ग्रीक जैसी सीधी थी, न ही मेरे होंठ गुलाब की कली जैसे, या वो सब कुछ जो सुंदर दिखने के लिए ज़रूरी होता है। यह सच है कि एक पादरी ने मुझसे एक बार कहा था कि मेरी आँखें "घने जंगल में कैद धूप" जैसी हैं—लेकिन पादरियों को हमेशा बहुत सारे मुहावरे याद रहते हैं और वे उन्हें बेतरतीब ढंग से बोलते रहते हैं। मुझे पीले धब्बों वाली गहरी हरी आँखों के बजाय आयरिश नीली आँखें ज़्यादा पसंद होतीं! फिर भी, हरा रंग साहसी महिलाओं के लिए अच्छा रंग है।
मैंने अपने चारों ओर एक काला वस्त्र कसकर लपेट लिया, जिससे मेरे हाथ और कंधे

खुले रह गए। फिर मैंने अपने बालों को पीछे की ओर कंघी करके कानों तक नीचे खींच लिया। मैंने अपने चेहरे पर खूब सारा पाउडर लगाया, जिससे मेरी त्वचा पहले से भी ज़्यादा सफेद दिखने लगी। मैंने इधर-उधर खोजते हुए एक पुरानी लिपस्टिक ढूंढी और उसे अपने होठों पर खूब लगा लिया। फिर मैंने अपनी आंखों के नीचे जली हुई कॉर्क से लिपस्टिक लगाई। अंत में, मैंने अपने नंगे कंधे पर एक लाल रिबन लपेटा, बालों में एक लाल पंख लगाया और मुंह के एक कोने में सिगरेट रख ली। यह सब मुझे बहुत अच्छा लगा।

"एना द एडवेंचरस," मैंने अपनी परछाई की ओर इशारा करते हुए ज़ोर से कहा। "एना द एडवेंचरस। एपिसोड 1, 'द हाउस इन केंसिंग्टन'!"

लड़कियाँ मूर्ख वस्तुएँ होती हैं।

अध्याय III

अगले कुछ हफ्तों में मैं काफी ऊब गया था।

श्रीमती फ्लेमिंग और उनकी सहेलियाँ मुझे बेहद नीरस लगती थीं। वे घंटों अपनी और अपने बच्चों की बातें करती रहतीं, बच्चों के लिए अच्छा दूध मिलने की मुश्किलों के बारे में बतातीं, और यह भी बतातीं कि दूध खराब होने पर उन्होंने डेयरी से क्या कहा। फिर वे नौकरों की बात करने लगतीं, अच्छे नौकर मिलने की दिक्कतों के बारे में बतातीं, और यह भी कि उन्होंने रजिस्ट्री ऑफिस की महिला से क्या कहा और रजिस्ट्री ऑफिस की महिला ने उनसे क्या कहा। ऐसा लगता था जैसे वे कभी अखबार नहीं पढ़ती थीं या दुनिया में क्या चल रहा है, इसकी उन्हें कोई परवाह नहीं थी। उन्हें यात्रा करना पसंद नहीं था— वहाँ सब कुछ इंग्लैंड से बिल्कुल अलग था। बेशक, रिवेरा ठीक था, क्योंकि वहाँ तो सारे दोस्त मिल ही जाते थे।

मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी भावनाओं को काबू में रखते हुए उनकी बातें सुनीं। इनमें से अधिकतर महिलाएं अमीर थीं। पूरी दुनिया उनके लिए खुली थी, पर वे जानबूझकर गंदे और नीरस लंदन में ही रहीं और दूधवालों व नौकरों के बारे में बातें करती रहीं! अब पीछे मुड़कर देखने पर मुझे लगता है कि शायद मैं थोड़ी असहिष्णु थी। लेकिन वे मूर्ख थीं—अपने चुने हुए काम में भी मूर्ख: उनमें से अधिकतर अपने घर के हिसाब-किताब बेहद ही अपर्याप्त और अव्यवस्थित रखती थीं।

मेरे काम में कोई खास प्रगति नहीं हुई। घर और फर्नीचर बिक चुके थे, और उससे

मिली रकम से बस हमारे सारे कर्ज़ ही पूरे हुए थे। अभी तक मुझे कोई नौकरी नहीं मिली थी। वैसे मुझे नौकरी की कोई खास चाहत भी नहीं थी! मुझे पूरा यकीन था कि अगर मैं रोमांच की तलाश में निकलूँगी, तो रोमांच मुझे अपने आप मिल जाएगा। मेरा मानना है कि इंसान को हमेशा वही मिलता है जो वह चाहता है। और अब मेरा यह सिद्धांत सच साबित होने वाला था।

जनवरी की शुरुआत थी—ठीक कहें तो 8 तारीख। मैं एक महिला के साथ असफल साक्षात्कार से लौट रहा था, जिसने कहा कि उसे एक सेक्रेटरी-साथी चाहिए, लेकिन असल में उसे एक ऐसी मेहनती सफाईकर्मी की ज़रूरत थी जो साल में 25 पाउंड के वेतन पर दिन में बारह घंटे काम कर सके। आपसी कुछ दबी-छिपी हुई असभ्यताओं के साथ विदा होने के बाद, मैं एडगवेयर रोड (साक्षात्कार सेंट जॉन्स वुड के एक घर में हुआ था) से होते हुए हाइड पार्क पार करके सेंट जॉर्ज अस्पताल पहुँचा। वहाँ मैंने हाइड पार्क कॉर्नर ट्यूब स्टेशन में प्रवेश किया और ग्लूसेस्टर रोड के लिए टिकट लिया।

प्लेटफ़ॉर्म पर पहुँचते ही मैं उसके बिल्कुल आखिरी छोर तक चला गया। मेरा जिज्ञासु मन यह जानना चाहता था कि क्या स्टेशन के ठीक आगे डाउन स्ट्रीट की दिशा में दो सुरंगों के बीच वाकई कोई रास्ता है या नहीं। मुझे यह जानकर मूर्खतापूर्ण खुशी हुई कि मेरा अनुमान सही था। प्लेटफ़ॉर्म पर ज़्यादा लोग नहीं थे, और बिल्कुल आखिरी छोर पर सिर्फ़ मैं और एक आदमी था। जब मैं उसके पास से गुज़रा, तो मैंने संदेह से सूंघा। अगर कोई एक गंध है जिसे मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता, तो वह है नेफ़्थलीन की गोलियों की गंध! इस आदमी के भारी ओवरकोट से तो नेफ़्थलीन की गोलियों की ही बदबू आ रही थी। जबकि ज़्यादातर लोग जनवरी से पहले ही अपने सर्दियों के ओवरकोट पहनना शुरू कर देते हैं, और इसलिए इस समय तक तो गंध कम हो जानी चाहिए थी। वह आदमी मुझसे आगे सुरंग के किनारे के पास खड़ा था। वह सोच में डूबा हुआ लग रहा था, और मैं बिना किसी अभद्रता के उसे घूर सकता था। वह एक छोटा, पतला आदमी था, जिसका चेहरा गहरा भूरा था, उसकी आँखें हल्की नीली थीं और उसकी छोटी, काली दाढ़ी थी।

मैंने अनुमान लगाया, “शायद विदेश से आया होगा। इसीलिए उसके ओवरकोट से इतनी बदबू आ रही है। वो भारत से आया होगा। कोई पुलिस अधिकारी नहीं होगा, वरना दाढ़ी नहीं रखता। शायद चाय बागान मालिक होगा।”

इसी क्षण वह व्यक्ति मुड़ा, मानो प्लेटफार्म पर अपने कदम पीछे हटाना चाहता हो। उसने मेरी ओर देखा और फिर उसकी नज़र मेरे पीछे किसी चीज़ पर पड़ी, और उसका चेहरा बदल गया। वह भय से विकृत हो गया था—लगभग घबराहट से। वह एक कदम पीछे हट गया, मानो अनजाने में किसी खतरे से पीछे हट रहा हो, यह भूलकर कि वह प्लेटफार्म के बिल्कुल किनारे पर खड़ा है, और नीचे गिर गया।

रेल की पटरी से एक तेज रोशनी चमकी और चटकने की आवाज आई। मैं चीख पड़ी। लोग दौड़ते हुए आए। स्टेशन के दो अधिकारी अचानक कहीं से प्रकट हुए और कमान संभाल ली।

मैं वहीं जम गया, एक अजीब से आकर्षण के कारण वहीं खड़ा रह गया। मेरा एक हिस्सा अचानक हुई इस दुर्घटना से भयभीत था, और दूसरा हिस्सा उस आदमी को चलती पटरी से उठाकर वापस प्लेटफार्म पर लाने के लिए इस्तेमाल किए गए तरीकों में शांत और तटस्थ रूप से दिलचस्पी ले रहा था।

मुझे जाने दीजिए, कृपया। मैं एक चिकित्सक हूँ।

भूरी दाढ़ी वाला एक लंबा आदमी मेरे पास से गुजरा और उस बेजान शरीर पर झुक गया।

जैसे ही उन्होंने उसकी जांच की, मुझे एक अजीब सी अवास्तविकता का अहसास हुआ। वह चीज़ वास्तविक नहीं थी—हो ही नहीं सकती थी। अंत में, डॉक्टर सीधे खड़े हुए और उन्होंने अपना सिर हिलाया।

“पूरी तरह से मृत। कुछ नहीं किया जा सकता।”

हम सब पास आकर जमा हो गए थे, और एक नाराज कुली ने अपनी आवाज ऊंची कर दी।

“तो फिर, ज़रा पीछे हट जाओ, क्या तुम? भीड़ लगाने का क्या मतलब है?”

अचानक मुझे मतली होने लगी और मैं घबराकर मुड़ी और लिफ्ट की ओर सीढ़ियों पर दौड़ने लगी। मुझे लगा कि यह बहुत भयानक था। मुझे खुली हवा में निकलना ही था। शव की जांच करने वाला डॉक्टर मुझसे थोड़ा आगे था। लिफ्ट ऊपर जाने ही वाली थी, दूसरी लिफ्ट नीचे आ चुकी थी, और वह दौड़ने लगा। दौड़ते समय उसके हाथ से एक कागज़ गिर गया।

मैं रुका, उसे उठाया और उसके पीछे भागा। लेकिन लिफ्ट के दरवाज़े मेरे चेहरे पर ज़ोर से बंद हो गए और कागज़ मेरे हाथ में ही रह गया। जब तक दूसरी लिफ्ट सड़क

पर पहुँची, तब तक मेरे शिकार का कोई अता-पता नहीं था। मुझे उम्मीद थी कि उसने कोई ज़रूरी चीज़ न खोई हो, और पहली बार मैंने उसे ध्यान से देखा।
यह एक सादा आधा पन्ना था जिस पर पेंसिल से कुछ अंक और शब्द उकेरे गए थे। यह उसकी एक प्रतिकृति है:

देखने में तो यह बिल्कुल भी महत्वपूर्ण नहीं लग रहा था। फिर भी, इसे फेंकने में मुझे झिझक हो रही थी। जब मैं इसे पकड़े वहीं खड़ा था, तो अनायास ही मेरी नाक नाखुशी से सिकुड़ गई। फिर से कपूर की गोलियां! मैंने कागज को धीरे से अपनी नाक के पास ले जाकर देखा। हाँ, इसमें कपूर की तेज़ गंध आ रही थी। लेकिन फिर—
मैंने कागज को सावधानी से मोड़कर अपने बैग में रख लिया। मैं धीरे-धीरे घर की ओर चलने लगा और काफी सोच-विचार करता रहा।
मैंने श्रीमती फ्लेमिंग को बताया कि मैंने ट्यूब में एक भयानक दुर्घटना देखी है और मैं काफी परेशान हूँ, इसलिए मैं अपने कमरे में जाकर लेट जाऊँगी। उस दयालु महिला ने मुझे चाय पीने के लिए कहा। उसके बाद मुझे अकेला छोड़ दिया गया, और मैंने घर आकर जो योजना बनाई थी, उसे पूरा करना शुरू कर दिया। मैं यह जानना चाहती थी कि डॉक्टर द्वारा शव की जाँच करते समय मुझे जो अजीब सा अवास्तविक सा एहसास हुआ था, वह क्या था। पहले मैं शव की मुद्रा में फर्श पर लेट गई, फिर मैंने अपनी जगह एक तकिया रख लिया, और जहाँ तक मुझे याद था, डॉक्टर की हर हरकत और हावभाव को दोहराने लगी। जब मैंने यह सब कर लिया, तो मुझे वह मिल गया जो मैं चाहती थी। मैं अपनी एड़ियों पर बैठ गई और सामने की दीवारों को घूरने लगी।
शाम के अखबारों में एक संक्षिप्त सूचना छपी थी कि ट्यूब में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, और यह संदेह व्यक्त किया गया था कि यह आत्महत्या थी या दुर्घटना। मुझे लगा कि इससे मेरा कर्तव्य स्पष्ट हो गया है, और जब श्री फ्लेमिंग ने मेरी कहानी सुनी तो वे मुझसे पूरी तरह सहमत हुए।
“निश्चित रूप से पूछताछ में आपकी आवश्यकता होगी। आपका कहना है कि जो कुछ

हुआ उसे देखने के लिए कोई और वहां मौजूद नहीं था?"
मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि कोई मेरे पीछे से आ रहा है, लेकिन मैं निश्चित नहीं कह सकता—और वैसे भी, वे मेरे जितने करीब नहीं होंगे।
जांच हुई। श्री फ्लेमिंग ने सारी व्यवस्था की और मुझे अपने साथ वहां ले गए। उन्हें डर था कि यह मेरे लिए बहुत कठिन समय होगा, और मुझे उनसे अपनी पूर्ण शांति छुपानी पड़ी।
मृतक की पहचान एल. बी. कार्टन के रूप में हुई थी। उसकी जेब से केवल एक मकान एजेंट का आदेश मिला था, जिसमें मार्लो के पास नदी किनारे स्थित एक मकान देखने का निर्देश था। यह मकान एल. बी. कार्टन, रसेल होटल के नाम पर था। होटल के ब्यूरो क्लर्क ने बताया कि वह व्यक्ति एक दिन पहले आया था और उसने इसी नाम से एक कमरा बुक किया था। उसने अपना पंजीकरण एल. बी. कार्टन, किम्बरली, दक्षिण अफ्रीका के रूप में कराया था। जाहिर है, वह सीधे स्टीमर से आया था।
मैं ही एकमात्र व्यक्ति था जिसने इस मामले के बारे में कुछ देखा था।
"क्या आपको लगता है कि यह एक दुर्घटना थी?" कोरोनर ने मुझसे पूछा।
मुझे इस बात का पूरा यकीन है। किसी बात ने उसे डरा दिया और वह बिना सोचे-समझे अंधाधुंध पीछे हट गया।
लेकिन किस बात ने उसे चिंतित किया होगा?
मुझे यह नहीं पता। लेकिन कुछ तो था। वह घबराया हुआ लग रहा था।
एक गंभीर जूरी सदस्य ने सुझाव दिया कि कुछ लोग बिल्लियों से बहुत डरते हैं। हो सकता है उस आदमी ने कोई बिल्ली देखी हो। मुझे उसका सुझाव बहुत अच्छा नहीं लगा, लेकिन जूरी को वह स्वीकार्य लगा, जो जाहिर तौर पर घर जाने के लिए बेचैन थे और आत्महत्या के बजाय दुर्घटना का फैसला सुनाने में सक्षम होने से बेहद खुश थे।
"मेरे लिए यह बेहद आश्चर्यजनक है," कोरोनर ने कहा, "कि शव की पहली बार जांच करने वाले डॉक्टर ने सामने आकर जानकारी नहीं दी है। उस समय उनका नाम और पता दर्ज किया जाना चाहिए था। ऐसा न करना अत्यंत अनियमित था।"
मैं मन ही मन मुस्कुराया। डॉक्टर के बारे में मेरा अपना एक सिद्धांत था। उसी के आधार पर मैंने जल्द से जल्द स्कॉटलैंड यार्ड से संपर्क करने का निश्चय किया।
लेकिन अगली सुबह एक अप्रत्याशित घटना हुई। फ्लेमिंग्स ने दैनिक बजट देखा, और दैनिक बजट अपने ही सिद्धांतों पर खरा उतर रहा था।

ट्यूब दुर्घटना का असाधारण सीक्वल।
एक सुनसान घर में महिला चाकू से घायल पाई गई।
मैं उत्सुकता से पढ़ता हूँ।
कल मार्लो स्थित मिल हाउस में एक सनसनीखेज खोज हुई। मिल हाउस, जो सांसद सर यूस्टेस पेडलर की संपत्ति है, बिना फर्नीचर के किराए पर दिया जाना है। इस संपत्ति को देखने का आदेश उस व्यक्ति की जेब से मिला, जिसके बारे में पहले सोचा गया था कि उसने हाइड पार्क कॉर्नर ट्यूब स्टेशन पर चलती रेल पर कूदकर आत्महत्या कर ली है। कल मिल हाउस के ऊपरी कमरे में एक खूबसूरत युवती का शव मिला, जिसका गला घोंटा गया था। माना जा रहा है कि वह विदेशी थी, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के पास कुछ सुराग होने की खबर है। मिल हाउस के मालिक सर यूस्टेस पेडलर रिवेरा में शीतकालीन अवकाश पर हैं।

अध्याय IV

मृत महिला की पहचान करने के लिए कोई आगे नहीं आया। जांच में निम्नलिखित तथ्य सामने आए।
8 जनवरी को दोपहर एक बजे के कुछ ही समय बाद, हल्के विदेशी लहजे वाली एक सजी-धजी महिला नाइट्सब्रिज स्थित मेसर्स बटलर एंड पार्क के मकान एजेंटों के कार्यालय में दाखिल हुई। उसने बताया कि वह लंदन के नज़दीकी इलाके में टेम्स नदी के किनारे एक मकान किराए पर लेना या खरीदना चाहती है। उसे कई मकानों की जानकारी दी गई, जिनमें मिल हाउस भी शामिल था। उसने अपना नाम श्रीमती डी कास्टिना बताया और पता रिट्ज़ होटल बताया, लेकिन वहाँ उस नाम की कोई महिला नहीं थी और होटल के कर्मचारी शव की पहचान करने में असफल रहे।
सर यूस्टेस पेडलर के माली की पत्नी श्रीमती जेम्स, जो मिल हाउस की देखभाल करती थीं और मुख्य सड़क पर बने छोटे से लॉज में रहती थीं, ने गवाही दी। उस दोपहर लगभग तीन बजे, एक महिला घर देखने आई। उसने घर के एजेंटों का आदेश दिखाया, और हमेशा की तरह श्रीमती जेम्स ने उसे घर की चाबियाँ दे दीं। घर लॉज से कुछ दूरी पर स्थित था, और श्रीमती जेम्स भावी किरायेदारों के साथ जाने की आदी नहीं थीं। कुछ मिनट बाद एक युवक आया। श्रीमती जेम्स ने उसका वर्णन करते हुए

बताया कि वह लंबा और चौड़े कंधों वाला, सांवले चेहरे और हल्के भूरे रंग की आँखों वाला था। उसकी दाढ़ी साफ थी और उसने भूरा सूट पहना हुआ था। उसने श्रीमती जेम्स को बताया कि वह घर देखने आई महिला का दोस्त है, लेकिन डाकघर में एक टेलीग्राम भेजने के लिए रुक गया था। उन्होंने उसे घर का रास्ता बताया और फिर इस बारे में और नहीं सोचा।

पांच मिनट बाद वह फिर आया, चाबियां लौटा दीं और बताया कि उसे डर है कि घर उनके लिए ठीक नहीं रहेगा। श्रीमती जेम्स ने उस महिला को नहीं देखा, बल्कि सोचा कि वह आगे चली गई है। उन्होंने जो बात गौर की, वह यह थी कि वह युवक किसी बात को लेकर बहुत परेशान लग रहा था। “वह ऐसे लग रहा था जैसे उसने भूत देख लिया हो। मुझे लगा जैसे वह बीमार पड़ गया हो।”

अगले दिन एक और महिला और पुरुष संपत्ति देखने आए और उन्होंने ऊपरी मंजिल के एक कमरे में फर्श पर एक शव पड़ा हुआ पाया। श्रीमती जेम्स ने शव की पहचान उस महिला के रूप में की जो एक दिन पहले आई थी। मकान के एजेंटों ने भी शव को "श्रीमती डी कास्टिना" के रूप में पहचाना। पुलिस सर्जन ने अपनी राय दी कि महिला की मृत्यु लगभग चौबीस घंटे पहले हुई थी। डेली बजट ने यह निष्कर्ष निकाल लिया था कि ट्यूब में सवार व्यक्ति ने महिला की हत्या की और बाद में आत्महत्या कर ली। हालांकि, चूंकि ट्यूब में सवार व्यक्ति की मृत्यु दो बजे हुई थी और महिला तीन बजे तक जीवित और स्वस्थ थी, इसलिए एकमात्र तार्किक निष्कर्ष यही निकलता है कि दोनों घटनाओं का आपस में कोई संबंध नहीं था, और मृत व्यक्ति की जेब में मिला मार्लो स्थित मकान देखने का आदेश महज़ एक संयोग था जो जीवन में अक्सर घटित होते रहते हैं।

“किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों के विरुद्ध जानबूझकर हत्या” का फैसला सुनाया गया, और पुलिस (और डेली बजट) को “भूरे रंग के सूट वाले आदमी” की तलाश में लगा दिया गया। चूंकि श्रीमती जेम्स को पूरा यकीन था कि जब महिला घर में दाखिल हुई थी तब घर में कोई नहीं था, और अगले दिन दोपहर तक उस युवक के अलावा कोई और घर में दाखिल नहीं हुआ था, इसलिए यह निष्कर्ष निकालना स्वाभाविक ही था कि वही दुर्भाग्यपूर्ण श्रीमती डी कास्तीना का हत्यारा था। उनका गला एक मजबूत काले धागे से घोंटा गया था, और जाहिर तौर पर उन्हें अचानक पकड़ लिया गया था और उन्हें चिल्लाने का भी समय नहीं मिला था। उनके पास मौजूद काले रेशमी हैंडबैग

में नोटों से भरी एक थैली, कुछ खुले पैसे, एक बिना निशान वाला बढ़िया लेस का रूमाल और लंदन के लिए प्रथम श्रेणी के टिकट का आधा हिस्सा था। इससे ज्यादा कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

डेली बजट अखबार ने ये सारी जानकारी प्रकाशित की और "भूरे रंग के सूट वाले आदमी को ढूंढो" उनका रोज़ाना का नारा बन गया। औसतन लगभग पाँच सौ लोग रोज़ाना लिखकर अपनी खोज में मिली सफलता की खबर देते थे और लंबे, सांवले रंग के नौजवान उस दिन को कोसते थे जब उनके दर्ज़ियों ने उन्हें भूरा सूट पहनने के लिए मना लिया था। ट्यूब में हुई दुर्घटना को एक महज़ संयोग मानकर भुला दिया गया और यह लोगों के दिमाग से धीरे-धीरे गायब हो गई।

क्या यह महज एक संयोग था? मुझे पक्का यकीन नहीं था। बेशक मैं पूर्वाग्रही था—ट्यूब दुर्घटना मेरे लिए एक रहस्य मात्र थी—लेकिन मुझे दोनों मौतों के बीच किसी न किसी तरह का संबंध ज़रूर नज़र आ रहा था। दोनों ही मामलों में एक सांवले चेहरे वाला आदमी था—ज़ाहिर तौर पर विदेश में रहने वाला एक अंग्रेज, और भी कई बातें थीं। इन्हीं बातों पर विचार करने से मुझे आखिरकार एक साहसिक कदम उठाने की प्रेरणा मिली। मैं स्कॉटलैंड यार्ड पहुंचा और मिल हाउस मामले के प्रभारी से मिलने की मांग की।

मेरी बात समझने में थोड़ा समय लगा, क्योंकि मैंने अनजाने में खोई हुई छतरियों वाले विभाग को चुन लिया था, लेकिन आखिरकार मुझे एक छोटे से कमरे में ले जाया गया और डिटेक्टिव इंस्पेक्टर मीडोज के सामने पेश किया गया।

इंस्पेक्टर मीडोज एक छोटे कद का आदमी था, जिसके बाल लाल थे और जिसका व्यवहार मुझे कुछ हद तक चिड़चिड़ाने वाला लगता था। एक सहायक, जो सादे कपड़ों में था, चुपचाप एक कोने में बैठा था।

मैंने घबराते हुए कहा, "सुप्रभात।"

"शुभ प्रभात। क्या आप बैठेंगे? मुझे पता चला है कि आप मुझे कुछ बताना चाहते हैं जो हमारे लिए उपयोगी हो सकता है।"

उनके लहजे से ऐसा लग रहा था कि ऐसी घटना होने की संभावना बेहद कम है। मुझे गुस्सा आ गया।

"बेशक आप उस आदमी के बारे में जानते होंगे जो ट्यूब में मारा गया था? वही आदमी जिसके पास मार्लो में इसी घर को देखने का आदेश उसकी जेब में था।"

“आह!” इंस्पेक्टर ने कहा। “आप वही मिस बेडिंगफेल्ड हैं जिन्होंने पूछताछ में गवाही दी थी। निश्चित रूप से उस आदमी की जेब में कोई आदेश था। बहुत से अन्य लोगों के पास भी हो सकता था—बस वे मारे नहीं गए।”
मैंने अपनी सेना को एकजुट किया।
"क्या आपको यह अजीब नहीं लगता कि इस आदमी की जेब में टिकट नहीं था?"
"टिकट रद्द करना दुनिया का सबसे आसान काम है। मैंने खुद ऐसा किया है।"
और मेरे पास पैसे भी नहीं हैं।
उसकी पतलून की जेब में कुछ खुले पैसे थे।
लेकिन कोई नोटपेटी नहीं।
कुछ पुरुष किसी भी प्रकार का पर्स या नोट रखने का डिब्बा नहीं रखते हैं।
मैंने एक और तरीका आजमाया।
"क्या आपको यह अजीब नहीं लगता कि डॉक्टर बाद में कभी सामने नहीं आया?"
“व्यस्त डॉक्टर अक्सर अखबार नहीं पढ़ते। शायद वे दुर्घटना के बारे में पूरी तरह भूल गए होंगे।”
"दरअसल, इंस्पेक्टर साहब, आप तो कुछ भी अजीब न ढूंढने पर तुले हुए हैं," मैंने मधुरता से कहा।
“खैर, मुझे लगता है कि आप इस शब्द के कुछ ज्यादा ही शौकीन हैं, मिस बेडिंगफेल्ड। मुझे पता है कि युवतियाँ रोमांटिक होती हैं—रहस्यों और ऐसी ही चीजों की शौकीन होती हैं। लेकिन चूंकि मैं एक व्यस्त आदमी हूँ—”
मैंने इशारा समझ लिया और उठ खड़ा हुआ।
कोने में खड़े व्यक्ति ने दबी हुई आवाज में कहा।
"शायद वह युवती हमें संक्षेप में बता सकेंगी कि इस विषय पर उनके वास्तव में क्या विचार हैं, इंस्पेक्टर?"
निरीक्षक ने इस सुझाव को तुरंत मान लिया।
"जी हां, अब आइए, मिस बेडिंगफेल्ड, नाराज मत होइए। आपने सवाल पूछे हैं और इशारे भी किए हैं। बस सीधे-सीधे कह दीजिए कि आपके मन में क्या है।"
मैं अपनी आहत गरिमा और अपने सिद्धांतों को व्यक्त करने की प्रबल इच्छा के बीच दुविधा में था। अंततः आहत गरिमा मिट गई।
"आपने पूछताछ के दौरान कहा था कि आपको पूरा यकीन है कि यह आत्महत्या नहीं

थी?"
“हां, मुझे इस बात का पूरा यकीन है। वह आदमी डरा हुआ था। उसे किस बात से डर लगा? मुझसे तो नहीं। लेकिन हो सकता है कोई प्लेटफार्म पर हमारी तरफ आ रहा हो —कोई ऐसा जिसे वह पहचानता हो।”
“क्या आपने किसी को नहीं देखा?”
“नहीं,” मैंने स्वीकार किया। “मैंने अपना सिर नहीं घुमाया। फिर, जैसे ही शव को लाइन से निकाला गया, एक आदमी आगे बढ़कर उसकी जांच करने लगा और कहने लगा कि वह डॉक्टर है।”
"इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है," इंस्पेक्टर ने रूखेपन से कहा।
लेकिन वह डॉक्टर नहीं थे।
"क्या?"
मैंने दोहराया, "वह डॉक्टर नहीं थे।"
"आपको यह कैसे पता चला, मिस बेडिंगफेल्ड?"
“ठीक-ठीक कहना मुश्किल है। मैंने युद्ध के दौरान अस्पताल में काम किया है और मैंने डॉक्टरों को शवों को संभालते देखा है। उनमें एक तरह की निपुण पेशेवर संवेदनहीनता होती है जो इस आदमी में नहीं थी। इसके अलावा, एक डॉक्टर आमतौर पर शरीर के दाहिनी ओर स्थित हृदय को महसूस नहीं करता।”
“क्या उसने ऐसा किया?”
"हां, उस समय तो मैंने इस पर खास ध्यान नहीं दिया—सिवाय इसके कि मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन घर पहुंचने पर मुझे सब समझ आ गया, और तब मुझे पता चला कि उस समय यह सब मुझे इतना असुविधाजनक क्यों लग रहा था।"
“हम्म,” इंस्पेक्टर ने कहा। वह धीरे-धीरे कलम और कागज की ओर बढ़ रहा था।
"उस व्यक्ति के शरीर के ऊपरी हिस्से पर हाथ फेरते हुए उसे जेबों से अपनी इच्छानुसार कुछ भी निकालने का भरपूर अवसर मिल जाता।"
"मुझे तो ऐसा नहीं लगता," इंस्पेक्टर ने कहा। "लेकिन—क्या आप उसका थोड़ा-बहुत हुलिया बता सकते हैं?"
“वह लंबा और चौड़े कंधों वाला था, उसने एक गहरा ओवरकोट और काले जूते पहने थे, साथ ही एक बॉलर हैट भी। उसकी घनी, नुकीली दाढ़ी थी और उसने सोने के फ्रेम वाला चश्मा पहना था।”

"अगर उसका ओवरकोट, दाढ़ी और चश्मा हटा दिया जाए, तो उसे पहचानना मुश्किल हो जाएगा," इंस्पेक्टर ने बड़बड़ाते हुए कहा। "अगर वह चाहे तो पांच मिनट में आसानी से अपना हुलिया बदल सकता है—और अगर वह वाकई में आपकी बताई हुई चालाक जेबकतरा है, तो वह ऐसा कर ही लेगा।"
मेरा ऐसा कोई सुझाव देने का इरादा नहीं था। लेकिन इस क्षण से मैंने इंस्पेक्टर को पूरी तरह से निष्फल मान लिया।
जब मैं जाने के लिए उठा तो उसने पूछा, "क्या आप उसके बारे में और कुछ नहीं बता सकते?"
“हाँ,” मैंने कहा। मैंने जाते-जाते एक तीखा प्रहार करने का मौका लपक लिया।
“उसका सिर स्पष्ट रूप से ब्रेकीसेफेलिक था। उसके लिए इसे बदलना इतना आसान नहीं होगा।”
मैंने इंस्पेक्टर मीडो की कलम को लड़खड़ाते हुए देखकर आनंद लिया। यह स्पष्ट था कि उन्हें ब्रेकीसेफेलिक की वर्तनी नहीं आती थी।

अध्याय V

गुस्से की पहली लहर में मुझे अपना अगला कदम अप्रत्याशित रूप से आसान लगा। स्कॉटलैंड यार्ड जाते समय मेरे दिमाग में एक अधूरी योजना थी। एक ऐसी योजना जिसे वहाँ मेरा साक्षात्कार असंतोषजनक होने पर (और यह बेहद असंतोषजनक था) पूरा किया जाना था। यानी, अगर मुझमें इसे पूरा करने का साहस होता।
जिन कामों को करने से आम तौर पर कोई कतराता है, वे गुस्से में आसानी से कर लिए जाते हैं। बिना सोचे-समझे, मैं सीधे लॉर्ड नैस्बी के घर की ओर चल पड़ा।
लॉर्ड नैस्बी डेली बजट के करोड़पति मालिक थे। उनके पास कई अन्य अखबार भी थे, लेकिन डेली बजट उनका सबसे खास अखबार था। यूनाइटेड किंगडम के हर गृहस्थ उन्हें डेली बजट के मालिक के रूप में जानते थे। चूंकि उस महान व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों का विवरण अभी-अभी प्रकाशित हुआ था, इसलिए मुझे ठीक-ठीक पता था कि इस समय वे कहाँ मिलेंगे। यह उनके अपने घर में अपने सचिव को लिखवाने का समय था।
मैंने यह तो सोचा भी नहीं था कि कोई भी युवती जो उनसे मिलने आएगी, उसे तुरंत

उनके सम्माननीय दरबार में प्रवेश मिल जाएगा। लेकिन मैंने इस पहलू का ध्यान रखा था। फ्लेमिंग्स के घर के हॉल में कार्ड ट्रे में मुझे इंग्लैंड के सबसे प्रसिद्ध खेल प्रेमी मार्क्विस ऑफ लोम्सली का कार्ड दिखा। मैंने कार्ड निकाला, उसे ब्रेड के टुकड़ों से अच्छी तरह साफ किया और उस पर पेंसिल से लिखा: "कृपया मिस बेडिंगफेल्ड को कुछ पल का समय दें।" साहसी महिलाओं को अपने तरीकों में ज्यादा संकोच नहीं करना चाहिए।

तरकीब कारगर साबित हुई। पाउडर लगाए एक नौकर ने कार्ड लिया और उसे ले गया। थोड़ी देर बाद एक पीला पड़ा सचिव प्रकट हुआ। मैंने उससे सफलतापूर्वक मुकाबला किया। वह हारकर चला गया। वह फिर प्रकट हुआ और मुझसे उसके पीछे आने की विनती की। मैंने वैसा ही किया। मैं एक बड़े कमरे में दाखिल हुआ, तभी एक डरी हुई टाइपिस्ट मेरे पास से ऐसे भागी जैसे कोई भूतलोक से आया हो। फिर दरवाजा बंद हो गया और मैं लॉर्ड नैस्बी के सामने आ गया।

एक बड़ा आदमी। बड़ा सिर। बड़ा चेहरा। बड़ी मूंछें। बड़ा तोंद। मैंने खुद को संभाला। मैं लॉर्ड नैस्बी की तोंद पर टिप्पणी करने नहीं आया था। वह पहले से ही मुझ पर दहाड़ रहे थे।

“तो फिर बात क्या है? लोम्सली क्या चाहता है? क्या तुम उसकी सचिव हो? आखिर मामला क्या है?”

मैंने यथासंभव शांत भाव से कहा, “सबसे पहले तो, मैं लॉर्ड लोम्सली को नहीं जानता, और निश्चित रूप से वह मेरे बारे में कुछ नहीं जानते। मैंने उनका कार्ड उस घर की ट्रे से उठाया जहाँ मैं ठहरा हुआ हूँ, और उस पर ये शब्द मैंने खुद लिखे हैं। आपसे मिलना मेरे लिए ज़रूरी था।”

एक पल के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि लॉर्ड नैस्बी को लकवा हुआ है या नहीं। अंत में, उन्होंने दो बार निगला और ठीक हो गए।

“तुम्हारी सहजता की मैं प्रशंसा करता हूँ, युवती। अच्छा, मुझे देखो! अगर तुम मुझे रुचिकर लगती हो, तो तुम मुझे ठीक दो मिनट और देख पाओगी।”

मैंने जवाब दिया, "यह काफी होगा। और मैं आपको जरूर दिलचस्पी दिलाऊंगा। यह है मिल हाउस का रहस्य।"

“अगर आपको ‘द मैन इन द ब्राउन सूट’ मिल जाए, तो संपादक को लिखें,” उन्होंने जल्दबाजी में बात काटते हुए कहा।

मैंने सख्ती से कहा, "अगर आप बीच में टोकना चाहेंगे तो मुझे दो मिनट से ज़्यादा समय लग जाएगा। मुझे 'भूरे रंग के सूट वाला आदमी' अभी तक नहीं मिला है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि मिल जाएगा।"
मैंने यथासंभव कम शब्दों में ट्यूब दुर्घटना के तथ्यों और उनसे निकाले गए निष्कर्षों को उनके सामने रखा। जब मैंने अपनी बात समाप्त कर ली, तो उन्होंने अप्रत्याशित रूप से कहा:
“ब्रेकीसेफेलिक सिरों के बारे में आप क्या जानते हैं?”
मैंने पापा का जिक्र किया था।
“बंदर आदमी? हैं? खैर, लगता है तुम्हारे पास कुछ अक्ल तो है, युवती। पर वो बहुत हल्की है, तुम्हें पता है। ज्यादा कुछ पता नहीं। और फिलहाल तो हमारे किसी काम की नहीं।”
मुझे इस बात की पूरी जानकारी है।
तो फिर तुम क्या चाहते हो?
"मैं आपके अखबार में इस मामले की जांच करने के लिए नौकरी चाहता हूं।"
“ऐसा नहीं कर सकते। हमने इसके लिए अपना खास आदमी नियुक्त किया है।”
और मेरे पास अपना विशेष ज्ञान है।
“जो तुमने अभी मुझे बताया, है ना?”
"ओह, नहीं, लॉर्ड नैस्बी। मेरे पास अभी भी कुछ छुपा हुआ है।"
“ओह, हाँ, है ना? तुम तो काफी होशियार लड़की लगती हो। अच्छा, क्या बात है?”
“जब यह तथाकथित डॉक्टर लिफ्ट में चढ़ा, तो उसने एक कागज़ का टुकड़ा गिरा दिया। मैंने उसे उठा लिया। उसमें कपूर की गंध आ रही थी। मरे हुए आदमी से भी वैसी ही गंध आ रही थी। डॉक्टर से नहीं। इसलिए मैं तुरंत समझ गया कि डॉक्टर ने ही इसे शव से निकाला होगा। उस पर दो शब्द और कुछ अंक लिखे हुए थे।”
चलिए इसे देखते हैं।
लॉर्ड नैस्बी ने लापरवाही से अपना हाथ आगे बढ़ाया।
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता। ये मेरी खोज है।"
“मैं सही कह रही हूँ। तुम एक होशियार लड़की हो। इसे अपने पास रखना बिलकुल सही है। इसे पुलिस को न सौंपने में तुम्हें कोई हिचक नहीं है?”
“मैं आज सुबह ऐसा करने के लिए वहाँ गया था। वे इस बात पर अड़े रहे कि इस पूरे

मामले का मार्लो मामले से कोई लेना-देना नहीं है, इसलिए मैंने सोचा कि इन परिस्थितियों में अखबार को अपने पास रखना मेरे लिए उचित था। इसके अलावा, इंस्पेक्टर ने मुझे बहुत परेशान किया।"

"दूरदर्शी नहीं हैं आप। खैर, मेरी प्यारी बेटी, मैं तुम्हारे लिए बस इतना ही कर सकता हूँ। तुम अपनी इस रचना पर काम करती रहो। अगर तुम्हें कुछ भी मिले—कुछ भी जो प्रकाशित करने लायक हो—तो मुझे भेज देना, और तुम्हें मौका मिल जाएगा। डेली बजट में असली प्रतिभा के लिए हमेशा जगह होती है। लेकिन पहले तुम्हें अच्छा काम करना होगा। समझे?"

मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और अपने तरीकों के लिए माफी मांगी।

"कोई बात नहीं। मुझे तो किसी खूबसूरत लड़की की ये बेबाकी पसंद है। वैसे, तुमने दो मिनट कहा था और बीच-बीच में रुकावटों को मिलाकर तीन मिनट हो गए। एक औरत के लिए ये तो वाकई कमाल है! लगता है ये तुम्हारी वैज्ञानिक शिक्षा का कमाल है।"

मैं फिर से सड़क पर था, मेरी सांसें तेज चल रही थीं जैसे मैं दौड़कर आया हूँ। मुझे लॉर्ड नैस्बी एक नए परिचित के रूप में कुछ ज्यादा ही उबाऊ लगे।

अध्याय VI

मैं बेहद प्रसन्न होकर घर लौटा। मेरी योजना मेरी उम्मीद से कहीं अधिक सफल रही थी। लॉर्ड नैस्बी का व्यवहार अत्यंत सौहार्दपूर्ण था। अब बस मुझे उनके कहे अनुसार "अपना वादा निभाना" था। अपने कमरे में बंद होकर मैंने अपना वह अनमोल कागज़ निकाला और ध्यान से उसका अध्ययन किया। रहस्य का सुराग यहीं छिपा था।

सबसे पहले, ये आंकड़े क्या दर्शाते थे? पाँच आंकड़े थे, और पहले दो के बाद एक बिंदु था। "सत्रह—एक सौ बाईस," मैंने धीरे से कहा।

इससे कोई खास नतीजा नहीं निकला।

इसके बाद मैंने उन्हें जोड़ा। काल्पनिक रचनाओं में अक्सर ऐसा किया जाता है और इससे आश्चर्यजनक निष्कर्ष निकलते हैं।

"एक और सात मिलकर आठ होते हैं, एक नौ होता है, दो ग्यारह होते हैं और दो तेरह होते हैं।"

तेरह! अशुभ संख्या! क्या यह मुझे इस पूरे मामले से दूर रहने की चेतावनी थी?

शायद। खैर, चेतावनी के अलावा, यह पूरी तरह से बेकार लग रही थी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि कोई षड्यंत्रकारी असल जिंदगी में तेरह को इस तरह लिखेगा। अगर उसका मतलब तेरह ही होता, तो वह तेरह ही लिखता। "13"—ठीक ऐसे। एक और दो के बीच एक खाली जगह थी। इसलिए मैंने एक सौ इकहत्तर में से बाईस घटा दिया। परिणाम एक सौ उनसठ आया। मैंने इसे फिर से दोहराया और परिणाम एक सौ उनचास आया। ये गणितीय अभ्यास निस्संदेह उत्कृष्ट अभ्यास थे, लेकिन इस रहस्य को सुलझाने के लिहाज से ये पूरी तरह से अप्रभावी प्रतीत हुए। मैंने गणित को छोड़ दिया, जटिल भाग या गुणा करने का प्रयास नहीं किया, और शब्दों की ओर बढ़ गया।

किलमोर्डन कैसल। यह एक निश्चित स्थान था। एक जगह। शायद किसी कुलीन परिवार का जन्मस्थान। (लापता उत्तराधिकारी? उपाधि का दावेदार?) या संभवतः एक सुरम्य खंडहर। (दबा हुआ खजाना?)

हाँ, कुल मिलाकर मेरा झुकाव दबे हुए खजाने के सिद्धांत की ओर था। दबे हुए खजाने के साथ हमेशा कुछ न कुछ आंकड़े जुड़े होते हैं। एक कदम दाईं ओर, सात कदम बाईं ओर, एक पैर खोदो, बाईस सीढ़ियाँ नीचे उतरो। कुछ इसी तरह का विचार। मैं इस पर बाद में विचार कर सकता था। मुख्य बात यह थी कि जितनी जल्दी हो सके किल्मोर्डन किले तक पहुँचना था।

मैंने अपने कमरे से रणनीतिक ढंग से बाहर निकलकर संदर्भ पुस्तकों से लदा हुआ वापस आया। उनमें 'हूज़ हू', 'व्हिटेकर', 'एक गजेटियर', 'स्कॉच पैतृक घरों का इतिहास' और 'किसी न किसी की ब्रिटिश द्वीपसमूह' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। समय बीतता गया। मैंने बड़ी लगन से खोजबीन की, लेकिन मेरी झुंझलाहट बढ़ती गई। आखिरकार, मैंने आखिरी किताब को ज़ोर से बंद कर दिया। किल्मोर्डन कैसल नाम की कोई जगह नहीं मिली। यह एक अप्रत्याशित चमत्कार था। ऐसी जगह ज़रूर होगी। भला कोई ऐसा नाम क्यों गढ़ेगा और उसे कागज़ पर क्यों लिखेगा? कतई! मेरे मन में एक और विचार आया। शायद यह उपनगरों में स्थित कोई भव्य और भद्दा महल हो, जिसका मालिक ने कोई बड़ा-सा नाम रख दिया हो। लेकिन अगर ऐसा है, तो इसे ढूंढना बेहद मुश्किल होगा। मैं उदास होकर अपनी एड़ियों पर बैठ गया (मैं हमेशा कोई भी ज़रूरी काम करते समय ज़मीन पर ही बैठता हूँ) और सोचने लगा कि आखिर मैं इसे कैसे खोजूँ।

क्या मेरे पास कोई और रास्ता था? मैंने गंभीरता से सोचा और फिर खुशी से उछल पड़ा। बिल्कुल! मुझे "अपराध स्थल" पर जाना ही होगा। सबसे कुशल जासूस हमेशा यही करते हैं! और चाहे कितना भी समय बीत जाए, वे हमेशा कुछ न कुछ ऐसा खोज निकालते हैं जिसे पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया होता है। मेरा रास्ता साफ था। मुझे मार्लो जाना ही था।

लेकिन मैं घर में कैसे प्रवेश करता? मैंने कई साहसिक तरीकों को त्याग दिया और सादगीपूर्ण तरीका अपनाया। घर किराए पर दिया गया था—संभवतः अभी भी किराए पर दिया जा रहा था। मैं एक संभावित किराएदार होता।

मैंने स्थानीय मकान एजेंटों पर भी हमला करने का फैसला किया, क्योंकि उनके पास पंजीकृत मकानों की संख्या कम थी।

लेकिन यहाँ मैंने अपने मेज़बान की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। एक विनम्र क्लर्क ने लगभग आधा दर्जन आकर्षक संपत्तियों का विवरण प्रस्तुत किया। उनमें कमियाँ ढूंढने के लिए मुझे अपनी पूरी सूझबूझ लगानी पड़ी। अंत में मुझे लगा कि शायद मुझे कुछ भी नहीं मिला।

“और आपके पास सचमुच और कुछ नहीं है?” मैंने क्लर्क की आँखों में दयनीय भाव से देखते हुए पूछा। “नदी के ठीक किनारे पर कुछ, जिसमें एक अच्छा-खासा बगीचा और एक छोटा सा लॉज हो,” मैंने कागज़ात से मिली जानकारी के आधार पर मिल हाउस की मुख्य बातें संक्षेप में बताते हुए कहा।

“खैर, सर यूस्टेस पेडलेर का घर तो है ही,” उस आदमी ने संदेह भरे लहजे में कहा। “मिल हाउस, आप जानते ही हैं।”

“नहीं—नहीं वहाँ——” मैं अटक गया। (सच में, अटकना तो मेरी खासियत बनती जा रही है।)

“बस यही है! यहीं पर हत्या हुई थी। लेकिन शायद आप यह जानना नहीं चाहेंगे—”

“ओह, मुझे नहीं लगता कि मुझे कोई आपत्ति होगी,” मैंने आत्मविश्वास से कहा। मुझे लगा कि मेरी विश्वसनीयता अब पूरी तरह से साबित हो चुकी है। “और शायद इन परिस्थितियों में मुझे यह सस्ता भी मिल जाए।”

मैंने सोचा, यह एक उत्कृष्ट कृति है।

“हाँ, मुमकिन है। अब इसे किराए पर देना आसान नहीं होगा—नौकर वगैरह तो हैं ही। अगर देखने के बाद आपको जगह पसंद आए, तो मैं आपको प्रस्ताव देने की सलाह

दूँगा। क्या मैं आपके लिए एक ऑर्डर लिख दूँ?”
"यदि आप कृपा करके।"
पंद्रह मिनट बाद मैं मिल हाउस के लॉज में था। मेरे दस्तक देने पर दरवाजा खुल गया और एक लंबी, अधेड़ उम्र की महिला उछलती हुई बाहर निकली।
“घर में कोई नहीं जा सकता, क्या आप सुन रहे हैं? मैं आप पत्रकारों से तंग आ चुका हूँ। सर यूस्टेस के आदेश हैं—”
मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मुझे लगा था कि घर किराए पर दिया जा रहा है," और अपना ऑर्डर आगे बढ़ाया। "बेशक, अगर वह पहले से ही किराए पर दिया हुआ है तो..."
"ओह, मुझे माफ़ करना महोदया। इन अख़बार वालों ने मुझे काफ़ी परेशान कर दिया है। एक मिनट भी चैन नहीं मिला। नहीं, घर किराए पर नहीं दिया गया है—और अब तो देने की संभावना भी नहीं है।"
“क्या नालियां खराब हैं?” मैंने घबराई हुई फुसफुसाहट में पूछा।
“हे भगवान, महोदया, नालियाँ तो बिल्कुल ठीक हैं! लेकिन आपने उस विदेशी महिला के बारे में तो सुना ही होगा, जिसकी यहाँ खूब पिटाई हुई थी?”
मैंने लापरवाही से कहा, "मुझे लगता है मैंने इसके बारे में अखबारों में कुछ पढ़ा था।"
मेरी उदासीनता ने उस महिला को चिढ़ा दिया। अगर मैंने ज़रा भी दिलचस्पी दिखाई होती, तो शायद वह सीप की तरह खुद को समेट लेती। लेकिन हुआ यह कि वह बेहद नाराज़ हो गई।
“हाँ, आपने सही सुना होगा, महोदया! यह सभी अखबारों में छपा है। डेली बजट अखबार अभी भी उस आदमी को पकड़ने की कोशिश कर रहा है जिसने यह किया है। उनके अनुसार, ऐसा लगता है कि हमारी पुलिस बिल्कुल बेकार है। खैर, मुझे उम्मीद है कि वे उसे पकड़ लेंगे—हालाँकि वह दिखने में बहुत अच्छा नौजवान था, इसमें कोई शक नहीं। उसमें एक सिपाही जैसी झलक थी—अरे हाँ, मुझे लगता है कि वह युद्ध में घायल हुआ होगा, और कभी-कभी लोग उसके बाद थोड़े अजीब हो जाते हैं, मेरी बहन का बेटा भी हो गया था। शायद उसने उसके साथ बुरा बर्ताव किया हो—वे विदेशी लोग बड़े बुरे होते हैं। हालाँकि वह देखने में सुंदर महिला थी। वह वहीं खड़ी थी जहाँ आप अभी खड़ी हैं।”
मैंने पूछा, "वह सांवली थी या गोरी? अखबारों में छपी इन तस्वीरों से तो पता नहीं चलता।"

"काले बाल, और एकदम गोरा चेहरा—मुझे लगा कि प्रकृति के हिसाब से बहुत गोरा है, और उसके होंठ बेरहमी से लाल हो गए थे। मुझे यह देखना अच्छा नहीं लगता—कभी-कभार थोड़ा सा पाउडर लगाना बिल्कुल अलग बात है।"
अब हम पुराने दोस्तों की तरह बातें कर रहे थे। मैंने एक और सवाल पूछा।
क्या वह बिल्कुल भी घबराई हुई या परेशान लग रही थी?
बिल्कुल नहीं। वह चुपचाप खुद ही मुस्कुरा रही थी, मानो किसी बात पर उसे हंसी आ रही हो। इसीलिए अगले दिन दोपहर को जब वे लोग पुलिस को बुलाते हुए भागे आए और कहने लगे कि हत्या हो गई है, तो मैं पूरी तरह से हैरान रह गई। मैं इस सदमे से कभी उबर नहीं पाऊंगी, और अंधेरा होने के बाद उस घर में कदम रखने की तो बात ही छोड़िए, मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी। अरे, मैं तो इस लॉज में भी नहीं रुकती, अगर सर यूस्टेस मेरे सामने घुटने न टेकते।
"मुझे लगा था कि सर यूस्टेस पेडलेर कान फिल्म फेस्टिवल में हैं?"
"जी हां, महोदया। खबर सुनते ही वह इंग्लैंड वापस आ गए, और घुटने टेकने की बात तो एक मुहावरा थी, उनके सचिव श्री पैगेट ने हमें रुकने के लिए दुगनी तनख्वाह देने की पेशकश की थी, और जैसा कि मेरे जॉन कहते हैं, आजकल पैसा ही पैसा है।"
मैं जॉन की उन टिप्पणियों से पूरी तरह सहमत था, जो किसी भी तरह से मौलिक नहीं थीं।
श्रीमती जेम्स ने अचानक बातचीत के एक पुराने विषय पर लौटते हुए कहा, “वह युवक परेशान था। उसकी आँखें, हल्की-हल्की, मैंने विशेष रूप से देखा, चमक रही थीं। मुझे लगा कि वह उत्तेजित था। लेकिन मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि कुछ गड़बड़ है। यहाँ तक कि जब वह अजीब सा दिखने लगा तब भी नहीं।”
वह घर में कितनी देर तक रहा?
"ओह, ज्यादा देर नहीं, शायद पांच मिनट ही लगेंगे।"
“तुम्हें क्या लगता है, उसकी लंबाई कितनी थी? लगभग छह फुट?”
"शायद मुझे ऐसा कहना चाहिए।"
“आपका कहना है कि वह क्लीन शेव्ड था?”
"जी हां, महोदया—इनमें से एक भी टूथब्रश जैसी मूंछ नहीं होनी चाहिए।"
"क्या उसकी ठुड्डी थोड़ी भी चमकदार थी?" मैंने अचानक आवेग में आकर पूछा।
श्रीमती जेम्स ने मुझे विस्मय भरी निगाहों से देखा।

"अच्छा, अब जब आपने इसका जिक्र किया है, महोदया, तो यह सच था। आपको कैसे पता चला?"
मैंने बेतहाशा कहा, "यह एक अजीब बात है, लेकिन हत्यारों की ठुड्डी अक्सर चमकदार होती है।"
श्रीमती जेम्स ने पूरी ईमानदारी से उस कथन को स्वीकार कर लिया।
"सच में, महोदया। मैंने यह पहले कभी नहीं सुना।"
"मुझे लगता है कि आपने ध्यान नहीं दिया कि उसका सिर किस तरह का था?"
“बस साधारण सी चाबी है, महोदया। मैं आपके लिए चाबी ले आता हूँ, ठीक है?”
मैंने उन्हें स्वीकार कर लिया और मिल हाउस की ओर चल पड़ा। अब तक की मेरी धारणाएँ मुझे ठीक लग रही थीं। मुझे शुरू से ही यह एहसास था कि श्रीमती जेम्स द्वारा वर्णित व्यक्ति और मेरे ट्यूब "डॉक्टर" के बीच अंतर केवल मामूली बातों का था। एक ओवरकोट, दाढ़ी, सोने के फ्रेम वाला चश्मा। "डॉक्टर" देखने में अधेड़ उम्र का लग रहा था, लेकिन मुझे याद है कि वह शरीर पर ऐसे झुका हुआ था जैसे कोई अपेक्षाकृत युवा हो। उसके शरीर में एक लचीलापन था जो युवा जोड़ों का संकेत दे रहा था। दुर्घटना का शिकार (जिसे मैं मन ही मन मोथ बॉल वाला आदमी कहता था) और विदेशी महिला, श्रीमती डी कास्टिना, या उनका असली नाम जो भी था, की मिल हाउस में मुलाकात तय थी। मैंने इसी तरह सारी बात समझी। शायद उन्हें लगा कि कोई उन पर नज़र रख रहा है या किसी और वजह से, उन्होंने एक ही घर को देखने का आदेश लेने का बड़ा चतुराई भरा तरीका चुना। इस तरह उनकी मुलाकात महज़ एक इत्तेफ़ाक लग सकती थी।
मुझे इस बात का पूरा यकीन था कि मोथ बॉल वाले आदमी की नज़र अचानक उस "डॉक्टर" पर पड़ गई थी, और यह मुलाक़ात उसके लिए पूरी तरह अप्रत्याशित और चिंताजनक थी। आगे क्या हुआ? "डॉक्टर" ने अपना भेस उतार दिया और उस औरत का पीछा करते हुए मार्लो चला गया। लेकिन हो सकता है कि उसने जल्दीबाज़ी में भेस उतारा हो, इसलिए उसकी ठुड्डी पर स्पिरिट-गम के निशान अभी भी रह गए हों। इसीलिए मैंने श्रीमती जेम्स से यह सवाल पूछा था।
अपने विचारों में खोए-खोए मैं मिल हाउस के पुराने, छोटे दरवाज़े तक पहुँच गया। चाबी से दरवाज़ा खोलकर मैं अंदर चला गया। हॉल नीचा और अँधेरा था, अंदर उदासी और सीलन की गंध आ रही थी। खुद पर काबू न रख पाने के बावजूद मैं काँप उठा।

क्या कुछ दिन पहले यहाँ "खुद में मुस्कुराती" आई उस औरत को इस घर में कदम रखते ही किसी अनहोनी की आशंका का एहसास नहीं हुआ? मैंने सोचा। क्या उसके होठों से मुस्कान गायब हो गई, और उसके दिल में एक अनजाना डर घर कर गया? या वह ऊपर चली गई, अभी भी मुस्कुराती हुई, उस विनाश से बेखबर जो जल्द ही उस पर आने वाला था? मेरा दिल थोड़ा तेज़ धड़कने लगा। क्या घर सचमुच खाली था? क्या यहाँ मेरा भी विनाश इंतज़ार कर रहा था? पहली बार मुझे "माहौल" शब्द का अर्थ समझ आया। इस घर में एक अलग ही माहौल था, क्रूरता का, खतरे का, बुराई का माहौल।

अध्याय VII

अपने मन को जकड़े हुए भावों को झटकते हुए मैं जल्दी से ऊपर चला गया। मुझे त्रासदी वाले कमरे को ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई। जिस दिन शव मिला था, उस दिन बहुत तेज बारिश हुई थी, और बड़े-बड़े कीचड़ से सने जूतों ने बिना कालीन वाले फर्श को चारों ओर रौंद दिया था। मैंने सोचा कि क्या हत्यारे ने पिछले दिन कोई पदचिह्न छोड़े होंगे। अगर उसने छोड़े भी होते, तो शायद पुलिस इस विषय पर चुप्पी साधे रखती, लेकिन विचार करने के बाद मैंने निष्कर्ष निकाला कि इसकी संभावना कम थी। मौसम साफ और शुष्क था।

कमरे में कुछ भी दिलचस्प नहीं था। यह लगभग चौकोर था, जिसमें दो बड़ी खिड़कियाँ थीं, सादी सफेद दीवारें थीं और फर्श बिल्कुल खाली था; फर्श के किनारों पर जहाँ कालीन खत्म होता था, वहाँ लकड़ी के तख्तों पर दाग लगे हुए थे। मैंने कमरे की अच्छी तरह तलाशी ली, लेकिन वहाँ एक पिन तक नहीं पड़ी थी। प्रतिभाशाली युवा जासूस को शायद ही कोई अनदेखा सुराग मिल पाता।

मैं अपने साथ एक पेंसिल और नोटबुक लाया था। नोट करने लायक कुछ खास नहीं था, लेकिन अपनी खोज में नाकामयाबी से हुई निराशा को छुपाने के लिए मैंने कमरे का एक संक्षिप्त रेखाचित्र बना लिया। पेंसिल को वापस बैग में रखते समय वह मेरे हाथों से फिसल गई और ज़मीन पर लुढ़क गई।

मिल हाउस बहुत पुराना था और फर्श बहुत ऊबड़-खाबड़ थे। पेंसिल धीरे-धीरे लुढ़कती हुई, बढ़ती गति के साथ, आखिरकार एक खिड़की के नीचे आकर रुक गई। हर

खिड़की के खांचे में एक चौड़ी खिड़की की सीट थी, जिसके नीचे एक अलमारी थी। मेरी पेंसिल अलमारी के दरवाजे से सटी पड़ी थी। अलमारी बंद थी, लेकिन अचानक मुझे ख्याल आया कि अगर वह खुली होती तो मेरी पेंसिल अंदर लुढ़क जाती। मैंने दरवाजा खोला, और मेरी पेंसिल तुरंत अंदर लुढ़क गई और सबसे दूर वाले कोने में बड़ी आराम से टिक गई। मैंने उसे उठाया, और ऐसा करते समय मैंने देखा कि रोशनी की कमी और अलमारी की अजीब बनावट के कारण उसे देखा नहीं जा सकता था, बल्कि उसे महसूस करना पड़ता था। मेरी पेंसिल के अलावा अलमारी खाली थी, लेकिन स्वभाव से ही मैं हर चीज की बारीकी से जांच करता था, इसलिए मैंने सामने वाली खिड़की के नीचे वाली अलमारी भी देखी।

पहली नज़र में तो ऐसा लगा कि वह भी खाली है, लेकिन मैंने लगन से खोजबीन की और आखिरकार अलमारी के कोने में एक गड्ढे जैसी जगह में रखे एक सख्त कागज़ के सिलेंडर पर हाथ रखा। जैसे ही वह मेरे हाथ में आया, मैं समझ गया कि वह क्या है। कोडक फिल्म का एक रोल। वाह!

मुझे यह एहसास हुआ कि ये फ़िल्में सर यूस्टेस पेडलेर की कोई पुरानी रील हो सकती हैं जो यहाँ लुढ़क कर आ गई हो और अलमारी खाली करते समय न मिली हो। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगा। लाल कागज़ बहुत ही ताज़ा दिख रहा था। उस पर उतनी ही धूल जमी थी जितनी दो-तीन दिन से पड़ी रहने पर जमती है—यानी हत्या के बाद से। अगर वह वहाँ लंबे समय से पड़ी होती, तो उस पर धूल की मोटी परत जम गई होती। किसने गिराया था? औरत ने या आदमी ने? मुझे याद आया कि उसके पर्स का सामान तो ठीक-ठाक ही लग रहा था। अगर हाथापाई में पर्स खुल गया होता और फिल्म का रोल गिर गया होता, तो कुछ खुले पैसे भी ज़रूर इधर-उधर बिखर गए होते? नहीं, फिल्म औरत ने नहीं गिराई थी।

मैंने अचानक संदेह से सूंघा। क्या कपूर की गंध मेरे लिए एक जुनून बन रही थी? मुझे पक्का यकीन था कि फिल्म के रोल से भी वही गंध आ रही थी? मैंने उन्हें अपनी नाक के पास ले जाकर देखा। हमेशा की तरह, उनमें अपनी तेज़ गंध थी, लेकिन इसके अलावा मुझे वह गंध भी साफ सुनाई दे रही थी जो मुझे इतनी नापसंद थी। मुझे जल्द ही कारण पता चल गया। कपड़े का एक छोटा सा टुकड़ा बीच की लकड़ी के खुरदुरे किनारे पर अटक गया था, और उस टुकड़े पर कपूर की बहुत सारी गोलियां लगी हुई थीं। किसी न किसी समय ये फिल्में उस आदमी के ओवरकोट की जेब में थीं, जिसकी

ट्यूब में मौत हो गई थी। क्या उसने ही इन्हें यहाँ गिराया था? बिलकुल नहीं। उसके हर काम का ब्यौरा मौजूद था।
नहीं, वह दूसरा आदमी था, "डॉक्टर"। उसने कागज़ के साथ ही फ़िल्में भी ले ली थीं। औरत के साथ हाथापाई के दौरान उसी ने उन्हें यहाँ गिरा दिया था।
मुझे अपना सुराग मिल गया था! मैं पहले रोल को विकसित करवाऊंगा, और फिर आगे के विकास कार्यों पर काम करूंगा।
मैं बहुत खुश था, घर से निकला, श्रीमती जेम्स को चाबियाँ लौटाईं और जितनी जल्दी हो सके स्टेशन की ओर चल पड़ा। शहर लौटते समय, मैंने अपना अखबार निकाला और उसे फिर से पढ़ा। अचानक उन अंकों का एक नया अर्थ समझ में आया। क्या ये कोई तारीख थी? 17 1 22. 17 जनवरी, 1922. ज़रूर यही होगा! मैं कितना मूर्ख था कि मैंने पहले इसके बारे में नहीं सोचा। लेकिन अगर ऐसा है तो मुझे किल्मोर्डन किले का पता लगाना होगा, क्योंकि आज वास्तव में 14 तारीख थी। तीन दिन। बहुत कम समय—लगभग निराशाजनक जब पता ही न हो कि कहाँ ढूँढना है!
आज अपना काम जमा करने में बहुत देर हो चुकी थी। मुझे जल्दी से केंसिंग्टन स्थित अपने घर जाना था ताकि रात के खाने के लिए देर न हो जाए। तभी मेरे मन में एक विचार आया कि मेरे कुछ निष्कर्षों की पुष्टि करने का एक आसान तरीका है। मैंने श्री फ्लेमिंग से पूछा कि क्या मृतक के सामान में कोई कैमरा मिला था। मुझे पता था कि उन्होंने इस मामले में रुचि दिखाई थी और उन्हें सारी जानकारी थी।
मुझे आश्चर्य और झुंझलाहट हुई जब उसने जवाब दिया कि वहाँ कोई कैमरा नहीं था। कार्टन की मानसिक स्थिति पर प्रकाश डालने की उम्मीद में उसके सभी सामानों की बहुत सावधानीपूर्वक जाँच की गई थी। उसे पूरा यकीन था कि वहाँ किसी भी प्रकार का कोई फोटोग्राफिक उपकरण नहीं था।
यह तो मेरी थ्योरी को काफी झटका लगा। अगर उसके पास कैमरा नहीं था, तो वह फिल्म का रोल क्यों ले जा रहा था?
अगली सुबह मैं जल्दी निकल पड़ा अपनी कीमती फिल्म की रील को डेवलप करवाने के लिए। मैं इतना नखरे वाला था कि रीजेंट स्ट्रीट पर स्थित बड़े कोडक कारखाने तक गया। मैंने रील दी और हर फिल्म की एक-एक प्रिंट मांगी। दुकानदार ने उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए पीले टिन के सिलेंडरों में पैक की गई फिल्मों का ढेर लगाना खत्म किया और मेरी रील उठा ली।

उन्होंने मुझे देखा।
"मुझे लगता है कि आपने गलती की है," उसने मुस्कुराते हुए कहा।
“अरे नहीं,” मैंने कहा। “मुझे पूरा यकीन है कि मैंने ऐसा नहीं किया है।”
“आपने मुझे गलत रोल दे दिया है। यह एक अनएक्सपोज्ड रोल है।”
मैंने जितनी गरिमा बचा सका, उतनी बचाकर वहाँ से निकल गया। मैं कह सकता हूँ कि कभी-कभी यह एहसास होना अच्छा होता है कि इंसान कितना मूर्ख हो सकता है! लेकिन इस प्रक्रिया में किसी को भी आनंद नहीं आता।
और फिर, जैसे ही मैं एक बड़े शिपिंग कार्यालय के पास से गुज़र रहा था, मैं अचानक रुक गया। खिड़की में कंपनी की नावों में से एक का एक सुंदर मॉडल रखा था, और उस पर "केनिलवर्थ कैसल" लिखा था। मेरे दिमाग में एक अनोखा विचार कौंधा। मैंने दरवाज़ा धक्का देकर खोला और अंदर चला गया। मैं काउंटर तक गया और लड़खड़ाती आवाज़ में (इस बार सचमुच!) मैंने धीरे से कहा:
“किल्मोर्डन कैसल?”
“17 तारीख को साउथेम्प्टन से केप टाउन के लिए ट्रेन है? फर्स्ट क्लास है या सेकंड क्लास?”
"यह कितने का है?"
“फर्स्ट क्लास, सत्तासी पाउंड——”
मैंने उसे बीच में ही रोक दिया। यह संयोग मेरे लिए बहुत बड़ा था। बिलकुल मेरी विरासत की रकम! मैं अपना सारा पैसा एक ही जगह लगा दूंगा।
मैंने कहा, "फर्स्ट क्लास।"
अब मैं इस साहसिक यात्रा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध था।

अध्याय आठ

(सांसद सर यूस्टेस पेडलेर की डायरी से उद्धरण)

यह एक अजीब बात है कि मुझे कभी शांति नहीं मिलती। मैं एक शांत जीवन जीने वाला व्यक्ति हूँ। मुझे अपना क्लब, ब्रिज का खेल, बढ़िया खाना और अच्छी शराब पसंद है। मुझे गर्मियों में इंग्लैंड और सर्दियों में रिवेरा पसंद है। मुझे सनसनीखेज घटनाओं में भाग लेने की कोई इच्छा नहीं है। कभी-कभी, अच्छी आग के सामने बैठकर, मैं अखबार में उनके बारे में पढ़ने में कोई आपत्ति नहीं करता। लेकिन बस

इतना ही। मेरे जीवन का उद्देश्य पूरी तरह से आराम से रहना है। मैंने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए काफी सोच-विचार और पैसा खर्च किया है। लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि मैं हमेशा सफल होता हूँ। अगर मेरे साथ कुछ नहीं होता, तो मेरे आस-पास घटित हो जाता है, और अक्सर, अनजाने में ही, मैं उसमें शामिल हो जाता हूँ। मुझे शामिल होना बिल्कुल पसंद नहीं है।

यह सब इसलिए हुआ क्योंकि आज सुबह गाइ पैगेट मेरे बेडरूम में हाथ में टेलीग्राम लिए और किसी अंतिम संस्कार में खड़े मूक व्यक्ति की तरह उदास चेहरा लिए हुए आया था।

गाय पैगेट मेरा सचिव है, एक उत्साही, मेहनती और कर्मठ व्यक्ति, हर मायने में प्रशंसनीय। मुझे उससे ज़्यादा परेशान करने वाला कोई नहीं पता। मैं लंबे समय से सोच रहा हूँ कि उससे कैसे छुटकारा पाऊँ। लेकिन आप किसी सचिव को सिर्फ इसलिए नहीं निकाल सकते क्योंकि वह काम को खेल से ज़्यादा अहमियत देता है, सुबह जल्दी उठना पसंद करता है और उसमें कोई बुरी आदत नहीं है। उस आदमी के बारे में एकमात्र मज़ेदार बात उसका चेहरा है। उसका चेहरा चौदहवीं सदी के किसी ज़हर देने वाले जैसा है—ठीक वैसे ही आदमी जैसे बोर्जिया अपने छोटे-मोटे काम करवाने के लिए रखते थे।

अगर पैगेट मुझसे भी काम न करवाता तो मुझे इतनी परेशानी नहीं होती। मेरे लिए काम वो है जिसे हल्के-फुल्के ढंग से किया जाए—बल्कि ऐसे कि उसे हल्के में लिया जाए! मुझे शक है कि गाय पैगेट ने अपनी जिंदगी में कभी किसी चीज को हल्के में लिया होगा। वो हर चीज को गंभीरता से लेता है। यही वजह है कि उसके साथ रहना इतना मुश्किल है।

पिछले हफ्ते मुझे उसे फ्लोरेंस भेजने का शानदार विचार आया। उसने फ्लोरेंस के बारे में बात की और बताया कि वह वहां जाना कितना चाहता है।

मैंने पुकारते हुए कहा, “मेरे प्यारे साथी, तुम कल जाओगे। मैं तुम्हारे सारे खर्चे उठाऊंगा।”

जनवरी फ्लोरेंस जाने का आम समय नहीं होता, लेकिन पैगेट के लिए तो यह बिल्कुल सामान्य समय होता। मैं कल्पना कर सकता था कि वह हाथ में गाइडबुक लिए, सभी चित्र दीर्घाओं का भ्रमण कर रहे होंगे। और इस कीमत पर एक सप्ताह की आजादी मेरे लिए बहुत सस्ती थी।

यह एक शानदार सप्ताह रहा। मैंने वह सब कुछ किया जो मैं करना चाहती थी, और कुछ भी ऐसा नहीं किया जो मैं नहीं करना चाहती थी। लेकिन जब मैंने आज सुबह तड़के 9 बजे आँखें खोलीं और देखा कि पैगेट मेरे और रोशनी के बीच खड़ी है, तो मुझे एहसास हुआ कि मेरी आज़ादी खत्म हो गई है।

मैंने कहा, "मेरे प्रिय मित्र, क्या अंतिम संस्कार हो चुका है या यह सुबह बाद में होगा?"

पैगेट को शुष्क हास्य पसंद नहीं है। वह बस घूरता रहा।

"तो आपको पता है, सर यूस्टेस?"

मैंने चिढ़कर कहा, "जानते हो क्या? तुम्हारे चेहरे के हाव-भाव से मुझे समझ आ गया था कि आज सुबह तुम्हारे किसी करीबी रिश्तेदार का अंतिम संस्कार होने वाला है।"

पैगेट ने यथासंभव उस हमले को नजरअंदाज किया।

“मुझे लगा था कि आपको इसके बारे में पता नहीं होगा।” उसने टेलीग्राम पर टैप किया। “मुझे पता है कि आपको सुबह जल्दी उठना पसंद नहीं है—लेकिन नौ बज चुके हैं”—पैगेट सुबह 9 बजे को लगभग दिन का मध्य मानते हैं—“और मुझे लगा कि इन परिस्थितियों में—” उसने फिर से टेलीग्राम पर टैप किया।

मैंने पूछा, "वह क्या चीज है?"

“मार्लो पुलिस की ओर से एक टेलीग्राम आया है। आपके घर में एक महिला की हत्या कर दी गई है।”

इससे मुझमें वाकई उत्साह जागा।

मैंने हैरानी से कहा, "कितनी बेशर्मी है! मेरे घर में ही क्यों? उसकी हत्या किसने की?"

“वे कुछ नहीं कहते। मुझे लगता है कि हमें तुरंत इंग्लैंड वापस जाना चाहिए, सर यूस्टेस?”

“आपको ऐसा कुछ भी नहीं सोचना चाहिए। हमें वापस क्यों जाना चाहिए?”

पुलिस——”

मुझे पुलिस से आखिर क्या लेना-देना है?

"खैर, यह आपका घर था।"

मैंने कहा, "ऐसा लगता है कि यह मेरी गलती से ज्यादा मेरी बदकिस्मती है।"

गाय पैगेट ने निराशा से अपना सिर हिलाया।

उन्होंने उदास स्वर में कहा, "इसका निर्वाचन क्षेत्र पर बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।"

मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों होना चाहिए था—फिर भी मुझे लगता है कि ऐसे मामलों में पैगेट की अंतर्दृष्टि हमेशा सही होती है। देखने में तो ऐसा लगता है कि किसी सांसद की कार्यक्षमता में कोई कमी नहीं आएगी, भले ही कोई अनजानी युवती आकर उसके खाली घर में हत्या करवा दे—लेकिन किसी भी मामले पर सम्मानित ब्रिटिश जनता की क्या राय होगी, इसका कोई हिसाब नहीं लगाया जा सकता।

"वह भी एक विदेशी है, और इससे मामला और भी खराब हो जाता है," पैगेट ने उदास स्वर में कहा।

मुझे फिर से लगता है कि वह सही है। अगर अपने घर में किसी महिला की हत्या करवाना शर्मनाक है, तो अगर वह महिला विदेशी हो तो यह और भी शर्मनाक हो जाता है। एक और विचार मेरे मन में आया।

“हे भगवान!” मैंने हैरानी से कहा, “मुझे उम्मीद है कि इससे कैरोलीन नाराज नहीं होगी।”

कैरोलीन मेरे लिए खाना बनाती है। संयोगवश, वह मेरे माली की पत्नी है। वह कैसी पत्नी है, यह तो मैं नहीं जानता, लेकिन वह बेहतरीन खाना बनाती है। दूसरी ओर, जेम्स अच्छा माली नहीं है—लेकिन मैं उसे आराम करने देता हूँ और उसे रहने के लिए यह झोपड़ी सिर्फ कैरोलीन के खाने की वजह से ही देता हूँ।

पैगेट ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि वह इसके बाद रुकेगी।"

मैंने कहा, "तुम हमेशा से ही हंसमुख इंसान थे।"

मुझे लगता है कि मुझे इंग्लैंड वापस जाना पड़ेगा। पैगेट का इरादा साफ तौर पर यही है। और कैरोलीन को भी मनाना है।

तीन दिन बाद।

मुझे समझ नहीं आता कि सर्दियों में इंग्लैंड से बाहर जाने का मौका होने के बावजूद कोई क्यों नहीं जाता! यहाँ का मौसम बहुत ही खराब है। ये सारी परेशानी बहुत झुंझलाहट पैदा कर रही है। मकान एजेंटों का कहना है कि इतनी पब्लिसिटी के बाद मिल हाउस को किराए पर देना लगभग नामुमकिन होगा। कैरोलीन को दुगुनी तनख्वाह देकर मना लिया गया है। हम उसे कान से इस बारे में संदेश भेज सकते थे। दरअसल, जैसा कि मैं हमेशा कहता आया हूँ, हमारे यहाँ आने का कोई मकसद ही नहीं था। मैं कल वापस चला जाऊँगा।

एक दिन बाद।

कई बेहद चौंकाने वाली घटनाएँ घटी हैं। सबसे पहले, मेरी मुलाकात ऑगस्टस मिलरे से हुई, जो मौजूदा सरकार द्वारा पैदा किए गए एक मूर्ख व्यक्ति का सबसे सटीक उदाहरण हैं। क्लब में जब उन्होंने मुझे एक शांत कोने में बुलाया, तो उनके हाव-भाव में कूटनीतिक गोपनीयता झलक रही थी। उन्होंने काफी देर तक बात की। दक्षिण अफ्रीका और वहाँ की औद्योगिक स्थिति के बारे में। रैंड में हड़ताल की बढ़ती अफवाहों के बारे में। उस हड़ताल के पीछे के गुप्त कारणों के बारे में। मैंने यथासंभव धैर्य से सुना। अंत में, उन्होंने अपनी आवाज़ धीमी कर ली और फुसफुसाते हुए बताया कि कुछ दस्तावेज़ सामने आए हैं जिन्हें जनरल स्मट्स को सौंप दिया जाना चाहिए।
मैंने जम्हाई रोकते हुए कहा, "मुझे इसमें कोई शक नहीं कि आप बिल्कुल सही हैं।"
लेकिन हम उन्हें उस तक कैसे पहुंचाएंगे? इस मामले में हमारी स्थिति नाजुक है—बहुत ही नाजुक।
मैंने हंसते हुए कहा, "डाक में क्या गड़बड़ है? बस दो पैसे का टिकट लगाओ और उन्हें पास के ही लेटरबॉक्स में डाल दो।"
वह इस सुझाव पर काफी हैरान लग रहा था।
“मेरे प्यारे फेरीवाले! आम डाक!”
मुझे हमेशा से यह बात रहस्य लगी है कि सरकारें राजाओं के दूतों को क्यों नियुक्त करती हैं और अपने गोपनीय दस्तावेजों पर इतना ध्यान क्यों देती हैं।
"अगर आपको यह पद पसंद नहीं है, तो अपने किसी युवा विदेश कार्यालय के फेलो को भेज दीजिए। उसे यह यात्रा अच्छी लगेगी।"
“असंभव,” मिलरे ने बुढ़ापे के अंदाज़ में सिर हिलाते हुए कहा। “इसके कारण हैं, मेरे प्रिय पेडलर—मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, इसके कारण हैं।”
“खैर,” मैंने उठते हुए कहा, “यह सब बहुत दिलचस्प है, लेकिन मुझे अब जाना होगा—”
“एक मिनट रुकिए, मेरे प्रिय पेडलर, एक मिनट, मैं आपसे विनती करता हूँ। अब मुझे विश्वास में बताइए, क्या यह सच नहीं है कि आप स्वयं शीघ्र ही दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करने वाले हैं? मुझे पता है कि रोडेशिया में आपकी गहरी रुचि है, और रोडेशिया का संघ में शामिल होना एक ऐसा मुद्दा है जिसमें आपकी गहरी दिलचस्पी है।”
"खैर, मैंने लगभग एक महीने बाद बाहर जाने के बारे में सोचा था।"
“क्या आप इसे इससे पहले नहीं कर सकते? इसी महीने? बल्कि इसी सप्ताह?”

मैंने कुछ दिलचस्पी से उसकी ओर देखते हुए कहा, "मैं कर सकता हूँ। लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं ऐसा करना चाहता भी हूँ या नहीं।"
"आप सरकार की बहुत बड़ी सेवा करेंगे—बहुत बड़ी सेवा। आपको वे—अह—कृतघ्न नहीं मिलेंगे।"
"मतलब, आप चाहते हैं कि मैं डाकिया बनूँ?"
“बिल्कुल सही। आपका पद अनौपचारिक है, आपकी यात्रा वास्तविक है। सब कुछ बेहद संतोषजनक होगा।”
“ठीक है,” मैंने धीरे से कहा, “मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं बस जल्द से जल्द इंग्लैंड से बाहर निकलना चाहता हूँ।”
"आपको दक्षिण अफ्रीका की जलवायु बेहद सुखद लगेगी—सचमुच सुखद।"
"मेरे प्रिय मित्र, मैं जलवायु के बारे में सब कुछ जानता हूँ। मैं युद्ध से कुछ समय पहले वहाँ था।"
“पेडलर, मैं आपका बहुत आभारी हूँ। मैं आपके लिए पैकेज संदेशवाहक के माध्यम से भेज दूँगा। इसे जनरल स्मट्स के हाथों में पहुँचाना है, समझे? किल्मॉर्डन कैसल शनिवार को रवाना होगा—काफी अच्छा जहाज है।”
मैं उनके साथ पैल मॉल रोड पर थोड़ी दूर तक गया, फिर हम अलग हो गए। उन्होंने गर्मजोशी से मेरा हाथ मिलाया और एक बार फिर दिल से धन्यवाद कहा।
मैं सरकारी नीतियों के विचित्र पहलुओं पर विचार करते हुए घर लौटा।
अगली शाम मेरे बटलर जार्विस ने मुझे बताया कि एक सज्जन मुझसे निजी काम से मिलना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया। मुझे बीमा एजेंटों से हमेशा ही डर लगता है, इसलिए मैंने जार्विस से कहा कि वह कह दे कि मैं उनसे नहीं मिल सकता। दुर्भाग्य से, गाय पैगेट, जब वह वास्तव में मेरे काम आ सकते थे, पित्त की बीमारी से बीमार पड़ गए। ये मेहनती और लगनशील नौजवान, जिनका पेट कमजोर होता है, अक्सर पित्त की बीमारी के शिकार हो जाते हैं।
जार्विस लौट आया।
"उस सज्जन ने मुझसे आपको यह बताने के लिए कहा है, सर यूस्टेस, कि वह श्री मिलरे की ओर से आपके पास आए हैं।"
इससे हालात पूरी तरह बदल गए। कुछ मिनट बाद मैं पुस्तकालय में अपने आगंतुक से मिला। वह एक हट्टा-कट्टा नौजवान था, जिसका चेहरा गहरे रंग से रंगा हुआ था।

उसकी आंख के कोने से जबड़े तक एक तिरछा निशान था, जिसने उसके चेहरे को, जो अन्यथा सुंदर तो होता लेकिन कुछ हद तक बेपरवाह दिखता, बदसूरत बना दिया था।

मैंने कहा, "तो क्या बात है?"

“श्री मिलरे ने मुझे आपके पास भेजा है, सर यूस्टेस। मुझे आपके सचिव के रूप में आपके साथ दक्षिण अफ्रीका जाना है।”

मैंने कहा, "मेरे प्रिय मित्र, मेरे पास पहले से ही एक सचिव है। मुझे दूसरी नहीं चाहिए।"

“मुझे लगता है कि आप जानते हैं, सर यूस्टेस। आपका सचिव अभी कहाँ है?”

मैंने समझाया, "उसे पित्त की बीमारी का दौरा पड़ा है।"

"क्या आपको यकीन है कि यह सिर्फ पित्त का दौरा है?"

“बिल्कुल है। वह उनके अधीन है।”

मेरे आगंतुक ने मुस्कुराया।

“हो सकता है ये पित्त का दौरा हो या न हो। समय बताएगा। लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ, सर यूस्टेस, अगर आपके सचिव को रास्ते से हटाने की कोशिश की जाए तो श्री मिलरे को आश्चर्य नहीं होगा। अरे, आपको अपने लिए डरने की कोई ज़रूरत नहीं है”—मुझे लगता है मेरे चेहरे पर पल भर के लिए घबराहट झलक गई थी —“आपको कोई खतरा नहीं है। आपके सचिव के हट जाने से आप तक पहुँचना आसान हो जाएगा। वैसे भी, श्री मिलरे चाहते हैं कि मैं आपके साथ चलूँ। यात्रा का किराया तो हम ही देंगे, लेकिन पासपोर्ट के लिए आप ज़रूरी कदम उठाएँगे, जैसे आपने तय कर लिया हो कि आपको दूसरे सचिव की ज़रूरत है।”

वह एक दृढ़ निश्चयी युवक प्रतीत हो रहा था। हम दोनों ने एक-दूसरे को घूरा और उसने मुझे भेदने की कोशिश की।

“बहुत अच्छा,” मैंने कमजोर आवाज में कहा।

"मेरे आपके साथ आने के बारे में आप किसी को कुछ नहीं बताएंगे।"

“बहुत अच्छा,” मैंने फिर कहा।

आखिरकार, शायद इस साथी का मेरे साथ होना बेहतर ही था, लेकिन मुझे पूर्वाभास हो गया था कि मैं गहरे संकट में फंसने वाला हूँ। ठीक उसी समय जब मैंने सोचा था कि मुझे शांति मिल गई है!

जब मेरा मेहमान जाने के लिए मुड़ने लगा तो मैंने उसे रोक लिया।
मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "अगर मुझे अपनी नई सचिव का नाम पता होता तो शायद बेहतर ही होता।"
उसने एक मिनट तक सोचा।
उन्होंने कहा, "हैरी रेबर्न एक बहुत ही उपयुक्त नाम लगता है।"
यह बात कहने का एक अजीब तरीका था।
“बहुत अच्छा,” मैंने तीसरी बार कहा।

अध्याय IX

(ऐनी की कहानी पुनः शुरू)

किसी नायिका के लिए समुद्री बीमारी होना बहुत ही अशोभनीय माना जाता है। किताबों में, जहाज जितना ज़्यादा हिलता-डुलता है, उसे उतना ही अच्छा लगता है। जब बाकी सब बीमार होते हैं, तो वह अकेली ही डेक पर लड़खड़ाती हुई चलती है, मौसम की मार झेलती है और मानो तूफ़ान में आनंद मना रही हो। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि किल्मोर्डन के पहले ही झटके पर मेरा चेहरा पीला पड़ गया और मैं जल्दी से नीचे चली गई। एक दयालु एयर होस्टेस ने मेरा स्वागत किया। उसने मुझे सूखा टोस्ट और जिंजर एले पीने का सुझाव दिया।
मैं तीन दिन तक अपने केबिन में कराहती रही। मेरा लक्ष्य भुला दिया गया था। मुझे अब रहस्य सुलझाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। मैं उस ऐनी से बिल्कुल अलग थी जो शिपिंग ऑफिस से इतनी खुशी से साउथ केंसिंग्टन स्क्वायर लौटी थी।
मुझे अब भी हंसी आती है जब मुझे ड्राइंग रूम में अचानक प्रवेश करने की घटना याद आती है। श्रीमती फ्लेमिंग वहां अकेली थीं। मेरे प्रवेश करते ही उन्होंने अपना सिर मेरी ओर घुमाया।
"क्या तुम हो, ऐनी, मेरी प्यारी? मुझे तुमसे कुछ बात करनी है।"
“जी?” मैंने अपनी अधीरता को काबू में रखते हुए कहा।
“मिस एमरी मुझे छोड़कर जा रही हैं।” मिस एमरी गवर्नेस थीं। “चूंकि आपको अभी तक कुछ नहीं मिला है, तो मैंने सोचा कि क्या आप चाहेंगी—अगर आप हमारे साथ

ही रहें तो कितना अच्छा होगा?”
मैं भावुक हो गया। मुझे पता था कि वह मुझे नहीं चाहती थी। यह तो बस ईसाई धर्मपरायणता थी जिसने उसे यह प्रस्ताव देने के लिए प्रेरित किया। मुझे उसके बारे में अपनी गुप्त आलोचना पर पछतावा हुआ। उठकर मैं आवेग में कमरे के उस पार भागा और उसके गले में अपनी बाहें डाल दीं।
मैंने कहा, "आप बहुत प्यारी हैं। बहुत प्यारी, बहुत प्यारी, बहुत प्यारी! और आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन कोई बात नहीं, मैं शनिवार को दक्षिण अफ्रीका जा रही हूँ।"
मेरे अचानक किए गए व्यवहार से वह महिला चौंक गई। उन्हें स्नेह के अचानक प्रदर्शन की आदत नहीं थी। मेरे शब्दों ने उन्हें और भी चौंका दिया।
“दक्षिण अफ्रीका के लिए? मेरी प्यारी ऐनी। हमें इस तरह की किसी भी बात की बहुत सावधानी से जांच करनी होगी।”
मैं ऐसा बिल्कुल नहीं चाहती थी। मैंने समझाया कि मैंने पहले ही टिकट ले लिया है और पहुँचने पर मैं नौकरानी का काम करना चाहती हूँ। उस समय मुझे यही एक बात सूझी। मैंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में नौकरानियों की बहुत मांग है। मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि मैं अपना खर्च खुद उठा सकती हूँ, और अंत में, मुझे इस झंझट से मुक्त करके उन्होंने राहत की सांस ली और बिना कोई सवाल किए मेरा प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। विदा होते समय उन्होंने मेरे हाथ में एक लिफाफा थमा दिया। उसके अंदर मुझे पाँच नए, कुरकुरे पाँच पाउंड के नोट और ये शब्द मिले: "मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा और आप इसे मेरे प्यार के साथ स्वीकार करेंगी।" वह बहुत अच्छी और दयालु महिला थीं। मैं उनके साथ एक ही घर में नहीं रह सकती थी, लेकिन मैंने उनके आंतरिक गुणों को पहचाना।
तो मैं यहाँ था, अपनी जेब में पच्चीस पाउंड लिए, दुनिया का सामना कर रहा था और अपने साहसिक कार्य को आगे बढ़ा रहा था।
चौथे दिन आखिरकार एयर होस्टेस ने मुझे डेक पर आने के लिए कहा। मुझे लगता था कि नीचे मरने की संभावना ज़्यादा होती है, इसलिए मैंने अपना बिस्तर छोड़ने से साफ इनकार कर दिया था। अब उसने मुझे मदीरा जाने का लालच दिया। मेरे मन में उम्मीद जगी। मैं नाव छोड़कर किनारे जा सकती थी और वहाँ नौकरानी का काम कर सकती थी। सूखी ज़मीन के लिए मैं कुछ भी कर सकती थी।

कोट और कंबलों में लिपटा हुआ, और पैरों में बिल्ली के बच्चे की तरह कमजोर, मुझे उठाकर एक बेजान वस्तु की तरह डेक-चेयर पर बिठा दिया गया। मैं वहाँ आँखें बंद करके लेटा रहा, जीवन से घृणा करता हुआ। पर्सर, एक गोरे बालों वाला युवक, गोल-मटोल चेहरे वाला, आया और मेरे बगल में बैठ गया।

"हेलो! लगता है तुम्हें खुद पर तरस आ रहा है?"

“हां,” मैंने उससे नफरत करते हुए जवाब दिया।

“अरे, एक-दो दिन में तो तुम खुद ही नहीं जान पाओगे। खाड़ी में काफी तेज बर्फबारी हुई है, लेकिन आगे मौसम साफ होने वाला है। कल मैं तुमसे क्वॉइट्स (एक प्रकार का समुद्री तूफान) खेलने के लिए मुकाबला करूंगा।”

मैंने कोई जवाब नहीं दिया।

“क्या तुम्हें लगता है कि तुम कभी उबर नहीं पाओगे? लेकिन मैंने तुमसे भी बदतर हालत में लोगों को देखा है, और दो दिन बाद वे जहाज की जान बन गए थे। तुम भी वैसे ही हो जाओगे।”

मुझे इतनी हिम्मत नहीं हुई कि मैं उसे सीधे-सीधे कह सकूँ कि वह झूठा है। मैंने इशारे से ही यह बात समझाने की कोशिश की। वह कुछ मिनट और मजे से बातें करता रहा, फिर दयापूर्वक चला गया। लोग आते-जाते रहे, चुस्त-दुरुस्त जोड़े "व्यायाम" करते, बच्चे उछल-कूद करते, युवा हंसते-हंसते। कुछ और पीले-सी दिखने वाले पीड़ित, मेरी ही तरह, डेक-कुर्सियों पर लेटे हुए थे।

हवा सुहावनी, ताज़ी और ज़्यादा ठंडी नहीं थी, और सूरज चमक रहा था। अनजाने में ही मुझे थोड़ी खुशी महसूस हुई। मैंने लोगों को देखना शुरू किया। एक महिला ने मुझे विशेष रूप से आकर्षित किया। वह लगभग तीस वर्ष की थी, मध्यम कद की, बेहद गोरी, गोल-मटोल गालों पर गड्ढों वाली और नीली आँखों वाली। उसके कपड़े, हालांकि बिल्कुल सादे थे, फिर भी उनमें एक अनूठी सी खूबसूरती थी जो पेरिस की याद दिलाती थी। साथ ही, एक सुखद लेकिन आत्मविश्वास से भरे अंदाज़ में, ऐसा लग रहा था मानो वह जहाज़ की मालकिन हो!

उसके आदेशों का पालन करते हुए डेक के कर्मचारी इधर-उधर भागते रहते थे। उसके पास एक खास कुर्सी थी और तकियों का मानो कभी न खत्म होने वाला भंडार था। उसने तीन बार अपना मन बदला कि उसे कहाँ रखना है। इन सबके बावजूद वह आकर्षक और मनमोहक बनी रही। वह दुनिया के उन दुर्लभ लोगों में से एक लगती थी

जो जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए, उसे हासिल करते हैं और बिना किसी को ठेस पहुँचाए ऐसा कर लेते हैं। मैंने तय किया कि अगर मैं कभी ठीक हो जाऊँ—लेकिन ज़ाहिर है कि मुझे ठीक नहीं होना चाहिए—तो उससे बात करना मुझे अच्छा लगेगा।
हम दोपहर के करीब मदीरा पहुँचे। मैं अभी भी इतना सुस्त था कि हिल भी नहीं पा रहा था, लेकिन मुझे जहाज पर आए और अपना सामान डेक पर फैलाते हुए सुंदर दिखने वाले व्यापारी बहुत अच्छे लगे। वहाँ फूल भी थे। मैंने मीठे, गीले वायलेट के एक बड़े गुच्छे में अपनी नाक डुबोई और मुझे काफी अच्छा लगा। वास्तव में, मुझे लगा कि शायद मैं यात्रा के अंत तक जीवित रह पाऊँगा। जब मेरी एयर होस्टेस ने थोड़े से चिकन शोरबे की खूबियों के बारे में बताया, तो मैंने बस हल्के से विरोध किया। जब वह आया तो मैंने उसका आनंद लिया।
मेरी आकर्षक महिला किनारे पर गई थी। वह एक लंबे, सिपाही जैसे दिखने वाले, काले बालों और सांवले चेहरे वाले व्यक्ति के साथ लौटी, जिसे मैंने दिन में पहले डेक पर इधर-उधर घूमते हुए देखा था। मैंने उसे तुरंत रोडेशिया के बलवान, शांत पुरुषों में से एक समझ लिया। वह लगभग चालीस वर्ष का था, दोनों कनपटी पर हल्के भूरे बाल थे, और वह जहाज पर मौजूद सभी पुरुषों में सबसे सुंदर था।
जब एयर होस्टेस मेरे लिए एक अतिरिक्त कंबल लेकर आई तो मैंने उससे पूछा कि क्या वह जानती है कि वह आकर्षक महिला कौन थी।
“वह एक जानी-मानी संभ्रांत महिला हैं, माननीय श्रीमती क्लेरेंस ब्लेयर। आपने उनके बारे में अखबारों में जरूर पढ़ा होगा।”
मैंने सिर हिलाया और नए सिरे से दिलचस्पी से उसकी ओर देखा। श्रीमती ब्लेयर उस समय की सबसे बुद्धिमान महिलाओं में से एक के रूप में बहुत प्रसिद्ध थीं। मैंने कुछ मजे के साथ देखा कि वह काफी ध्यान आकर्षित कर रही थीं। कई लोग नाव पर मिलने वाली सुखद अनौपचारिकता का फायदा उठाकर उनसे जान-पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे। श्रीमती ब्लेयर के उन्हें नज़रअंदाज़ करने के विनम्र तरीके की मैंने प्रशंसा की। ऐसा लगता था कि उन्होंने उस मजबूत, शांत पुरुष को अपना विशेष सेवक बना लिया था, और वह व्यक्ति भी अपने इस विशेषाधिकार के प्रति पूरी तरह से सजग था।
अगली सुबह, मुझे आश्चर्य हुआ कि अपनी चौकस साथी के साथ डेक के कुछ चक्कर लगाने के बाद, श्रीमती ब्लेयर मेरी कुर्सी के पास आकर रुक गईं।

"आज सुबह कैसा लग रहा है?"
मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि अब मुझे थोड़ा और इंसान जैसा महसूस हो रहा है।
“कल आप वाकई बीमार लग रहे थे। कर्नल रेस और मैंने फैसला किया था कि हमें समुद्र में ही अंतिम संस्कार का रोमांच मनाना चाहिए—लेकिन आपने हमें निराश किया।”
मैं हँस पड़ा।
"हवा में रहने से मुझे बहुत फायदा हुआ है।"
"ताज़ी हवा जैसा कुछ नहीं," कर्नल रेस ने मुस्कुराते हुए कहा।
“उन घुटन भरे केबिनों में बंद रहना किसी को भी मार डालेगा,” श्रीमती ब्लेयर ने मेरे बगल वाली सीट पर बैठते हुए और अपने साथी को हल्के से सिर हिलाकर विदा करते हुए कहा। “उम्मीद है आपके पास बाहर वाला केबिन होगा?”
मैंने अपना सिर हिलाया।
“मेरी प्यारी बच्ची! तुम केबिन क्यों नहीं बदल लेती? यहाँ बहुत जगह है। मदीरा में बहुत सारे लोग उतर गए हैं, और नाव बिल्कुल खाली है। इस बारे में पर्सर से बात करो। वह बहुत अच्छा लड़का है—उसने मुझे एक सुंदर केबिन में बदल दिया क्योंकि मुझे मेरा केबिन पसंद नहीं था। जब तुम नीचे जाओगी तो दोपहर के भोजन के समय उससे बात कर लेना।”
मैं सिहर उठा।
मैं हिल भी नहीं पा रहा था।
“मूर्खता मत करो। चलो अब मेरे साथ सैर पर चलते हैं।”
उसने मुझे हौसला देते हुए गालों पर डिंपल डाली। पहले तो मुझे अपने पैरों में बहुत कमजोरी महसूस हुई, लेकिन जैसे-जैसे हम तेज़ी से ऊपर-नीचे चलने लगे, मुझे बेहतर और तरोताज़ा महसूस होने लगा।
एक-दो चक्कर लगाने के बाद, कर्नल रेस फिर से हमारे साथ शामिल हो गए।
"दूसरी तरफ से आप टेनेरिफ की ग्रैंड पीक देख सकते हैं।"
“क्या हम ऐसा कर सकते हैं? क्या आप बता सकते हैं कि मैं इसकी एक तस्वीर ले सकता हूँ?”
"नहीं—लेकिन इससे तुम उस पर गुस्सा करने से नहीं रुकोगे।"

श्रीमती ब्लेयर हंस पड़ीं।
“आप निर्दयी हैं। मेरी कुछ तस्वीरें बहुत अच्छी हैं।”
"लगभग तीन प्रतिशत प्रभावी, मुझे कहना चाहिए।"
हम सब डेक के दूसरी तरफ गए। वहाँ, सफेद और बर्फीली चमक के साथ, गुलाबी रंग की हल्की धुंध में लिपटा हुआ, जगमगाता शिखर दिखाई दिया। मैंने खुशी से एक शब्द कहा। श्रीमती ब्लेयर अपना कैमरा लेने दौड़ पड़ीं।
कर्नल रेस की व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से विचलित हुए बिना, उन्होंने जोरदार ढंग से जवाब दिया:
“लो, रोल यहीं खत्म होता है। ओह,” उसका लहजा निराशा से भर गया, “मैंने इसे हमेशा ‘बल्ब’ पर ही रखा था।”
“मुझे हमेशा किसी बच्चे को नए खिलौने के साथ देखना अच्छा लगता है,” कर्नल ने धीरे से कहा।
"तुम कितने घटिया हो—लेकिन मेरे पास एक और रोल है।"
उसने विजयी भाव से उसे अपने स्वेटर की जेब से निकाला। नाव के अचानक हिलने से उसका संतुलन बिगड़ गया, और जैसे ही उसने खुद को संभालने के लिए रेलिंग पकड़ी, फिल्म का रोल पानी में गिर गया।
“ओह!” श्रीमती ब्लेयर ने हास्यास्पद ढंग से हैरानी जताते हुए कहा। वह आगे झुकीं। “क्या आपको लगता है कि उन्होंने हद पार कर दी है?”
"नहीं, हो सकता है कि आप भाग्यशाली रहे हों और नीचे वाले डेक पर किसी बदकिस्मत स्टीवर्ड का सिर फोड़ दिया हो।"
हमारे पीछे कुछ ही कदम की दूरी पर चुपके से पहुंचा एक छोटा लड़का बिगुल पर इतनी तेज आवाज में बजा रहा था कि कान बहरे हो रहे थे।
श्रीमती ब्लेयर ने उत्साह से कहा, "दोपहर का भोजन! मैंने नाश्ते के बाद से कुछ नहीं खाया है, सिवाय दो कप बीफ़-टी के। दोपहर का भोजन, मिस बेडिंगफेल्ड?"
“ठीक है,” मैंने हिचकिचाते हुए कहा। “हाँ, मुझे काफी भूख लग रही है।”
“शानदार। मुझे पता है कि आप पर्सर की मेज पर बैठे हैं। केबिन में उससे बात करो।”
मैं किसी तरह नीचे बैठक कक्ष में पहुँचा, धीरे-धीरे खाना शुरू किया और अंत में भरपेट भोजन किया। कल मिले मेरे दोस्त ने मुझे ठीक होने पर बधाई दी। उसने बताया कि आज सभी लोग अपने केबिन बदल रहे हैं, और उसने वादा किया कि मेरा सामान

बिना देरी किए बाहर वाले केबिन में पहुँचा दिया जाएगा।
हमारी मेज पर केवल चार लोग थे, मैं, दो बुजुर्ग महिलाएं और एक मिशनरी जो "हमारे गरीब अश्वेत भाइयों" के बारे में बहुत बातें करता था।
मैंने बाकी मेजों पर नज़र डाली। श्रीमती ब्लेयर कप्तान की मेज पर बैठी थीं, उनके बगल में कर्नल रेस थे। कप्तान के दूसरी तरफ एक प्रतिष्ठित दिखने वाला, सफ़ेद बालों वाला आदमी बैठा था। डेक पर मैंने कई लोगों को पहले ही देख लिया था, लेकिन एक आदमी ऐसा था जो पहले दिखाई नहीं दिया था। अगर वह दिखाई भी देता, तो मेरी नज़र से बच पाना मुश्किल था। वह लंबा और सांवला था, और उसका चेहरा कुछ इस तरह से भयावह था कि मैं चौंक गया। मैंने उत्सुकता से पर्सर से पूछा कि वह कौन है।
“वो आदमी? ओह, ये तो सर यूस्टेस पेडलर के सचिव हैं। बेचारे को समुद्री बीमारी हो गई थी और वो अब तक नहीं आए। सर यूस्टेस के साथ दो सचिव हैं, और दोनों की हालत बहुत खराब हो गई है। तीसरा अभी तक नहीं आया है। इस आदमी का नाम पैगेट है।”
तो मिल हाउस के मालिक सर यूस्टेस पेडलेर भी जहाज पर सवार थे। शायद यह महज एक संयोग था, फिर भी—
मेरे मुखबिर ने आगे बताया, “कैप्टन के बगल में सर यूस्टेस बैठे हैं। बड़े घमंडी बूढ़े हैं।”
जैसे-जैसे मैं सचिव के चेहरे को गौर से देखता गया, वह मुझे उतना ही नापसंद होता गया। उसका पीलापन, रहस्यमयी, भारी पलकों वाली आंखें, विचित्र रूप से चपटा सिर—ये सब मुझे अरुचि और आशंका का भाव दे रहे थे।
जैसे ही वह सैलून से निकला, मैं भी उसके पीछे-पीछे डेक पर चला गया। वह सर यूस्टेस से बात कर रहा था, और मैंने उसकी कुछ बातें सुन लीं। “तो मैं अभी केबिन देख लेता हूँ, ठीक है? तुम्हारे केबिन में तो इतने सारे ट्रंक रखे हैं, काम करना नामुमकिन है।”
“मेरे प्रिय मित्र,” सर यूस्टेस ने उत्तर दिया। “मेरी कुटिया (क) मेरे सोने के लिए और (ख) कपड़े पहनने की कोशिश करने के लिए है। मेरा इरादा कभी भी आपको यहाँ इधर-उधर लेटकर अपने उस टाइपराइटर से भयानक आवाज़ करने देने का नहीं था।”
“मैं भी यही कहता हूँ, सर यूस्टेस, हमें काम करने के लिए कोई जगह तो चाहिए ही।”

यहां मैं उनसे अलग हो गया और यह देखने के लिए नीचे गया कि क्या मुझे ले जाने की प्रक्रिया चल रही है। मैंने पाया कि मेरा सहायक उस काम में व्यस्त था।
“बहुत ही बढ़िया केबिन है, महोदया। डी डेक पर। नंबर 13।”
“अरे नहीं!” मैं चिल्लाई। “13 नहीं।”
तेरह नंबर की केबिन को लेकर मैं अंधविश्वासी हूँ। केबिन अच्छी थी। मैंने उसका निरीक्षण किया, मन में शंकाएँ, लेकिन एक मूर्खतापूर्ण अंधविश्वास हावी हो गया। मैंने लगभग रोते हुए अटेंडेंट से गुहार लगाई।
"क्या मुझे कोई और केबिन नहीं मिल सकता?"
कर्मचारी सोचने लगा।
“खैर, दाहिनी ओर 17 नंबर का कमरा है। आज सुबह वह खाली था, लेकिन मुझे लगता है कि वह किसी को आवंटित कर दिया गया है। फिर भी, चूंकि सज्जन का सामान अभी तक नहीं आया है, और चूंकि सज्जन महिलाएं जितनी अंधविश्वासी नहीं होतीं, मुझे लगता है कि उन्हें कमरा बदलने में कोई आपत्ति नहीं होगी।”
मैंने इस प्रस्ताव का सहर्ष स्वागत किया, और प्रबंधक मालवाहक अधिकारी से अनुमति लेने चला गया। वह मुस्कुराते हुए लौटा।
“कोई बात नहीं, महोदया। हम साथ चल सकते हैं।”
उन्होंने 17वें कमरे तक जाने का मार्ग प्रशस्त किया। यह 13वें कमरे जितना बड़ा तो नहीं था, लेकिन मुझे यह अत्यंत संतोषजनक लगा।
“मैडम, मैं अभी आपका सामान ले आता हूँ,” कर्मचारी ने कहा।
लेकिन उसी क्षण, भयावह चेहरे वाला वह व्यक्ति (जैसा कि मैंने उसे उपनाम दिया था) दरवाजे पर प्रकट हुआ।
उन्होंने कहा, "क्षमा कीजिए, लेकिन यह केबिन सर यूस्टेस पेडलेर के उपयोग के लिए आरक्षित है।"
“कोई बात नहीं, महोदय,” कर्मचारी ने समझाया। “हम इसके बजाय 13 नंबर की गाड़ी को तैयार कर रहे हैं।”
नहीं, मुझे तो 17वां नंबर मिलना था।
“सर, 13 नंबर का केबिन बेहतर है—बड़ा है।”
"मैंने विशेष रूप से नंबर 17 का चयन किया था, और पर्सर ने कहा कि मैं इसे ले सकता हूँ।"

मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मुझे खेद है। लेकिन मुझे 17 नंबर आवंटित किया गया है।"
मैं इससे सहमत नहीं हो सकता।
प्रबंधक ने अपनी चप्पू चलाई।
"दूसरा केबिन भी बिल्कुल वैसा ही है, बस बेहतर है।"
मुझे 17वां नंबर चाहिए।
“यह सब क्या है?” एक नई आवाज़ ने पूछा। “स्टुअर्ड, मेरा सामान यहाँ रख दो। यह मेरा केबिन है।”
दोपहर के भोजन के समय मेरे बगल में बैठे हुए रेवरेंड एडवर्ड चिचेस्टर थे।
मैंने कहा, "माफ़ कीजिएगा। यह मेरी केबिन है।"
श्री पैगेट ने कहा, "यह सर यूस्टेस पेडलेर को आवंटित किया गया है।"
हम सब काफी उत्तेजित हो रहे थे।
“मुझे इस मामले पर बहस करनी पड़ रही है, इसके लिए खेद है,” चिचेस्टर ने एक विनम्र मुस्कान के साथ कहा, लेकिन उनकी मुस्कान में अपनी बात मनवाने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। मैंने देखा है कि विनम्र स्वभाव के लोग अक्सर जिद्दी होते हैं।
वह धीरे-धीरे खिसकते हुए दरवाजे में घुस गया।
“आपको बाईं ओर वाला केबिन नंबर 28 मिलेगा,” अटेंडेंट ने कहा। “बहुत अच्छा केबिन है, महोदय।”
मुझे खेद है कि मुझे इस बात पर जोर देना होगा। केबिन नंबर 17 ही मुझे देने का वादा किया गया था।
हम एक गतिरोध पर आ गए थे। हममें से हर कोई हार मानने को तैयार नहीं था। सच कहूँ तो, मैं कम से कम इस प्रतियोगिता से हट सकता था और केबिन नंबर 28 स्वीकार करके मामला सुलझा सकता था। जब तक मुझे 13 नंबर का केबिन नहीं मिलता, तब तक मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि मुझे कौन सा केबिन मिलता है। लेकिन मेरा खून खौल रहा था। मैं हार मानने वालों में से किसी भी नहीं था। और मुझे चिचेस्टर बिल्कुल पसंद नहीं था। उसके नकली दांत थे जो खाते समय चटकते थे। कई लोग इससे भी कम बात पर नफरत का शिकार हुए हैं।
हम सबने वही बातें बार-बार दोहराईं। अटेंडेंट ने और भी दृढ़ता से हमें आश्वस्त किया कि बाकी दोनों केबिन बेहतर थे। हममें से किसी ने भी उसकी बात पर ध्यान नहीं

दिया।
पैगेट का गुस्सा फूटने लगा। चिचेस्टर ने अपना आपा शांत रखा। मैंने भी बड़ी मुश्किल से अपना आपा काबू में रखा। और फिर भी हममें से कोई भी एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं था।
स्टीवर्ड के एक इशारे और फुसफुसाते शब्द ने मुझे इशारा दिया। मैं चुपचाप वहाँ से निकल गया। सौभाग्य से मुझे लगभग तुरंत ही पर्सर से मिलने का मौका मिल गया।
“ओह, प्लीज़,” मैंने कहा, “आपने कहा था कि मुझे केबिन नंबर 17 मिल सकता है? और बाकी लोग जा ही नहीं रहे। मिस्टर चिचेस्टर और मिस्टर पैगेट। आप मुझे वह कमरा दे देंगे, है ना?”
मैं हमेशा कहती हूँ कि महिलाओं के प्रति अच्छे व्यवहार के मामले में नाविकों जैसा कोई नहीं होता। मेरे छोटे से सहायक ने बड़ी कुशलता से स्थिति को संभाला। वह तुरंत वहाँ पहुँचा और विवाद करने वालों को बताया कि केबिन नंबर 17 मेरा है, वे क्रमशः केबिन नंबर 13 और 28 ले सकते हैं या जहाँ हैं वहीं रह सकते हैं—जो भी उन्हें पसंद हो।
मैंने अपनी आँखों से उसे बताया कि वह कितना बड़ा हीरो था और फिर अपने नए क्षेत्र में आराम से बैठ गया। उस मुलाकात से मुझे बहुत फायदा हुआ। समुद्र शांत था, मौसम दिन-प्रतिदिन गर्म होता जा रहा था। समुद्री बीमारी अब बीते दिनों की बात हो गई थी!
मैं डेक पर गया और मुझे डेक-क्वॉइट्स के रहस्यों से परिचित कराया गया। मैंने विभिन्न खेलों के लिए अपना नाम दर्ज कराया। डेक पर चाय परोसी गई और मैंने भरपेट चाय पी। चाय के बाद, मैंने कुछ अच्छे नौजवानों के साथ शोवेल-बोर्ड खेला। वे मेरे प्रति बेहद दयालु थे। मुझे लगा कि जीवन संतोषजनक और आनंददायक है।
ड्रेसिंग बिगुल की आवाज़ अचानक आई और मैं जल्दी से अपने नए केबिन की ओर भागा। एयर होस्टेस परेशान चेहरे के साथ मेरा इंतज़ार कर रही थी।
"आपके केबिन में बहुत बदबू आ रही है, महोदया। मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा कि क्या है, लेकिन मुझे लगता है कि आप यहाँ सो नहीं पाएंगी। मुझे लगता है कि सी डेक पर एक डेक केबिन है। आप चाहें तो उसमें जा सकती हैं—कम से कम एक रात के लिए तो।"
बदबू सचमुच बहुत खराब थी—उल्टी आने वाली। मैंने एयर होस्टेस से कहा कि कपड़े

बदलते समय मैं कहीं और जाने के बारे में सोचूंगी। मैं जल्दी से टॉयलेट की ओर भागी और जाते हुए मुझे घिन आ रही थी।
कैसी गंध थी वो? मरे हुए चूहे की? नहीं, उससे भी बदतर—और बिल्कुल अलग। फिर भी मैं पहचान गया! ये कुछ ऐसा था जिसे मैंने पहले भी सूंघा था। कुछ—आह! मुझे याद आ गया। हींग! मैंने युद्ध के दौरान कुछ समय के लिए अस्पताल के औषधालय में काम किया था और कई तरह की मतली पैदा करने वाली दवाओं से परिचित हो गया था।
हींग, बस यही था। लेकिन कैसे—
मैं सोफे पर बैठ गया, अचानक मुझे बात समझ में आई। किसी ने मेरे केबिन में चुटकी भर हींग रख दी थी। क्यों? ताकि मैं केबिन खाली कर दूं? मुझे बाहर निकालने के लिए वे इतने बेचैन क्यों थे? आज दोपहर मैंने उस दृश्य के बारे में एक अलग ही नज़रिए से सोचा। केबिन नंबर 17 में ऐसा क्या था कि इतने सारे लोग उसे पाने के लिए बेताब थे? बाकी दोनों केबिन बेहतर थे, फिर दोनों आदमी नंबर 17 पर ही क्यों अड़े रहे?
17. यह संख्या लगातार मेरे दिमाग में क्यों घूम रही थी? 17 तारीख को ही मैंने साउथेम्प्टन से यात्रा शुरू की थी। 17 नंबर देखकर मैं चौंक गई। जल्दी से मैंने अपना सूटकेस खोला और कुछ मुड़ी हुई मोजों में छुपाए अपने कीमती कागज़ को निकाला। 17 1 22—मैंने इसे किल्मोर्डन कैसल से प्रस्थान की तारीख समझ लिया था। मान लीजिए मैं गलत था। जब मैंने इस बारे में सोचा, तो क्या कोई तारीख लिखते समय महीने के साथ-साथ साल भी लिखना ज़रूरी समझता है? मान लीजिए 17 का मतलब केबिन 17 है? और 1? समय—एक बजे। तो फिर 22 ही तारीख होनी चाहिए। मैंने अपनी छोटी पंचांग देखी।
कल 22 तारीख थी!

अध्याय X

मैं बेहद उत्साहित था। मुझे पूरा यकीन था कि आखिरकार मुझे सही राह मिल गई है। एक बात तो तय थी, मुझे केबिन से बाहर नहीं निकलना था। हींग को सहना ही था। मैंने तथ्यों की दोबारा जांच की।

कल 22 तारीख थी, और रात 1 बजे या 1 बजे कुछ न कुछ घटित होगा। मैंने रात 1 बजे का अनुमान लगाया। अब सात बज चुके थे। छह घंटे में मुझे पता चल जाएगा।
मुझे नहीं पता कि मैंने शाम कैसे गुजारी। मैं काफी जल्दी अपने केबिन में चली गई। मैंने एयर होस्टेस को बताया था कि मुझे जुकाम है और मुझे गंध से कोई परेशानी नहीं है। वह फिर भी थोड़ी परेशान लग रही थी, लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ी रही।
शाम अंतहीन सी लग रही थी। मैं आखिरकार सोने चला गया, लेकिन आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए मैंने खुद को मोटे फलालैन के गाउन में लपेट लिया और पैरों में चप्पलें पहन लीं। इस तरह तैयार होकर मुझे लगा कि मैं तुरंत उठकर किसी भी घटना में सक्रिय रूप से भाग ले सकता हूँ।
मुझे क्या होने की उम्मीद थी? मुझे खुद भी ठीक से पता नहीं था। मेरे दिमाग में धुंधली-सी कल्पनाएँ कौंध रही थीं, जिनमें से अधिकतर बेहद असंभावित थीं। लेकिन एक बात का मुझे पक्का यकीन था, कि एक बजे कुछ न कुछ जरूर होगा।
बीच-बीच में मुझे अपने सहयात्रियों के सोने की आवाज़ सुनाई देती रही। खुली खिड़की से बातचीत के कुछ अंश, हँसी-मज़ाक में शुभ रात्रि की आवाज़ें आती रहीं। फिर सन्नाटा छा गया। ज़्यादातर बत्तियाँ बुझ गईं। बाहर गलियारे में एक बत्ती जल रही थी, इसलिए मेरे केबिन में थोड़ी रोशनी थी। मैंने आठ घंटियाँ बजते सुनीं। उसके बाद का एक घंटा मुझे अब तक का सबसे लंबा घंटा लगा। मैंने चुपके से अपनी घड़ी देखी ताकि मुझे यकीन हो जाए कि कहीं समय ज़्यादा तो नहीं हो गया।
अगर मेरा अनुमान गलत निकला, अगर एक बजे तक कुछ नहीं हुआ, तो मैं मूर्ख बन जाऊंगा और दुनिया भर का सारा पैसा एक बेकार चीज़ पर खर्च कर दूंगा। मेरा दिल दर्द से धड़क रहा था।
ऊपर दो घंटियाँ बजीं। एक बज गया! और कुछ नहीं। रुको—यह क्या था? मुझे दौड़ते हुए कदमों की हल्की आहट सुनाई दी—गलियारे में दौड़ते हुए।
फिर अचानक एक बम धमाके की तरह मेरे केबिन का दरवाजा जोर से खुला और एक आदमी लगभग अंदर गिर पड़ा।
“मुझे बचाओ,” उसने कर्कश आवाज में कहा। “वे मेरे पीछे पड़े हैं।”
यह बहस या स्पष्टीकरण का समय नहीं था। मुझे बाहर कदमों की आहट सुनाई दे रही थी। मेरे पास कार्रवाई करने के लिए लगभग चालीस सेकंड थे। मैं झट से खड़ा हो गया और केबिन के बीच में अजनबी के सामने खड़ा हो गया।

एक छह फुट लंबे आदमी के लिए केबिन में छिपने की जगहें बहुत कम होती हैं। मैंने एक हाथ से अपना केबिन का ट्रंक निकाला। वह उसके पीछे, चारपाई के नीचे खिसक गया। मैंने ढक्कन उठाया। उसी समय, दूसरे हाथ से मैंने वॉशबेसिन नीचे खींच लिया। एक फुर्तीली हरकत से मेरे बाल सिर के ऊपर एक छोटी सी गांठ में बंध गए। देखने में यह बेढंगा था, लेकिन दूसरे नज़रिए से देखें तो यह बेहद कलात्मक था। एक महिला, जिसके बाल एक भद्दी गांठ में बंधे हों और जो अपने ट्रंक से साबुन का एक टुकड़ा निकाल रही हो, जिससे वह अपनी गर्दन धो रही हो, उस पर भगोड़े को पनाह देने का शक करना मुश्किल था।

दरवाजे पर दस्तक हुई, और मेरे "अंदर आओ" कहने का इंतजार किए बिना ही दरवाजा खोल दिया गया।

मुझे नहीं पता था कि मैं क्या देखने की उम्मीद कर रहा था। मुझे शायद मिस्टर पैगेट के हाथ में रिवाल्वर होने का धुंधला सा आभास था। या मेरे मिशनरी दोस्त के हाथ में रेत की बोरी, या कोई और घातक हथियार। लेकिन निश्चित रूप से मैंने एक जिज्ञासु चेहरे वाली और बेहद सभ्य दिखने वाली नाइट एयर होस्टेस को देखने की उम्मीद नहीं की थी।

"माफ़ कीजिए, महोदया, मुझे लगा आपने आवाज़ लगाई थी।"

मैंने कहा, "नहीं, मैंने नहीं किया।"

मुझे खेद है कि मैंने आपको बीच में टोका।

“कोई बात नहीं,” मैंने कहा। “मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैंने सोचा नहाने से अच्छा लगेगा।” ऐसा लग रहा था मानो मैं आमतौर पर कभी नहाता ही नहीं था।

“माफ़ कीजिए, महोदया,” एयर होस्टेस ने फिर कहा। “लेकिन यहाँ एक सज्जन हैं जो काफ़ी नशे में हैं, और हमें डर है कि कहीं वे महिलाओं के केबिन में घुसकर उन्हें डरा न दें।”

मैंने घबराते हुए कहा, "कितनी भयानक बात है! वो अंदर तो नहीं आएगा?"

“ओह, मुझे नहीं लगता, महोदया। अगर वह ऐसा करे तो घंटी बजा देना। शुभ रात्रि।”

"शुभ रात्रि।"

मैंने दरवाजा खोला और गलियारे में झाँका। एयर होस्टेस के पीछे हटते हुए रूप के अलावा, वहाँ कोई भी दिखाई नहीं दे रहा था।

नशे में था! तो यही वजह थी। मेरी अभिनय प्रतिभा बेकार चली गई थी। मैंने केबिन

का ट्रंक थोड़ा और बाहर खींचा और कहा:
“कृपया तुरंत बाहर आ जाइए,” उसने तीखे स्वर में कहा।
कोई जवाब नहीं आया। मैंने चारपाई के नीचे झाँका। मेरा मेहमान हिल-डुल नहीं रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे वह सो रहा हो। मैंने उसका कंधा खींचा। वह हिला तक नहीं।
“मैं बुरी तरह नशे में हूँ,” मैंने झुंझलाते हुए सोचा। “अब मैं क्या करूँ?”
फिर मैंने कुछ ऐसा देखा जिससे मेरी सांसें थम गईं, फर्श पर एक छोटा सा लाल धब्बा।
अपनी पूरी ताकत लगाकर, मैं उस आदमी को खींचकर केबिन के बीचोंबीच लाने में कामयाब हो गया। उसके चेहरे का पीलापन साफ बता रहा था कि वह बेहोश हो गया था। मुझे उसकी बेहोशी का कारण आसानी से पता चल गया। उसके बाएं कंधे के नीचे चाकू से वार किया गया था—एक गहरा और भयानक घाव। मैंने उसका कोट उतारा और उसका इलाज करने लगा।
ठंडे पानी की चुभन महसूस होने पर वह हिला, फिर उठकर बैठ गया।
मैंने कहा, "कृपया शांत रहें।"
वह उस तरह का नौजवान था जो बहुत जल्दी होश में आ जाता था। उसने खुद को संभाला और थोड़ा लड़खड़ाते हुए खड़ा हो गया।
"धन्यवाद, मुझे किसी काम की जरूरत नहीं है।"
उनका रवैया अड़ियल और लगभग आक्रामक था। उन्होंने धन्यवाद का एक शब्द भी नहीं कहा—सामान्य कृतज्ञता का भी नहीं!
“यह तो बहुत गंभीर घाव है। मुझे इस पर पट्टी बांधने दीजिए।”
आप ऐसा कुछ नहीं करेंगे।
उसने ये शब्द मेरे चेहरे पर इस तरह फेंके मानो मैं उससे कोई एहसान मांग रहा हूँ। मेरा गुस्सा, जो कभी शांत नहीं रहता, भड़क उठा।
मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मैं आपके शिष्टाचार की सराहना नहीं कर सकता।"
“कम से कम मैं तुम्हें अपनी मौजूदगी से तो राहत दिला सकता हूँ।” वह दरवाजे की ओर बढ़ा, लेकिन लड़खड़ा गया। मैंने अचानक उसे धक्का देकर सोफे पर गिरा दिया।
मैंने बेरुखी से कहा, "मूर्ख मत बनो। तुम नहीं चाहोगे कि तुम्हारा खून पूरे जहाज पर बहता फिरे, है ना?"

उन्हें मेरी बात समझ में आ गई थी, क्योंकि जब मैं घाव पर यथासंभव पट्टी बांध रहा था, तब वे चुपचाप बैठे रहे।
“लो,” मैंने अपनी बनाई हुई चीज़ पर थपथपाते हुए कहा, “अभी के लिए इससे काम चल जाएगा। क्या अब तुम्हारा मूड ठीक है और क्या तुम मुझे इसके बारे में कुछ बताना चाहोगे?”
मुझे खेद है कि मैं आपकी स्वाभाविक जिज्ञासा को संतुष्ट नहीं कर सकता।
“क्यों नहीं?” मैंने निराशा से कहा।
उसने घिनौनी मुस्कान दी।
“अगर आप कोई बात प्रसारित करवाना चाहते हैं, तो किसी महिला को बताएं। वरना चुप रहें।”
"क्या आपको नहीं लगता कि मैं कोई राज़ रख सकता हूँ?"
मुझे नहीं लगता—मुझे पता है।
वह उठ खड़ा हुआ।
मैंने चिढ़कर कहा, "खैर, मैं आज शाम की घटनाओं के बारे में थोड़ा-बहुत प्रसारण तो कर ही सकूंगा।"
“मुझे पूरा यकीन है कि आप भी ऐसा ही करेंगे,” उसने उदासीनता से कहा।
“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?” मैंने गुस्से से चिल्लाकर कहा।
हम आमने-सामने खड़े थे, कट्टर दुश्मनों की तरह एक-दूसरे को घूर रहे थे। पहली बार मैंने उसके चेहरे की हर बारीकी पर ध्यान दिया - उसके छोटे-छोटे काले बाल, दुबला-पतला जबड़ा, भूरे गाल पर निशान, और उसकी रहस्यमयी हल्की धूसर आँखें जो एक तरह की बेपरवाह मज़ाक भरी निगाहों से मेरी आँखों में देख रही थीं, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल था। उसमें कुछ खतरनाक बात थी।
मैंने बनावटी मिठास से कहा, "आपने मेरी जान बचाने के लिए अभी तक मुझे धन्यवाद नहीं दिया?"
मैंने उसे वहीं मारा। मैंने उसे दर्द से कराहते हुए साफ देखा। मुझे सहज रूप से पता था कि उसे सबसे ज्यादा इस बात से नफरत थी कि उसकी जान मेरी वजह से बची है। मुझे परवाह नहीं थी। मैं उसे चोट पहुँचाना चाहता था। मैंने आज तक किसी को इतनी चोट पहुँचाने की इच्छा नहीं की थी।
“काश तुमने ऐसा न किया होता!” उसने गुस्से से कहा। “मर जाना ही मेरे लिए बेहतर

होता, इस सब से बाहर निकल जाना।”
मुझे खुशी है कि आपने एहसान स्वीकार किया। आप इससे बच नहीं सकते। मैंने आपकी जान बचाई है और मैं आपके 'धन्यवाद' कहने का इंतजार कर रहा हूँ।
अगर नज़रें जान ले सकतीं, तो मुझे लगता है कि वो मुझे जान से मार देना चाहता। वो मुझे धक्का देकर आगे बढ़ गया। दरवाज़े पर पहुँचकर वो पीछे मुड़ा और कंधे के ऊपर से बोला।
मैं न तो अभी और न ही कभी आपका धन्यवाद करूंगा। लेकिन मैं इस ऋण को स्वीकार करता हूं। किसी दिन मैं इसे चुका दूंगा।
वह चला गया, मुझे मुट्ठी भींचे हुए और मेरा दिल चक्की की तरह धड़कता हुआ छोड़कर।

अध्याय XI

उस रात कोई और रोमांचक घटना नहीं हुई। मैंने बिस्तर पर ही नाश्ता किया और अगली सुबह देर से उठा। डेक पर आते ही श्रीमती ब्लेयर ने मुझे आवाज़ दी।
"सुप्रभात, जिप्सी लड़की, मेरे पास बैठ जाओ। ऐसा लग रहा है जैसे तुमने अच्छी नींद नहीं ली हो।"
मैंने आज्ञाकारी होकर बैठते हुए पूछा, "आप मुझे इस नाम से क्यों बुलाते हैं?"
“क्या आपको कोई आपत्ति है? यह नाम आप पर किसी तरह जँचता है। मैंने मन ही मन आपको शुरू से यही नाम दिया है। आपके अंदर का बंजारापन ही आपको बाकियों से इतना अलग बनाता है। मैंने मन ही मन तय कर लिया था कि आप और कर्नल रेस ही जहाज पर सवार दो ऐसे लोग हैं जिनसे बात करके मैं ऊब नहीं जाऊँगा।”
मैंने कहा, "यह तो मजेदार है। मैंने भी तुम्हारे बारे में यही सोचा था—बस तुम्हारे मामले में यह ज्यादा समझ में आता है। तुम तो एक बेहद खूबसूरत और परिपूर्ण व्यक्तित्व हो।"
श्रीमती ब्लेयर ने सिर हिलाते हुए कहा, "बुरी बात नहीं कही। जिप्सी लड़की, अपने बारे में सब कुछ बताओ। तुम दक्षिण अफ्रीका क्यों जा रही हो?"
मैंने उसे पापा के जीवन भर के कार्यों के बारे में कुछ बताया।
“तो तुम चार्ल्स बेडिंगफेल्ड की बेटी हो? मुझे लगा था कि तुम कोई साधारण देहाती

लड़की नहीं हो! क्या तुम और खोपड़ियाँ खोदने के लिए ब्रोकन हिल जा रही हो?”
मैंने सावधानी से कहा, "हो सकता है। मेरे पास और भी योजनाएँ हैं।"
“तुम तो बड़ी रहस्यमयी हो। पर आज सुबह थकी हुई लग रही हो। क्या अच्छी नींद नहीं आई? मैं नाव पर जाग नहीं सकती। कहते हैं, दस घंटे की नींद तो मूर्ख की होती है! मुझे तो बीस घंटे की नींद चाहिए!”
वह जम्हाई लेते हुए, नींद में डूबी बिल्ली के बच्चे जैसी लग रही थी। “एक बेवकूफ कर्मचारी ने मुझे आधी रात को जगाकर कल मुझसे गिरी हुई फिल्म की रील लौटाने को कहा। उसने बड़े नाटकीय अंदाज में ऐसा किया, वेंटिलेटर के बीच से अपना हाथ निकालकर रील को मेरे पेट के बिल्कुल बीचोंबीच गिरा दिया। एक पल के लिए तो मुझे लगा जैसे बम फट गया हो!”
"ये रहे आपके कर्नल," मैंने कहा, जब कर्नल रेस की लंबी, सिपाही जैसी आकृति डेक पर प्रकट हुई।
“वो मेरे कर्नल नहीं हैं। दरअसल, जिप्सी लड़की, वो तुम्हारी बहुत इज्जत करते हैं। इसलिए भागना मत।”
मैं अपने सिर पर कुछ बांधना चाहता हूँ। यह टोपी से ज्यादा आरामदायक होगा।
मैं जल्दी से वहां से खिसक गया। किसी न किसी कारण से मुझे कर्नल रेस के साथ असहजता महसूस हो रही थी। वह उन कुछ गिने-चुने लोगों में से एक थे जो मुझे शर्मिंदा कर सकते थे।
मैं अपने केबिन में गई और अपने बेकाबू बालों को बांधने के लिए एक चौड़ी रिबन या मोटर-वेल ढूंढने लगी। मैं वैसे तो साफ-सुथरी रहती हूँ, मुझे अपनी चीजें हमेशा करीने से रखना पसंद है और मैं उन्हें वैसे ही रखती हूँ। जैसे ही मैंने अपनी दराज खोली, मुझे एहसास हुआ कि किसी ने मेरी चीजों को अस्त-व्यस्त कर दिया है। सब कुछ उलट-पुलट कर बिखरा पड़ा था। मैंने दूसरी दराजों और छोटी सी लटकने वाली अलमारी में भी देखा। उनमें भी यही हाल था। ऐसा लग रहा था जैसे कोई जल्दबाजी में और बेअसर तरीके से कुछ ढूंढ रहा हो।
मैं गंभीर चेहरे के साथ चारपाई के किनारे पर बैठ गया। मेरे केबिन की तलाशी कौन ले रहा था और वे क्या खोज रहे थे? क्या वह कागज का आधा टुकड़ा था जिस पर कुछ अंक और शब्द उकेरे हुए थे? मैंने असंतुष्टि से सिर हिलाया। यकीनन वह अब बीती बात हो चुकी थी। लेकिन और क्या हो सकता था?

मैं सोचना चाहता था। पिछली रात की घटनाएँ, भले ही रोमांचक थीं, लेकिन उनसे मामला कुछ स्पष्ट नहीं हुआ था। वह युवक कौन था जो अचानक मेरे केबिन में घुस आया था? मैंने उसे पहले कभी जहाज पर नहीं देखा था, न डेक पर और न ही सैलून में। क्या वह जहाज के कर्मचारियों में से एक था या कोई यात्री? उसे किसने चाकू मारा था? उन्होंने उसे चाकू क्यों मारा था? और भला केबिन नंबर 17 का इतना ज़िक्र क्यों हुआ? यह सब एक रहस्य था, लेकिन इसमें कोई शक नहीं था कि किल्मोर्डन कैसल पर कुछ बहुत ही अजीबोगरीब घटनाएँ घट रही थीं।
मैंने उन लोगों को उंगलियों पर गिना जिन पर मुझे नजर रखनी चाहिए थी।
पिछली रात आए अपने आगंतुक को दरकिनार करते हुए, लेकिन खुद से वादा करते हुए कि एक और दिन बीतने से पहले मैं उसे जहाज पर ढूंढ लूंगा, मैंने निम्नलिखित व्यक्तियों को अपने ध्यान देने योग्य समझा।
(1) सर यूस्टेस पेडलर। वह मिल हाउस के मालिक थे और किल्मोर्डन कैसल पर उनकी उपस्थिति कुछ संयोगवश प्रतीत होती थी।
(2) श्री पैगेट, वह रहस्यमय दिखने वाला सचिव, जिसकी केबिन 17 प्राप्त करने की उत्सुकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। नोट: पता लगाएँ कि क्या वह सर यूस्टेस के साथ कान्स गया था।
(3) रेवरेंड एडवर्ड चिचेस्टर। मुझे उनके खिलाफ सिर्फ केबिन 17 को लेकर उनकी हठधर्मिता पर आपत्ति थी, और यह पूरी तरह से उनके अपने विशिष्ट स्वभाव के कारण हो सकता है। हठधर्मिता एक आश्चर्यजनक चीज हो सकती है।
लेकिन मैंने सोचा कि मिस्टर चिचेस्टर से थोड़ी बातचीत करना बुरा नहीं होगा। जल्दी से अपने बिखरे बालों पर एक रुमाल बांधकर मैं फिर से डेक पर चढ़ गई, पूरे इरादे के साथ। मेरी किस्मत अच्छी थी। मेरा शिकार रेलिंग से टिका हुआ बीफ़ टी पी रहा था। मैं उसके पास गई।
मैंने अपनी सबसे प्यारी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे उम्मीद है कि आपने केबिन नंबर 17 वाली घटना के लिए मुझे माफ कर दिया होगा।"
श्री चिचेस्टर ने ठंडे लहजे में कहा, "मैं मन में बैर रखना ईसाई धर्म के विरुद्ध मानता हूँ। लेकिन पर्सर ने मुझे वह केबिन देने का स्पष्ट वादा किया था।"
“पर्सर तो बड़े व्यस्त आदमी होते हैं, है ना?” मैंने अस्पष्ट रूप से कहा। “मुझे लगता है कि वे कभी-कभी भूल ही जाते होंगे।”

श्री चिचेस्टर ने कोई जवाब नहीं दिया।
मैंने बातचीत के दौरान पूछा, "क्या यह अफ्रीका की आपकी पहली यात्रा है?"
"दक्षिण अफ्रीका के लिए, हाँ। लेकिन मैंने पिछले दो वर्षों से पूर्वी अफ्रीका के आंतरिक भाग में रहने वाली नरभक्षी जनजातियों के बीच काम किया है।"
“कितना रोमांचक! क्या आप कई बार बाल-बाल बचे हैं?”
“भाग निकले?”
"मेरा मतलब है, खाए जाने से?"
"मिस बेडिंगफेल्ड, आपको पवित्र विषयों को हल्के में नहीं लेना चाहिए।"
मैंने आहत होकर जवाब दिया, "मुझे नहीं पता था कि नरभक्षण एक पवित्र विषय है।"
जैसे ही ये शब्द मेरे होंठों से निकले, एक और विचार मेरे मन में आया। अगर मिस्टर चिचेस्टर ने सचमुच पिछले दो साल अफ्रीका के भीतरी इलाकों में बिताए थे, तो उनकी त्वचा इतनी झुलसी हुई क्यों नहीं थी? उनकी त्वचा तो किसी बच्चे की तरह गुलाबी और सफेद थी। ज़रूर कुछ तो गड़बड़ थी? फिर भी उनका हावभाव और आवाज़ बिलकुल वैसी ही थी। शायद कुछ ज़्यादा ही। क्या वो किसी मंच के पादरी जैसे लग रहे थे या नहीं?
मैंने लिटिल हैम्प्सली में अपने परिचित पादरियों को याद किया। उनमें से कुछ मुझे पसंद थे, कुछ नहीं, लेकिन निश्चित रूप से उनमें से कोई भी मिस्टर चिचेस्टर जैसा नहीं था। वे सब इंसान थे - वह तो एक आदर्श व्यक्तित्व का ही प्रतीक थे।
मैं इन सब बातों पर विचार कर ही रहा था कि सर यूस्टेस पेडलेर डेक से नीचे की ओर गुजरे। जैसे ही वे मिस्टर चिचेस्टर के ठीक सामने पहुँचे, वे झुके और एक कागज़ का टुकड़ा उठाकर उन्हें देते हुए बोले, "आपने कुछ गिरा दिया है।"
वह बिना रुके आगे बढ़ गया, इसलिए शायद उसने श्री चिचेस्टर की घबराहट पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन मैंने दिया। जो भी चीज़ उसने गिराई थी, उसे पाकर वह बहुत घबरा गया था। उसका चेहरा पीला पड़ गया और उसने कागज़ को मोड़कर गेंद बना दी। मेरी शंकाएँ सौ गुना बढ़ गईं।
उसने मेरी ओर देखा और जल्दी से स्पष्टीकरण देने लगा।
"यह मेरे द्वारा रचे जा रहे एक उपदेश का एक अंश है," उन्होंने एक फीकी मुस्कान के साथ कहा।
“सचमुच?” मैंने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया।

सचमुच, यह तो उपदेश का एक अंश मात्र है! नहीं, श्री चिचेस्टर—शब्दों में बयां करने के लिए बहुत कमजोर हैं!

कुछ ही देर में वह बुदबुदाते हुए बहाना बनाकर चला गया। काश, काश, वह अखबार मैंने उठाया होता, सर यूस्टेस पेडलेर ने नहीं! एक बात तो तय थी, मिस्टर चिचेस्टर को मेरी संदिग्धों की सूची से बाहर नहीं रखा जा सकता था। मेरा मन कर रहा था कि उन्हें तीनों में सबसे ऊपर रखूँ।

दोपहर के भोजन के बाद, जब मैं कॉफ़ी पीने के लिए लाउंज में आया, तो मैंने देखा कि सर यूस्टेस और पैगेट, श्रीमती ब्लेयर और कर्नल रेस के साथ बैठे हैं। श्रीमती ब्लेयर ने मुस्कुराते हुए मेरा स्वागत किया, इसलिए मैं उनके पास गया और उनके साथ बैठ गया। वे इटली के बारे में बातें कर रहे थे।

"लेकिन यह भ्रामक है," श्रीमती ब्लेयर ने जोर देकर कहा। "एक्वा काल्डा का अर्थ निश्चित रूप से ठंडा पानी होना चाहिए - गर्म नहीं।"

"आप लैटिन के विद्वान नहीं हैं," सर यूस्टेस ने मुस्कुराते हुए कहा।

श्रीमती ब्लेयर ने कहा, "पुरुष लैटिन भाषा में बहुत श्रेष्ठ होते हैं। लेकिन फिर भी मैंने देखा है कि जब उनसे पुराने गिरजाघरों में लिखे शिलालेखों का अनुवाद करने को कहा जाता है, तो वे कभी नहीं कर पाते! वे आनाकानी करते हैं और किसी न किसी तरह काम टाल देते हैं।"

“बिल्कुल सही,” कर्नल रेस ने कहा। “मैं हमेशा ऐसा ही करता हूँ।”

“लेकिन मुझे इटालियन लोग बहुत पसंद हैं,” श्रीमती ब्लेयर ने आगे कहा। “वे बहुत मददगार होते हैं— हालाँकि इसमें भी कभी-कभी शर्मिंदगी वाली बात होती है। आप उनसे कहीं का रास्ता पूछते हैं, और ‘पहले दाईं ओर, फिर बाईं ओर’ या कुछ ऐसा कहने के बजाय जिसे आप समझ सकें, वे अच्छे इरादे से दिशा-निर्देशों की झड़ी लगा देते हैं, और जब आप उलझन में दिखते हैं तो वे प्यार से आपका हाथ पकड़कर आपको वहाँ तक ले जाते हैं।”

"क्या फ्लोरेंस में आपका यही अनुभव रहा, पैगेट?" सर यूस्टेस ने मुस्कुराते हुए अपने सचिव की ओर मुड़कर पूछा।

किसी कारणवश यह प्रश्न श्री पैगेट को असहज कर गया। वे हकलाने लगे और उनका चेहरा लाल हो गया।

"ओह, बिल्कुल सही, जी हाँ—बिल्कुल सही।"

फिर धीमी आवाज़ में बहाना बनाते हुए वह उठा और मेज से चला गया।
“मुझे शक होने लगा है कि गाइ पैगेट ने फ्लोरेंस में कोई घिनौना काम किया है,” सर यूस्टेस ने अपने सचिव के जाते हुए चेहरे को देखते हुए कहा। “जब भी फ्लोरेंस या इटली का ज़िक्र होता है, वह या तो विषय बदल देता है या अचानक भाग जाता है।”
"शायद उसने वहाँ किसी की हत्या कर दी हो," श्रीमती ब्लेयर ने आशा भरी नज़रों से कहा। "वह देखने में—मुझे उम्मीद है कि मैं आपकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचा रही हूँ, सर यूस्टेस—लेकिन वह सचमुच ऐसा दिखता है जैसे वह किसी की हत्या कर सकता है।"
"हाँ, बिलकुल सिन्क्वेसेंटो! यह कभी-कभी मुझे मज़ेदार लगता है—खासकर तब जब कोई मेरी तरह यह जानता हो कि बेचारा व्यक्ति वास्तव में कितना कानून का पालन करने वाला और सम्माननीय है।"
“वह कुछ समय से आपके साथ है, है ना, सर यूस्टेस?” कर्नल रेस ने पूछा।
“छह साल,” सर यूस्टेस ने गहरी आह भरते हुए कहा।
"वह आपके लिए बहुत ही अमूल्य होंगे," श्रीमती ब्लेयर ने कहा।
“ओह, अनमोल! जी हाँ, सचमुच अनमोल।” बेचारा आदमी और भी उदास लग रहा था, मानो मिस्टर पैगेट का अनमोल होना उसके लिए एक छिपा हुआ दुख हो। फिर उसने तेज़ी से कहा, “लेकिन उनका चेहरा आपको वाकई आश्वस्त करेगा, मेरी प्रिय महिला। कोई भी स्वाभिमानी हत्यारा कभी भी हत्यारे जैसा दिखना नहीं चाहेगा। क्रिपेन, मेरा मानना है, कल्पना से परे सबसे अच्छे लोगों में से एक था।”
"वह एक बड़े जहाज पर फंस गया था, है ना?" श्रीमती ब्लेयर ने धीरे से कहा।
हमारे पीछे हल्की सी खड़खड़ाहट हुई। मैं झट से मुड़ा। श्री चिचेस्टर ने अपना कॉफी का कप गिरा दिया था।
हमारी टोली जल्द ही तितर-बितर हो गई; श्रीमती ब्लेयर सोने के लिए नीचे चली गईं और मैं डेक पर चला गया। कर्नल रेस मेरे पीछे-पीछे आए।
"आप बहुत मायावी हैं, मिस बेडिंगफेल्ड। मैंने कल रात डांस में आपको हर जगह ढूंढा।"
मैंने समझाया, "मैं जल्दी सो गया था।"
क्या तुम आज रात भी भाग जाओगे? या मेरे साथ नाचोगे?
“मुझे आपके साथ नृत्य करने में बहुत खुशी होगी,” मैंने धीरे से शर्माते हुए कहा।

“लेकिन श्रीमती ब्लेयर——”
"हमारी दोस्त, श्रीमती ब्लेयर को नृत्य में कोई रुचि नहीं है।"
"और आप करते हैं?"
मुझे तुम्हारे साथ नृत्य करना अच्छा लगता है।
“ओह!” मैंने घबराकर कहा।
मुझे कर्नल रेस से थोड़ा डर लग रहा था। फिर भी मुझे मज़ा आ रहा था। ये तो पुराने, गंभीर प्रोफेसरों के साथ जीवाश्म खोपड़ियों पर चर्चा करने से कहीं बेहतर था! कर्नल रेस सचमुच मेरे लिए एक आदर्श, गंभीर और शांत रोडेशियन थे। शायद मैं उनसे शादी कर लूँ! ये सच है कि मुझसे किसी ने पूछा नहीं था, लेकिन जैसा कि बॉय स्काउट्स कहते हैं, तैयार रहो! और सभी महिलाएं, बिना सोचे-समझे ही, हर उस पुरुष को अपने लिए या अपनी सबसे अच्छी दोस्त के लिए संभावित पति मान लेती हैं जिनसे वे मिलती हैं।
उस शाम मैंने उसके साथ कई बार नृत्य किया। वह अच्छा नृत्य करता था। नृत्य समाप्त होने पर, जब मैं सोने की सोच रही थी, तो उसने डेक पर एक चक्कर लगाने का सुझाव दिया। हम तीन चक्कर लगाकर अंत में दो डेक कुर्सियों पर बैठ गए। आस-पास कोई और नहीं था। हमने कुछ देर तक बेमतलब की बातें कीं।
“क्या आपको पता है, मिस बेडिंगफेल्ड, मुझे लगता है कि मैं एक बार आपके पिता से मिला था? वे अपने विषय पर बहुत ही रोचक व्यक्ति थे, और यह एक ऐसा विषय है जिसमें मेरी विशेष रुचि है। मैंने भी अपने विनम्र तरीके से इस क्षेत्र में थोड़ा बहुत काम किया है। दरअसल, जब मैं डोर्डोग्ने क्षेत्र में था—”
हमारी बातचीत तकनीकी हो गई। कर्नल रेस का दावा व्यर्थ नहीं था। उन्हें काफी ज्ञान था। साथ ही, उन्होंने एक-दो अजीब गलतियाँ भी कीं—मुझे लगा मानो ये जुबान फिसलने की वजह से हुई हों। लेकिन उन्होंने मुझसे संकेत पाकर तुरंत उन्हें सुधार लिया। एक बार उन्होंने मौस्टेरियन काल को ऑरिग्नेशियन काल के बाद का बता दिया —जो इस विषय के जानकार व्यक्ति के लिए एक हास्यास्पद गलती थी।
बारह बज चुके थे जब मैं अपने केबिन में गया। मैं अब भी उन विचित्र विसंगतियों को लेकर उलझन में था। क्या यह संभव था कि उसने अवसर के लिए "सारा विषय गढ़ दिया हो"—कि वास्तव में उसे पुरातत्व के बारे में कुछ भी पता न हो? मैंने अपना सिर हिलाया, इस निष्कर्ष से मैं थोड़ा असंतुष्ट था।

जैसे ही मुझे नींद आने लगी, अचानक एक और विचार मेरे मन में कौंध गया और मैं चौंककर उठ बैठी। क्या वह मुझे बहला-फुसला रहा था? क्या वे छोटी-मोटी गलतियाँ सिर्फ़ परीक्षण थीं—यह देखने के लिए कि क्या मैं सचमुच अपने विषय पर सही जानकारी रखती हूँ? दूसरे शब्दों में, क्या उसे शक था कि मैं असल में ऐनी बेडिंगफेल्ड नहीं हूँ।
क्यों?

अध्याय XII

(सर यूस्टेस पेडलर की डायरी से उद्धरण)

जहाज पर जीवन बिताने के अपने ही कुछ गुण हैं। यह शांतिपूर्ण होता है। सौभाग्य से, मेरे सफेद बाल मुझे सेब पकड़ने, आलू और अंडे लेकर डेक पर इधर-उधर दौड़ने और "ब्रदर बिल" और बोल्स्टर बार जैसे कष्टदायक खेलों से बचाए रखते हैं। इन कष्टदायक गतिविधियों में लोगों को क्या आनंद मिलता है, यह हमेशा से मेरे लिए एक रहस्य रहा है। लेकिन दुनिया में मूर्खों की कमी नहीं है। ऐसे मूर्खों के अस्तित्व के लिए ईश्वर का धन्यवाद और उनसे दूर रहना ही बेहतर है।

सौभाग्य से मैं एक कुशल नाविक हूँ। बेचारा पैगेट ऐसा नहीं है। सोलेंट से बाहर निकलते ही उसका चेहरा पीला पड़ने लगा। मुझे लगता है कि मेरा दूसरा तथाकथित सचिव भी समुद्री बीमारी से ग्रस्त है। खैर, वह अभी तक सामने नहीं आया है। लेकिन शायद यह समुद्री बीमारी नहीं, बल्कि कूटनीति का कमाल है। अच्छी बात यह है कि मुझे उसकी वजह से कोई चिंता नहीं हुई है।

कुल मिलाकर, जहाज पर सवार लोग बड़े ही घटिया हैं। सिर्फ़ दो अच्छे ब्रिज खिलाड़ी और एक ठीक-ठाक दिखने वाली महिला—श्रीमती क्लेरेंस ब्लेयर। मैं उनसे शहर में मिल चुका हूँ। वो उन गिनी-चुनी महिलाओं में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूँ और जो हास्यबोध का दावा कर सकती हैं। मुझे उनसे बात करना अच्छा लगता है, और अगर वो लंबे-लंबे, कम बोलने वाले गधे की तरह उनसे चिपके न होते तो और भी अच्छा लगता। मुझे नहीं लगता कि कर्नल रेस उन्हें सच में पसंद आते होंगे। वो अपने तरीके से अच्छे दिखते हैं, लेकिन एकदम नीरस हैं। उन मजबूत, शांत पुरुषों में से एक, जिनकी महिला उपन्यासकार और युवतियाँ हमेशा तारीफ करती रहती हैं।

मदीरा से निकलने के बाद गाय पैगेट लड़खड़ाते हुए डेक पर आया और खोखली आवाज़ में काम के बारे में बड़बड़ाने लगा। भला जहाज़ पर काम करने की किसी को ज़रूरत क्यों होती है? यह सच है कि मैंने गर्मियों की शुरुआत में ही अपने प्रकाशकों को अपनी "संस्मरण" देने का वादा किया था, लेकिन उससे क्या फ़ायदा? संस्मरण कौन पढ़ता है? उपनगरों में रहने वाली बुज़ुर्ग औरतें। और मेरे संस्मरणों का मतलब क्या है? मैंने अपनी ज़िंदगी में कुछ तथाकथित मशहूर लोगों से मुलाक़ात की है। पैगेट की मदद से, मैं उनके बारे में बेस्वाद किस्से गढ़ता हूँ। और सच तो यह है कि पैगेट इस काम के लिए बहुत ज़्यादा ईमानदार है। वह मुझे उन लोगों के बारे में किस्से गढ़ने नहीं देता जिनसे मैं शायद मिला होता लेकिन मिला नहीं।

मैंने उसके साथ नरमी से पेश आने की कोशिश की।

“मेरे प्यारे, तुम अब भी एकदम थके-हारे लग रहे हो,” मैंने सहजता से कहा। “तुम्हें धूप में आराम करने के लिए एक कुर्सी चाहिए। नहीं—एक शब्द भी नहीं। काम को अभी इंतजार करना होगा।”

अगली ही बात जो मुझे पता चली, वो ये थी कि वो एक अतिरिक्त केबिन के बारे में चिंता कर रहा था। "आपके केबिन में काम करने की जगह नहीं है, सर यूस्टेस। वो ट्रंकों से भरा हुआ है।"

उसके लहजे से तो ऐसा लग सकता था कि जैसे पेड़ के तने काले भृंग हों, जिनका वहां कोई काम नहीं है।

मैंने उन्हें समझाया कि भले ही उन्हें इस बात की जानकारी न हो, लेकिन यात्रा करते समय कपड़े का एक अतिरिक्त सेट साथ ले जाना आम बात है। उन्होंने वही फीकी मुस्कान दी जिससे वे हमेशा मेरे मज़ाक करने के प्रयासों का स्वागत करते हैं, और फिर अपने काम में लग गए।

और हम उस छोटे से कमरे में मुश्किल से ही काम कर पाते थे।

मैं पैगेट के "छोटे-छोटे कमरों" को जानता हूँ—जहाज पर आमतौर पर सबसे अच्छा केबिन उसी का होता है।

मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "मुझे खेद है कि इस बार कप्तान आपके लिए अनुकूल नहीं निकला। शायद आप अपना कुछ अतिरिक्त सामान मेरे केबिन में रखना चाहेंगे?"

पैगेट जैसे व्यक्ति के साथ व्यंग्य करना खतरनाक होता है। वह तुरंत खुश हो गया। अच्छा, अगर मैं टाइपराइटर और स्टेशनरी के बक्से से छुटकारा पा सकूँ तो..."

स्टेशनरी का यह बक्सा कई टन भारी है। इसकी वजह से कुलियों को लगातार परेशानी होती रहती है, और पैगेट का मकसद इसे मुझ पर थोपना है। हमारे बीच यह एक निरंतर संघर्ष है। वह इसे मेरी निजी संपत्ति समझता है। वहीं दूसरी ओर, मैं इसे ही एकमात्र ऐसी चीज मानती हूँ जहाँ एक सचिव वास्तव में उपयोगी होता है।
मैंने जल्दबाजी में कहा, "हम एक अतिरिक्त केबिन ले लेंगे।"
मामला देखने में तो काफी सरल लग रहा था, लेकिन पैगेट एक ऐसा व्यक्ति है जिसे रहस्य रचने में मजा आता है। अगले दिन वह मेरे पास एक पुनर्जागरण काल के षड्यंत्रकारी के चेहरे की तरह भावविभोर होकर आया।
"तुम्हें याद है तुमने ही तो मुझे केबिन नंबर 17 को ऑफिस के लिए लेने को कहा था?"
"अच्छा, तो क्या हुआ? क्या स्टेशनरी का बक्सा दरवाजे में फंस गया है?"
“सभी केबिनों के दरवाज़े एक ही आकार के हैं,” पैगेट ने गंभीरता से जवाब दिया।
“लेकिन मैं आपको बता दूं, सर यूस्टेस, उस केबिन में कुछ बहुत ही अजीब बात है।”
'द अपर बर्थ' पढ़ने की यादें मेरे मन में तैरने लगीं।
मैंने कहा, "अगर आपका मतलब है कि वहां भूत-प्रेत का साया है, तो हम वहां सोने वाले नहीं हैं, इसलिए मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ता है। भूतों का टाइपराइटरों पर कोई असर नहीं पड़ता।"
पैगेट ने कहा कि यह कोई भूत नहीं था, और वैसे भी केबिन नंबर 17 तो उसे मिला ही नहीं था। उसने मुझे एक लंबी, उलझी हुई कहानी सुनाई। जाहिर तौर पर, केबिन को लेकर उसकी, मिस्टर चिचेस्टर की और बेडिंगफेल्ड नाम की एक लड़की की आपस में लगभग लड़ाई हो गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि लड़की जीत गई थी, और पैगेट इस बात से काफी नाराज था।
उन्होंने फिर दोहराया, “13 और 28 दोनों ही बेहतर केबिन हैं। लेकिन उन्होंने उन पर ध्यान ही नहीं दिया।”
“खैर,” मैंने जम्हाई रोकते हुए कहा, “वैसे, मेरी प्यारी पैगेट, तुम भी ऐसा नहीं करोगी।”
उसने मुझे तिरस्कार भरी नजरों से देखा।
"आपने मुझे केबिन नंबर 17 लेने को कहा था।"
पैगेट के लेखन में "जलते हुए डेक पर खड़ा लड़का" वाली छवि की झलक मिलती है।

“मेरे प्रिय मित्र,” मैंने चिढ़कर कहा, “मैंने नंबर 17 का ज़िक्र इसलिए किया क्योंकि मैंने देखा कि वह खाली था। लेकिन मेरा मतलब यह नहीं था कि तुम इसके लिए जान की बाज़ी लगाओ—13 या 28 भी हमारे लिए उतने ही उपयुक्त होते।”
वह दुखी लग रहा था।
“लेकिन बात कुछ और है,” उन्होंने जोर देकर कहा। “मिस बेडिंगफेल्ड को केबिन मिल गया, लेकिन आज सुबह मैंने चिचेस्टर को उसमें से चुपके-चुपके बाहर आते देखा।”
मैंने उसे घूरकर देखा।
“अगर आप चिशेस्टर, जो एक मिशनरी है—भले ही वह बेहद घृणित व्यक्ति हो—और उस आकर्षक बच्ची, ऐनी बेडिंगफेल्ड के बारे में कोई घिनौना स्कैंडल खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, तो मुझे इस पर ज़रा भी विश्वास नहीं है,” मैंने ठंडे लहजे में कहा। “ऐनी बेडिंगफेल्ड एक बेहद अच्छी लड़की है—खासकर उसके पैर बहुत खूबसूरत हैं। मैं कहूँगी कि जहाज पर मौजूद सभी लोगों में उसके पैर सबसे सुंदर थे।”
पैगेट को ऐनी बेडिंगफेल्ड के पैरों के बारे में मेरी टिप्पणी पसंद नहीं आई। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो खुद कभी पैरों पर ध्यान नहीं देते—या अगर देते भी हैं, तो कहने से पहले मरना पसंद करेंगे। साथ ही, उन्हें लगता है कि ऐसी चीजों के प्रति मेरी सराहना तुच्छ है। मुझे पैगेट को चिढ़ाने में मज़ा आता है, इसलिए मैंने शरारती अंदाज़ में अपनी बात जारी रखी:
"चूंकि आपकी उनसे जान-पहचान हो गई है, तो आप उन्हें कल रात हमारे यहाँ खाने पर बुला सकते हैं। यह फैंसी ड्रेस डांस है। वैसे, आप नाई के पास जाकर मेरे लिए भी एक बढ़िया पोशाक चुन लें।"
"क्या आप वाकई फैंसी ड्रेस में जाएंगे?" पैगेट ने घबराहट भरे लहजे में कहा।
मैं समझ गई थी कि यह मेरी गरिमा के बारे में उनकी धारणा से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। वह स्तब्ध और दुखी लग रहे थे। मेरा वास्तव में फैंसी ड्रेस पहनने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन पैगेट की पूरी तरह से असहज स्थिति को रोकना मेरे लिए बहुत मुश्किल था।
मैंने कहा, "तुम्हारा क्या मतलब है?" उसने कहा, "बेशक मैं फैंसी ड्रेस पहनूंगी। तुम भी पहनोगी।"
पैगेट सिहर उठी।

“तो जाओ नाई की दुकान पर जाकर पता करो,” मैंने बात खत्म की।
"मुझे नहीं लगता कि उसके पास कोई नाप का सामान होगा," पैगेट ने मेरी आकृति को अपनी आंखों से मापते हुए धीरे से कहा।
अनजाने में ही सही, पैगेट कभी-कभी बेहद आपत्तिजनक बातें कह देती हैं।
“और सैलून में छह लोगों के लिए एक टेबल बुक करवा दो,” मैंने कहा। “हमारे साथ कैप्टन, खूबसूरत टांगों वाली लड़की, मिसेज ब्लेयर होंगी—”
पैगेट ने बीच में टोकते हुए कहा, "कर्नल रेस के बिना आपको मिसेज ब्लेयर नहीं मिलेंगी। मुझे पता है कि उन्होंने उन्हें अपने साथ डिनर पर बुलाया है।"
पैगेट को हमेशा सब कुछ पता होता है। मुझे स्वाभाविक रूप से गुस्सा आया।
मैंने झुंझलाकर पूछा, "नस्ल कौन है?"
जैसा कि मैंने पहले भी कहा था, पैगेट को हमेशा सब कुछ पता होता है—या कम से कम उसे ऐसा लगता है। वह फिर से रहस्यमय लग रहा था।
“लोग कहते हैं कि सर यूस्टेस सीक्रेट सर्विस के आदमी हैं। और निशानेबाजी में भी काफी माहिर हैं। लेकिन मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है।”
“क्या ये सरकार जैसा नहीं है?” मैंने हैरानी से कहा। “एक आदमी जहाज पर है जिसका काम गुप्त दस्तावेज़ों को इधर-उधर ले जाना है, और वे उन्हें एक शांतिप्रिय बाहरी व्यक्ति को सौंप देते हैं, जो केवल इतना ही कहता है कि उसे अकेला छोड़ दिया जाए।”
पैगेट और भी रहस्यमय लग रहा था। वह एक कदम और करीब आया और उसने अपनी आवाज धीमी कर ली।
“अगर आप मुझसे पूछें तो, यह सब कुछ बहुत अजीब है, सर यूस्टेस। हमारे शुरू करने से पहले मेरी उस बीमारी को देखिए—”
मैंने बीच में ही सख्ती से टोकते हुए कहा, "मेरे प्यारे दोस्त, वह पित्त का दौरा था। तुम्हें तो हमेशा पित्त के दौरे पड़ते रहते हैं।"
पैगेट थोड़ा सिकुड़ गया।
“यह सामान्य प्रकार का पित्त का दौरा नहीं था। इस बार—”
"भगवान के लिए, अपनी हालत के बारे में विस्तार से मत बताओ, पैगेट। मैं उन्हें सुनना नहीं चाहता।"
“बहुत खूब, श्री यूस्टेस। लेकिन मेरा मानना है कि मुझे जानबूझकर जहर दिया गया

था!”
“अरे!” मैंने कहा। “तुम रेबर्न से बात कर रहे थे।”
उन्होंने इससे इनकार नहीं किया।
"खैर, सर यूस्टेस, वह ऐसा ही सोचते हैं—और उन्हें यह जानने की स्थिति में होना चाहिए।"
“वैसे, वो आदमी कहाँ है?” मैंने पूछा। “जब से हम जहाज पर आए हैं, मैंने उसे देखा तक नहीं है।”
“वह बीमार होने का बहाना करता है और अपने केबिन में ही रहता है, सर यूस्टेस।” पैगेट की आवाज़ फिर धीमी हो गई। “लेकिन मुझे यकीन है कि यह छलावा है। ताकि वह बेहतर तरीके से निगरानी कर सके।”
"घड़ी?"
"आपकी सुरक्षा के लिए, सर यूस्टेस। यदि आप पर हमला होता है तो।"
“पैगेट, तुम तो बड़े हंसमुख हो,” मैंने कहा। “मुझे उम्मीद है कि तुम्हारी कल्पना तुम्हें उड़ान देती होगी। अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो नाच में मुर्दे का सिर या जल्लाद बनकर जाता। यह तुम्हारी उदास सौंदर्य शैली के अनुरूप होगा।”
इससे वह कुछ देर के लिए चुप हो गया। मैं डेक पर चला गया। बेडिंगफील्ड की लड़की मिशनरी पादरी, चिचेस्टर के साथ गहरी बातचीत में मशगूल थी। पादरियों के आसपास औरतें हमेशा मंडराती रहती हैं।
मेरे जैसे कद-काठी वाले व्यक्ति को झुकना पसंद नहीं होता, लेकिन मैंने शिष्टाचारवश पादरी के पैरों के पास उड़ रहे कागज के एक टुकड़े को उठा लिया।
मुझे मेरी मेहनत के बदले धन्यवाद का एक शब्द भी नहीं मिला। दरअसल, कागज के उस पन्ने पर जो लिखा था, उसे देखे बिना मैं रह नहीं सका। उस पर सिर्फ एक वाक्य लिखा था:
"अकेले ही सब कुछ संभालने की कोशिश मत करो, वरना तुम्हारे लिए बुरा होगा।"
एक पादरी के लिए यह तो अच्छी बात है। पता नहीं ये चिचेस्टर कौन है? देखने में तो दूध की तरह सीधा-सादा लगता है। पर सूरत धोखा दे सकती है। मैं पैगेट से इसके बारे में पूछूंगा। पैगेट को तो हमेशा सब कुछ पता होता है।
मैं श्रीमती ब्लेयर के बगल में अपनी डेक-कुर्सी पर बड़े आराम से बैठ गया, जिससे रेस के साथ उनकी बातचीत में बाधा उत्पन्न हुई, और मैंने टिप्पणी की कि मुझे नहीं पता

कि आजकल पादरी किस ओर जा रहे हैं।
फिर मैंने उसे फैंसी ड्रेस डांस वाली रात मेरे साथ डिनर करने के लिए कहा। किसी न किसी तरह रेस को भी निमंत्रण में शामिल कर लिया गया।
दोपहर के भोजन के बाद बेडिंगफील्ड की लड़की आकर हमारे साथ कॉफी पीने बैठ गई। उसके पैरों के बारे में मेरा अनुमान सही था। जहाज पर सबसे खूबसूरत पैर उसी के हैं। मैं उसे रात के खाने पर भी जरूर बुलाऊंगा।
मैं यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हूँ कि फ्लोरेंस में पैगेट क्या शरारत कर रहा था। जब भी इटली का ज़िक्र होता है, वह बौखला जाता है। अगर मुझे यह पता न होता कि वह कितना सम्मानित व्यक्ति है, तो मुझे उस पर किसी बदनामी भरे प्रेम प्रसंग का संदेह होता...
अब मुझे आश्चर्य होता है! यहाँ तक कि सबसे सम्मानित पुरुष भी—अगर ऐसा होता तो मुझे बहुत खुशी होती।
पैगेट—एक गुप्त अपराधबोध के साथ! शानदार!

अध्याय XIII

यह एक विचित्र शाम रही।
नाई की दुकान में मुझे जो एकमात्र पोशाक फिट आई, वह टेडी बियर की थी। मुझे इंग्लैंड की सर्दियों की शाम में कुछ प्यारी युवतियों के साथ भालू का खेल खेलने में कोई आपत्ति नहीं है—लेकिन भूमध्य रेखा के लिए यह पोशाक बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है। फिर भी, मैंने खूब हंसी-मजाक किया और "किराए पर लाई गई" पोशाक के लिए प्रथम पुरस्कार जीता—शाम के लिए किराए पर ली गई पोशाक के लिए यह एक बेतुका शब्द है। फिर भी, चूंकि किसी को भी यह पता नहीं था कि वे पोशाकें बनाई गई थीं या लाई गई थीं, इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।
श्रीमती ब्लेयर ने वेशभूषा पहनने से इनकार कर दिया। जाहिर है, इस मामले में वह पैगेट से सहमत हैं। कर्नल रेस ने भी उनका अनुसरण किया। ऐनी बेडिंगफेल्ड ने अपने लिए एक जिप्सी पोशाक तैयार की थी और वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। पैगेट ने सिरदर्द का बहाना बनाकर आने से मना कर दिया। उनकी जगह मैंने रीव्स नाम के एक विचित्र से दिखने वाले व्यक्ति को बुलाया। वह दक्षिण अफ्रीकी लेबर पार्टी के एक

प्रमुख सदस्य हैं। दिखने में थोड़े अजीब हैं, लेकिन मैं उनसे संपर्क बनाए रखना चाहता हूँ, क्योंकि वे मुझे ज़रूरी जानकारी देते हैं। मैं इस रैंड मामले को दोनों पक्षों से समझना चाहता हूँ।

नृत्य एक गरमागरम मामला था। मैंने ऐनी बेडिंगफेल्ड के साथ दो बार नृत्य किया और उन्हें यह दिखावा करना पड़ा कि उन्हें यह पसंद आया। मैंने श्रीमती ब्लेयर के साथ एक बार नृत्य किया, जिन्होंने दिखावा करने की जहमत ही नहीं उठाई, और मैंने कई अन्य युवतियों को भी अपने जाल में फंसाया जिनकी सुंदरता मुझे भा गई।

फिर हम रात के खाने के लिए नीचे गए। मैंने शैम्पेन मंगवाई थी; स्टीवर्ड ने सुझाव दिया कि क्लिकोट 1911 सबसे अच्छी शैम्पेन है जो उनके पास नाव पर उपलब्ध है और मैंने उसकी बात मान ली। ऐसा लगा जैसे मुझे वो तरीका मिल गया हो जिससे कर्नल रेस खुल जाएंगे। चुप रहने के बजाय, वो आदमी वास्तव में बातूनी हो गया। कुछ देर तक मुझे इससे मज़ा आया, फिर मुझे एहसास हुआ कि कर्नल रेस, न कि मैं, पार्टी की जान बन रहे थे। उन्होंने डायरी रखने के बारे में मुझसे काफी देर तक मज़ाक किया।

"एक दिन यह तुम्हारे सभी कुकर्मों का पर्दाफाश कर देगा, पेडलर।"

“मेरे प्रिय परिवार,” मैंने कहा, “मैं यह कहने की हिम्मत करता हूँ कि मैं उतना मूर्ख नहीं हूँ जितना आप मुझे समझते हैं। मैं गलतियाँ कर सकता हूँ, लेकिन मैं उन्हें लिखता नहीं हूँ। मेरी मृत्यु के बाद, मेरे वसीयतकर्ता बहुत से लोगों के बारे में मेरी राय जानेंगे, लेकिन मुझे संदेह है कि उन्हें मेरे बारे में अपनी राय में कुछ जोड़ने या घटाने को मिलेगा। डायरी दूसरों की आदतों को दर्ज करने के लिए उपयोगी है—लेकिन अपनी खुद की नहीं।”

"हालांकि, अचेतन आत्म-प्रकटीकरण जैसी कोई चीज भी होती है।"

मैंने गंभीर स्वर में उत्तर दिया, "मनोविश्लेषक की दृष्टि में सभी चीजें घृणित होती हैं।"

"आपका जीवन बहुत ही रोचक रहा होगा, कर्नल रेस?" मिस बेडिंगफेल्ड ने अपनी विशाल, चमकदार आँखों से उनकी ओर देखते हुए कहा।

ये लड़कियाँ ऐसे ही करती हैं! ओथेलो ने कहानियाँ सुनाकर डेसडेमोना को मोहित कर लिया, लेकिन क्या डेसडेमोना ने भी अपनी सुनने की शैली से ओथेलो को मोहित नहीं कर लिया?

खैर, उस लड़की ने रेस को खूब उकसाया। उसने शेरों की कहानियां सुनाना शुरू कर

दिया। जिस आदमी ने बड़ी संख्या में शेर मारे हों, उसे दूसरे आदमियों पर अनुचित लाभ होता है। मुझे लगा कि अब समय आ गया है कि मैं भी एक शेर की कहानी सुनाऊं। एक ऐसी कहानी जो थोड़ी रोमांचक हो।

"वैसे," मैंने कहा, "इससे मुझे एक बेहद दिलचस्प कहानी याद आ गई जो मैंने सुनी थी। मेरा एक दोस्त पूर्वी अफ्रीका में कहीं शिकार पर गया हुआ था। एक रात किसी कारणवश वह अपने तंबू से बाहर निकला और एक धीमी गुर्राहट सुनकर चौंक गया। उसने तेज़ी से मुड़कर देखा तो एक शेर छलांग लगाने के लिए घात लगाए बैठा था। उसने अपनी राइफल तंबू में ही छोड़ दी थी। पलक झपकते ही वह नीचे झुक गया और शेर उसके सिर के ऊपर से छलांग लगा गया। निशाना चूक जाने से नाराज़ होकर शेर गुर्राया और फिर से छलांग लगाने की तैयारी करने लगा। वह फिर से नीचे झुका और शेर फिर से उसके ऊपर से छलांग लगा गया। ऐसा तीसरी बार भी हुआ, लेकिन तब तक वह तंबू के प्रवेश द्वार के पास पहुँच चुका था और वह अंदर भागा और अपनी राइफल उठा ली। जब वह राइफल हाथ में लिए बाहर निकला तो शेर गायब हो चुका था। इससे वह बहुत हैरान हुआ। वह चुपके से तंबू के पीछे वाले हिस्से में गया, जहाँ एक छोटा सा खुला मैदान था। वहाँ, सचमुच, शेर था, जो व्यस्तता से छोटी छलांगों का अभ्यास कर रहा था।"

इसका जोरदार तालियों से स्वागत हुआ। मैंने थोड़ी शैम्पेन पी।

"एक और मौके पर," मैंने कहा, "मेरे एक दोस्त को एक और अजीब अनुभव हुआ। वह पैदल यात्रा कर रहा था और दिन की तेज गर्मी से पहले अपने गंतव्य पर पहुँचने की जल्दी में उसने अपने लड़कों को अंधेरा रहते ही खच्चरों को पाल में बाँधने का आदेश दिया। उन्हें ऐसा करने में कुछ परेशानी हुई, क्योंकि खच्चर बहुत बेचैन थे, लेकिन आखिरकार वे कामयाब हो गए और उन्होंने चलना शुरू कर दिया। खच्चर हवा की तरह दौड़ पड़े और जब उजाला हुआ तो उन्हें समझ आया कि ऐसा क्यों हुआ। अंधेरे में, लड़कों ने एक शेर को पाल में बाँध रखा था, जो लगभग पहिया घुमा रहा था।"

इसे भी खूब सराहा गया, मेज के चारों ओर हंसी की लहर दौड़ गई, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि सबसे बड़ी प्रशंसा मेरे मित्र, लेबर पार्टी के सदस्य की ओर से नहीं आई, जो पीले और गंभीर बने रहे।

"हे भगवान!" उसने घबराकर कहा। "इन्हें किसने खोला?"

श्रीमती ब्लेयर ने कहा, "मुझे रोडेशिया जाना ही होगा। कर्नल रेस, आपने जो बताया है उसके बाद तो मुझे जाना ही पड़ेगा। हालांकि, यह एक भयानक यात्रा है, ट्रेन में पाँच दिन का सफर।"

मैंने बड़े ही विनम्र लहजे में कहा, "आपको मेरी निजी गाड़ी में मेरे साथ चलना होगा।"

"ओह, सर यूस्टेस, आप कितने दयालु हैं, क्या आप सचमुच ऐसा कह रहे हैं?"

“क्या मेरा मतलब यही था!” मैंने तिरस्कार भरे स्वर में कहा और एक और गिलास शैंपेन पी लिया।

"बस एक और हफ्ता, और हम दक्षिण अफ्रीका में होंगे," श्रीमती ब्लेयर ने आह भरते हुए कहा।

“आह, दक्षिण अफ्रीका,” मैंने भावुक होकर कहा और औपनिवेशिक संस्थान में दिए गए अपने हालिया भाषण से कुछ पंक्तियाँ उद्धृत करने लगा। “दक्षिण अफ्रीका के पास दुनिया को दिखाने के लिए क्या है? वास्तव में क्या? उसके फल और उसके खेत, उसकी ऊन और उसके बबूल, उसके पशुधन और उसकी खालें, उसका सोना और उसके हीरे——”

मैं जल्दी-जल्दी बोल रहा था, क्योंकि मुझे पता था कि जैसे ही मैं रुकूंगा, रीव्स बीच में दखल देकर मुझे बताएगा कि खालें बेकार हैं क्योंकि जानवर कांटेदार तार में फंसकर मर जाते हैं या इसी तरह की किसी चीज़ में उलझ जाते हैं, बाकी सब कुछ नोच खाते हैं, और अंत में रैंड के खनिकों जैसी कठिनाइयों का सामना करते हैं। और मैं पूंजीवादी होने के नाते अपमान सहने के मूड में नहीं था। हालांकि, हीरे शब्द पर आते ही एक और स्रोत से रुकावट आ गई।

"हीरे!" श्रीमती ब्लेयर ने उत्साह से कहा।

“हीरे!” मिस बेडिंगफेल्ड ने धीमी आवाज़ में कहा।

उन दोनों ने कर्नल रेस को संबोधित किया।

"मुझे लगता है कि आप किम्बर्ली गए होंगे?"

मैं भी किम्बरली गया था, लेकिन समय रहते बता नहीं पाया। मुझसे लगातार सवाल पूछे जा रहे थे। खदानें कैसी थीं? क्या यह सच था कि मूल निवासियों को बाड़ों में बंद रखा जाता था? और भी बहुत कुछ।

रेस ने उनके सवालों के जवाब दिए और अपने विषय का अच्छा ज्ञान प्रदर्शित किया। उन्होंने मूल निवासियों को आश्रय देने के तरीकों, की गई तलाशी और डी बीयर्स द्वारा

बरती गई विभिन्न सावधानियों का वर्णन किया।
"तो फिर हीरे चुराना व्यावहारिक रूप से असंभव है?" श्रीमती ब्लेयर ने उतनी ही गहरी निराशा के साथ पूछा मानो वह विशेष रूप से इसी उद्देश्य से वहां यात्रा कर रही हों।
"कुछ भी असंभव नहीं है, श्रीमती ब्लेयर। चोरियां तो होती ही हैं—जैसे मैंने आपको उस मामले के बारे में बताया था जिसमें काफिर ने पत्थर को अपने घाव में छिपा लिया था।"
“हां, लेकिन बड़े पैमाने पर?”
“हाल के वर्षों में एक बार। दरअसल, युद्ध से ठीक पहले। पेडलर, आपको वह मामला जरूर याद होगा। क्या आप उस समय दक्षिण अफ्रीका में थे?”
मेंने सिर हिलाया।
“हमें बताओ,” मिस बेडिंगफेल्ड चिल्लाईं। “ओह, हमें जरूर बताओ!”
रेस मुस्कुराया।
“ठीक है, आपको कहानी पता चल जाएगी। मुझे लगता है कि आपमें से अधिकांश ने दक्षिण अफ्रीका के महान खनन उद्योगपति सर लॉरेंस एर्ड्सली के बारे में सुना होगा? उनकी खदानें सोने की थीं, लेकिन कहानी में उनका ज़िक्र उनके बेटे के माध्यम से आता है। आपको याद होगा कि युद्ध से ठीक पहले ब्रिटिश गुयाना के जंगलों की पथरीली ज़मीन में कहीं छिपे एक नए संभावित किम्बरली के बारे में अफवाहें फैली थीं। बताया गया था कि दो युवा खोजकर्ता दक्षिण अमेरिका के उस हिस्से से लौटे थे और अपने साथ कच्चे हीरों का एक उल्लेखनीय संग्रह लाए थे, जिनमें से कुछ काफी बड़े आकार के थे। एस्सेक्विबो और मजारुनी नदियों के आसपास के क्षेत्र में पहले भी छोटे आकार के हीरे पाए गए थे, लेकिन इन दो युवकों, जॉन एर्ड्सली और उनके मित्र लुकास ने दो धाराओं के उद्गम स्थल पर कार्बन के विशाल भंडार खोजने का दावा किया था। हीरे हर रंग के थे - गुलाबी, नीला, पीला, हरा, काला और शुद्ध सफेद। एर्ड्सली और लुकास किम्बरली आए, जहाँ उन्हें अपने रत्नों का निरीक्षण करवाना था। उसी समय एक सनसनीखेज डकैती घटित हुई थी।” डी बीयर्स में, जब हीरे इंग्लैंड भेजे जाते हैं, तो उन्हें एक पैकेट में पैक किया जाता है। यह पैकेट एक बड़े तिजोरी में रखा जाता है, जिसकी दो चाबियां दो अलग-अलग व्यक्तियों के पास होती हैं, जबकि तीसरा व्यक्ति उसका संयोजन जानता है। ये पैकेट बैंक को सौंप दिए जाते हैं, और बैंक उन्हें इंग्लैंड भेज देता है। प्रत्येक पैकेट की कीमत लगभग £100,000 होती है।

“इस बार बैंक को पैकेट की सील में कुछ असामान्य बात नज़र आई। जब पैकेट खोला गया तो उसमें चीनी के टुकड़े मिले!”
मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि जॉन एर्ड्सले पर शक कैसे जागा। याद आया कि वह कैम्ब्रिज में बहुत ही उद्दंड था और उसके पिता ने एक से अधिक बार उसका कर्ज चुकाया था। खैर, जल्द ही यह बात फैल गई कि दक्षिण अमेरिकी हीरे के भंडारों की यह कहानी पूरी तरह से मनगढ़ंत थी। जॉन एर्ड्सले को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से डी बीयर के हीरों का एक हिस्सा बरामद हुआ।
लेकिन मामला कभी अदालत तक नहीं पहुंचा। सर लॉरेंस एर्ड्सले ने लापता हीरों के बराबर रकम चुका दी और डी बीयर्स ने मुकदमा नहीं चलाया। चोरी कैसे हुई, यह आज तक पता नहीं चल पाया है। लेकिन यह जानकर कि उनका बेटा चोर था, बूढ़े का दिल टूट गया। कुछ समय बाद ही उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। जॉन की किस्मत कुछ हद तक मेहरबान रही। वह सेना में भर्ती हो गया, युद्ध में गया, वहां बहादुरी से लड़ा और शहीद हो गया, इस तरह उसके नाम पर लगा कलंक मिट गया। सर लॉरेंस को तीसरा दिल का दौरा पड़ा और करीब एक महीने पहले उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कोई वसीयत नहीं बनाई थी और उनकी विशाल संपत्ति उनके निकटतम रिश्तेदार को मिली, जिसे वे मुश्किल से ही जानते थे।
कर्नल रुक गए। अचानक सवालों और अभिशापों की बौछार मच गई। मिस बेडिंगफेल्ड का ध्यान किसी बात पर गया और वे अपनी कुर्सी पर घूम गईं। उनकी हल्की सी आह सुनकर मैं भी घूम गया।
मेरे नए सचिव, रेबर्न, दरवाजे पर खड़े थे। उनकी सांवली त्वचा के नीचे, उनका चेहरा किसी भूत को देखने वाले व्यक्ति की तरह पीला पड़ गया था। जाहिर है, रेस की कहानी ने उन्हें बहुत प्रभावित किया था।
अचानक हमारी निगाहों का एहसास होने पर, वह अचानक मुड़ा और गायब हो गया।
"क्या आप जानते हैं कि वह कौन है?" ऐनी बेडिंगफेल्ड ने अचानक पूछा।
मैंने समझाया, “ये मेरे दूसरे सचिव हैं। श्री रेबर्न। अब तक इनका व्यवहार संदिग्ध रहा है।”
वह अपनी प्लेट के पास रखी रोटी से खेल रही थी।
"क्या वह लंबे समय से आपका सचिव है?"
मैंने सावधानी से कहा, "ज्यादा देर नहीं लगेगी।"

लेकिन एक महिला के मामले में सावधानी बेकार है, जितना आप पीछे हटेंगे, उतना ही वह आगे बढ़ेगी। ऐनी बेडिंगफेल्ड ने इस बात को खुलकर कहा था।
"कितना समय लगेगा?" उसने सीधे-सीधे पूछा।
"अच्छा—मैंने उसे जहाज़ पर चढ़ने से ठीक पहले काम पर रखा था। मेरे एक पुराने दोस्त ने उसकी सिफारिश की थी।"
उसने और कुछ नहीं कहा, बल्कि गहरी सोच में डूब गई। मैंने रेस की ओर देखा, यह सोचकर कि अब उसकी कहानी में रुचि दिखाने की मेरी बारी है।
“रेस, सर लॉरेंस के निकटतम संबंधी कौन हैं? क्या आप जानते हैं?”
“मुझे तो यही लगता है,” उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। “मैं हूँ ही!”

अध्याय XIV

(ऐनी की कहानी पुनः शुरू)

फैंसी ड्रेस डांस वाली रात को ही मैंने तय किया कि अब समय आ गया है कि मैं किसी से अपने दिल की बात कहूँ। अब तक मैं अकेले ही सब कुछ संभाल रही थी और मुझे इसमें मज़ा भी आ रहा था। लेकिन अचानक सब कुछ बदल गया। मुझे अपने ही फैसले पर शक होने लगा और पहली बार अकेलेपन और उदासी का एहसास मुझ पर हावी हो गया।
मैं अपने बंक के किनारे पर बैठी थी, अभी भी अपने जिप्सी कपड़ों में, और स्थिति पर विचार कर रही थी। सबसे पहले मुझे कर्नल रेस का ख्याल आया। ऐसा लग रहा था कि वह मुझे पसंद करते हैं। मुझे पूरा यकीन था कि वह दयालु होंगे। और वह मूर्ख नहीं थे। फिर भी, जैसे-जैसे मैं इस बारे में सोचती गई, मैं दुविधा में पड़ गई। वह एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के व्यक्ति थे। वह सारा मामला मेरे हाथ से छीन लेंगे। और यह रहस्य मेरा ही था! कुछ और कारण भी थे, जिन्हें मैं शायद ही खुद स्वीकार करती, लेकिन जिनकी वजह से कर्नल रेस पर भरोसा करना उचित नहीं था।
फिर मुझे श्रीमती ब्लेयर की याद आई। उन्होंने भी मेरे प्रति दयालुता दिखाई थी। मैंने खुद को इस भ्रम में नहीं डाला कि इसका कोई वास्तविक अर्थ था। शायद यह महज़ उस पल का आवेग था। फिर भी, मैं उन्हें प्रभावित कर सकता था। वह एक ऐसी महिला थीं जिन्होंने जीवन के लगभग सभी सामान्य अनुभवों को जिया था। मैंने उन्हें

एक असाधारण अनुभव देने का प्रस्ताव रखा! और मैं उन्हें पसंद करता था; उनके सरल स्वभाव, उनकी भावुकता की कमी, और किसी भी प्रकार के दिखावे से मुक्त होने की उनकी क्षमता मुझे अच्छी लगती थी।

मैंने मन बना लिया था। मैंने उसी समय उससे मिलने का फैसला किया। वह अभी तक बिस्तर पर नहीं गई होगी।

फिर मुझे याद आया कि मुझे उनके केबिन का नंबर नहीं पता था। मेरी दोस्त, जो रात की एयर होस्टेस थी, शायद जानती होगी। मैंने घंटी बजाई। कुछ देर बाद एक आदमी ने दरवाज़ा खोला। उसने मुझे वह जानकारी दी जो मैं जानना चाहती थी। श्रीमती ब्लेयर का केबिन नंबर 71 था। उसने घंटी का जवाब देने में हुई देरी के लिए माफी मांगी, लेकिन बताया कि उसे सभी केबिनों का ध्यान रखना था।

मैंने पूछा, "तो फिर एयर होस्टेस कहाँ है?"

वे सभी दस बजे ड्यूटी से छुट्टी ले लेते हैं।

नहीं—मेरा मतलब नाइट एयर होस्टेस से है।

"रात में कोई एयर होस्टेस ड्यूटी पर नहीं होती, मिस।"

"लेकिन—लेकिन पिछली रात करीब एक बजे एक एयर होस्टेस आई थी।"

"आप सपना देख रही होंगी, महोदया। दस बजे के बाद कोई एयर होस्टेस ड्यूटी पर नहीं होती।"

वह चला गया और मैं इस अधूरी जानकारी को समझने के लिए अकेला रह गया। 22 तारीख की रात को मेरी झोपड़ी में कौन आई थी? जैसे ही मुझे अपने अनजान दुश्मनों की धूर्तता और दुस्साहस का एहसास हुआ, मेरा चेहरा गंभीर हो गया। फिर, खुद को संभालते हुए, मैं अपनी झोपड़ी से निकला और श्रीमती ब्लेयर की झोपड़ी की ओर चल पड़ा। मैंने दरवाजा खटखटाया।

"वो कौन है?" भीतर से एक आवाज आई।

"ये मैं हूं—ऐनी बेडिंगफेल्ड।"

"अरे, अंदर आओ, जिप्सी लड़की।"

मैं अंदर गया। चारों ओर बिखरे हुए काफी सारे कपड़े पड़े थे, और श्रीमती ब्लेयर ने अब तक का सबसे खूबसूरत किमोनो पहना हुआ था। वह नारंगी, सुनहरा और काला रंग का था और उसे देखकर मेरे मुंह में पानी आ गया।

मैंने अचानक कहा, "श्रीमती ब्लेयर, मैं आपको अपने जीवन की कहानी सुनाना चाहता

हूँ—यानी, अगर बहुत देर नहीं हुई है, और आप बोर नहीं होंगी।"
“बिल्कुल नहीं। मुझे तो सोने जाना बिल्कुल पसंद नहीं,” श्रीमती ब्लेयर ने कहा, उनके चेहरे पर हमेशा की तरह प्यारी सी मुस्कान खिल उठी। “और मुझे तुम्हारी जीवन कहानी सुनना बहुत अच्छा लगेगा। तुम तो बिल्कुल अनोखी हो, जिप्सी लड़की। कोई और रात के 1 बजे आकर मुझे अपनी जीवन कहानी सुनाने की हिम्मत नहीं करेगा। खासकर तब, जब तुमने मेरी स्वाभाविक जिज्ञासा को हफ्तों तक नज़रअंदाज़ किया है! मुझे नज़रअंदाज़ किए जाने की आदत नहीं है। यह मेरे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। सोफे पर बैठो और अपने दिल की बात कहो।”
मैंने उसे पूरी कहानी सुनाई। इसमें थोड़ा समय लगा क्योंकि मैं हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रख रहा था। कहानी खत्म होने पर उसने गहरी साँस ली, लेकिन उसने वो बिल्कुल नहीं कहा जो मुझे उससे उम्मीद थी। इसके बजाय उसने मेरी तरफ देखा, थोड़ा हँसी और बोली:
“क्या तुम्हें पता है, ऐनी, तुम एक बहुत ही असाधारण लड़की हो? क्या तुम्हें कभी कोई शंका नहीं हुई?”
“क्या आपको कोई शंका है?” मैंने हैरानी से पूछा।
“हाँ, चिंताएँ, चिंताएँ, चिंताएँ! बिल्कुल अकेले शुरुआत करना, वो भी बिना पैसों के। जब आप खुद को एक अनजान देश में पाएँ और आपके सारे पैसे खत्म हो जाएँ तो आप क्या करेंगे?”
“जब तक वो आएगा नहीं, तब तक चिंता करने का कोई फायदा नहीं। मेरे पास अभी भी बहुत पैसा है। श्रीमती फ्लेमिंग ने मुझे जो पच्चीस पाउंड दिए थे, वो लगभग वैसे ही हैं, और फिर मैंने कल लॉटरी भी जीत ली। उससे मुझे पंद्रह पाउंड और मिल गए। अरे वाह, मेरे पास तो बहुत पैसा है! चालीस पाउंड!”
“ढेर सारा पैसा! हे भगवान!” श्रीमती ब्लेयर ने बुदबुदाते हुए कहा। “मैं ऐसा नहीं कर सकती, ऐनी, और मुझमें भी बहुत हिम्मत है। मैं जेब में कुछ ही पाउंड लेकर और बिना यह जाने कि मैं क्या कर रही हूँ और कहाँ जा रही हूँ, खुशी-खुशी शुरुआत नहीं कर सकती।”
“लेकिन यही तो इसका मज़ा है,” मैं पूरी तरह से जोश में चिल्लाया। “इससे रोमांच का एक शानदार एहसास मिलता है।”
उसने मेरी तरफ देखा, एक-दो बार सिर हिलाया और फिर मुस्कुरा दी।

“किस्मत वाली ऐनी! दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो तुम्हारी तरह महसूस करते हैं।” मैंने अधीरता से कहा, "अच्छा, श्रीमती ब्लेयर, इस सब के बारे में आपकी क्या राय है?"

“मुझे लगता है कि यह अब तक की सबसे रोमांचक बात है जो मैंने सुनी है! सबसे पहले, आप मुझे मिसेज ब्लेयर कहना बंद कर देंगे। सुज़ैन नाम कहीं बेहतर रहेगा। क्या आप सहमत हैं?”

"मुझे तो यह बहुत पसंद आएगा, सुज़ैन।"

“शाबाश! अब काम की बात करते हैं। तुमने कहा कि सर यूस्टेस के सचिव में—उस उदास चेहरे वाले पैगेट की बात नहीं कर रही, दूसरे वाले की बात कर रही हूँ—तुमने उस आदमी को पहचान लिया जिसे चाकू मारा गया था और जो तुम्हारी झोपड़ी में शरण लेने आया था?”

मेंने सिर हिलाया।

“इससे हमें सर यूस्टेस को इस उलझन से जोड़ने वाले दो सुराग मिलते हैं। महिला की हत्या उनके घर में हुई थी, और उनकी सचिव को ठीक एक बजे चाकू मारा गया। मुझे सर यूस्टेस पर शक नहीं है, लेकिन यह महज़ संयोग नहीं हो सकता। कहीं न कहीं कोई संबंध ज़रूर है, भले ही उन्हें खुद इसका एहसास न हो।”

“फिर वो अजीबोगरीब मामला है एयर होस्टेस का,” उसने सोच-विचार करते हुए आगे कहा। “वो कैसी थी?”

“मैंने उस पर मुश्किल से ही ध्यान दिया। मैं इतनी उत्साहित और तनावग्रस्त थी कि एक एयर होस्टेस का दिखना मेरे लिए एक तरह से निराशाजनक अनुभव था। लेकिन हां, मुझे उसका चेहरा जाना-पहचाना लगा। अगर मैंने उसे जहाज पर देखा होता तो ऐसा होना स्वाभाविक ही था।”

“उसका चेहरा तुम्हें जाना-पहचाना लग रहा था,” सुज़ैन ने कहा। “क्या तुम्हें यकीन है कि वह कोई पुरुष नहीं था?”

मैंने स्वीकार किया, "वह बहुत लंबी थी।"

“हम्म। मुझे नहीं लगता कि ये सर यूस्टेस होंगे, न ही मिस्टर पैगेट— रुको!”

उसने कागज का एक टुकड़ा उठाया और तेज़ी से चित्र बनाने लगी। उसने अपना सिर एक तरफ झुकाकर अपने चित्र का निरीक्षण किया।

“रेवरेंड एडवर्ड चिचेस्टर की बहुत अच्छी तस्वीर है। अब बाकी की जानकारी।” उन्होंने

कागज़ मुझे पकड़ा दिया। “क्या यह आपकी एयर होस्टेस है?”
“हाँ, बिल्कुल!” मैं चिल्लाई। “सुज़ैन, तुम कितनी होशियार हो!”
उसने हल्के इशारे से उस तारीफ को ठुकरा दिया।
“मुझे उस चिचेस्टर नाम के व्यक्ति पर हमेशा से शक रहा है। क्या आपको याद है कि कैसे उसने अपना कॉफी का कप गिरा दिया था और क्रिपेन के बारे में बात करते समय उसका चेहरा पीला पड़ गया था?”
और उसने केबिन नंबर 17 पाने की कोशिश की!
“हाँ, अभी तक तो सब ठीक लग रहा है। लेकिन इसका मतलब क्या है? केबिन नंबर 17 में ठीक एक बजे क्या होना था? यह सेक्रेटरी पर चाकू से हमला तो नहीं हो सकता। किसी खास दिन, किसी खास जगह पर किसी खास समय पर ऐसा होने का कोई मतलब नहीं बनता। नहीं, ज़रूर कोई अपॉइंटमेंट रहा होगा और वो उसी के लिए जा रहे थे जब उन पर चाकू से हमला हुआ। लेकिन अपॉइंटमेंट किसके साथ था? पक्का आपके साथ तो नहीं। शायद चिचेस्टर के साथ था। या शायद पैगेट के साथ था।”
मैंने आपत्ति जताते हुए कहा, "ऐसा होना असंभव लगता है, वे किसी भी समय एक-दूसरे से मिल सकते हैं।"
हम दोनों एक-दो मिनट तक चुपचाप बैठे रहे, फिर सुज़ैन ने एक अलग ही बात कहना शुरू कर दिया।
"क्या केबिन में कुछ छिपा हो सकता था?"
“यह ज़्यादा संभावित लगता है,” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “इससे अगली सुबह मेरे सामान की तलाशी का कारण समझ में आ जाएगा। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वहाँ कुछ भी छिपा हुआ नहीं था।”
“क्या उस युवक ने पिछली रात दराज में कुछ छिपाकर नहीं रखा होगा?”
मैंने अपना सिर हिलाया।
मुझे उसे देख लेना चाहिए था।
"क्या वे आपके उस अनमोल कागज़ के टुकड़े की तलाश कर रहे थे?"
"ऐसा हो सकता था, लेकिन यह काफी बेतुका लगता है। यह सिर्फ एक समय और तारीख थी - और तब तक वे दोनों बीत चुके थे।"
सुज़ैन ने सिर हिलाया।

“हाँ, बिलकुल। नहीं, वो अखबार नहीं था। वैसे, क्या आपके पास वो अखबार है? मैं उसे देखना चाहूँगा।”
मैं वह कागज सबूत के तौर पर अपने साथ लाया था और मैंने उसे उसे सौंप दिया। उसने भौंहें चढ़ाकर उसे ध्यान से देखा।
“17 के बाद एक बिंदु है। 1 के बाद भी बिंदु क्यों नहीं है?”
मैंने इशारा करते हुए कहा, "यहाँ जगह है।"
“हां, जगह तो है, लेकिन——”
अचानक वह उठी और कागज को ध्यान से देखने लगी, उसे रोशनी में जितना हो सके उतना करीब लाकर देखने लगी। उसके हावभाव में एक दबी हुई उत्तेजना झलक रही थी।
“ऐनी, वो बिंदु नहीं है! वो कागज़ में खराबी है! कागज़ में खराबी है, समझी? तो तुम्हें इसे नज़रअंदाज़ करना होगा, और सिर्फ़ रिक्त स्थानों पर ध्यान देना होगा—रिक्त स्थानों पर!”
मैं उठकर उसके पास खड़ा हो गया। मैंने उसे वे आंकड़े पढ़कर सुनाए जो मुझे अब दिखाई दे रहे थे।
“1 71 22.”
“देखो,” सुज़ैन ने कहा, “यह वही है, लेकिन बिल्कुल वैसा नहीं। अभी भी एक बज रहा है, और 22 तारीख है—लेकिन यह केबिन नंबर 71 है! मेरा केबिन, ऐनी!”
हम एक-दूसरे को निहारते खड़े थे, अपनी नई खोज से इतने प्रसन्न और इतने रोमांचित थे कि ऐसा लग रहा था मानो हमने सारा रहस्य सुलझा लिया हो। तभी मैं धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा।
"लेकिन, सुज़ैन, 22 तारीख को दोपहर एक बजे यहाँ कुछ भी नहीं हुआ था?"
उसका चेहरा भी उतर गया। "नहीं—ऐसा नहीं हुआ।"
मुझे एक और विचार आया।
"यह आपका अपना केबिन तो नहीं है, है ना, सुज़ैन? मेरा मतलब है, वह केबिन नहीं जिसे आपने मूल रूप से बुक किया था?"
"नहीं, पर्सर ने मुझे इसे पहनाया था।"
मुझे आश्चर्य है कि क्या यह किसी ऐसे व्यक्ति के लिए पहले से बुक किया गया था - कोई ऐसा व्यक्ति जो आया ही नहीं। मुझे लगता है कि हम इसका पता लगा सकते

हैं।
"हमें यह जानने की जरूरत नहीं है, जिप्सी लड़की," सुज़ैन चिल्लाई। “मुझे पता है! पर्सर मुझे इसके बारे में बता रहा था। केबिन मिसेज़ ग्रे के नाम से बुक था—लेकिन लगता है कि मिसेज़ ग्रे मशहूर मैडम नादिना का सिर्फ़ एक छद्म नाम था। आप जानते हैं, वो एक मशहूर रूसी नर्तकी हैं। वो लंदन में कभी नहीं दिखीं, लेकिन पेरिस में उनके लिए दीवानगी छाई हुई थी। युद्ध के दौरान पेरिस में उन्हें ज़बरदस्त सफलता मिली। मेरे ख्याल से वो थोड़ी बिगड़ैल किस्म की थीं, लेकिन बेहद आकर्षक थीं। पर्सर ने मुझे उनका केबिन देते समय बड़े ही भावुक ढंग से अफ़सोस जताया कि वो जहाज़ पर नहीं थीं, और फिर कर्नल रेस ने मुझे उनके बारे में बहुत कुछ बताया। लगता है पेरिस में उनके बारे में बहुत अजीबोगरीब कहानियां चल रही थीं। उन पर जासूसी का शक था, लेकिन कुछ भी साबित नहीं हो सका। मुझे लगता है कि कर्नल रेस शायद इसी वजह से वहाँ गए थे। उन्होंने मुझे कुछ बहुत ही दिलचस्प बातें बताई हैं। वहाँ एक संगठित गिरोह था, जो जर्मन मूल का बिल्कुल नहीं था। दरअसल, उसका मुखिया, जिसे हमेशा 'कर्नल' कहा जाता था, एक अंग्रेज़ समझा जाता था, लेकिन उनकी पहचान का कोई सुराग नहीं मिला। पहचान। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि वह अंतरराष्ट्रीय अपराधियों के एक बड़े संगठन को नियंत्रित करता था। डकैती, जासूसी, हमले, वह सब कुछ करता था—और अक्सर सजा भुगतने के लिए किसी निर्दोष को बलि का बकरा बना देता था। वह शैतानी रूप से चालाक रहा होगा! यह महिला उसकी एजेंटों में से एक बताई जा रही थी, लेकिन उन्हें कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया। हाँ, ऐनी, हम सही रास्ते पर हैं। नादिना इस धंधे में शामिल होने के लिए बिल्कुल सही महिला है। 22 तारीख की सुबह की मुलाकात इसी केबिन में उससे थी। लेकिन वह कहाँ है? वह जहाज पर क्यों नहीं गई?
मुझ पर एक तेज रोशनी पड़ी।
मैंने धीरे से कहा, "उसका इरादा नाव चलाने का था।"
"तो फिर उसने ऐसा क्यों नहीं किया?"
“क्योंकि वह मर चुकी थी। सुज़ैन, मार्लो में नादिना की ही हत्या हुई थी!”
मेरा मन उस खाली घर के सूने कमरे की ओर लौट गया, और वहाँ एक बार फिर खतरे और बुराई की वह अवर्णनीय अनुभूति छा गई। साथ ही, गिरती हुई पेंसिल और फिल्म के रोल की खोज की याद भी ताजा हो गई। फिल्म का रोल—यह बात मुझे हाल ही

की याद दिला रही थी। मैंने फिल्म के रोल के बारे में कहाँ सुना था? और मैंने इस विचार को श्रीमती ब्लेयर से क्यों जोड़ा?
अचानक मैं उसकी ओर झपटा और उत्तेजना में लगभग उसे हिला ही डाला।
“आपकी फिल्में! वो फिल्में जो आपको वेंटिलेटर के जरिए दी गई थीं? क्या वो 22 तारीख को नहीं हुआ था?”
“जिन्हें मैंने खो दिया?”
“तुम्हें कैसे पता कि वे एक ही थे? कोई उन्हें आधी रात को इस तरह तुम्हें क्यों लौटाएगा? यह तो पागलपन है। नहीं—वे एक संदेश थे, फिल्मों को पीले टिन के डिब्बे से निकाल लिया गया था और उसके अंदर कुछ और रख दिया गया था। क्या वह अभी भी तुम्हारे पास है?”
“हो सकता है मैंने इसका इस्तेमाल किया हो। नहीं, यह रहा। मुझे याद है मैंने इसे चारपाई के बगल वाले रैक में फेंक दिया था।”
उसने इसे मेरी ओर बढ़ाया।
यह एक साधारण गोल टिन का सिलेंडर था, जैसा कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में फिल्मों की पैकिंग में इस्तेमाल होता है। मैंने कांपते हाथों से इसे उठाया, लेकिन ऐसा करते ही मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। यह अपने सामान्य वज़न से कहीं ज़्यादा भारी था। कांपती उंगलियों से मैंने उस चिपकने वाले प्लास्टर की पट्टी को हटाया जिसने उसे हवा बंद रखा था। मैंने ढक्कन हटाया और फीके, कांच जैसे कंकड़ों की एक धारा बिस्तर पर लुढ़क गई।
मैंने बेहद निराश होकर कहा, "कंकड़।"
“कंकड़?” सुज़ैन चिल्लाई।
उसकी आवाज में जो जोश था, उससे मैं उत्साहित हो गया।
“कंकड़? नहीं, ऐनी, कंकड़ नहीं! हीरे!”

अध्याय XV

हीरे!
मैं चारपाई पर पड़े कांच के ढेर को विस्मित होकर देखता रहा। मैंने उसमें से एक टुकड़ा उठाया, जो वजन के कारण टूटी हुई बोतल का टुकड़ा मात्र लग रहा था।

"क्या आप निश्चित हैं, सुज़ैन?"
“ओह, जी हाँ, मेरी प्यारी। मैंने कच्चे हीरे इतनी बार देखे हैं कि मुझे कोई शक नहीं है। ये बहुत खूबसूरत होते हैं, ऐनी—और उनमें से कुछ तो बिल्कुल अनोखे हैं, मैं कहूँगी। इनके पीछे एक इतिहास है।”
“आज रात हमने जो इतिहास सुना,” मैं रो पड़ी।
"तुम्हारा मतलब है--?"
“कर्नल रेस की कहानी। यह महज एक संयोग नहीं हो सकता। उन्होंने इसे किसी खास मकसद से सुनाया था।”
"इसका असर देखने के लिए, आपका मतलब है?"
मेंने सिर हिलाया।
“इसका सर यूस्टेस पर क्या प्रभाव पड़ा?”
"हाँ।"
लेकिन, जैसे ही मैंने यह कहा, मेरे मन में एक शंका उत्पन्न हुई। क्या सर यूस्टेस को किसी परीक्षा से गुज़ारा गया था, या यह कहानी मेरे फायदे के लिए गढ़ी गई थी? मुझे उस पिछली रात का वह एहसास याद आया जब मुझे जानबूझकर बहकाया गया था। किसी न किसी कारण से कर्नल रेस को शक हुआ। लेकिन उनका इसमें क्या हाथ था? इस मामले से उनका क्या संबंध हो सकता था?
मैंने पूछा, "कर्नल रेस कौन हैं?"
“यह तो एक पेचीदा सवाल है,” सुज़ैन ने कहा। “वह एक बड़े शिकारी के रूप में काफी मशहूर हैं, और जैसा कि आपने आज रात उन्हें कहते सुना, वह सर लॉरेंस एर्ड्सले के दूर के चचेरे भाई थे। इस यात्रा से पहले मैं उनसे कभी मिली नहीं थी। वह अक्सर अफ्रीका आते-जाते रहते हैं। आम धारणा है कि वह गुप्त सेवा के लिए काम करते हैं। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। वह वाकई एक रहस्यमय व्यक्ति हैं।”
"मुझे लगता है कि सर लॉरेंस एर्ड्सले के उत्तराधिकारी होने के नाते उन्हें काफी धन-संपत्ति मिली होगी?"
“मेरी प्यारी ऐनी, वो तो खूब मजे कर रहा होगा। तुम्हें पता है, वो तुम्हारे लिए एकदम सही जीवनसाथी साबित होगा।”
मैंने हंसते हुए कहा, "जहाज पर तुम्हारे रहते मैं उस पर खुलकर गुस्सा नहीं निकाल सकती। अरे, ये शादीशुदा औरतें!"

“हम दोनों के बीच एक आकर्षण है,” सुज़ैन ने संतुष्टि भरे स्वर में कहा। “और सबको पता है कि मैं क्लेरेंस के प्रति पूरी तरह समर्पित हूँ—मेरे पति, आप जानते ही हैं। एक समर्पित पत्नी के साथ प्रेम करना कितना सुरक्षित और सुखद होता है।”
"क्लैरेंस के लिए आप जैसी किसी से शादी करना बहुत अच्छा होगा।"
“खैर, मुझे तो उसके साथ रहना ही पड़ेगा! फिर भी, वो विदेश कार्यालय में जाकर अपना चश्मा ठीक करता है और एक बड़ी सी कुर्सी पर सो जाता है। हम उसे तार भेजकर रेस के बारे में सब कुछ पता कर सकते हैं। मुझे तार भेजना बहुत पसंद है। और क्लेरेंस को तो ये बहुत परेशान करते हैं। वो हमेशा कहता है कि चिट्ठी से भी काम चल जाता। वैसे मुझे नहीं लगता कि वो हमें कुछ बताएगा। वो हद से ज़्यादा सतर्क है। इसी वजह से उसके साथ लंबे समय तक रहना मुश्किल है। लेकिन चलो, हम अपनी शादी की कोशिश जारी रखते हैं। मुझे यकीन है कि कर्नल रेस तुम्हारी तरफ बहुत आकर्षित हैं, ऐनी। अपनी उन शरारती आँखों से उसे एक-दो नज़रें दिखा दो, और काम हो जाएगा। जहाज़ पर सबकी सगाई हो जाती है। और कोई चारा नहीं है।”
मैं शादी नहीं करना चाहती।
“क्या आपको नहीं लगता?” सुज़ैन ने कहा। “क्यों नहीं? मुझे शादीशुदा ज़िंदगी बहुत पसंद है—भले ही मैं क्लेरेंस से शादीशुदा हूँ!”
मुझे उसकी बेपरवाही से घृणा थी।
मैंने दृढ़ता से कहा, "मैं यह जानना चाहता हूँ कि कर्नल रेस का इससे क्या लेना-देना है? वह इसमें कहीं न कहीं शामिल है।"
"क्या आपको नहीं लगता कि उसने वह कहानी महज़ एक संयोग से सुनाई थी?"
“नहीं, मुझे नहीं पता,” मैंने दृढ़ता से कहा। “वह हम सब पर कड़ी नज़र रख रहा था। आपको याद होगा, कुछ हीरे बरामद हुए थे, सारे नहीं। शायद ये लापता हीरे हों—या शायद—”
“शायद क्या?”
मैंने सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया।
मैंने कहा, “मैं जानना चाहता हूँ कि उस दूसरे युवक का क्या हुआ। एर्ड्सली नहीं, बल्कि—उसका नाम क्या था?—ल्यूकस!”
“हमें इस मामले में कुछ सुराग मिल रहे हैं। ये सभी लोग हीरों के पीछे पड़े हैं। ‘भूरे रंग के सूट वाले आदमी’ ने नादिना की हत्या हीरों पर कब्ज़ा करने के लिए ही की होगी।”

मैंने तीखे स्वर में कहा, "उसने उसे नहीं मारा।"
“बेशक उसने ही उसे मारा होगा। भला और कौन ऐसा कर सकता था?”
मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे यकीन है कि उसने उसकी हत्या नहीं की।
"वह उसके तीन मिनट बाद उस घर में गया और जब बाहर निकला तो उसका चेहरा पीला पड़ गया था।"
क्योंकि उसने उसे मृत पाया था।
लेकिन कोई और अंदर नहीं गया।
“तो हत्यारा पहले से ही घर में था, या फिर वह किसी और तरीके से अंदर आया। उसे झोपड़ी से होकर गुजरने की जरूरत नहीं थी, वह दीवार फांदकर अंदर आ सकता था।”
सुज़ैन ने मेरी तरफ तीखी नज़र से देखा।
“‘भूरे रंग का सूट पहने आदमी’,” उसने सोचा। “पता नहीं वो कौन था? खैर, वो ट्यूब में मिले ‘डॉक्टर’ से हूबहू मिलता था। उसके पास मेकअप हटाने और उस औरत का पीछा करते हुए मार्लो तक जाने का समय तो रहा ही होगा। उसे और कार्टन को वहीं मिलना था, दोनों को एक ही घर देखने का आदेश मिला था, और अगर उन्होंने अपनी मुलाकात को आकस्मिक दिखाने के लिए इतनी सावधानी बरती थी, तो उन्हें ज़रूर शक रहा होगा कि कोई उनका पीछा कर रहा है। फिर भी, कार्टन को नहीं पता था कि उसका पीछा करने वाला वही ‘भूरे रंग का सूट पहने आदमी’ था। जब उसने उसे पहचाना, तो उसे इतना ज़ोर का झटका लगा कि वो अपना आपा खो बैठा और वापस लाइन पर आ गया। ये सब तो साफ़-साफ़ समझ में आ रहा है, है ना ऐनी?”
मैंने कोई जवाब नहीं दिया।
“हाँ, ऐसा ही हुआ था। उसने मरे हुए आदमी से कागज़ लिया और भागने की जल्दी में उसे गिरा दिया। फिर वह उस औरत का पीछा करते हुए मार्लो गया। वहाँ से निकलने के बाद, जब उसने उसे मार डाला—या, आपके अनुसार, उसे मृत पाया—तो उसने क्या किया? वह कहाँ गया?”
फिर भी मैंने कुछ नहीं कहा।
“अब मुझे आश्चर्य हो रहा है,” सुज़ैन ने सोचते हुए कहा। “क्या यह संभव है कि उसने सर यूस्टेस पेडलेर को उसे अपना सचिव नियुक्त करने के लिए राजी किया हो? इंग्लैंड से सुरक्षित बाहर निकलने और हंगामे से बचने का यह एक अनूठा मौका होगा।

लेकिन उसने सर यूस्टेस को कैसे राजी किया? ऐसा लगता है कि उस पर उसका कुछ प्रभाव था।”
"या फिर पैगेट के ऊपर," मैंने अनजाने में ही सुझाव दिया।
“ऐनी, लगता है तुम्हें पैगेट पसंद नहीं है। सर यूस्टेस कहते हैं कि वह बहुत ही काबिल और मेहनती नौजवान है। और, सच में, जहाँ तक हमें पता है, वह उसके खिलाफ भी हो सकता है। खैर, मैं अपने अनुमानों को जारी रखता हूँ। रेबर्न ही वह ‘भूरे रंग के सूट वाला आदमी’ है। उसने वह अखबार पढ़ लिया था जो उससे गिर गया था। इसलिए, तुम्हारी तरह ही, उस बिंदु से गुमराह होकर, वह 22 तारीख को दोपहर एक बजे केबिन नंबर 17 पहुँचने की कोशिश करता है, इससे पहले वह पैगेट के ज़रिए केबिन पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर चुका होता है। रास्ते में किसी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया—”
मैंने बीच में ही सवाल किया, "कौन?"
“चिशेस्टर। हाँ, सब कुछ ठीक बैठता है। लॉर्ड नैस्बी को संदेश भेज दो कि तुम्हें ‘भूरे रंग के सूट वाला आदमी’ मिल गया है, और ऐनी, तुम्हारी किस्मत बन गई!”
आपने कई चीजों को नजरअंदाज कर दिया है।
“क्या बातें? रेबर्न के चेहरे पर एक निशान है, मुझे पता है—लेकिन निशान को आसानी से नकली बनाया जा सकता है। उसकी लंबाई और कद-काठी बिल्कुल सही है। स्कॉटलैंड यार्ड में आपने जिस सिर से उन्हें चूर-चूर किया था, उसका विवरण क्या है?”
मैं कांप उठी। सुज़ैन एक सुशिक्षित और पढ़ी-लिखी महिला थी, लेकिन मैंने प्रार्थना की कि वह मानवविज्ञान की तकनीकी शब्दावली से परिचित न हो।
मैंने हल्के से कहा, "डॉलीकोसेफेलिक।"
सुज़ैन संशय में दिख रही थी।
“बस इतना ही था?”
“हाँ। लंबा सिर, आप जानते हैं। एक ऐसा सिर जिसकी चौड़ाई उसकी लंबाई के 75 प्रतिशत से कम हो,” मैंने धाराप्रवाह ढंग से समझाया।
कुछ देर सन्नाटा छा गया। मैं अभी चैन की सांस ले ही रही थी कि अचानक सुज़ैन बोली:
इसका विलोम क्या है?

"आपका मतलब क्या है—विपरीत?"
“अच्छा, इसका विपरीत भी तो होगा। उन सिरों को क्या कहते हैं जिनकी चौड़ाई उनकी लंबाई के 75 प्रतिशत से अधिक होती है?”
मैंने अनिच्छा से बुदबुदाते हुए कहा, "ब्रेकीसेफेलिक।"
“बस यही बात है। मुझे लगा कि आपने यही कहा था।”
“क्या मैंने ऐसा कहा? जुबान फिसल गई थी। मेरा मतलब था डॉलीकोसेफेलिक,” मैंने पूरी दृढ़ता से कहा।
सुज़ैन ने मुझे गौर से देखा। फिर वह हंस पड़ी।
“तुम बहुत अच्छी तरह झूठ बोलती हो, जिप्सी लड़की। लेकिन अगर तुम मुझे सब कुछ बता दोगी तो इससे समय और परेशानी दोनों बच जाएगी।”
मैंने अनिच्छा से कहा, "बताने के लिए कुछ नहीं है।"
“है ना?” सुज़ैन ने धीरे से कहा।
“मुझे लगता है मुझे तुम्हें बताना ही पड़ेगा,” मैंने धीरे से कहा। “मुझे इस बात पर शर्म नहीं है। जो बात बस यूँ ही हो जाती है, उस पर शर्म नहीं आ सकती। उसने यही किया। वह घिनौना था—बदतमीज़ और एहसानफरामोश—लेकिन मुझे लगता है मैं समझती हूँ। यह उस कुत्ते की तरह है जिसे जंजीर से बाँधकर रखा गया हो—या जिसके साथ बुरा बर्ताव किया गया हो—वह किसी को भी काट लेता है। वह बिल्कुल वैसा ही था—कड़वा और गुर्राता हुआ। मुझे नहीं पता क्यों मुझे परवाह है—लेकिन है। मुझे बहुत ज़्यादा परवाह है। उसे देखते ही मेरी पूरी ज़िंदगी उलट-पुलट हो गई है। मैं उससे प्यार करती हूँ। मैं उसे चाहती हूँ। मैं उसे ढूँढ़ने के लिए पूरे अफ्रीका में नंगे पैर चलूँगी और उसे अपना चाहने पर मजबूर कर दूँगी। मैं उसके लिए मर जाऊँगी। मैं उसके लिए काम करूँगी, उसके लिए गुलामी करूँगी, उसके लिए चोरी करूँगी, यहाँ तक कि उसके लिए भीख माँगूँगी या उधार भी लूँगी! लो—अब तुम्हें पता चल गया!”
सुज़ैन ने मुझे काफी देर तक देखा।
“तुम बिलकुल अंग्रेज़ नहीं हो, जिप्सी लड़की,” उसने आख़िरकार कहा। “तुममें ज़रा भी भावुकता नहीं है। मैंने आज तक किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात नहीं की जो एक साथ इतना व्यावहारिक और इतना भावुक हो। मैं कभी भी तुम्हारे जैसी किसी को पसंद नहीं करूँगी—शुक्र है मेरे लिए—और फिर भी—और फिर भी मुझे तुमसे ईर्ष्या होती है, जिप्सी लड़की। परवाह कर पाना बड़ी बात है। ज़्यादातर लोग ऐसा नहीं कर

पाते। लेकिन तुम्हारे उस छोटे डॉक्टर पति के लिए कितनी राहत की बात है कि तुमने उससे शादी नहीं की। वह तो बिलकुल भी ऐसा व्यक्ति नहीं लगता जिसे घर में विस्फोटक रखना पसंद हो! तो क्या लॉर्ड नैस्बी को कोई संदेश नहीं भेजा जाएगा?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
"और फिर भी आप उसे निर्दोष मानते हैं?"
"मेरा यह भी मानना है कि निर्दोष लोगों को भी फांसी दी जा सकती है।"
"हम्म! हाँ। लेकिन, प्यारी ऐनी, तुम्हें सच्चाई का सामना करना होगा, अभी सामना करो। तुम चाहे जो भी कहो, हो सकता है उसने इस महिला की हत्या की हो।"
"नहीं," मैंने कहा। "उसने ऐसा नहीं किया।"
"यह भावना है।"
"नहीं, ऐसा नहीं है। हो सकता है उसने उसे मार डाला हो। शायद वह इसी इरादे से उसके पीछे-पीछे वहाँ गया हो। लेकिन वह काले रंग की रस्सी लेकर उससे उसका गला नहीं घोंटेगा। अगर उसने ऐसा किया होता, तो वह उसे अपने हाथों से ही गला घोंट कर मारता।"
सुज़ैन को हल्की सी सिहरन हुई। उसकी आँखें प्रशंसा से सिकुड़ गईं।
"हम्म! ऐनी, अब मुझे समझ में आने लगा है कि तुम्हें यह युवक इतना आकर्षक क्यों लगता है!"

अध्याय XVI

अगली सुबह मुझे कर्नल रेस से मिलने का मौका मिला। सफाईकर्मी की नीलामी अभी-अभी समाप्त हुई थी, और हम साथ में डेक पर इधर-उधर घूमे।
"आज सुबह जिप्सी कैसी है? क्या उसे जमीन और अपने कारवां की याद आ रही है?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
"अब जबकि समुद्र इतना शांत है, मुझे ऐसा लगता है कि मैं हमेशा के लिए यहीं रहना चाहूँगी।"
"क्या उत्साह है!"
"वाह, आज सुबह कितनी प्यारी है!"
हम रेलिंग पर झुक गए। चारों ओर एकदम शांत वातावरण था। समुद्र ऐसा लग रहा

था मानो उस पर तेल छिड़का गया हो। उस पर नीले, हल्के हरे, पन्ना, बैंगनी और गहरे नारंगी रंग के बड़े-बड़े धब्बे थे, मानो कोई घनवादी चित्र हो। कभी-कभार चांदी की चमक दिखाई देती थी जिसमें उड़ती हुई मछलियाँ नज़र आती थीं। हवा नम और गर्म थी, लगभग चिपचिपी। उसकी साँसें किसी सुगंधित स्पर्श जैसी थीं।

मैंने चुप्पी तोड़ते हुए कहा, "कल रात आपने जो कहानी सुनाई वह बहुत ही दिलचस्प थी।"

"कौन सा?"

"हीरों वाली कहानी।"

मुझे लगता है कि महिलाओं को हमेशा हीरों में दिलचस्पी रहती है।

“बिल्कुल हैं। वैसे, उस दूसरे युवक का क्या हुआ? आपने कहा था कि वे दो थे।”

“युवा लुकास? खैर, ज़ाहिर है, वे एक के बिना दूसरे पर मुकदमा नहीं चला सकते थे, इसलिए वह भी बरी हो गया।”

और उसके साथ क्या हुआ—आखिरकार, मेरा मतलब है। क्या किसी को पता है?

कर्नल रेस सीधे समुद्र की ओर देख रहे थे। उनका चेहरा किसी मुखौटे की तरह भावहीन था, लेकिन मुझे आभास हो गया कि उन्हें मेरे प्रश्न पसंद नहीं आए। फिर भी, उन्होंने सहजता से उत्तर दिया:

“वह युद्ध में गया और उसने बहादुरी से अपनी भूमिका निभाई। उसे लापता और घायल घोषित किया गया था—माना गया था कि वह मारा गया।”

इससे मुझे वह जानकारी मिल गई जो मैं जानना चाहता था। मैंने और कुछ नहीं पूछा। लेकिन पहले से कहीं ज़्यादा मुझे यह जानने की उत्सुकता थी कि कर्नल रेस को कितनी जानकारी थी। इस सब में उनकी भूमिका मुझे उलझन में डाल रही थी।

मैंने एक और काम किया। वो था नाइट स्टीवर्ड का इंटरव्यू लेना। थोड़ी सी आर्थिक मदद से मैंने उसे जल्द ही बात करने के लिए मना लिया।

“वह महिला डरी तो नहीं थी, है ना महोदया? यह एक हानिरहित मज़ाक जैसा लग रहा था। एक शर्त, या कम से कम मुझे तो यही समझ आया।”

मैंने उससे थोड़ी-थोड़ी करके सारी जानकारी निकलवा ली। केप टाउन से इंग्लैंड की यात्रा के दौरान, एक यात्री ने उसे फिल्मों का एक रोल दिया और निर्देश दिया कि 22 जनवरी को वापसी यात्रा के दौरान रात 1 बजे केबिन नंबर 71 के बंक पर उन्हें गिरा देना है। केबिन में एक महिला ठहरी होगी, और इस मामले को एक शर्त बताया गया

था। मुझे पता चला कि इस सौदे में शामिल होने के लिए स्टीवर्ड को अच्छी खासी रकम दी गई थी। महिला का नाम नहीं बताया गया था। ज़ाहिर है, श्रीमती ब्लेयर जैसे ही जहाज पर चढ़ीं, सीधे केबिन नंबर 71 में गईं और पर्सर से पूछताछ की, इसलिए स्टीवर्ड को कभी यह ख्याल ही नहीं आया कि वह महिला कोई और है। इस सौदे का आयोजन करने वाले यात्री का नाम कार्टन था, और उसका हुलिया ट्यूब में मारे गए व्यक्ति से हूबहू मेल खाता था।

तो कम से कम एक रहस्य तो सुलझ गया, और जाहिर तौर पर हीरे ही पूरी स्थिति की कुंजी थे।

किलमोर्डन पर वे आखिरी दिन बहुत जल्दी बीत गए। जैसे-जैसे हम केप टाउन के करीब आते गए, मुझे अपनी भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से विचार करना पड़ा। मुझे बहुत से लोगों पर नज़र रखनी थी। श्री चिचेस्टर, सर यूस्टेस और उनके सचिव, और हाँ, कर्नल रेस! मैं क्या करूँ? स्वाभाविक रूप से, सबसे पहले मेरा ध्यान चिचेस्टर पर गया। दरअसल, मैं अनिच्छा से सर यूस्टेस और श्री पैगेट को संदिग्ध व्यक्तियों की सूची से हटाने ही वाला था, तभी एक आकस्मिक बातचीत ने मेरे मन में नए संदेह पैदा कर दिए।

फ्लोरेंस का नाम सुनते ही श्री पैगेट की समझ से परे भावनाओं को मैं भूला नहीं था। जहाज पर आखिरी शाम हम सब डेक पर बैठे थे और सर यूस्टेस ने अपने सचिव से एक सीधा-सादा सवाल पूछा। मुझे ठीक से याद नहीं कि क्या था, इटली में रेलवे की देरी से संबंधित कुछ था, लेकिन मैंने तुरंत देखा कि श्री पैगेट वही बेचैनी दिखा रहे थे जिसने पहले मेरा ध्यान खींचा था। जब सर यूस्टेस ने श्रीमती ब्लेयर को नृत्य के लिए बुलाया, तो मैं जल्दी से सचिव के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया। मैं इस मामले की तह तक जाने के लिए दृढ़ था।

मैंने कहा, "मैं हमेशा से इटली जाने की ख्वाहिश रखता था। और खासकर फ्लोरेंस जाने की। क्या आपको वहां बहुत मजा नहीं आया?"

जी हाँ, मिस बेडिंगफेल्ड। अगर आप मुझे माफ़ करें, तो सर यूस्टेस के कुछ पत्र-व्यवहार हैं जो——”

मैंने उसकी कोट की आस्तीन को मजबूती से पकड़ लिया।

“ओह, आप भाग नहीं सकते!” मैंने एक बुजुर्ग विधवा के डरे हुए लहजे में कहा। “मुझे यकीन है कि सर यूस्टेस नहीं चाहेंगे कि आप मुझे अकेले छोड़कर चले जाएं,

मुझसे बात करने के लिए कोई नहीं है। आप फ्लोरेंस के बारे में कभी बात करना ही नहीं चाहते। ओह, मिस्टर पैगेट, मुझे लगता है कि आपका कोई गुप्त राज़ है!”
मेरा हाथ अब भी उसकी बांह पर था, और मैं उसके अचानक चौंकने का एहसास कर सकती थी।
“बिल्कुल नहीं, मिस बेडिंगफेल्ड, बिल्कुल नहीं,” उन्होंने गंभीरता से कहा। “मुझे आपको इसके बारे में सब कुछ बताने में बहुत खुशी होगी, लेकिन वास्तव में कुछ संदेश हैं—”
“ओह, मिस्टर पैगेट, कितना खोखला बहाना है। मैं सर यूस्टेस को बता दूँगा—”
मैं इससे आगे कुछ नहीं कह पाया। उसने एक और छलांग लगाई। उस आदमी की नसें बेहद तनावग्रस्त लग रही थीं।
आप क्या जानना चाहते हैं?
उनके स्वर में व्याप्त त्यागपूर्ण शहादत को सुनकर मुझे मन ही मन मुस्कान आ गई।
“ओह, सब कुछ! तस्वीरें, जैतून के पेड़——”
मैं कुछ देर रुका, खुद भी असमंजस में था।
मैंने फिर पूछा, "मुझे लगता है कि आप इतालवी बोलते हैं?"
"दुर्भाग्यवश, एक शब्द भी नहीं। लेकिन हां, हॉल पोर्टर्स और—अह—गाइड्स के साथ।"
“बिल्कुल,” मैंने तुरंत जवाब दिया। “और आपकी पसंदीदा तस्वीर कौन सी थी?”
"ओह, एर—मैडोना—एर—राफेल, आप जानते हैं।"
“प्यारा पुराना फ्लोरेंस,” मैंने भावुकता से बुदबुदाया। “आर्नो नदी के किनारे कितना मनमोहक है। एक खूबसूरत नदी। और डुओमो, तुम्हें याद है ना डुओमो?”
"कोर्स के पाठ्यक्रम की।"
“एक और खूबसूरत नदी, है ना?” मैंने पूछा। “लगभग अर्नो से भी ज्यादा खूबसूरत?”
"बिल्कुल ऐसा ही है, मुझे कहना चाहिए।"
अपनी छोटी सी चाल की सफलता से उत्साहित होकर मैं आगे बढ़ा। लेकिन संदेह की कोई गुंजाइश नहीं थी। श्री पैगेट ने अपने हर शब्द से खुद को मेरे हवाले कर दिया था। वह व्यक्ति अपने जीवन में कभी फ्लोरेंस नहीं आया था।
लेकिन, अगर फ्लोरेंस में नहीं, तो वह कहाँ था? इंग्लैंड में? क्या वह वास्तव में मिल हाउस रहस्य के समय इंग्लैंड में था? मैंने एक साहसिक कदम उठाने का फैसला

किया।
मैंने कहा, “अजीब बात तो ये है कि मुझे लगा जैसे मैंने आपको पहले कहीं देखा हो। लेकिन मैं गलत हो सकता हूँ—क्योंकि आप उस समय फ्लोरेंस में थे। और फिर भी —”
मैंने उसे गौर से देखा। उसकी आँखों में एक डर का भाव था। उसने अपनी जीभ अपने सूखे होठों पर फिराई।
“कहाँ—अह—कहाँ——”
“क्या मुझे लगा कि मैंने आपको देखा था?” मैंने उसकी बात पूरी की। “मार्लो में। आप मार्लो को जानते हैं? अरे हाँ, मैं कितनी बेवकूफ थी, सर यूस्टेस का वहाँ एक घर है!”
लेकिन अस्पष्ट ढंग से कुछ बहाना बनाते हुए, मेरा शिकार उठा और भाग गया।
उस रात मैं उत्साह से लबालब सुज़ैन की झोपड़ी में घुस गया।
“देखो, सुज़ैन,” मैंने अपनी कहानी समाप्त करते हुए आग्रह किया, “हत्या के समय वह इंग्लैंड के मार्लो में था। क्या अब तुम्हें इतना यकीन है कि ‘भूरे रंग के सूट वाला आदमी’ दोषी है?”
"मुझे एक बात का पूरा यकीन है," सुज़ैन ने अप्रत्याशित रूप से चमकते हुए कहा।
“यह क्या है?”
“वो ‘भूरे रंग के सूट वाला आदमी’ बेचारे मिस्टर पैगेट से ज़्यादा सुंदर है। नहीं, ऐनी, नाराज़ मत हो। मैं तो बस मज़ाक कर रहा था। यहाँ बैठो। मज़ाक छोड़ो, मुझे लगता है तुमने एक बहुत महत्वपूर्ण खोज की है। अब तक हम पैगेट को एक पुख्ता सबूत मान रहे थे। अब हमें पता चल गया है कि उसके पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है।”
“बिल्कुल सही,” मैंने कहा। “हमें उस पर नज़र रखनी चाहिए।”
“बाकी सब की तरह,” उसने उदास स्वर में कहा। “खैर, यही एक बात थी जिसके बारे में मैं तुमसे बात करना चाहती थी। यही नहीं, बल्कि पैसों के बारे में भी। नहीं, घमंड मत करो। मुझे पता है तुम हद से ज्यादा घमंडी और आत्मनिर्भर हो, लेकिन इस मामले में तुम्हें समझदारी से काम लेना होगा। हम साझेदार हैं—मैं तुम्हें एक पैसा भी इसलिए नहीं दूंगी क्योंकि मैं तुम्हें पसंद करती हूं, या क्योंकि तुम अकेली हो—मुझे तो बस रोमांच चाहिए, और मैं इसके लिए भुगतान करने को तैयार हूं। हम खर्च की परवाह किए बिना इसमें साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। शुरुआत में तुम मेरे साथ माउंट

नेल्सन होटल चलोगी, जिसका खर्च मैं उठाऊंगी, और हम वहां अपने अभियान की योजना बनाएंगे।"

हमने इस मुद्दे पर बहस की। अंत में मैंने हार मान ली। लेकिन मुझे यह पसंद नहीं आया। मैं यह काम खुद करना चाहता था।

आखिरकार सुज़ैन ने उठकर एक बड़ी जम्हाई लेते हुए कहा, "बात पक्की हो गई। मैं अपनी ही बातों से थक गई हूँ। चलिए अब अपने शिकारों के बारे में बात करते हैं। मिस्टर चिचेस्टर डरबन जा रहे हैं। सर यूस्टेस केप टाउन के माउंट नेल्सन होटल जा रहे हैं और फिर रोडेशिया। रेलवे में उनके लिए एक निजी कार होगी, और पिछली रात शैम्पेन का चौथा गिलास पीने के बाद, उन्होंने जोश में आकर मुझे भी उसमें बैठने का प्रस्ताव दिया। मुझे लगता है उनका इरादा ऐसा नहीं था, लेकिन फिर भी, अगर मैं उनसे इस बारे में पूछूँगी तो वे पीछे नहीं हट सकते।"

"अच्छा," मैंने सहमति जताई। "तुम सर यूस्टेस और पैगेट पर नज़र रखो, और मैं चिचेस्टर की ज़िम्मेदारी लेता हूँ। लेकिन कर्नल रेस का क्या?"

सुज़ैन ने मुझे अजीब नज़रों से देखा।

"ऐनी, तुम ऐसा बिल्कुल भी नहीं सोच सकतीं—"

"हाँ, मुझे शक है। मुझे हर किसी पर शक है। मेरा मूड तब ऐसा होता है जब कोई सबसे अप्रत्याशित व्यक्ति को ढूंढने लगता है।"

"कर्नल रेस भी रोडेशिया जा रहे हैं," सुज़ैन ने सोच-विचार करते हुए कहा। "अगर हम सर यूस्टेस से उन्हें भी आमंत्रित करने का प्रबंध कर सकें तो..."

आप इसे संभाल सकते हैं। आप कुछ भी संभाल सकते हैं।

"मुझे मक्खन बहुत पसंद है," सुज़ैन ने धीरे से कहा।

हम इस समझ के साथ अलग हुए कि सुज़ैन को अपनी प्रतिभा का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिए।

मैं इतनी उत्साहित थी कि तुरंत सोने नहीं जा सकी। जहाज पर यह मेरी आखिरी रात थी। कल सुबह हम टेबल बे में होंगे।

मैं चुपके से डेक पर चढ़ गया। हवा ताज़ी और ठंडी थी। उबड़-खाबड़ समुद्र में नाव थोड़ी-थोड़ी हिल रही थी। डेक अंधेरा और सुनसान था। आधी रात हो चुकी थी।

मैं रेलिंग पर झुककर झाग की चमकती लकीरों को देख रहा था। हमारे सामने अफ्रीका था, हम अंधेरे पानी में तेज़ी से उसकी ओर बढ़ रहे थे। मैं एक अद्भुत दुनिया में अकेला

महसूस कर रहा था। एक अजीब सी शांति में डूबा हुआ, मैं वहाँ खड़ा था, समय की परवाह किए बिना, एक सपने में खोया हुआ।

और अचानक मुझे खतरे का एक अजीब सा आभास हुआ। मैंने कुछ सुना नहीं था, लेकिन मैं सहज ही घूम गई। एक धुंधली आकृति मेरे पीछे रेंगती हुई आ गई थी। जैसे ही मैं मुड़ी, वह मुझ पर झपटी। एक हाथ ने मेरा गला पकड़ लिया, मानो मेरी चीख को दबा दिया हो। मैंने जी जान से संघर्ष किया, लेकिन कोई चारा नहीं था। मेरा गला बुरी तरह जकड़ा हुआ था, लेकिन मैंने स्त्रीत्व के सबसे उपयुक्त तरीके से काटा, चिपका और खरोंचा। वह आदमी मुझे चीखने से रोकने के चक्कर में लाचार हो गया था। अगर वह मुझे अचानक पकड़ने में कामयाब हो जाता, तो उसके लिए मुझे एक झटके में पानी में फेंक देना बहुत आसान होता। शार्क बाकी का काम कर देतीं।

मैंने लाख कोशिश की, लेकिन मैं कमजोर पड़ रहा था। मेरे हमलावर को भी इसका एहसास हुआ। उसने अपनी पूरी ताकत लगा दी। फिर, तेज और खामोश कदमों से दौड़ता हुआ एक और साया आकर उसमें शामिल हो गया। उसने मुट्ठी के एक ही वार से मेरे प्रतिद्वंदी को ज़मीन पर पटक दिया। छूटकर मैं रेलिंग के सहारे गिर पड़ा, बीमार और कांपता हुआ।

मेरे बचावकर्ता ने तेजी से मेरी ओर रुख किया।

“तुम्हें चोट लगी है!”

उसकी आवाज़ में एक क्रूरता थी—उस व्यक्ति के प्रति धमकी जिसने मुझे चोट पहुँचाने की हिम्मत की थी। उसके बोलने से पहले ही मैंने उसे पहचान लिया था। वह मेरा आदमी था—वही आदमी जिसके चेहरे पर निशान था।

लेकिन जिस एक पल में उसका ध्यान मेरी तरफ गया, वही हारी हुई दुश्मन के लिए काफी था। पलक झपकते ही वह उठ खड़ा हुआ और डेक पर तेजी से भागने लगा। रेबर्न ने गुस्से में उसका पीछा किया।

मुझे हमेशा किसी काम में पीछे रहना पसंद नहीं होता। मैं भी पीछा करने वालों में शामिल हो गया—एक बुरा तीसरा खिलाड़ी। हम डेक के चारों ओर घूमकर जहाज के दाहिनी ओर गए। वहाँ सैलून के दरवाजे के पास वह आदमी ढेर की तरह पड़ा था। रेबर्न उसके ऊपर झुका हुआ था।

“क्या तुमने उसे फिर मारा?” मैंने हांफते हुए पूछा।

“इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी,” उसने गंभीर स्वर में उत्तर दिया। “मैंने उसे दरवाजे के

पास बेहोश पाया। या फिर वह दरवाजा खोल नहीं पाया और बहाना बना रहा है। हम जल्द ही इसका पता लगा लेंगे। और यह भी पता लगा लेंगे कि वह कौन है।"
धड़कते दिल के साथ मैं पास पहुंचा। मुझे तुरंत एहसास हो गया था कि मेरा हमलावर चिचेस्टर से कहीं ज्यादा ताकतवर था। वैसे भी, चिचेस्टर एक कमजोर सा आदमी था जो शायद जरूरत पड़ने पर चाकू का इस्तेमाल कर सकता था, लेकिन खाली हाथों से लड़ने में उसमें कोई ताकत नहीं थी।
रेबर्न ने माचिस जलाई। हम दोनों ने एक साथ वीर्यपात किया। वह आदमी गाइ पैगेट था।
इस खोज से रेबर्न पूरी तरह से स्तब्ध रह गए।
"पैगेट," उसने बुदबुदाया। "हे भगवान, पैगेट!"
मुझे थोड़ी सी श्रेष्ठता का अहसास हुआ।
आप आश्चर्यचकित लग रहे हैं।
"मैं हूँ," उसने भारी स्वर में कहा। "मुझे ज़रा भी शक नहीं था—" वह अचानक मेरी ओर मुड़ा। "और तुम? तुम नहीं हो? मुझे लगता है कि तुमने उसे पहचान लिया होगा, जब उसने तुम पर हमला किया था?"
"नहीं, मैंने नहीं किया। फिर भी, मुझे ज्यादा हैरानी नहीं हुई।" उसने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा।
मुझे आश्चर्य है कि आपकी भूमिका कहाँ है? और आप कितना जानते हैं?
मैं मुस्कराया।
"बहुत बढ़िया सौदा, श्रीमान—उह—लुकास!"
उसने मेरा हाथ पकड़ लिया, उसकी पकड़ की अचेतन शक्ति से मुझे दर्द हुआ।
"तुम्हें यह नाम कहाँ से मिला?" उसने कर्कश स्वर में पूछा।
"क्या यह आपका नहीं है?" मैंने मीठी आवाज़ में पूछा। "या आप 'भूरे रंग के सूट वाला आदमी' कहलाना पसंद करेंगे?"
इससे वह चौंक गया। उसने मेरा हाथ छोड़ दिया और एक-दो कदम पीछे हट गया।
"तुम लड़की हो या चुड़ैल?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
"मैं तुम्हारा दोस्त हूँ।" मैं उसकी ओर एक कदम बढ़ा। "मैंने तुम्हें एक बार मदद की पेशकश की थी—मैं इसे फिर से कर रहा हूँ। क्या तुम इसे स्वीकार करोगे?"
उनके जवाब की उग्रता ने मुझे चौंका दिया।

नहीं। मेरा तुमसे या किसी भी औरत से कोई वास्ता नहीं है। तुम जो चाहो कर लो।
पहले की तरह ही मेरा गुस्सा बढ़ने लगा।
मैंने कहा, "शायद आपको इस बात का एहसास नहीं है कि आप मेरे कितने वश में हैं? कप्तान को मेरी ओर से एक संदेश—"
“बोलो,” उसने ताना मारते हुए कहा। फिर तेज़ी से आगे बढ़ते हुए बोला, “और जब हम इन बातों को समझ ही रहे हैं, मेरी बच्ची, क्या तुम्हें एहसास है कि इस पल तुम मेरे वश में हो? मैं तुम्हारा गला ऐसे पकड़ सकता हूँ।” एक झटके में उसने अपने शब्द को क्रिया में बदल दिया। मैंने महसूस किया कि उसके दोनों हाथों ने मेरा गला जकड़ लिया और हल्के से दबाया। “ऐसे—और तुम्हारा दम घोंट दूँगा! और फिर—हमारे इस बेहोश दोस्त की तरह, लेकिन और भी ज़्यादा सफलता के साथ—तुम्हारी लाश को शार्क के हवाले कर दूँगा। इस पर तुम्हारा क्या कहना है?”
मैंने कुछ नहीं कहा। मैं हँसी। फिर भी मुझे पता था कि खतरा वास्तविक था। ठीक उसी क्षण वह मुझसे नफरत कर रहा था। लेकिन मुझे यह भी पता था कि मुझे खतरा पसंद था, उसके हाथों का मेरे गले पर स्पर्श अच्छा लग रहा था। मैं अपने जीवन के किसी भी अन्य क्षण के लिए उस क्षण को नहीं बदलना चाहती थी।
हल्की हंसी के साथ उसने मुझे छोड़ दिया।
“तुम्हारा नाम क्या है?” उसने अचानक पूछा।
“ऐनी बेडिंगफेल्ड।”
"क्या तुम्हें किसी चीज से डर नहीं लगता, ऐनी बेडिंगफेल्ड?"
“ओह, हाँ,” मैंने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा, जबकि मेरे अंदर ऐसी कोई भावना नहीं थी। “ततैया, व्यंग्य करने वाली औरतें, बहुत ही युवा लड़के, तिलचट्टे और श्रेष्ठ दुकानदार।”
उसने पहले की तरह ही हल्की हंसी हंसी। फिर उसने अपने पैरों से पैगेट के बेहोश शरीर को हिलाया।
“इस कबाड़ का क्या करें? इसे समुद्र में फेंक दें?” उसने लापरवाही से पूछा।
मैंने उतनी ही शांति से जवाब दिया, "अगर आपको पसंद हो तो।"
“मिस बेडिंगफेल्ड, मैं आपके निडर और रक्तपिपासु स्वभाव की सराहना करता हूँ। लेकिन हम उसे आराम से ठीक होने देंगे। उसे गंभीर चोट नहीं आई है।”
मैंने मधुर स्वर में कहा, "मुझे लगता है कि तुम दूसरी हत्या करने से कतरा रहे हो।"

“दूसरी हत्या?”
वह सचमुच हैरान दिख रहा था।
मैंने उसे याद दिलाया, "मार्लो में वह महिला," और अपने शब्दों के प्रभाव को ध्यान से देखा।
उसके चेहरे पर एक उदास और निराशाजनक भाव छा गया। ऐसा लगा मानो वह मेरी उपस्थिति को भूल गया हो।
“शायद मैंने ही उसे मार डाला,” उसने कहा। “कभी-कभी मुझे लगता है कि मैंने जानबूझकर उसे मारा था...।”
मेरे भीतर भावनाओं का एक उग्र सैलाब उमड़ पड़ा, मृत स्त्री के प्रति घृणा। अगर वह मेरे सामने खड़ी होती, तो मैं उसे उसी क्षण मार डालता... क्योंकि उसने उससे कभी न कभी प्रेम किया ही होगा—ज़रूर—ज़रूर—तभी तो उसने ऐसा महसूस किया होगा!
मैंने खुद पर काबू पाया और अपनी सामान्य आवाज में बोला:
"ऐसा लगता है कि हमने सब कुछ कह दिया है - सिवाय 'शुभ रात्रि' के।"
"शुभ रात्रि और अलविदा, मिस बेडिंगफेल्ड।"
"अलविदा, श्रीमान लुकास।"
नाम सुनते ही वह फिर से सहम गया। वह और करीब आया।
"आप ऐसा क्यों कह रहे हैं—मेरा मतलब है, अलविदा?"
क्योंकि मुझे लगता है कि हम फिर मिलेंगे।
"नहीं यदि, मेरे द्वारा इसमें मदद हो पाती!"
हालांकि उनका लहजा ज़ोरदार था, फिर भी मुझे बुरा नहीं लगा। बल्कि इसके विपरीत, मैंने मन ही मन संतुष्टि महसूस की। मैं पूरी तरह से मूर्ख नहीं हूँ।
मैंने गंभीरता से कहा, "फिर भी, मुझे लगता है कि हम ऐसा करेंगे।"
"क्यों?"
मैंने अपना सिर हिलाया, मैं उन भावनाओं को समझाने में असमर्थ था जिनके कारण मैंने ये शब्द कहे थे।
“मैं तुम्हें फिर कभी नहीं देखना चाहता,” उसने अचानक और उग्र स्वर में कहा।
यह कहना वाकई बहुत ही असभ्य बात थी, लेकिन मैं बस धीरे से हँसी और अंधेरे में गायब हो गई।
मैंने उसे अपने पीछे आते सुना, फिर वह रुका, और डेक पर एक शब्द सुनाई दिया।

मुझे लगता है वह "चुड़ैल" था!

अध्याय XVII

(सर यूस्टेस पेडलर की डायरी से उद्धरण)

माउंट नेल्सन होटल,
केप टाउन।

किलमोर्डन से उतरना वाकई सबसे बड़ी राहत है।

जब तक मैं जहाज पर था, मुझे हर पल यह एहसास होता रहा कि मैं साजिशों के जाल में फंसा हुआ हूँ। इस मामले को पूरी तरह से दबाने के लिए, गाइ पैगेट को पिछली रात नशे में धुत होकर किसी झगड़े में शामिल होना ही था। इसे टाल देना तो आसान है, लेकिन असल में बात यही है। अगर कोई आदमी आपके पास सिर के एक तरफ अंडे के आकार का घाव और इंद्रधनुष के सभी रंगों से रंगी हुई आँख लेकर आए, तो आप और क्या सोचेंगे?

ज़ाहिर है, पैगेट इस पूरे मामले को रहस्यमय बनाए रखने पर अड़ा हुआ था। उसके अनुसार, ऐसा लगता था मानो उसकी काली आँख मेरे हितों के प्रति उसकी निष्ठा का सीधा परिणाम हो। उसकी कहानी बेहद अस्पष्ट और घुमावदार थी, और मुझे उसे समझने में बहुत समय लग गया।

सबसे पहले तो, ऐसा लगता है कि उसने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। ये पैगेट के शब्द हैं। उसने इन्हें सीधे एक जर्मन जासूसी कहानी से लिया है। संदिग्ध व्यवहार करने वाले व्यक्ति से उसका क्या तात्पर्य है, यह वह स्वयं नहीं जानता। मैंने उससे यही कहा था।

"वह बहुत ही दबे पांव चल रहा था, और यह आधी रात का समय था, सर यूस्टेस।"

“अच्छा, तुम खुद क्या कर रहे थे? एक अच्छे ईसाई की तरह बिस्तर पर सो क्यों नहीं रहे थे?” मैंने चिड़चिड़ाते हुए पूछा।

"सर यूस्टेस, मैं आपके उन केबलों की कोडिंग कर रहा था और डायरी को अद्यतन कर रहा था।"

पैगेट से हमेशा यही उम्मीद की जा सकती है कि वह सही होगी और इसके लिए खुद को शहीद साबित करने को तैयार रहेगी!

"कुंआ?"

“सर यूस्टेस, सोने से पहले मैंने सोचा कि एक बार आस-पास देख लूँ। वह आदमी आपके केबिन से गलियारे से नीचे आ रहा था। उसकी शक्ल-सूरत देखकर मुझे तुरंत लगा कि कुछ गड़बड़ है। वह चुपके से सैलून के पास वाली सीढ़ियों से ऊपर चला गया। मैं उसके पीछे गया।”

“मेरे प्यारे पैगेट,” मैंने कहा, “बेचारे को बिना किसी के पीछे पड़े डेक पर जाने क्यों नहीं देना चाहिए? बहुत से लोग तो डेक पर सोते भी हैं— मुझे तो हमेशा से ही लगता है कि यह बहुत असुविधाजनक होता है। नाविक सुबह पाँच बजे बाकी लोगों के साथ तुम्हें भी धो देते हैं।” यह सोचकर ही मुझे कंपकंपी छूट गई।

मैंने आगे कहा, "खैर, अगर तुम किसी बेचारे अनिद्रा पीड़ित को परेशान करते, तो मुझे आश्चर्य नहीं होता कि उसने तुम्हें एक अनिद्रा का शिकार बना दिया।"

पैगेट धैर्यवान दिख रही थी।

“अगर आप मेरी बात सुन लें, सर यूस्टेस। मुझे पूरा यकीन है कि वह आदमी आपकी झोपड़ी के पास मंडरा रहा था, जहाँ उसे नहीं होना चाहिए था। उस गलियारे में केवल दो ही झोपड़ियाँ हैं, एक आपकी और एक कर्नल रेस की।”

मैंने सावधानी से सिगार जलाते हुए कहा, "रेस, पैगेट, तुम्हारी मदद के बिना भी अपना ख्याल रख सकता है।" बाद में मैंने जोड़ा, "मैं भी रख सकता हूँ।"

पैगेट पास आया और हमेशा की तरह कोई रहस्य बताने से पहले गहरी सांसें लेने लगा।

"देखिए, सर यूस्टेस, मुझे लगा था—और अब तो मुझे पूरा यकीन है—कि वह रेबर्न ही था।"

“रेबर्न?”

"जी हां, श्री यूस्टेस।"

मैंने अपना सिर हिलाया।

"रेबर्न में इतनी समझदारी है कि वह मुझे आधी रात को जगाने की कोशिश नहीं करेगा।"

“बिल्कुल सही, सर यूस्टेस। मुझे लगता है कि वह कर्नल रेस से मिलने गए थे। एक गुप्त बैठक—आदेशों के लिए!”

“मुझ पर गुस्सा मत करो, पैगेट,” मैंने थोड़ा पीछे हटते हुए कहा, “और अपनी सांसों पर काबू रखो। तुम्हारा विचार बेतुका है। आधी रात को वे गुप्त बैठक क्यों करना

चाहेंगे? अगर उन्हें आपस में कुछ कहना ही है, तो वे आराम से और स्वाभाविक ढंग से बीफ-टी पीते हुए बातें कर सकते हैं।"
मुझे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था कि पैगेट को इस बात पर जरा भी यकीन नहीं था।
"कल रात कुछ तो गड़बड़ हुई थी, सर यूस्टेस," उन्होंने आग्रह किया, "वरना रेबर्न ने मुझ पर इतनी बेरहमी से हमला क्यों किया होता।"
"क्या आपको पूरा यकीन है कि यह रेबर्न ही था?"
पैगेट को इस बात का पूरा यकीन था। कहानी का यही एक हिस्सा था जिसके बारे में उन्होंने कोई अस्पष्टता नहीं दिखाई।
उन्होंने कहा, "इस सब में कुछ बहुत ही अजीब है। सबसे पहले तो, रेबर्न कहाँ है?"
यह बिलकुल सच है कि किनारे पर आने के बाद से हमने उस आदमी को नहीं देखा है। वह हमारे साथ होटल तक नहीं आया। हालाँकि, मुझे यह मानने से इनकार है कि वह पैगेट से डरता है।
कुल मिलाकर ये सब बहुत परेशान करने वाला है। मेरी एक सेक्रेटरी गायब हो गई है, और दूसरी किसी बदनाम मुक्केबाज जैसी दिखती है। मैं उसे इस हालत में अपने साथ नहीं ले जा सकता। मैं केप टाउन में हंसी का पात्र बन जाऊंगा। आज बाद में मुझे बूढ़े मिलरे का प्रेम पत्र देना है, लेकिन मैं पैगेट को अपने साथ नहीं ले जाऊंगा। धिक्कार है उस आदमी पर और उसकी आवारागर्दी पर।
कुल मिलाकर मेरा मूड बहुत खराब है। मैंने ज़हरीले लोगों के साथ ज़हरीला नाश्ता किया। मोटी एड़ियों वाली डच वेट्रेस ने मुझे मछली का एक खराब टुकड़ा लाने में आधा घंटा लगा दिया। और बंदरगाह पर पहुँचते ही सुबह 5 बजे उठकर एक डॉक्टर को दिखाना और अपने हाथ सिर के ऊपर उठाना, ये सब तमाशा मुझे थका देता है। बाद में।
एक बहुत ही गंभीर घटना घटित हुई है। मैं प्रधानमंत्री से अपनी मुलाकात के लिए मिलरे का सीलबंद पत्र लेकर गया था। देखने में तो ऐसा नहीं लग रहा था कि पत्र के साथ छेड़छाड़ की गई हो, लेकिन अंदर एक खाली कागज का पन्ना था!
अब, मुझे लगता है, मैं बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गया हूँ। मुझे समझ नहीं आता कि मैंने उस बूढ़े मूर्ख मिलरे को मुझे इस मामले में उलझाने की इजाजत क्यों दी।
पैगेट बड़े ही मशहूर हैं, मानो दूसरों को दिलासा देने वाले हों। उनके चेहरे पर एक अजीब सी उदासी भरी संतुष्टि झलकती है, जो मुझे बहुत परेशान करती है। साथ ही,

उन्होंने मेरी बेचैनी का फायदा उठाकर मुझे स्टेशनरी का सारा सामान उठाने को कह दिया है। अगर उन्होंने सावधानी नहीं बरती, तो अगली बार जिस अंत्येष्टि में वे शामिल होंगे, वह उनकी अपनी ही होगी।

लेकिन अंत में मुझे उसकी बात माननी ही पड़ी।

“मान लीजिए, सर यूस्टेस, कि रेबर्न ने सड़क पर श्री मिलरे के साथ आपकी बातचीत के कुछ शब्द सुन लिए हों? याद रखिए, आपके पास श्री मिलरे से कोई लिखित अनुमति नहीं थी। आपने रेबर्न को उसके अपने मूल्यांकन के आधार पर स्वीकार किया था।”

“तो क्या आपको लगता है कि रेबर्न एक धोखेबाज है?” मैंने धीरे से कहा।

पैगेट ने ऐसा किया। मुझे नहीं पता कि उनकी आंखों पर लगी चोट के कारण उनके विचारों पर कितना असर पड़ा। उन्होंने रेबर्न के खिलाफ काफी ठोस आरोप लगाए। और रेबर्न की शक्ल-सूरत ने उनके खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। मेरा इरादा इस मामले में कुछ न करने का था। जो व्यक्ति खुद को पूरी तरह से मूर्ख बनने देता है, वह इस बात को सार्वजनिक नहीं करना चाहता।

लेकिन पैगेट, हाल की विपत्तियों से अप्रभावित, कड़े कदम उठाने के पक्ष में थे। और उन्होंने अपनी बात मनवा ही ली। वे तुरंत पुलिस स्टेशन गए, अनगिनत तार भेजे और मेरे खर्चे पर अंग्रेज़ और डच अधिकारियों की एक टोली को व्हिस्की और सोडा पिलाने के लिए ले आए।

हमें उसी शाम मिलरे का जवाब मिल गया। उन्हें मेरे दिवंगत सचिव के बारे में कुछ भी पता नहीं था! इस स्थिति से केवल एक ही राहत मिल सकती थी।

मैंने पैगेट से कहा, "खैर, आपको जहर नहीं दिया गया था। आपको पित्त संबंधी सामान्य दौरे पड़े थे।"

मैंने उसे दर्द से कराहते हुए देखा। यही मेरा एकमात्र स्कोर था।

बाद में।

पैगेट अपने रंग में है। उसका दिमाग़ शानदार विचारों से जगमगा रहा है। अब उसे यकीन हो गया है कि रेबर्न कोई और नहीं बल्कि वही मशहूर "भूरे रंग का सूट वाला आदमी" है। मुझे पूरा यकीन है कि वह सही है। वैसे भी, अक्सर वह सही ही होता है। लेकिन यह सब कुछ अप्रिय होता जा रहा है। जितनी जल्दी मैं रोडेशिया के लिए रवाना हो जाऊं, उतना अच्छा है। मैंने पैगेट को समझा दिया है कि उसे मेरे साथ नहीं आना

है।
मैंने कहा, “देखो, मेरे प्रिय मित्र, तुम्हें यहीं रुकना होगा। किसी भी क्षण तुम्हें रेबर्न की पहचान बतानी पड़ सकती है। और इसके अलावा, मुझे एक अंग्रेज सांसद के रूप में अपनी गरिमा का भी ध्यान रखना है। मैं ऐसे सचिव के साथ नहीं घूम सकता जो जाहिर तौर पर हाल ही में किसी अभद्र सड़क-कूद में शामिल रहा हो।”
पैगेट सिहर उठा। वह इतना सम्मानित व्यक्ति है कि उसका दिखना उसके लिए पीड़ा और कष्ट का कारण है।
"लेकिन आप अपने पत्राचार और अपने भाषणों के लिए लिखे गए नोट्स का क्या करेंगे, सर यूस्टेस?"
मैंने बेपरवाही से कहा, "मैं संभाल लूंगा।"
“आपकी निजी कार को कल, बुधवार की सुबह ग्यारह बजे वाली ट्रेन से जोड़ा जाएगा,” पैगेट ने आगे कहा। “मैंने सभी व्यवस्थाएं कर ली हैं। क्या श्रीमती ब्लेयर अपने साथ कोई नौकरानी ले जा रही हैं?”
“श्रीमती ब्लेयर?” मैंने चौंककर पूछा।
"उसने मुझे बताया कि आपने उसे एक जगह की पेशकश की थी।"
तो मैंने ऐसा किया, अब मुझे याद आता है। फैंसी ड्रेस बॉल की रात। मैंने उसे आने के लिए भी कहा था। लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह आएगी! वह कितनी प्यारी है, पर मुझे नहीं लगता कि मैं मिसेज ब्लेयर की संगति में इतना खो जाना चाहता हूँ। महिलाओं को बहुत ध्यान चाहिए होता है। और कभी-कभी तो वे हद से ज्यादा अड़चन पैदा करती हैं।
“क्या मैंने किसी और से पूछा है?” मैंने घबराते हुए कहा। ये सब बातें इंसान के मन में अचानक आए बदलावों के समय ही आती हैं।
"श्रीमती ब्लेयर को ऐसा लग रहा था कि आपने कर्नल रेस से भी पूछा था।"
मैंने आह भरी।
“अगर मैंने रेस से पूछा है तो मैं बहुत ज्यादा नशे में रहा हूँगा। सचमुच बहुत ज्यादा नशे में। मेरी सलाह मानो, पैगेट, और अपनी काली आँख को एक चेतावनी समझो, दोबारा उस तरह की हरकत मत करना।”
"जैसा कि आप जानते हैं, मैं शराब नहीं पीता, सर यूस्टेस।"
“अगर आपमें इस तरह की कमजोरी है तो शपथ लेना ज्यादा समझदारी भरा कदम

होगा। मैंने किसी और से पूछा तो नहीं है, है ना, पैगेट?"
"जहां तक मुझे पता है, ऐसा नहीं है, सर यूस्टेस।"
मैंने राहत की सांस ली।
"ये रही मिस बेडिंगफेल्ड," मैंने सोच-विचार करते हुए कहा। "मुझे लगता है कि वो हड्डियाँ खोदने के लिए रोडेशिया जाना चाहती हैं। मेरा मन कर रहा है कि उन्हें अस्थायी तौर पर सचिव का काम दे दूँ। मुझे पता है कि वो टाइप कर सकती हैं, क्योंकि उन्होंने मुझे बताया था।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि पैगेट ने इस विचार का पुरजोर विरोध किया। उन्हें ऐनी बेडिंगफेल्ड बिल्कुल पसंद नहीं है। उस घटना के बाद से, जब भी उसका ज़िक्र होता है, वे बेकाबू हो जाते हैं। आजकल पैगेट रहस्यों से घिरे हुए हैं।
उसे चिढ़ाने के लिए, मैं उस लड़की से पूछूंगा। जैसा कि मैंने पहले कहा था, उसके पैर बेहद खूबसूरत हैं।

अध्याय XVIII

(ऐनी की कहानी पुनः शुरू)

मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी पूरी ज़िंदगी में टेबल माउंटेन का वो पहला नज़ारा कभी भूल पाऊँगा। मैं बहुत जल्दी उठ गया और डेक पर चला गया। मैं सीधे बोट डेक तक चला गया, जो मेरे ख्याल से एक बहुत बड़ा गुनाह था, लेकिन मैंने अकेलेपन के लिए कुछ जोखिम उठाने का फैसला किया। हम अभी-अभी टेबल बे में प्रवेश कर रहे थे। टेबल माउंटेन के ऊपर रूई जैसे सफेद बादल मंडरा रहे थे, और नीचे ढलानों पर, समुद्र तक, सोता हुआ शहर बसा हुआ था, जो सुबह की धूप से जगमगा रहा था और मानो जादू कर रहा हो।
इसने मेरी सांसें थाम लीं और मेरे भीतर एक अजीब सी बेचैनी और भूख सी जाग उठी, जो कभी-कभी किसी बेहद खूबसूरत चीज़ को देखकर पैदा होती है। मैं इन भावनाओं को अच्छे से व्यक्त नहीं कर पाती, लेकिन मुझे यह अच्छी तरह पता था कि मैंने, भले ही कुछ पल के लिए ही सही, वह चीज़ पा ली थी जिसकी तलाश मैं लिटिल हैम्प्सली छोड़ने के बाद से कर रही थी। कुछ नया, कुछ ऐसा जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, कुछ ऐसा जिसने रोमांस के लिए मेरी तड़पती भूख को शांत

कर दिया।
बिल्कुल खामोशी से, या कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगा, किल्मोर्डन धीरे-धीरे करीब आती जा रही थी। यह अभी भी एक सपने जैसा ही था। लेकिन सभी स्वप्नद्रष्टाओं की तरह, मैं अपने सपने को यूं ही नहीं छोड़ सकता था। हम बेचारे इंसान किसी भी चीज को खोने से इतना डरते हैं।
मैं अपने आप से लगातार यही कहती रही, “यह दक्षिण अफ्रीका है। दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका। तुम दुनिया देख रही हो। यही दुनिया है। तुम इसे देख रही हो। सोचो, ऐनी बेडिंगफेल्ड, तुम मूर्ख हो। तुम दुनिया देख रही हो।”
मुझे लगा था कि नाव का डेक मेरे लिए खाली है, लेकिन अब मैंने एक और आकृति को रेलिंग पर झुके हुए देखा, जो तेज़ी से पास आते शहर को देखने में मेरी ही तरह मग्न थी। उसके सिर घुमाने से पहले ही मैं जान गया था कि वह कौन है। पिछली रात का दृश्य सुबह की शांत धूप में अवास्तविक और नाटकीय लग रहा था। उसने मेरे बारे में क्या सोचा होगा? मैंने जो बातें कही थीं, उन्हें याद करके मुझे गर्मी सी महसूस हुई। और मेरा मतलब वो नहीं था—या था?
मैंने दृढ़ता से अपना सिर दूसरी तरफ घुमाया और टेबल माउंटेन को घूरने लगा। अगर रेबर्न यहाँ अकेले रहने आया था, तो कम से कम मुझे अपनी उपस्थिति का बोध कराकर उसे परेशान करने की ज़रूरत नहीं थी।
लेकिन मुझे बेहद आश्चर्य हुआ जब मैंने अपने पीछे डेक पर हल्के कदमों की आहट सुनी, और फिर उसकी आवाज, मधुर और सामान्य:
"मिस बेडिंगफेल्ड।"
"हाँ?"
मेरा पलटना हुआ।
मैं आपसे माफी मांगना चाहता हूं। कल रात मैंने बिलकुल बदतमीजी से व्यवहार किया।
“वह—वह एक अजीब रात थी,” मैंने जल्दबाजी में कहा।
यह कोई बहुत स्पष्ट टिप्पणी नहीं थी, लेकिन मेरे दिमाग में बस यही एक बात आ रही थी।
"क्या आप मुझे माफ करोगे?"
मैंने बिना कुछ कहे अपना हाथ आगे बढ़ाया। उसने मेरा हाथ थाम लिया।

“मुझे कुछ और कहना है।” उनकी आवाज़ में गंभीरता आ गई। “मिस बेडिंगफेल्ड, शायद आपको पता न हो, लेकिन आप एक बेहद खतरनाक धंधे में फंसी हुई हैं।”
मैंने कहा, "मुझे इतना ही समझ आया।"
“नहीं, तुम नहीं जानते। तुम्हें पता ही नहीं हो सकता। मैं तुम्हें चेतावनी देना चाहता हूँ। इस मामले को यहीं छोड़ दो। इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है। अपनी जिज्ञासा के कारण दूसरों के मामलों में दखल मत दो। नहीं, कृपया फिर से गुस्सा मत करो। मैं अपनी बात नहीं कर रहा हूँ। तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि तुम्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है—ये लोग किसी भी हद तक जा सकते हैं। ये बिल्कुल निर्दयी हैं। तुम पहले से ही खतरे में हो—पिछली रात की घटना देखो। उन्हें लगता है कि तुम्हें कुछ पता है। तुम्हारे पास बस यही मौका है कि तुम उन्हें समझा सको कि वे गलत हैं। लेकिन सावधान रहना, हमेशा खतरे पर नज़र रखना, और सुनो, अगर कभी तुम उनके चंगुल में फँस जाओ, तो चालाकी मत करना—सच-सच बता देना, यही तुम्हारा एकमात्र मौका होगा।”
“मिस्टर रेबर्न, आप मुझे डरा देते हैं,” मैंने कुछ सच्चाई के साथ कहा। “आप मुझे चेतावनी देने की जहमत क्यों उठाते हैं?”
कुछ मिनटों तक उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, फिर धीमी आवाज में बोले:
"हो सकता है कि यही आखिरी काम हो जो मैं तुम्हारे लिए कर सकूँ। एक बार किनारे पर पहुँच जाऊँ तो सब ठीक हो जाएगा—लेकिन शायद मैं किनारे तक पहुँच ही न पाऊँ।"
“क्या?” मैंने हैरानी से कहा।
"देखिए, मुझे डर है कि आप अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो यह जानते हैं कि मैं 'भूरे रंग के सूट वाला आदमी' हूं।"
“अगर आपको लगता है कि मैंने बताया था—” मैंने गुस्से से कहा।
उन्होंने मुस्कुराते हुए मुझे आश्वस्त किया।
“मुझे आप पर कोई शक नहीं है, मिस बेडिंगफेल्ड। अगर मैंने कभी ऐसा कहा भी है, तो मैंने झूठ बोला है। नहीं, लेकिन जहाज पर एक व्यक्ति ऐसा है जिसे सब कुछ पहले से पता है। उसे बस बोलना है—और मेरा काम तमाम हो जाएगा। फिर भी, मैं यह जोखिम उठा रहा हूँ कि वह नहीं बोलेगा।”
"क्यों?"

क्योंकि वो अकेले ही काम करना पसंद करता है। और जब पुलिस मुझे पकड़ लेगी तो मैं उसके किसी काम का नहीं रहूंगा। शायद मैं आज़ाद हो जाऊं! खैर, एक घंटे में पता चल जाएगा।

वह कुछ व्यंग्यात्मक ढंग से हँसा, लेकिन मैंने उसके चेहरे पर गंभीरता देखी। अगर उसने किस्मत के साथ जुआ खेला होता, तो वह एक अच्छा जुआरी होता। वह हार भी जाए तो मुस्कुरा सकता था।

“खैर, वैसे भी,” उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, “मुझे नहीं लगता कि हम फिर कभी मिलेंगे।”

“नहीं,” मैंने धीरे से कहा। “मुझे नहीं लगता।”

"तो अलविदा।"

"अलविदा।"

उसने मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया, एक पल के लिए उसकी जिज्ञासु चमकीली आँखें मानो मेरी आँखों में गूँज उठीं, फिर वह अचानक मुड़ा और मुझे छोड़कर चला गया। मुझे डेक पर उसके कदमों की गूँज सुनाई दी। वे बार-बार गूँज रही थीं। मुझे लगा कि मुझे उन्हें हमेशा सुनना चाहिए। कदमों की गूँज—मेरे जीवन से विदा होती हुई।

मैं खुलकर स्वीकार करता हूँ कि अगले दो घंटे मुझे बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगे। जब तक मैं सरकारी कामकाज की सारी औपचारिकताओं को पूरा करके घाट पर नहीं पहुँचा, तब तक मुझे चैन की साँस नहीं आई। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी, और मुझे एहसास हुआ कि आज का दिन कितना सुहाना था, और मुझे बहुत भूख लगी थी। मैं सुज़ैन के पास गया। वैसे भी, मुझे उसके साथ होटल में ही रात बितानी थी। नाव अगली सुबह तक पोर्ट एलिजाबेथ और डरबन के लिए रवाना नहीं हुई। हम एक टैक्सी में बैठे और माउंट नेल्सन के लिए निकल पड़े।

सब कुछ स्वर्ग जैसा था। सूरज, हवा, फूल! जब मैंने जनवरी में लिटिल हैम्प्सली के बारे में सोचा, जहाँ घुटनों तक कीचड़ था और बारिश होने ही वाली थी, तो मैं खुशी से झूम उठी। सुज़ैन इतनी उत्साहित नहीं थी। वैसे भी, उसने बहुत यात्रा की है। और वह नाश्ते से पहले उत्साहित होने वाली टाइप की नहीं है। जब मैंने एक विशाल नीले रंग के कॉन्वोल्वुलस को देखकर उत्साह से चीख मारी, तो उसने मुझे बुरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया।

वैसे, मैं अभी और यहीं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि यह कहानी दक्षिण अफ्रीका की

कहानी नहीं होगी। मैं गारंटी देता हूँ कि इसमें कोई वास्तविक स्थानीय रंग नहीं होगा —आप जानते हैं ना, हर पन्ने पर आधे दर्जन शब्द इटैलिक में लिखे होंगे। मैं इसकी बहुत सराहना करता हूँ, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। दक्षिण सागर द्वीपों में, ज़ाहिर है, आप तुरंत बेचे-डे-मेर का ज़िक्र करेंगे। मुझे नहीं पता बेचे-डे-मेर क्या होता है, मुझे कभी पता नहीं चला, और शायद कभी पता भी नहीं चलेगा। मैंने एक-दो बार अंदाज़ा लगाया और गलत अंदाज़ा लगाया। दक्षिण अफ्रीका में, मुझे पता है कि आप तुरंत स्टोप की बात करने लगते हैं—मुझे पता है कि स्टोप क्या होता है—यह घर के चारों ओर बनी जगह होती है जिस पर आप बैठते हैं। दुनिया के कई अन्य हिस्सों में इसे बरामदा, पियाज़ा और हा-हा कहते हैं। फिर, पॉ पॉ भी होते हैं। मैंने अक्सर पॉ पॉ के बारे में पढ़ा था। मुझे तुरंत पता चल गया कि वे क्या होते हैं, क्योंकि नाश्ते के लिए मेरे सामने एक पॉ पॉ रख दिया गया था। पहले तो मुझे लगा कि यह कोई खराब तरबूज है। डच वेट्रेस ने मुझे समझाया और नींबू का रस और चीनी डालकर दोबारा कोशिश करने के लिए कहा। मुझे पॉ पॉ देखकर बहुत खुशी हुई। मैंने हमेशा इसे हूला-हूला नृत्य से जोड़कर देखा था, जो मेरे ख्याल से (हालांकि मैं गलत हो सकती हूं) हवाईयन लड़कियां जिस तरह की भूसी की स्कर्ट पहनकर नृत्य करती हैं, वैसा होता है। नहीं, मुझे लगता है मैं गलत हूं—यह तो लावा-लावा है।

बहरहाल, इंग्लैंड के बाद ये सब बातें काफी उत्साहवर्धक हैं। मुझे लगता है कि अगर हमें बेकन से भरा नाश्ता मिल जाए और फिर स्वेटर पहनकर बिल चुकाने के लिए बाहर जा सकें, तो हमारे इस ठंडे द्वीप का जीवन कितना खुशनुमा हो जाएगा।

नाश्ते के बाद सुज़ैन थोड़ी शांत हो गई। मुझे उसके बगल वाला कमरा दिया गया था, जहाँ से टेबल बे का खूबसूरत नज़ारा दिखता था। मैं नज़ारे को निहार रही थी, जबकि सुज़ैन कोई खास फेस क्रीम ढूंढ रही थी। जब उसे क्रीम मिल गई और उसने तुरंत लगाना शुरू किया, तब जाकर वह मेरी बात सुनने को तैयार हुई।

“क्या आपने सर यूस्टेस को देखा?” मैंने पूछा। “जब हम अंदर गए तो वो नाश्ते के कमरे से बाहर निकल रहे थे। उन्होंने शायद कोई खराब मछली खा ली थी और हेड वेटर को उसके बारे में अपनी राय बता रहे थे। उन्होंने एक आड़ू को फर्श पर उछालकर दिखाया कि वो कितना सख्त है—लेकिन वो उतना सख्त नहीं था जितना उन्होंने सोचा था और वो पिचक गया।”

सुज़ैन मुस्कुराई।

“सर यूस्टेस को भी सुबह जल्दी उठना उतना ही नापसंद है जितना मुझे। लेकिन, ऐनी, क्या तुमने मिस्टर पैगेट को देखा? गलियारे में मेरी उनसे टक्कर हो गई। उनकी आंख पर चोट लगी है। वो क्या कर रहे थे?”

मैंने बेपरवाही से जवाब दिया, "वे मुझे जानबूझकर जहाज से बाहर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।"

यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। सुज़ैन ने अपना आधा चेहरा तेल से सना हुआ छोड़ दिया और मुझसे और जानकारी माँगने लगी। मैंने उसे सारी जानकारी दे दी।

“सब कुछ और भी रहस्यमय होता जा रहा है,” वह रोते हुए बोली। “मैंने सोचा था कि सर यूस्टेस के साथ रहकर मुझे आराम का काम मिलेगा, और रेवरेंड एडवर्ड चिचेस्टर के साथ आपको खूब मज़ा आएगा, लेकिन अब मुझे यकीन नहीं है। उम्मीद है किसी अंधेरी रात को पैगेट मुझे ट्रेन से धक्का न दे दे।”

“मुझे लगता है कि तुम अब भी संदेह से परे हो, सुज़ैन। लेकिन, अगर सबसे बुरा हुआ, तो मैं क्लेरेंस को तार भेज दूंगा।”

“यह सुनकर मुझे याद आया—मुझे एक केबल फॉर्म दीजिए। अब मैं सोचती हूँ, मैं क्या लिखूँ। ‘मैं एक बेहद रोमांचक रहस्य में फँसी हुई हूँ, कृपया मुझे तुरंत एक हजार पाउंड भेज दीजिए, सुज़ैन।’”

मैंने उससे फॉर्म लिया और बताया कि वह "द", "ए" और शायद, अगर उसे शिष्टाचार की परवाह न हो तो "प्लीज़" हटा सकती है। लेकिन सुज़ैन पैसों के मामले में बिलकुल लापरवाह लगती है। मेरे किफायती सुझावों पर ध्यान देने के बजाय, उसने तीन शब्द और जोड़ दिए: "खुद को बहुत आनंदित कर रही हूँ।"

सुज़ैन का अपने दोस्तों के साथ दोपहर के भोजन का कार्यक्रम तय था, जो उसे लेने के लिए लगभग ग्यारह बजे होटल आए थे। मैं अकेला रह गया। मैं होटल के परिसर से नीचे गया, ट्राम की पटरियों को पार किया और एक ठंडी, छायादार सड़क पर चलता हुआ मुख्य सड़क तक पहुँचा। मैं इधर-उधर घूमता रहा, नज़ारे देखता रहा, धूप का आनंद लेता रहा और काले चेहरे वाले फूल-फल बेचने वालों को देखता रहा। मुझे एक ऐसी जगह भी मिली जहाँ सबसे स्वादिष्ट आइसक्रीम सोडा मिलती थी। आखिर में, मैंने छह पैसे की एक टोकरी आड़ू खरीदी और वापस होटल की ओर चल पड़ा।

मुझे आश्चर्य और खुशी दोनों हुई जब मुझे एक नोट मिला। यह संग्रहालय के क्यूरेटर का था। उन्होंने किल्मोर्डन जहाज पर मेरे आगमन के बारे में पढ़ा था, जिसमें मुझे

दिवंगत प्रोफेसर बेडिंगफेल्ड की बेटी बताया गया था। वे मेरे पिता को थोड़ा-बहुत जानते थे और उनका बहुत सम्मान करते थे। उन्होंने आगे कहा कि अगर मैं उस दोपहर मुइज़ेनबर्ग स्थित उनके विला में उनके साथ चाय पीने आऊं तो उनकी पत्नी को बहुत प्रसन्नता होगी। उन्होंने मुझे वहां पहुंचने के निर्देश भी दिए।

यह सोचकर अच्छा लगा कि बेचारे पापा को आज भी याद किया जाता है और उनके प्रति सम्मान दिखाया जाता है। मुझे पहले से ही पता था कि केप टाउन छोड़ने से पहले मुझे संग्रहालय का पूरा दौरा व्यक्तिगत रूप से करवाना पड़ेगा, लेकिन मैंने यह जोखिम उठाया। अधिकतर लोगों के लिए यह एक सुखद अनुभव होता—लेकिन अगर किसी को बचपन से ही हर पल एक ही अच्छी चीज़ मिलती रहे, तो उसकी अति भी बुरी हो सकती है।

मैंने अपनी सबसे अच्छी टोपी (सुज़ैन की पुरानी टोपी) और सबसे कम सिकुड़ी हुई सफेद चादर पहनी और दोपहर के भोजन के बाद निकल पड़ी। मैंने मुइज़ेनबर्ग के लिए एक तेज़ ट्रेन पकड़ी और लगभग आधे घंटे में वहाँ पहुँच गई। यात्रा सुखद रही। ट्रेन धीरे-धीरे टेबल माउंटेन के तल के चारों ओर घूम रही थी, और कुछ फूल बेहद खूबसूरत थे। भूगोल में मेरी कमज़ोरी के कारण, मुझे कभी पूरी तरह से एहसास नहीं हुआ था कि केप टाउन एक प्रायद्वीप पर स्थित है, इसलिए ट्रेन से उतरते ही खुद को एक बार फिर समुद्र के सामने पाकर मैं काफी हैरान रह गई। वहाँ बड़े ही मनमोहक ढंग से लोग नहा रहे थे। लोगों के पास छोटे घुमावदार बोर्ड थे और वे लहरों पर तैरते हुए आ रहे थे। चाय के लिए अभी बहुत जल्दी थी। मैं नहाने के मंडप की ओर गई, और जब उन्होंने पूछा कि क्या मुझे सर्फ़बोर्ड चाहिए, तो मैंने कहा, "हाँ, कृपया।" सर्फ़िंग देखने में तो बहुत आसान लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं और कुछ नहीं कहूँगी। मुझे बहुत गुस्सा आया और मैंने अपना बोर्ड लगभग फेंक ही दिया। फिर भी, मैंने ठान लिया कि जैसे ही मौका मिलेगा मैं वापस आऊँगी और एक और कोशिश करूँगी। मैं हार नहीं मानूँगी। बिल्कुल संयोग से मुझे अपने बोर्ड पर अच्छी रफ़्तार मिल गई और मैं खुशी से झूम उठा। सर्फिंग ऐसी ही होती है। या तो आप ज़ोर-ज़ोर से गालियाँ दे रहे होते हैं या फिर आप बेवकूफी भरी खुशी से झूम रहे होते हैं।

कुछ मुश्किलों के बाद मुझे विला मेड्जी मिल गया। यह पहाड़ की चोटी पर, बाकी कॉटेज और विला से अलग-थलग था। मैंने घंटी बजाई और मुस्कुराते हुए एक काफ़िर लड़के ने दरवाज़ा खोला।

“श्रीमती रफिनी?” मैंने पूछा।
उन्होंने मुझे अंदर बुलाया, मुझसे पहले गलियारे से गुज़रे और एक दरवाज़ा खोल दिया। जैसे ही मैं अंदर जाने वाला था, मैं हिचकिचाया। मुझे अचानक एक आशंका हुई। मैंने दहलीज पार की और दरवाज़ा तेज़ी से मेरे पीछे खुल गया।
एक व्यक्ति मेज के पीछे अपनी सीट से उठा और हाथ फैलाकर आगे बढ़ा।
उन्होंने कहा, "हमें बहुत खुशी है कि हम आपको हमारे यहाँ आने के लिए राजी कर पाए, मिस बेडिंगफेल्ड।"
वह लंबा-चौड़ा आदमी था, ज़ाहिर तौर पर डच था, जिसकी दाढ़ी नारंगी रंग की थी। वह किसी संग्रहालय के क्यूरेटर जैसा बिल्कुल नहीं दिखता था। दरअसल, मुझे पल भर में एहसास हो गया कि मैंने खुद को मूर्ख साबित कर दिया है।
मैं दुश्मन के हाथों में था।

अध्याय XIX

इससे मुझे "द पेरिल्स ऑफ पामेला" के तीसरे एपिसोड की ज़बरदस्त याद आ गई। कितनी बार मैं छह पैसे वाली सीटों पर बैठकर, दो पैसे वाली मिल्क चॉकलेट खाकर, यही सब अपने साथ होने की कामना करती थी। खैर, ये सब कुछ ज़बरदस्त तरीके से हो गया। और किसी तरह यह उतना मज़ेदार नहीं था जितना मैंने सोचा था। स्क्रीन पर तो सब ठीक है—आपको यह तसल्ली रहती है कि चौथा एपिसोड ज़रूर आएगा। लेकिन असल ज़िंदगी में इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि किसी भी एपिसोड के अंत में एडवेंचरस एना का अचानक अंत न हो जाए।
हाँ, मैं बहुत मुश्किल में था। रेबर्न ने उस सुबह जो कुछ भी कहा था, वो सब मुझे अप्रिय स्पष्टता के साथ याद आ गया। उसने कहा था, सच बोलो। खैर, मैं ऐसा कर तो सकता था, लेकिन क्या इससे मुझे कोई मदद मिलेगी? सबसे पहले तो, क्या मेरी कहानी पर विश्वास किया जाएगा? क्या वे इस बात को संभव मानेंगे कि मैंने कपूर की गंध वाले कागज के एक टुकड़े के सहारे ही इस पागलपन भरे कारनामे की शुरुआत की थी? यह मुझे एक अविश्वसनीय कहानी लग रही थी। उस शांत और गंभीर क्षण में मैंने खुद को एक भावुक मूर्ख कहकर कोसा और लिटिल हैम्प्सली के शांतिपूर्ण नीरस जीवन की कामना की।
ये सब बातें मेरे दिमाग में इतनी जल्दी गुज़र गईं कि बताने में जितना समय लगता है,

उससे भी कम समय में। मेरी पहली सहज प्रतिक्रिया पीछे हटकर दरवाज़े का हैंडल पकड़ने की थी। मेरे अपहरणकर्ता ने बस मुस्कुरा दिया।
उन्होंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "तुम यहीं हो और यहीं रहोगे।"
मैंने इस मामले में साहस दिखाने की पूरी कोशिश की।
मुझे केप टाउन संग्रहालय के क्यूरेटर ने यहां आने का निमंत्रण दिया था। अगर मुझसे कोई गलती हुई हो तो...
“एक गलती? ओह, हाँ, एक बहुत बड़ी गलती!”
वह कर्कश आवाज में हँसा।
“आपको मुझे हिरासत में लेने का क्या अधिकार है? मैं पुलिस को सूचित करूँगा—”
“याप, याप, याप—जैसे कोई छोटा खिलौना कुत्ता हो।” वह हँस पड़ा।
मैं एक कुर्सी पर बैठ गया।
मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मैं केवल यही निष्कर्ष निकाल सकता हूँ कि तुम एक खतरनाक पागल हो।"
"वास्तव में?"
मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मेरे दोस्तों को अच्छी तरह पता है कि मैं कहाँ गया हूँ, और अगर मैं आज शाम तक वापस नहीं लौटा, तो वे मेरी तलाश में आएँगे। समझे?
“तो आपके दोस्तों को पता है कि आप कहां हैं? उनमें से कौन-कौन से?”
इस चुनौती का सामना करते हुए, मैंने तुरंत संभावनाओं का आकलन किया। क्या मुझे सर यूस्टेस का ज़िक्र करना चाहिए? वह एक जाने-माने व्यक्ति थे, और उनके नाम का प्रभाव हो सकता था। लेकिन अगर वे पैगेट के संपर्क में थे, तो उन्हें पता चल सकता था कि मैं झूठ बोल रहा हूँ। सर यूस्टेस का ज़िक्र न करना ही बेहतर था।
मैंने हल्के से कहा, "मिसेज ब्लेयर, उदाहरण के लिए। मेरी एक दोस्त जिनके साथ मैं ठहरी हुई हूँ।"
“मुझे नहीं लगता,” मेरे अपहरणकर्ता ने चालाकी से अपना नारंगी रंग का सिर हिलाते हुए कहा। “तुमने उसे आज सुबह ग्यारह बजे से नहीं देखा है। और तुम्हें हमारा पत्र मिला था, जिसमें तुम्हें दोपहर के भोजन के समय यहाँ आने के लिए कहा गया था।”
उनके शब्दों से मुझे पता चला कि मेरी हर गतिविधि पर कितनी बारीकी से नजर रखी जा रही थी, लेकिन मैं बिना लड़ाई के हार मानने वाला नहीं था।
“आप तो बहुत होशियार हैं,” मैंने कहा। “शायद आपने उस उपयोगी आविष्कार,

टेलीफोन के बारे में सुना होगा? दोपहर के भोजन के बाद जब मैं अपने कमरे में आराम कर रहा था, तब श्रीमती ब्लेयर ने मुझे टेलीफोन पर फोन किया था। मैंने उन्हें बताया था कि मैं आज दोपहर कहाँ जा रहा हूँ।"

मुझे बेहद खुशी हुई जब मैंने उसके चेहरे पर थोड़ी बेचैनी देखी। ज़ाहिर है, उसने इस संभावना को नज़रअंदाज़ कर दिया था कि सुज़ैन ने मुझे फ़ोन किया होगा। काश उसने सच में ऐसा किया होता!

"बस बहुत हो गया," उसने कठोर स्वर में कहा और उठ खड़ा हुआ।

मैंने संयमित दिखने की कोशिश करते हुए पूछा, "तुम मेरे साथ क्या करने वाले हो?"

"तुम्हें ऐसी जगह रख दूंगा जहां से तुम किसी को नुकसान न पहुंचा सको, अगर तुम्हारे दोस्त तुम्हारे पीछे पड़ें तो।"

एक पल के लिए मेरा खून जम गया, लेकिन उनके अगले शब्दों ने मुझे आश्वस्त कर दिया।

"कल आपको कुछ सवालों के जवाब देने होंगे, और उनके जवाब देने के बाद हमें पता चल जाएगा कि आपके साथ क्या करना है। और मैं आपको बता दूं, युवती, हमारे पास जिद्दी छोटे मूर्खों से बात निकलवाने के एक से अधिक तरीके हैं।"

यह कोई उत्साहजनक खबर नहीं थी, लेकिन कम से कम राहत तो मिली। मेरे पास कल तक का समय था। यह आदमी स्पष्ट रूप से किसी वरिष्ठ अधिकारी के आदेशों का पालन करने वाला एक अधीनस्थ कर्मचारी था। क्या वह वरिष्ठ अधिकारी संयोगवश पैगेट हो सकता है?

उसने आवाज़ लगाई और दो काफ़िर आ गए। मुझे ऊपर ले जाया गया। मेरे विरोध के बावजूद, मेरा मुंह बंद कर दिया गया और फिर मेरे हाथ-पैर बांध दिए गए। जिस कमरे में वे मुझे ले गए थे, वह छत के ठीक नीचे एक अटारी जैसा था। वह धूल भरा था और उसमें किसी के रहने के कोई संकेत नहीं थे। डच व्यक्ति ने झुककर अभिवादन किया और दरवाज़ा बंद करते हुए चला गया।

मैं बिल्कुल बेबस था। लाख कोशिश करने पर भी मैं अपने हाथों को ज़रा सा भी नहीं छुड़ा पा रहा था, और मुंह पर बंधी पट्टी की वजह से मैं चिल्ला भी नहीं पा रहा था। अगर किसी भी तरह से कोई घर में आ भी जाता, तो मैं उनका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता था। नीचे मुझे एक दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ सुनाई दी। ज़ाहिर है, डचमैन बाहर जा रहा था।

कुछ भी न कर पाने की बेबसी असहनीय थी। मैंने फिर से बंधनों को खोलने की कोशिश की, लेकिन गांठें मज़बूत थीं। आखिरकार मैंने कोशिश करना छोड़ दिया और या तो बेहोश हो गया या सो गया। जब मैं जागा तो मेरे पूरे शरीर में दर्द हो रहा था। अब काफी अंधेरा हो चुका था, और मुझे लगा कि रात काफी आगे बढ़ चुकी होगी, क्योंकि चाँद आसमान में काफी ऊपर था और धूल भरी रोशनदान से रोशनी नीचे आ रही थी। मुंह पर लगी पट्टी से मेरा आधा दम घुट रहा था और जकड़न और दर्द असहनीय था।

तभी मेरी नज़र कोने में पड़े टूटे हुए कांच के एक टुकड़े पर पड़ी। चांद की किरणें उस पर तिरछी पड़ रही थीं और उसकी चमक ने मेरा ध्यान खींच लिया। उसे देखते ही मेरे मन में एक विचार आया।

मेरे हाथ-पैर बेबस थे, लेकिन मैं लुढ़क तो सकता था। धीरे-धीरे और बेढंगे तरीके से मैंने खुद को हिलाना शुरू किया। यह आसान नहीं था। बेहद दर्दनाक होने के साथ-साथ, चूंकि मैं अपने हाथों से अपना चेहरा नहीं बचा पा रहा था, किसी एक दिशा में बने रहना भी बहुत मुश्किल था।

मैं जिस दिशा में जाना चाहता था, उसके अलावा हर दिशा में लुढ़कने की कोशिश कर रहा था। लेकिन अंत में, मैं अपने लक्ष्य के बिल्कुल करीब पहुँच गया। वह लगभग मेरे बंधे हुए हाथों को छू ही रहा था।

फिर भी यह आसान नहीं था। कांच को दीवार से सटाकर इस तरह फंसाने में मुझे अनंत समय लग गया कि वह मेरी जंजीरों पर ऊपर-नीचे रगड़ खाए। यह एक लंबा और दिल दहला देने वाला प्रयास था, और मैं लगभग निराश हो गया था, लेकिन अंत में मैं अपनी कलाइयों को बांधने वाली डोरियों को काटने में सफल हो गया। बाकी सब समय की बात थी। कलाइयों को जोर से रगड़कर हाथों में रक्त संचार बहाल करने के बाद, मैं मुंह पर बंधी पट्टी को खोल सका। एक-दो गहरी सांसों ने मुझे बहुत राहत दी। बहुत जल्द ही मैंने आखिरी गांठ भी खोल दी, हालांकि तब भी मुझे अपने पैरों पर खड़े होने में कुछ समय लगा, लेकिन आखिरकार मैं सीधा खड़ा हो गया, रक्त संचार को बहाल करने के लिए अपनी बाहों को इधर-उधर हिला रहा था, और सबसे बढ़कर यही कामना कर रहा था कि मुझे कुछ खाने को मिल जाए।

मैंने अपनी पूरी ताकत वापस पाने के लिए लगभग पंद्रह मिनट इंतजार किया। फिर मैं दबे पांव चुपचाप दरवाजे तक गया। जैसा मैंने सोचा था, दरवाजा बंद नहीं था, सिर्फ

कुंडी लगी थी। मैंने कुंडी खोली और सावधानी से बाहर झांका।
सब कुछ शांत था। खिड़की से चांदनी अंदर आ रही थी और मुझे धूल से भरी, बिना कालीन वाली सीढ़ियाँ दिखाई दे रही थीं। मैं सावधानी से नीचे उतरा। अभी भी कोई आवाज़ नहीं थी—लेकिन जैसे ही मैं नीचे लैंडिंग पर पहुँचा, कुछ आवाज़ों की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी। मैं एकदम रुक गया और कुछ देर वहीं खड़ा रहा। दीवार पर लगी घड़ी ने बताया कि आधी रात हो चुकी थी।
मुझे पता था कि नीचे उतरने पर कितना खतरा हो सकता है, लेकिन मेरी जिज्ञासा मुझ पर हावी हो गई। मैंने पूरी सावधानी बरतते हुए आगे बढ़ने की तैयारी की। मैं धीरे से सीढ़ियों की आखिरी सीढ़ी से नीचे उतरा और चौकोर हॉल में खड़ा हो गया। मैंने चारों ओर देखा और फिर मेरी सांस अटक गई। हॉल के दरवाजे के पास एक काफ़िर लड़का बैठा था। उसने मुझे नहीं देखा था, दरअसल उसकी सांसों से मुझे तुरंत पता चल गया कि वह गहरी नींद में सो रहा था।
क्या मुझे पीछे हट जाना चाहिए, या आगे बढ़ना चाहिए? ये आवाज़ें उस कमरे से आ रही थीं जिसमें मुझे आगमन पर ले जाया गया था। उनमें से एक मेरे डच मित्र की थी, दूसरी को मैं फिलहाल पहचान नहीं पा रहा था, हालाँकि वह कुछ जानी-पहचानी सी लग रही थी।
अंत में मैंने निश्चय किया कि जितना हो सके सुनना मेरा कर्तव्य है। मुझे काफ़िर लड़के के जागने का जोखिम उठाना ही होगा। मैं चुपचाप हॉल पार करके अध्ययन कक्ष के दरवाजे के पास घुटनों के बल बैठ गया। एक-दो पल तक मुझे कुछ भी सुनाई नहीं दिया। आवाज़ें तेज़ हो गई थीं, लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा था कि वे क्या कह रहे हैं। मैंने कान लगाने के बजाय चाबी के छेद पर अपनी आँख लगाई। जैसा मैंने अनुमान लगाया था, वक्ताओं में से एक वह लंबा-चौड़ा डच व्यक्ति था। दूसरा व्यक्ति मेरी सीमित दृष्टि सीमा से बाहर बैठा था।
अचानक वह अपने लिए पानी लेने के लिए उठा। उसकी पीठ, काले वस्त्रों में लिपटी हुई, शालीनता से दिखाई दी। उसके मुड़ने से पहले ही मैं जान गया था कि वह कौन है।
श्री चिचेस्टर!
अब मुझे शब्द समझ में आने लगे।
फिर भी, यह खतरनाक है। मान लीजिए कि उसके दोस्त उसके पीछे पड़ जाएं?

बोल रहे थे वो बड़े आदमी। चिचेस्टर ने जवाब दिया। उन्होंने अपनी पादरी वाली आवाज़ पूरी तरह से बदल दी थी। इसीलिए शायद मैं उन्हें पहचान नहीं पाया था।
“सब दिखावा है। उन्हें पता ही नहीं कि वह कहां है।”
उन्होंने बहुत सकारात्मक बातें कहीं।
“मैं कह सकता हूँ। मैंने मामले की जाँच कर ली है, और हमें डरने की कोई बात नहीं है। वैसे भी, ये ‘कर्नल’ के आदेश हैं। मुझे लगता है कि आप उनके खिलाफ नहीं जाना चाहेंगे?”
डच व्यक्ति ने अपनी भाषा में कुछ कहा। मुझे लगा कि यह जल्दबाजी में दिया गया एक स्पष्टीकरण था।
“लेकिन उसके सिर पर क्यों न वार कर दिया जाए?” वह गुर्राया। “यह तो आसान होगा। नाव तो पूरी तरह तैयार है। उसे समुद्र में ले जाया जा सकता है?”
“हाँ,” चिचेस्टर ने सोच-विचार करते हुए कहा। “मुझे यही करना चाहिए। वह बहुत कुछ जानती है, यह तो निश्चित है। लेकिन ‘कर्नल’ एक ऐसा आदमी है जो अकेले ही काम करना पसंद करता है—हालाँकि किसी और को ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है।”
अपने ही शब्दों में कुछ ऐसा था जिसने उसे परेशान करने वाली एक याद को फिर से जगा दिया। “वह इस लड़की से किसी तरह की जानकारी चाहता है।”
जानकारी मिलने से पहले वह कुछ देर रुका था, और डचमैन ने तुरंत उसकी बात को समझ लिया।
"जानकारी?"
कुछ इसी तरह का।
मैंने मन ही मन कहा, "हीरे।"
“और अब,” चिचेस्टर ने आगे कहा, “मुझे सूचियाँ दीजिए।”
काफी देर तक उनकी बातचीत मेरी समझ से परे रही। ऐसा लग रहा था कि वे बड़ी मात्रा में सब्जियों के बारे में बात कर रहे थे। तारीखों का ज़िक्र हुआ, कीमतों का और कई जगहों के नाम भी आए जिन्हें मैं नहीं जानता था। उनकी जाँच और गिनती पूरी होने में लगभग आधा घंटा लग गया।
“अच्छा,” चिचेस्टर ने कहा, और ऐसा लगा जैसे उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेली हो। “मैं इन्हें अपने साथ ले जाऊंगा ताकि ‘कर्नल’ इन्हें देख सकें।”
"जब छोड़ देते हैं?"

"कल सुबह दस बजे का समय ठीक रहेगा।"
"क्या आप जाने से पहले उस लड़की को देखना चाहते हैं?"
“नहीं। सख्त आदेश हैं कि ‘कर्नल’ के आने तक कोई भी उससे न मिले। क्या वह ठीक है?”
“जब मैं रात के खाने के लिए अंदर आया तो मैंने उसे देखा। मुझे लगता है कि वह सो रही थी। खाने का क्या हुआ?”
“थोड़ी भूख से कोई नुकसान नहीं होगा। ‘कर्नल’ कल किसी समय यहाँ आएंगी। भूखी होने पर वह सवालों के बेहतर जवाब देंगी। तब तक किसी को भी उनके पास नहीं जाना चाहिए। क्या उन्हें ठीक से बांध दिया गया है?”
डच व्यक्ति हँस पड़ा।
"आप क्या सोचते हैं?"
वे दोनों हँसे। मैं भी मन ही मन हँसा। फिर, जैसे ही आवाज़ों से लगा कि वे कमरे से बाहर आने वाले हैं, मैं तेज़ी से पीछे हट गया। मैं ठीक समय पर पहुँचा। जैसे ही मैं सीढ़ियों के ऊपर पहुँचा, मैंने कमरे का दरवाज़ा खुलते सुना, और उसी समय काफ़िर हिलने-डुलने लगा। हॉल के दरवाज़े से भागने का तो सवाल ही नहीं था। मैं सावधानी से अटारी में चला गया, अपने बंधन समेटे और ज़मीन पर लेट गया, कहीं वे आकर मुझे देख न लें।
लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। लगभग एक घंटे बाद, मैं दबे पांव सीढ़ियों से नीचे उतरा, लेकिन दरवाजे के पास बैठा काफ़िर जाग रहा था और धीरे-धीरे गुनगुना रहा था। मैं घर से बाहर निकलने के लिए बेचैन था, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह कैसे संभव हो।
अंत में मुझे मजबूर होकर फिर से अटारी में लौटना पड़ा। काफ़िर रात भर पहरा दे रहा था। मैं सुबह की तैयारियों की आवाज़ों के बीच धैर्यपूर्वक वहीं बैठा रहा। पुरुष हॉल में नाश्ता कर रहे थे, उनकी आवाज़ें सीढ़ियों से ऊपर आती साफ़ सुनाई दे रही थीं। मैं बुरी तरह घबरा रहा था। आख़िर मैं घर से बाहर कैसे निकलूँ?
मैंने खुद को धैर्य रखने की सलाह दी। जल्दबाजी में उठाया गया कदम सब कुछ बिगाड़ सकता था। नाश्ते के बाद चिशेस्टर के जाने की आवाजें सुनाई दीं। मुझे बेहद राहत मिली कि डचमैन भी उसके साथ था।
मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। नाश्ता समेटा जा रहा था, घर के काम चल रहे थे।

आखिरकार, सारी गतिविधियाँ थम सी गईं। मैं एक बार फिर अपने ठिकाने से बाहर निकला। बहुत सावधानी से मैं सीढ़ियों से नीचे उतरा। हॉल खाली था। पलक झपकते ही मैं हॉल पार कर गया, दरवाज़ा खोला और धूप में बाहर आ गया। मैं पागलों की तरह ड्राइववे पर दौड़ पड़ा।

बाहर निकलते ही मैंने सामान्य रूप से चलना शुरू कर दिया। लोग मुझे उत्सुकता से देख रहे थे, और मुझे इसमें कोई आश्चर्य नहीं था। अटारी में लोटपोट होने के कारण मेरा चेहरा और कपड़े धूल से सने हुए थे। अंत में मैं एक गैरेज के पास पहुँचा। मैं अंदर चला गया।

मैंने बताया, “मेरा एक्सीडेंट हो गया है। मुझे तुरंत केप टाउन ले जाने के लिए एक कार चाहिए। मुझे डरबन जाने वाली नाव पकड़नी है।”

मुझे ज़्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ा। दस मिनट बाद ही मैं केप टाउन की ओर तेज़ी से बढ़ रहा था। मुझे यह जानना ज़रूरी था कि चिचेस्टर नाव पर है या नहीं। मैं खुद उस पर सवार होऊं या नहीं, यह तय नहीं कर पा रहा था, लेकिन अंत में मैंने ऐसा करने का फैसला किया। चिचेस्टर को यह पता नहीं चलेगा कि मैंने उसे मुइज़ेनबर्ग के विला में देखा था। वह निस्संदेह मेरे लिए और जाल बिछाएगा, लेकिन मुझे पहले से ही आगाह कर दिया गया था। और वही वह आदमी था जिसकी मुझे तलाश थी, वह आदमी जो रहस्यमय "कर्नल" की ओर से हीरों की खोज कर रहा था।

अफसोस, मेरी सारी योजना धरी रह गई! जैसे ही मैं बंदरगाह पर पहुँचा, किल्मोर्डन कैसल जहाज समुद्र की ओर रवाना हो चुका था। और मुझे यह जानने का कोई ज़रिया नहीं था कि चिचेस्टर भी उसी जहाज पर सवार होकर गया था या नहीं!

अध्याय XX

मैं गाड़ी चलाकर होटल पहुंचा। लाउंज में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिसे मैं जानता था। मैं दौड़कर ऊपर गया और सुज़ैन के दरवाजे पर दस्तक दी। उसकी आवाज़ ने मुझे अंदर आने का इशारा किया। जब उसने देखा कि मैं कौन हूँ, तो वह सचमुच मेरे गले लग गई।

“प्यारी ऐनी, तुम कहाँ थीं? मैं तुम्हारे बारे में बहुत चिंतित थी। तुम क्या कर रही थीं?”

मैंने जवाब दिया, "साहसिक कारनामों में व्यस्त हूं। 'द पेरिल्स ऑफ पामेला' के तीसरे एपिसोड में।"

मैंने उसे पूरी कहानी सुनाई। मेरे खत्म करते ही उसने एक गहरी आह भरी।
“ये सब बातें हमेशा तुम्हारे साथ ही क्यों होती हैं?” उसने दुखी स्वर में पूछा। “कोई मुझे चुप क्यों नहीं करा देता और मेरे हाथ-पैर क्यों नहीं बांध देता?”
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "अगर वे ऐसा करते तो तुम्हें अच्छा नहीं लगता। सच कहूँ तो, मुझे अब रोमांच में उतना मज़ा नहीं आता जितना पहले आता था। इस तरह की थोड़ी-सी चीज़ें भी बहुत मायने रखती हैं।"
सुज़ैन को यकीन नहीं हुआ। एक-दो घंटे तक मुंह बंद करके बांधे रखने से उसका विचार तुरंत बदल जाता। सुज़ैन को रोमांच पसंद है, लेकिन उसे असहज होना बिल्कुल पसंद नहीं।
“और अब हम सब क्या कर रहे हैं?” उसने पूछा।
मैंने सोच-समझकर कहा, "मुझे ठीक से नहीं पता। आप अभी भी रोडेशिया जाते हैं, ज़ाहिर है, पैगेट पर नज़र रखने के लिए।"
"और आप?"
यही मेरी दुविधा थी। क्या चिचेस्टर किल्मोर्डन जहाज पर सवार हो गया था या नहीं? क्या उसका इरादा डरबन जाने की अपनी मूल योजना को पूरा करने का था? उसके मुइज़ेनबर्ग से निकलने का समय दोनों सवालों का सकारात्मक जवाब देता प्रतीत होता था। ऐसे में, मैं ट्रेन से डरबन जा सकता था। मुझे लगता था कि मैं नाव से पहले वहाँ पहुँच जाऊँगा। दूसरी ओर, अगर मेरे भागने की खबर चिचेस्टर को तार से मिल जाती, और साथ ही यह जानकारी भी कि मैं केप टाउन से डरबन के लिए निकल गया हूँ, तो उसके लिए पोर्ट एलिजाबेथ या ईस्ट लंदन में नाव से उतरकर मुझे पूरी तरह से चकमा देना सबसे आसान होता।
यह काफी पेचीदा समस्या थी।
मैंने कहा, "हम डरबन जाने वाली ट्रेनों के बारे में पता कर लेंगे।"
“और सुबह की चाय के लिए अभी देर नहीं हुई है,” सुज़ैन ने कहा। “हम इसे लाउंज में लेंगे।”
मुझे दफ्तर में बताया गया कि डरबन जाने वाली ट्रेन उस शाम 8.15 बजे रवाना होगी। फिलहाल मैंने फैसला टाल दिया और सुज़ैन के साथ थोड़ी देर से "ग्यारह बजे की चाय" पीने चला गया।
"क्या आपको लगता है कि आप किसी भी दूसरे वेश में चिचेस्टर को फिर से पहचान

पाएंगे?" सुज़ैन ने पूछा।
मैंने खेदपूर्वक अपना सिर हिलाया।
"मैंने उन्हें एयर होस्टेस के रूप में बिल्कुल नहीं पहचाना था, और अगर आपने चित्र न बनाया होता तो मैं उन्हें कभी नहीं पहचान पाती।"
"मुझे पूरा यकीन है कि वह एक पेशेवर अभिनेता है," सुज़ैन ने सोच-समझकर कहा। "उसका मेकअप कमाल का है। अगर वह किसी मजदूर या किसी और रूप में नाव से उतरे, तो आप उसे पहचान ही नहीं पाएंगे।"
मैंने कहा, "तुम बहुत उत्साहवर्धक हो।"
उसी क्षण, कर्नल रेस खिड़की से अंदर आए और हमारे साथ शामिल हो गए।
“सर यूस्टेस क्या कर रहे हैं?” सुज़ैन ने पूछा। “मैंने उन्हें आज कहीं नहीं देखा।”
कर्नल के चेहरे पर एक अजीब सा भाव आ गया।
"उसे खुद भी कुछ छोटी-मोटी समस्याओं को सुलझाना है, जिसकी वजह से वह व्यस्त है।"
हमें इसके बारे में बताएं।
मुझे स्कूल के बाहर चुगली नहीं करनी चाहिए।
"हमें कुछ बताओ—भले ही इसके लिए तुम्हें हमारे विशेष लाभ के लिए इसे गढ़ना पड़े।"
"अच्छा, हमारे साथ यात्रा करने वाले उस प्रसिद्ध 'भूरे रंग के सूट वाले आदमी' के बारे में आप क्या कहेंगे?"
"क्या?"
मुझे लगा जैसे मेरे चेहरे का रंग उड़ गया और फिर वापस लौट आया। सौभाग्य से कर्नल रेस मेरी तरफ नहीं देख रहे थे।
“मुझे लगता है यह सच है। हर बंदरगाह उस पर नज़र रख रहा था और उसने पेडलर को बहला-फुसलाकर उसे अपना सचिव बना लिया!”
“क्या मिस्टर पैगेट नहीं?”
"ओह, पैगेट नहीं—दूसरा आदमी। वह खुद को रेबर्न कहता था।"
“क्या उन्होंने उसे गिरफ्तार कर लिया?” सुज़ैन ने पूछा। मेज के नीचे उसने मेरा हाथ तसल्ली भरे अंदाज़ में दबाया। मैं बेसब्री से जवाब का इंतज़ार कर रही थी।
"ऐसा लगता है जैसे वह हवा में गायब हो गया हो।"

"सर यूस्टेस को यह कैसा लगा?"
वह इसे भाग्य द्वारा दिया गया व्यक्तिगत अपमान मानता है।
दिन में बाद में सर यूस्टेस के इस मामले पर विचार जानने का अवसर मिला। दोपहर की ताज़गी भरी नींद से हमें एक सेवक ने जगाया, जिसके हाथ में एक पत्र था। उसमें बड़े ही भावपूर्ण शब्दों में उनके बैठक कक्ष में चाय पर आमंत्रित किया गया था। वह बेचारा सचमुच दयनीय हालत में था। उसने अपनी सारी परेशानियाँ हमें बताईं, और सुज़ैन की सहानुभूति भरी बातों से उसे हिम्मत मिली। (वह इस तरह की बातें बहुत अच्छे से करती है।)
“पहले तो एक बिल्कुल अजनबी औरत ने मेरे घर में अपनी हत्या करवाने की गुस्ताखी की—मुझे लगता है कि उसने जानबूझकर मुझे परेशान करने के लिए ऐसा किया। मेरा घर ही क्यों? पूरे ब्रिटेन में इतने सारे घरों में से मिल हाउस को ही क्यों चुना? मैंने उस औरत का ऐसा क्या बिगाड़ा था कि उसे वहीं अपनी हत्या करवानी पड़ी?”
सुज़ैन ने एक बार फिर सहानुभूति जताते हुए आवाज़ निकाली और सर यूस्टेस ने और भी अधिक दुखी स्वर में बोलना शुरू किया।
और अगर इतना ही काफी नहीं है, तो जिसने उसका खून किया है, उसमें इतनी बेशर्मी है, हद से ज़्यादा बेशर्मी, कि वो मेरे साथ मेरा सेक्रेटरी बनकर रहने लगा है। मेरा सेक्रेटरी, अगर आप चाहें तो! मैं सेक्रेटरियों से तंग आ चुका हूँ, मुझे अब और सेक्रेटरी नहीं चाहिए। या तो वो छुपे हुए कातिल होते हैं या फिर शराबी और झगड़ालू। क्या आपने पैगेट की काली आँख देखी है? ज़रूर देखी होगी। मैं ऐसे सेक्रेटरी के साथ कैसे रह सकता हूँ? और उसका चेहरा भी इतना पीला है—बिल्कुल ऐसा रंग जो काली आँख के साथ अच्छा नहीं लगता। मैंने सेक्रेटरियों से नाता तोड़ लिया है—जब तक कि मुझे कोई लड़की न मिल जाए। एक प्यारी सी लड़की, जिसकी आँखें नम हों, जो मेरा हाथ थामे जब मैं गुस्से में हूँ। आपका क्या ख्याल है, मिस ऐनी? क्या आप ये काम करेंगी?
मैंने हंसते हुए पूछा, "मुझे कितनी बार तुम्हारा हाथ पकड़ना पड़ेगा?"
“पूरे दिन,” सर यूस्टेस ने शिष्टतापूर्वक उत्तर दिया।
मैंने उसे याद दिलाया, "इस रफ्तार से तो मैं ज्यादा टाइपिंग नहीं कर पाऊंगा।"
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह सारा काम पैगेट का ही आइडिया है। वह मुझसे इतना काम करवाता है कि मैं मर ही जाता हूँ। मैं उसे केप टाउन में पीछे छोड़कर जाने

के लिए उत्सुक हूँ।”
“क्या वह यहीं रुक रहा है?”
“हाँ, रेबर्न की जासूसी करने में उसे खूब मज़ा आएगा। पैगेट को इस तरह की चीज़ें बेहद पसंद हैं। उसे साज़िशें बहुत पसंद हैं। लेकिन मैं अपने प्रस्ताव को लेकर गंभीर हूँ। क्या आप आएँगे? श्रीमती ब्लेयर एक कुशल संरक्षक हैं, और आप बीच-बीच में कुछ समय के लिए छुट्टी लेकर छानबीन कर सकते हैं।”
“बहुत-बहुत धन्यवाद, सर यूस्टेस,” मैंने सावधानी से कहा, “लेकिन मुझे लगता है कि मैं आज रात डरबन के लिए रवाना हो रहा हूँ।”
“अब जिद्दी मत बनो। याद रखो, रोडेशिया में बहुत सारे शेर हैं। तुम्हें शेर पसंद आएंगे। सभी लड़कियों को शेर पसंद होते हैं।”
मैंने हंसते हुए पूछा, "क्या वे कम ऊंचाई वाली छलांगों का अभ्यास करेंगे?" उन्होंने जवाब दिया, "नहीं, बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन मुझे डरबन जाना होगा।"
सर यूस्टेस ने मेरी तरफ देखा, गहरी सांस ली, फिर बगल वाले कमरे का दरवाजा खोला और पैगेट को बुलाया।
"अगर आपने अपनी दोपहर की नींद पूरी कर ली है, मेरे प्रिय मित्र, तो शायद आप कुछ पैसे कमाने के लिए थोड़ा काम कर सकते हैं।"
गाय पैगेट दरवाजे पर प्रकट हुए। उन्होंने हम दोनों को प्रणाम किया, मुझे देखकर थोड़ा चौंक गए, और उदास स्वर में उत्तर दिया:
"सर यूस्टेस, मैं आज दोपहर से ही वह ज्ञापन टाइप कर रहा हूँ।"
“अच्छा, तो अब टाइप करना बंद करो। ट्रेड कमिश्नर के कार्यालय, या कृषि बोर्ड, या खान चैंबर, या इनमें से किसी एक जगह जाओ और उनसे कहो कि मुझे रोडेशिया ले जाने के लिए कोई औरत मुहैया करा दें। उसकी आँखें नम होनी चाहिए और उसे मेरा हाथ पकड़ने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।”
"जी हां, सर यूस्टेस। मैं एक कुशल शॉर्टहैंड टाइपिस्ट की व्यवस्था करूंगा।"
सचिव के जाने के बाद सर यूस्टेस ने कहा, “पैगेट बड़ा बदमाश है। मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वह जानबूझकर मुझे परेशान करने के लिए किसी बदसूरत औरत को चुन लेगा। उसके पैर भी ज़रूर सुंदर होंगे—मैं यह बताना भूल गया था।”
मैंने उत्साह से सुज़ैन का हाथ पकड़ा और लगभग उसे घसीटते हुए उसके कमरे में ले गई।

“अब, सुज़ैन,” मैंने कहा, “हमें योजना बनानी होगी—और जल्दी बनानी होगी। पैगेट यहीं रुक रहा है—क्या तुमने सुना?”
“हाँ। मुझे लगता है कि इसका मतलब यह है कि मुझे रोडेशिया जाने की अनुमति नहीं मिलेगी— जो कि बहुत निराशाजनक है, क्योंकि मैं रोडेशिया जाना चाहता हूँ। कितना कष्टदायक है।”
“हिम्मत रखो,” मैंने कहा। “तुम ठीक जा रही हो। मुझे नहीं लगता कि आखिरी क्षण में पीछे हटना बेहद संदिग्ध लगेगा। और वैसे भी, सर यूस्टेस अचानक पैगेट को बुला सकते हैं, और तब तुम्हारे लिए उनके साथ यात्रा करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।”
"यह बिल्कुल भी सम्मानजनक नहीं होगा," सुज़ैन ने गालों पर डिंपलें डालते हुए कहा। "मुझे उसके लिए जानलेवा जुनून का बहाना बनाना पड़ेगा।"
दूसरी ओर, अगर आप उसके आगमन के समय वहाँ होते, तो सब कुछ बिल्कुल सरल और स्वाभाविक होता। इसके अलावा, मुझे नहीं लगता कि हमें बाकी दोनों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए।
"ओह, ऐनी, तुम कर्नल रेस या सर यूस्टेस पर शक तो नहीं कर सकती?"
मैंने गंभीर स्वर में कहा, "मुझे हर किसी पर शक है, और सुज़ैन, अगर तुमने कोई जासूसी कहानियां पढ़ी हैं, तो तुम्हें पता होगा कि अक्सर सबसे अप्रत्याशित व्यक्ति ही खलनायक होता है। कई अपराधी सर यूस्टेस जैसे हंसमुख मोटे आदमी रहे हैं।"
"कर्नल रेस न तो बहुत मोटे हैं और न ही बहुत हंसमुख।"
“कभी-कभी वे दुबले-पतले और उदास दिखते हैं,” मैंने पलटकर जवाब दिया। “मैं यह नहीं कह रहा कि मुझे उनमें से किसी पर गंभीर संदेह है, लेकिन आखिरकार, उस महिला की हत्या सर यूस्टेस के घर में हुई थी।”
“जी हां, हमें उस सब पर दोबारा चर्चा करने की ज़रूरत नहीं है। मैं तुम्हारे लिए उस पर नज़र रखूंगा, ऐनी, और अगर वह और मोटा और खुशमिजाज हो गया, तो मैं तुम्हें तुरंत एक टेलीग्राम भेजूंगा। ‘सर ई. फूल रहे हैं। बहुत संदेह है। तुरंत आओ।’”
“सच में, सुज़ैन,” मैं चिल्लाई, “तुम्हें लगता है कि यह सब एक खेल है!”
“हाँ, मुझे पता है,” सुज़ैन ने बेझिझक कहा। “ऐसा ही लगता है। ये सब तुम्हारी गलती है, ऐनी। मुझमें भी तुम्हारा ‘चलो एक रोमांचक सफर पर चलते हैं’ वाला जज़्बा आ गया है। ये बिल्कुल भी सच नहीं लगता। हे भगवान, अगर क्लेरेंस को पता चल जाए कि मैं अफ्रीका में खतरनाक अपराधियों का पीछा कर रही हूँ, तो उसे बहुत

गुस्सा आएगा।”
मैंने व्यंग्यपूर्वक पूछा, "आप उसे इस बारे में तार क्यों नहीं भेज देते?"
केबल भेजने की बात आती है तो सुज़ैन का हास्यबोध हमेशा विफल हो जाता है।
उसने मेरे सुझाव पर पूरी ईमानदारी से विचार किया।
“शायद। लेकिन वो काफी लंबा होना चाहिए।” ये सोचकर उसकी आँखें चमक उठीं।
“पर मुझे लगता है कि ऐसा न करना ही बेहतर है। पति हमेशा बेगुनाह मनोरंजन में दखल देना चाहते हैं।”
“ठीक है,” मैंने स्थिति का सारांश बताते हुए कहा, “आप सर यूस्टेस और कर्नल रेस पर नज़र रखेंगे——”
“मुझे पता है कि मुझे सर यूस्टेस पर नज़र क्यों रखनी है,” सुज़ैन ने बीच में टोकते हुए कहा, “उनकी कद-काठी और उनकी हास्यपूर्ण बातचीत की वजह से। लेकिन मुझे लगता है कि कर्नल रेस पर शक करना कुछ ज़्यादा ही है। दरअसल, उनका गुप्त सेवा से कुछ संबंध है। ऐनी, तुम्हें पता है, मुझे लगता है कि सबसे अच्छा यही होगा कि हम उनसे खुलकर बात करें और उन्हें पूरी कहानी बता दें।”
मैंने इस अनुचित प्रस्ताव का पुरजोर विरोध किया। मैंने इसमें वैवाहिक जीवन के विनाशकारी परिणामों को पहचान लिया था। कितनी बार मैंने किसी समझदार महिला को किसी तर्क को अंतिम रूप देते हुए यह कहते सुना है, “एडगर कहता है—” और आप जानते हैं कि एडगर एक सरासर मूर्ख है। विवाहित होने के कारण सुज़ैन किसी न किसी पुरुष का सहारा लेने के लिए तरस रही थी।
हालांकि, उसने निष्ठापूर्वक वादा किया कि वह कर्नल रेस को इस बारे में एक शब्द भी नहीं बताएगी, और हम अपनी योजना बनाने में जुट गए।
“यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मुझे यहीं रुककर पैगेट पर नज़र रखनी होगी, और यही सबसे अच्छा तरीका है। मुझे आज शाम डरबन जाने का बहाना करना होगा, अपना सामान नीचे उतारना होगा, लेकिन असल में मैं शहर के किसी छोटे से होटल में जाऊंगी। मैं अपना हुलिया थोड़ा बदल सकती हूँ—एक सुंदर विग और एक मोटा सफेद लेस वाला नकाब पहन सकती हूँ, और अगर उसे लगेगा कि मैं सुरक्षित रूप से रास्ते से हट गई हूँ, तो मुझे उसके असली इरादों को देखने का बेहतर मौका मिलेगा।”
सुज़ैन ने इस योजना को दिल से मंज़ूरी दी। हमने उचित और भव्य तैयारियाँ कीं, कार्यालय में ट्रेन के प्रस्थान समय के बारे में एक बार फिर पूछताछ की और अपना

सामान पैक किया।
हमने रेस्तरां में साथ में भोजन किया। कर्नल रेस तो नहीं आए, लेकिन सर यूस्टेस और पैगेट खिड़की के पास अपनी मेज पर बैठे थे। पैगेट भोजन के बीच में ही मेज छोड़कर चले गए, जिससे मुझे थोड़ी निराशा हुई, क्योंकि मैंने उनसे विदा लेने की योजना बनाई थी। हालांकि, सर यूस्टेस भी ऐसा ही करना चाहेंगे। भोजन समाप्त होने के बाद मैं उनके पास गया।
“अलविदा, सर यूस्टेस,” मैंने कहा। “मैं आज रात डरबन के लिए रवाना हो रहा हूँ।”
सर यूस्टेस ने गहरी आह भरी।
मैंने भी यही सुना है। आप नहीं चाहेंगे कि मैं आपके साथ आऊं, है ना?
मुझे इसे पसंद करना चाहिए।
“अच्छी लड़की। क्या तुम अपना इरादा नहीं बदलोगी और रोडेशिया में शेर ढूंढने नहीं आओगी?”
"यकीन के साथ।"
“वह ज़रूर बहुत आकर्षक लड़का होगा,” सर यूस्टेस ने उदास स्वर में कहा। “शायद डरबन का कोई नौजवान होगा, जो मेरी परिपक्व सुंदरता को भी फीका कर देगा। वैसे, पैगेट एक-दो मिनट में कार से आ रहा है। वह आपको थाने तक छोड़ सकता है।”
“ओह, नहीं, धन्यवाद,” मैंने जल्दी से कहा। “श्रीमती ब्लेयर और मैंने अपनी टैक्सी बुक कर ली है।”
गाइ पैगेट के साथ मरना मेरी आखिरी इच्छा थी! सर यूस्टेस ने मुझे ध्यान से देखा।
“मुझे नहीं लगता कि आपको पैगेट पसंद है। मैं आपको दोष नहीं देता। आखिर वो तो सारे दखलंदाजी करने वाले, चिढ़ाने वाले गधों में से एक है—शहीद की तरह व्यवहार करता है और मुझे परेशान करने और तंग करने के लिए हर संभव कोशिश करता है!”
“अब उसने क्या किया है?” मैंने कुछ जिज्ञासा से पूछा।
“उन्होंने मेरे लिए एक सेक्रेटरी का इंतजाम कर दिया है। ऐसी औरत आपने कभी नहीं देखी होगी! चालीस साल की होगी, चश्मा और आरामदायक बूट पहनती है और उसकी फुर्तीली कार्यकुशलता मुझे बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करेगी। एकदम सपाट चेहरे वाली औरत।”
"क्या वह तुम्हारा हाथ नहीं पकड़ेगी?"
“मैं दिल से उम्मीद करता हूँ कि ऐसा न हो!” सर यूस्टेस ने कहा। “यह आखिरी हद

होगी। चलो, अलविदा, प्यारी आँखों। अगर मैं शेर को मार भी दूँ तो मैं तुम्हें उसकी खाल नहीं दूँगा—जिस नीच तरीके से तुमने मुझे छोड़ा है उसके बाद तो बिल्कुल नहीं।"

उन्होंने मेरा हाथ प्यार से दबाया और हम अलग हो गए। सुज़ैन हॉल में मेरा इंतज़ार कर रही थी। उसे मुझे छोड़ने के लिए नीचे आना था।

मैंने जल्दी से कहा, "चलिए तुरंत शुरू करते हैं," और उस आदमी को टैक्सी बुलाने का इशारा किया।

तभी मेरे पीछे से एक आवाज आई जिसने मुझे चौंका दिया:

"माफ़ कीजिए, मिस बेडिंगफेल्ड, लेकिन मैं कार से जा रहा हूँ। मैं आपको और श्रीमती ब्लेयर को स्टेशन पर छोड़ सकता हूँ।"

“ओह, धन्यवाद,” मैंने जल्दी से कहा। “लेकिन आपको परेशान करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं ——”

“कोई परेशानी नहीं होगी, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ। सामान अंदर रख दो, कुली।”

मैं बेबस था। मैं शायद और विरोध करता, लेकिन सुज़ैन के हल्के से इशारे ने मुझे सतर्क रहने के लिए मजबूर कर दिया।

मैंने ठंडे स्वर में कहा, "धन्यवाद, श्रीमान पैगेट।"

हम सब कार में बैठ गए। जैसे ही हम तेज़ी से शहर की ओर सड़क पर आगे बढ़े, मैं यह सोचने लगा कि क्या कहूँ। अंत में पैगेट ने खुद चुप्पी तोड़ी।

उन्होंने कहा, "मैंने सर यूस्टेस के लिए एक बहुत ही सक्षम सचिव नियुक्त की हैं। मिस पेटिग्रेव।"

मैंने कहा, "अभी-अभी तो वह उसकी इतनी तारीफ नहीं कर रहा था।"

पैगेट ने मुझे ठंडी निगाहों से देखा।

“वह एक कुशल शॉर्टहैंड टाइपिस्ट है,” उसने दमनकारी स्वर में कहा।

हम स्टेशन के सामने रुके। मुझे लगा कि वह यहीं हमें छोड़ देगा। मैंने हाथ बढ़ाकर उसकी ओर देखा—लेकिन नहीं।

मैं आपको छोड़ने आऊंगा। अभी आठ बजे हैं, आपकी ट्रेन पंद्रह मिनट में है।

उसने कुलियों को सटीक निर्देश दिए। मैं असहाय खड़ी थी, सुज़ैन की ओर देखने की हिम्मत भी नहीं कर पा रही थी। वह आदमी शक कर रहा था। वह यह सुनिश्चित करने

पर तुला हुआ था कि मैं ट्रेन से ही जाऊं। और मैं क्या कर सकती थी? कुछ नहीं। मैंने खुद को पंद्रह मिनट बाद स्टेशन से निकलते हुए देखा, पैगेट प्लेटफार्म पर खड़ा मुझे अलविदा कह रहा था। उसने बड़ी चतुराई से पासा पलट दिया था। उसका मेरे प्रति व्यवहार भी बदल गया था। उसमें एक अजीब सी सौम्यता थी जो उसे शोभा नहीं दे रही थी और जिससे मुझे घिन आ रही थी। वह आदमी एक धूर्त पाखंडी था। पहले उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की, और अब मेरी तारीफ कर रहा था! क्या उसने एक पल के लिए भी सोचा था कि मैंने उसे उस रात नाव पर नहीं पहचाना था? नहीं, यह एक दिखावा था, एक ऐसा दिखावा जिसमें उसने मुझे मजबूर किया, और हर समय वह व्यंग्य कर रहा था।

एक भेड़ की तरह असहाय होकर, मैं उसके कुशल निर्देशों का पालन करते हुए आगे बढ़ता रहा। मेरा सामान मेरे स्लीपिंग कंपार्टमेंट में ढेर लगा हुआ था—मुझे अकेले ही दो बर्थ वाला एक कमरा मिला था। आठ बजकर बारह मिनट हो रहे थे। तीन मिनट में ट्रेन चलने वाली थी।

लेकिन पैगेट ने सुज़ैन को नज़रअंदाज़ कर दिया था।

“यह बहुत ही गर्म सफर होगा, ऐनी,” उसने अचानक कहा। “खासकर कल कारू से होकर जाना। तुम्हारे पास इत्र या लैवेंडर का पानी तो होगा ना?”

मेरा संकेत बिल्कुल स्पष्ट था।

“ओह, हे भगवान!” मैं रो पड़ी। “मैं अपना इत्र होटल के ड्रेसिंग टेबल पर ही भूल गई।”

सुज़ैन की हुकुम चलाने की आदत उसके लिए कारगर साबित हुई। उसने बड़े ही दबंग अंदाज़ में पैगेट की ओर रुख किया।

“श्रीमान पैगेट। जल्दी कीजिए। आपके पास बस कुछ ही समय है। स्टेशन के ठीक सामने एक दवा की दुकान है। ऐनी को इत्र की ज़रूरत होगी।”

वह हिचकिचाया, लेकिन सुज़ैन का दबंग अंदाज़ उसके लिए असहनीय था। वह जन्मजात तानाशाह थी। वह चला गया। सुज़ैन उसकी आँखों से तब तक उसका पीछा करती रही जब तक वह ओझल नहीं हो गया।

“जल्दी करो, ऐनी, दूसरी तरफ निकल जाओ—कहीं ऐसा न हो कि वो गया ही न हो, बल्कि प्लेटफार्म के दूसरे छोर से हमें देख रहा हो। अपने सामान की चिंता मत करो। उसके बारे में कल टेलीग्राम कर देना। काश, ट्रेन समय पर चल पड़े!”

मैंने प्लेटफार्म के दूसरी तरफ का गेट खोला और नीचे उतर गई। मुझे कोई नहीं देख रहा था। मैंने देखा कि सुज़ैन वहीं खड़ी थी जहाँ मैंने उसे छोड़ा था, ट्रेन को देख रही थी और खिड़की से मुझसे बातें कर रही थी। एक सीटी बजी, ट्रेन चलने लगी। तभी मुझे प्लेटफार्म पर तेज़ी से भागते कदमों की आवाज़ सुनाई दी। मैं एक दोस्ताना किताबों की दुकान की छाया में छिप गई और देखने लगी।

सुज़ैन ने पीछे हटती हुई ट्रेन की ओर अपना रूमाल लहराना बंद कर दिया।

“बहुत देर हो गई, मिस्टर पैगेट,” उसने खुशी से कहा। “वह चली गई। क्या यह इत्र की खुशबू है? कितना अफसोस है कि हमने इसके बारे में पहले नहीं सोचा!”

स्टेशन से निकलते समय वे मेरे पास से ही गुज़रे। गाय पैगेट बेहद गर्मी से परेशान था। ज़ाहिर है, वह दवा की दुकान तक दौड़कर गया था और वापस आया था।

"क्या मैं आपके लिए टैक्सी बुला दूं, श्रीमती ब्लेयर?"

सुज़ैन अपनी भूमिका निभाने में असफल नहीं रहीं।

जी हाँ, कृपया। क्या मैं आपको वापस छोड़ दूँ? क्या आपको सर यूस्टेस के लिए बहुत काम है? काश, ऐनी बेडिंगफेल्ड कल हमारे साथ होती। मुझे यह अच्छा नहीं लग रहा कि इतनी कम उम्र की लड़की अकेले डरबन जा रही है। लेकिन वह जाने को तैयार है। मुझे लगता है उसमें कुछ तो आकर्षण है——”

वे इतनी दूर चले गए कि मुझे सुनाई नहीं दे रहा था। वाह, सुज़ैन! उसने मेरी जान बचा ली।

मैंने एक-दो मिनट बीतने दिए और फिर मैं भी स्टेशन से बाहर निकल गया, और ऐसा करते समय मैं लगभग एक आदमी से टकरा गया - एक अप्रिय दिखने वाला आदमी जिसकी नाक उसके चेहरे के अनुपात में बहुत बड़ी थी।

अध्याय XXI

मुझे अपनी योजनाओं को पूरा करने में कोई और कठिनाई नहीं हुई। मैंने एक सुनसान गली में एक छोटा सा होटल ढूंढा, वहाँ एक कमरा लिया, सामान न होने के कारण अग्रिम भुगतान किया और निश्चिंत होकर सो गया।

अगली सुबह मैं जल्दी उठ गया और कुछ कपड़े खरीदने के लिए शहर चला गया। मेरा इरादा था कि जब तक ग्यारह बजे रोडेशिया जाने वाली ट्रेन, जिसमें ज़्यादातर लोग सवार थे, रवाना नहीं हो जाती, तब तक मैं कुछ नहीं करूँगा। पैगेट के लिए अपने सारे सामान से छुटकारा पाने से पहले किसी भी तरह की नापाक हरकत में शामिल होना

मुमकिन नहीं था। इसलिए मैंने शहर से बाहर जाने के लिए एक ट्राम ली और ग्रामीण इलाकों में घूमने निकल गया। मौसम अपेक्षाकृत ठंडा था, और लंबी यात्रा और मुइज़ेनबर्ग में लंबे समय तक बंद रहने के बाद अपने पैरों को फैलाकर मुझे बहुत अच्छा लगा।

छोटी-छोटी बातों पर बहुत कुछ निर्भर करता है। मेरे जूते का फीता खुल गया और मैं उसे बांधने के लिए रुक गया। सड़क अभी-अभी एक मोड़ पर मुड़ी ही थी कि जब मैं अपने खुले हुए जूते को ठीक करने के लिए झुका, तभी एक आदमी अचानक मेरे पास आया और लगभग मुझसे टकरा ही गया। उसने अपनी टोपी उठाई, माफी मांगते हुए कुछ बुदबुदाया और आगे बढ़ गया। उस समय मुझे लगा कि उसका चेहरा कुछ जाना-पहचाना सा है, लेकिन उस पल मैंने इस बारे में और नहीं सोचा। मैंने अपनी घड़ी देखी। समय बीत रहा था। मैंने केप टाउन की ओर चलना शुरू कर दिया।

एक ट्राम चलने ही वाली थी और मुझे उसके लिए दौड़ना पड़ा। मैंने अपने पीछे दौड़ते हुए दूसरे कदमों की आहट सुनी। मैं भी ट्राम में चढ़ गया और दूसरा धावक भी। मैंने उसे तुरंत पहचान लिया। यह वही आदमी था जो सड़क पर मेरे जूते का फीता खुल जाने पर मुझसे मिला था, और एक पल में मुझे समझ आ गया कि उसका चेहरा जाना-पहचाना क्यों लग रहा था। यह वही छोटा कद का आदमी था जिसकी नाक बड़ी थी, जिससे मैं पिछली रात स्टेशन से निकलते समय टकरा गया था।

यह संयोग काफी चौंकाने वाला था। क्या यह संभव था कि वह आदमी जानबूझकर मेरा पीछा कर रहा था? मैंने जल्द से जल्द इसकी जाँच करने का निश्चय किया। मैंने घंटी बजाई और अगले स्टॉप पर उतर गया। वह आदमी नहीं उतरा। मैं एक दुकान के दरवाजे की आड़ में छिप गया और उसे देखता रहा। वह अगले स्टॉप पर उतरा और मेरी ओर वापस चलने लगा।

मामला बिल्कुल स्पष्ट था। मेरा पीछा किया जा रहा था। मैंने जल्दबाजी में ही अपनी जीत का दावा कर दिया था। गाइ पैगेट पर मेरी जीत का एक नया ही रूप सामने आया। मैंने अगली ट्राम पकड़ी और जैसा कि मुझे उम्मीद थी, मेरा पीछा करने वाला भी उसमें चढ़ गया। मैंने खुद को कुछ गंभीर चिंतन में लगा दिया।

यह बिल्कुल स्पष्ट था कि मैं एक ऐसी चीज़ के बारे में जान गया था जो मेरी जानकारी से कहीं ज़्यादा बड़ी थी। मार्लो स्थित घर में हुई हत्या किसी अकेले व्यक्ति द्वारा की गई एकांत घटना नहीं थी। मैं एक गिरोह के खिलाफ था, और कर्नल रेस द्वारा सुज़ैन

को बताई गई बातों और मुइज़ेनबर्ग स्थित घर में सुनी गई बातों के कारण, मैं उनकी अनेक गतिविधियों को समझने लगा था। सुनियोजित अपराध, जिसे उसके अनुयायी "कर्नल" के नाम से जानते थे! मुझे जहाज पर सुनी कुछ बातें याद आईं, रैंड में हुई हड़ताल और उसके पीछे के कारणों के बारे में—और इस विश्वास के बारे में कि कोई गुप्त संगठन इस आंदोलन को भड़का रहा था। यह "कर्नल" का काम था, उसके दूत योजना के अनुसार काम कर रहे थे। मैंने हमेशा सुना था कि वह इन सब में खुद कोई भूमिका नहीं निभाता था, क्योंकि वह केवल निर्देशन और संगठन तक ही सीमित था। दिमागी काम—खतरनाक श्रम नहीं—उसके लिए था। लेकिन फिर भी यह संभव था कि वह खुद मौके पर मौजूद हो, और एक स्पष्ट रूप से निर्दोष स्थिति से मामलों का निर्देशन कर रहा हो।

तो, कर्नल रेस की किल्मोर्डन किले में मौजूदगी का यही मतलब था। वह कुख्यात अपराधी की तलाश में निकले थे। सब कुछ इसी अनुमान से मेल खाता था। वह गुप्त सेवा में कोई उच्च पदस्थ अधिकारी थे, जिनका काम "कर्नल" को पकड़ना था।

मैंने मन ही मन सिर हिलाया—मुझे सब कुछ साफ़ समझ आने लगा था। इस मामले में मेरी क्या भूमिका थी? मैं कहाँ फँस गया था? क्या वे सिर्फ़ हीरों के पीछे पड़े थे? मैंने अपना सिर हिलाया। हीरों की कीमत चाहे कितनी भी ज़्यादा क्यों न हो, मुझे रास्ते से हटाने के लिए किए गए बेताब प्रयासों का उससे कोई लेना-देना नहीं था। नहीं, मैं उससे कहीं ज़्यादा मायने रखता था। किसी न किसी तरह, अनजाने में, मैं एक खतरा था, एक जोखिम था! मुझे जो जानकारी थी, या उन्हें लगता था कि मुझे है, उसी जानकारी की वजह से वे मुझे हर कीमत पर रास्ते से हटाना चाहते थे—और वह जानकारी किसी न किसी तरह हीरों से जुड़ी हुई थी। मुझे पूरा यकीन था कि एक व्यक्ति था जो मुझे सच बता सकता था—अगर वह चाहे तो! भूरे सूट वाला आदमी—हैरी रेबर्न। वह कहानी का दूसरा हिस्सा जानता था। लेकिन वह अंधेरे में गायब हो गया था, वह एक भगोड़ा था जो पीछा करने वालों से भाग रहा था। पूरी संभावना थी कि हम दोनों फिर कभी नहीं मिलेंगे।

मैंने झटके से खुद को वर्तमान वास्तविकता में वापस लाया। हैरी रेबर्न के बारे में भावुक होकर सोचना बेकार था। उसने शुरू से ही मेरे प्रति घोर घृणा दिखाई थी। या कम से कम—मैं फिर से सपने में खो गया था! असली समस्या यह थी कि अब क्या किया जाए!

मैं, जो खुद को एक प्रहरी मानता था, अब स्वयं प्रहरी बन गया था। और मैं डर गया था! पहली बार मेरा हौसला टूटने लगा था। मैं उस विशाल मशीन के सुचारू संचालन में बाधा डालने वाला एक छोटा सा कण था—और मुझे लगा कि मशीन ऐसे छोटे कणों को जल्दी ही नष्ट कर देगी। एक बार हैरी रेबर्न ने मुझे बचाया था, एक बार मैंने खुद को बचाया था—लेकिन अचानक मुझे लगा कि परिस्थितियाँ मेरे विरुद्ध हैं। मेरे शत्रु चारों ओर से मुझे घेरे हुए थे, और वे मेरे करीब आ रहे थे। अगर मैं अकेले ही लड़ता रहा तो मेरा पतन निश्चित था।

मैंने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला। आखिर वे क्या कर सकते थे? मैं एक सभ्य शहर में था—हर कुछ कदम पर पुलिसवाले थे। अब मैं आगे से सावधान रहूंगा। उन्हें मुझे दोबारा वैसे नहीं फंसाना चाहिए जैसे उन्होंने मुइज़ेनबर्ग में फंसाया था।

जब मैं अपने ध्यान के इस बिंदु पर पहुँची, तभी ट्रेन एडरली स्ट्रीट पर आ पहुँची। मैं उतर गई। समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूँ, इसलिए मैं धीरे-धीरे सड़क के बाईं ओर चलने लगी। मैंने यह देखने की ज़हमत नहीं उठाई कि कोई मुझे देख रहा है या नहीं। मुझे पता था कि वह देख रहा है। मैं कार्टराइट्स में गई और अपने मन को शांत करने के लिए दो कॉफ़ी आइसक्रीम सोडा ऑर्डर किए। मुझे लगता है कि किसी पुरुष को तो झटका लगता; लेकिन लड़कियों को आइसक्रीम सोडा से बहुत सुकून मिलता है। मैंने बड़े चाव से स्ट्रॉ से सोडा पिया। ठंडा तरल पदार्थ बड़े ही सुखद ढंग से मेरे गले से नीचे उतर गया। मैंने पहला गिलास खाली करके एक तरफ रख दिया।

मैं काउंटर के सामने रखी छोटी-छोटी ऊँची कुर्सियों में से एक पर बैठा था। मेरी नज़र के कोने से मैंने देखा कि मेरा पीछा करने वाला अंदर आया और दरवाज़े के पास एक छोटी सी मेज़ पर चुपचाप बैठ गया। मैंने दूसरा कॉफ़ी सोडा खत्म किया और मेपल सोडा माँगा। मैं आइसक्रीम सोडा तो लगभग असीमित मात्रा में पी सकता हूँ।

अचानक दरवाजे के पास खड़ा आदमी उठा और बाहर चला गया। इससे मुझे हैरानी हुई। अगर उसे बाहर ही इंतज़ार करना था, तो शुरू से ही क्यों नहीं किया? मैं अपनी कुर्सी से नीचे उतरा और सावधानी से दरवाजे की ओर बढ़ा। मैं झट से वापस छाया में छिप गया। वह आदमी गाइ पैगेट से बात कर रहा था।

अगर मुझे कभी कोई शक होता भी, तो वह अब दूर हो जाता। पैगेट अपनी घड़ी निकाले उसे देख रहा था। दोनों के बीच कुछ संक्षिप्त बातचीत हुई, और फिर सचिव स्टेशन की ओर सड़क पर आगे बढ़ गया। जाहिर है उसने आदेश दे दिए थे। लेकिन वे

आदेश क्या थे?

अचानक मेरा दिल धड़क उठा। जो आदमी मेरा पीछा कर रहा था, वह सड़क के बीचोंबीच जाकर एक पुलिसवाले से बात करने लगा। वह काफी देर तक बोलता रहा, कार्टराइट की दुकान की ओर इशारा करता रहा और जाहिर तौर पर कुछ समझा रहा था। मुझे तुरंत ही योजना समझ आ गई। मुझे किसी न किसी आरोप में गिरफ्तार किया जाना था—शायद जेब काटने के आरोप में। गिरोह के लिए ऐसे छोटे से मामले को फंसाना बहुत आसान था। अपनी बेगुनाही साबित करने का क्या फायदा? उन्होंने हर छोटी से छोटी बात का ध्यान रखा होगा। बहुत पहले उन्होंने हैरी रेबर्न पर डी बीयर्स लूटने का आरोप लगाया था, और वह इसे गलत साबित नहीं कर पाया था, हालांकि मुझे पूरा यकीन था कि वह बिल्कुल निर्दोष था। कर्नल जैसी साजिश के सामने मेरी क्या उम्मीद थी?

मैंने लगभग यंत्रवत ही घड़ी की ओर देखा, और तुरंत ही मामले का एक और पहलू मेरे दिमाग में बैठ गया। मुझे गाय पैगेट के घड़ी देखने का कारण समझ में आ गया। ग्यारह बज रहे थे, और ग्यारह बजे ही रोडेशिया के लिए मेल ट्रेन रवाना होती थी, जिसमें मेरे प्रभावशाली मित्र भी सवार होते थे जो शायद मेरी मदद के लिए आ सकते थे। यही कारण था कि अब तक मैं सुरक्षित था। कल रात से लेकर आज सुबह ग्यारह बजे तक मैं सुरक्षित था, लेकिन अब मेरे चारों ओर शिकंजा कसता जा रहा था।

मैंने जल्दी से अपना बैग खोला और ड्रिंक्स के पैसे दिए, और ऐसा करते ही मेरा दिल मानो थम सा गया, क्योंकि उसके अंदर नोटों से भरा एक आदमी का बटुआ था! ट्राम से उतरते ही किसी ने बड़ी चालाकी से इसे मेरे हैंडबैग में डाल दिया होगा।

तुरंत ही मेरा आपा खो बैठा। मैं कार्टराइट की दुकान से जल्दी से बाहर निकला। बड़ी नाक वाला छोटा आदमी और पुलिसवाला सड़क पार कर रहे थे। उन्होंने मुझे देखा और उस छोटे आदमी ने उत्तेजित होकर पुलिसवाले को मेरी तरफ इशारा किया। मैं तेजी से भागा। मुझे लगा कि वह पुलिसवाला धीमा है। मुझे जल्दी से आगे निकल जाना चाहिए था। लेकिन तब भी मेरे पास कोई योजना नहीं थी। मैं बस अपनी जान बचाने के लिए एडरली स्ट्रीट पर भागा। लोग मुझे घूरने लगे। मुझे लगा कि एक मिनट में कोई न कोई मुझे रोक लेगा।

मेरे दिमाग में एक विचार कौंध गया।

“स्टेशन?” मैंने हांफते हुए पूछा।

"बस दाईं ओर नीचे की तरफ।"
मैं तेज़ी से भागा। ट्रेन पकड़ने के लिए दौड़ना जायज़ है। मैं स्टेशन में मुड़ा, लेकिन जैसे ही मैं मुड़ा, मुझे अपने पीछे कदमों की आहट सुनाई दी। बड़ी नाक वाला वह छोटा आदमी एक चैंपियन धावक था। मुझे पहले से ही अंदाज़ा था कि मुझे उस प्लेटफार्म तक पहुँचने से पहले ही रोक दिया जाएगा जिसकी मुझे तलाश थी। मैंने घड़ी की ओर देखा—ग्यारह बजने में एक मिनट बाकी था। अगर मेरी योजना सफल हो गई तो शायद मैं दौड़ पूरी कर लूँ।
मैं एडरली स्ट्रीट स्थित मुख्य द्वार से स्टेशन में दाखिल हुआ था। अब मैं बगल वाले निकास द्वार से बाहर निकल भागा। मेरे ठीक सामने डाकघर का बगल वाला प्रवेश द्वार था, जिसका मुख्य प्रवेश द्वार एडरली स्ट्रीट में है।
जैसा कि मुझे उम्मीद थी, मेरा पीछा करने वाला व्यक्ति मेरे पीछे अंदर आने के बजाय, गली में दौड़कर मुख्य द्वार से मेरे बाहर निकलते ही मुझे रोकने की कोशिश करने लगा, या फिर पुलिसकर्मी को ऐसा करने की चेतावनी देने के लिए आ गया। पलक झपकते ही मैं सड़क पार करके वापस स्टेशन में घुस गया। मैं पागलों की तरह भागा। ग्यारह बज रहे थे। जैसे ही मैं प्लेटफार्म पर पहुँचा, लंबी ट्रेन चल पड़ी थी। एक कुली ने मुझे रोकने की कोशिश की, लेकिन मैं उसकी पकड़ से छूटकर ट्रेन के फुटबोर्ड पर चढ़ गया। मैं दो सीढ़ियाँ चढ़कर गेट खोल दिया। मैं सुरक्षित था! ट्रेन आ रही थी। प्लेटफार्म के आखिरी छोर पर एक आदमी अकेला खड़ा था, हमने उसे हाथ हिलाकर अभिवादन किया।
“अलविदा, मिस्टर पैगेट,” मैंने चिल्लाकर कहा।
मैंने आज तक किसी व्यक्ति को इतना अचंभित नहीं देखा। वह ऐसा लग रहा था मानो उसने भूत देख लिया हो।
एक-दो मिनट में ही मुझे कंडक्टर के साथ दिक्कत होने लगी। लेकिन मैंने अपना लहजा बुलंद रखा।
मैंने बड़े घमंड से कहा, “मैं सर यूस्टेस पेडलर की सचिव हूँ। कृपया मुझे उनकी निजी कार तक ले चलें।”
सुज़ैन और कर्नल रेस पीछे वाले निगरानी मंच पर खड़े थे। मुझे देखकर दोनों ने हैरानी से एक स्वर में विस्मय व्यक्त किया।
“हेलो, मिस ऐनी,” कर्नल रेस ने कहा, “आप कहाँ से आ गई हैं? मुझे लगा था कि

आप डरबन गई होंगी। आप तो बिल्कुल अप्रत्याशित हैं।”
सुज़ैन ने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसकी आँखों ने सौ सवाल पूछ लिए।
मैंने विनम्रता से कहा, "मुझे अपने प्रमुख को सूचना देनी होगी। वह कहाँ हैं?"
"वह दफ्तर में हैं—बीच वाले कमरे में—और दुर्भाग्यपूर्ण मिस पेटिग्रेव को अविश्वसनीय गति से निर्देश दे रहे हैं।"
मैंने टिप्पणी की, "काम के प्रति यह उत्साह कुछ नया है।"
“हम्म!” कर्नल रेस ने कहा। “मुझे लगता है कि उसका इरादा उसे इतना काम देना है कि वह दिन के बाकी समय के लिए अपने ही डिब्बे में अपने टाइपराइटर से बंधी रहे।”
मैं हँस पड़ा। फिर, बाकी दो लोगों के पीछे-पीछे, मैं सर यूस्टेस को ढूंढने निकला। वह उस सीमित जगह में इधर-उधर चहलकदमी कर रहे थे और उस बेचारी सचिव पर शब्दों की बौछार कर रहे थे, जिसे मैंने अब पहली बार देखा था। एक लंबी, गठीली महिला, सादे कपड़ों में, चश्मा लगाए और बेहद कुशल अंदाज़ में। मैंने अंदाज़ा लगाया कि उसे सर यूस्टेस के साथ कदम मिलाकर चलना मुश्किल हो रहा था, क्योंकि उसकी पेंसिल तेज़ी से चल रही थी और वह बुरी तरह से भौंहें चढ़ाए हुए थी।

मैं डिब्बे में दाखिल हुआ।
मैंने शरारती लहजे में कहा, "मान लीजिए, महोदय।"
सर यूस्टेस श्रम स्थिति पर एक जटिल वाक्य बोलते-बोलते अचानक रुक गए और मेरी ओर घूरने लगे। मिस पेटिग्रेव अपनी कुशल छवि के बावजूद काफी घबराई हुई होंगी, क्योंकि वह ऐसे उछल पड़ीं जैसे उन्हें गोली लग गई हो।
“भगवान मेरी आत्मा को शांति दे!” सर यूस्टेस ने कहा। “डरबन के उस युवक का क्या हुआ?”
मैंने धीरे से कहा, "मुझे तुम ज्यादा पसंद हो।"
“प्रिय,” सर यूस्टेस ने कहा। “तुम अभी से मेरा हाथ पकड़ना शुरू कर सकती हो।”
मिस पेटिग्रेव को खांसी आई और सर यूस्टेस ने जल्दी से अपना हाथ पीछे खींच लिया।
“अरे हाँ,” उसने कहा। “देखते हैं, हम कहाँ थे? हाँ। टाइलमैन रूस ने अपने भाषण में — क्या बात है? आप इसे हटा क्यों नहीं रहे हैं?”
कर्नल रेस ने नरमी से कहा, "मुझे लगता है कि मिस पेटिग्रेव की पेंसिल टूट गई है।"

उसने उसे उससे ले लिया और उसे तेज किया। सर यूस्टेस और मैं दोनों ही उसे घूरते रहे। कर्नल रेस के लहजे में कुछ ऐसा था जो मुझे पूरी तरह समझ नहीं आया।

अध्याय XXII

(सर यूस्टेस पेडलर की डायरी से उद्धरण)

मैं अपनी पुरानी यादों को छोड़ना चाहता हूँ। इसके बजाय मैं "मेरे पास रही सचिवें" शीर्षक से एक छोटा लेख लिखूँगा। सचिवों के मामले में, लगता है मैं एक बुरी आदत का शिकार हो गया हूँ। कभी मेरे पास कोई सचिव नहीं होती, तो कभी बहुत सारी। इस समय मैं कुछ महिलाओं के साथ रोडेशिया जा रहा हूँ। रेस सबसे खूबसूरत दो महिलाओं को लेकर चला जाता है, और मुझे एक कम खूबसूरत महिला के साथ छोड़ देता है। मेरे साथ हमेशा यही होता है—और वैसे भी, यह मेरी निजी गाड़ी है, रेस की नहीं।

ऐनी बेडिंगफेल्ड भी मेरी अस्थायी सचिव होने का बहाना बनाकर मेरे साथ रोडेशिया जा रही है। लेकिन आज दोपहर से वह रेस के साथ अवलोकन मंच पर हेक्स नदी दर्रे की सुंदरता की तारीफ कर रही है। यह सच है कि मैंने उससे कहा था कि उसका मुख्य कर्तव्य मेरा हाथ थामना होगा। लेकिन वह वह भी नहीं कर रही है। शायद वह मिस पेटिग्रेव से डरती है। अगर ऐसा है तो मैं उसे दोष नहीं देता। मिस पेटिग्रेव में कुछ भी आकर्षक नहीं है—वह बड़े पैरों वाली एक घिनौनी महिला है, जो औरत से ज़्यादा मर्द जैसी दिखती है।

ऐनी बेडिंगफेल्ड के बारे में कुछ बहुत ही रहस्यमय है। वह आखिरी मिनट में ट्रेन में चढ़ी, मानो किसी दौड़ में भागकर आई हो और भाप के इंजन की तरह हांफ रही हो—और फिर भी पैगेट ने मुझे बताया कि उसने कल रात उसे डरबन के लिए विदा किया था! या तो पैगेट ने फिर से शराब पी रखी है या फिर उस लड़की का कोई अलौकिक साया है।

और वह कभी कुछ नहीं समझाती। कोई भी कभी नहीं समझाता। हाँ, "मेरी कुछ सेक्रेटरी थीं।" नंबर 1, एक हत्यारा जो न्याय से भाग रहा था। नंबर 2, एक छुपकर शराब पीने वाली जो इटली में बदनाम साजिशें रचती थी। नंबर 3, एक खूबसूरत लड़की जो एक ही समय में दो जगहों पर मौजूद रहने की काबिलियत रखती थी। नंबर 4, मिस पेटिग्रेव, जिसके बारे में मुझे कोई शक नहीं है कि वह असल में भेस बदलकर

आई एक बेहद खतरनाक बदमाश है! शायद पैगेट की कोई इतालवी दोस्त जिसे उसने मेरे पास भेज दिया है। मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर दुनिया को कभी पता चले कि पैगेट ने उसे बुरी तरह धोखा दिया था। कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि रेबर्न सबसे अच्छा था। उसने मुझे कभी परेशान नहीं किया और न ही मेरे रास्ते में आया। गाय पैगेट ने स्टेशनरी का बक्सा यहाँ रखवाने की गुस्ताखी की है। हममें से कोई भी उससे टकराए बिना हिल नहीं सकता।

मैं अभी अवलोकन मंच पर गया था, यह उम्मीद करते हुए कि मेरे आने पर मेरा स्वागत खुशी से होगा। दोनों महिलाएं रेस की यात्राओं की कहानियों में से एक को मंत्रमुग्ध होकर सुन रही थीं। मैं इस कार को "सर यूस्टेस पेडलर और पार्टी" नहीं, बल्कि "कर्नल रेस और हरम" नाम दूंगा।

फिर श्रीमती ब्लेयर ने बेतुकी तस्वीरें लेना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए, हर बार जब हम किसी बेहद खतरनाक मोड़ से गुज़रते, तो वह इंजन की तस्वीरें खींचने लगतीं।

“बात समझ में आ गई ना,” वह खुशी से चिल्लाई। “अगर आप ट्रेन के अगले हिस्से की तस्वीर पीछे से ले सकते हैं, तो यह ज़रूर कोई खास घुमावदार रास्ता होगा, और पहाड़ की पृष्ठभूमि के साथ यह बेहद खतरनाक दिखेगा।”

मैंने उसे बताया कि किसी को भी यह पता नहीं चल सकता कि इसे ट्रेन के पिछले हिस्से से लिया गया था। उसने मुझे दया भरी नजरों से देखा।

मैं इसके नीचे लिखूंगा: ‘ट्रेन से लिया गया। इंजन एक मोड़ पर घूम रहा है।’

मैंने कहा, "ट्रेन की किसी भी तस्वीर के नीचे आप यह लिख सकते हैं। महिलाएं कभी इन सरल बातों के बारे में नहीं सोचतीं।"

“अच्छा हुआ कि हम दिन के उजाले में यहाँ आ गए,” ऐनी बेडिंगफेल्ड चिल्लाई। “अगर मैं कल रात डरबन गई होती तो शायद मुझे ये सब न देखना पड़ता, है ना?”

“नहीं,” कर्नल रेस ने मुस्कुराते हुए कहा। “कल सुबह उठकर आप खुद को कारू में पाते, जो पत्थरों और चट्टानों का एक गर्म, धूल भरा रेगिस्तान है।”

"मुझे खुशी है कि मैंने अपना मन बदल लिया," ऐनी ने संतुष्टि भरी आह भरते हुए और चारों ओर देखते हुए कहा।

यह एक अद्भुत दृश्य था। चारों ओर विशाल पर्वत फैले हुए थे, जिनके बीच से हम मुड़ते-घुमड़ते हुए लगातार ऊपर की ओर बढ़ते रहे।

"क्या रोडेशिया जाने के लिए यह दिन की सबसे अच्छी ट्रेन है?" ऐनी बेडिंगफेल्ड ने पूछा।
“दिन में?” रेस हँसते हुए बोला। “अरे, मेरी प्यारी मिस ऐनी, हफ्ते में सिर्फ तीन ही ट्रेनें चलती हैं। सोमवार, बुधवार और शनिवार को। क्या आपको पता है कि आप अगले शनिवार तक झरने पर नहीं पहुँचेंगी?”
श्रीमती ब्लेयर ने शरारती लहजे में कहा, "तब तक हम एक-दूसरे को कितना अच्छी तरह जान चुके होंगे! सर यूस्टेस, आप फॉल्स में कितने दिन रुकने वाले हैं?"
मैंने सावधानी से कहा, "यह इस पर निर्भर करता है।"
“किस पर?”
“जोहान्सबर्ग में हालात कैसे हैं, इस बारे में। मेरा मूल विचार था कि मैं फॉल्स में कुछ दिन रुकूँ—जिसे मैंने कभी नहीं देखा, हालाँकि यह अफ्रीका की मेरी तीसरी यात्रा है—और फिर जोहान्सबर्ग जाकर रैंड के हालात का जायजा लूँ। आप जानते हैं, मैं अपने देश में दक्षिण अफ्रीकी राजनीति का विशेषज्ञ होने का दिखावा करता हूँ। लेकिन जो कुछ मैंने सुना है, उससे लगता है कि लगभग एक हफ्ते में जोहान्सबर्ग जाना बहुत ही अप्रिय अनुभव होगा। मैं उग्र क्रांति के बीच हालात का जायजा नहीं लेना चाहता।”
रेस ने बड़े ही गर्व भरे अंदाज में मुस्कुराया।
“मुझे लगता है कि आपकी आशंकाएं अतिशयोक्तिपूर्ण हैं, सर यूस्टेस। जोहान्सबर्ग में कोई बड़ा खतरा नहीं होगा।”
महिलाओं ने तुरंत उसे "तुम तो बड़े बहादुर हो" वाले अंदाज़ में देखा। इससे मुझे बहुत गुस्सा आया। मैं रेस जितना ही बहादुर हूँ—लेकिन मेरा शरीर वैसा नहीं है। ये लंबे, दुबले-पतले, सांवले पुरुष अपनी मनमानी करते हैं।
मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मुझे लगता है कि तुम वहाँ होगे।"
“बहुत संभव है। हम साथ में यात्रा कर सकते हैं।”
“मुझे पक्का नहीं पता कि मैं फॉल्स में कुछ दिन और रुकूँगी या नहीं,” मैंने टालमटोल भरे लहजे में जवाब दिया। रेस इतना परेशान क्यों है कि मैं जोहान्सबर्ग जाऊँ? मुझे लगता है उसकी नज़र ऐनी पर है। “आपकी क्या योजनाएँ हैं, मिस ऐनी?”
"यह इस पर निर्भर करता है," उसने मेरी नकल करते हुए विनम्रता से जवाब दिया।
मैंने आपत्ति जताते हुए कहा, "मुझे लगा कि आप मेरी सचिव हैं।"
"अरे, लेकिन मुझे तो अलग कर दिया गया है। तुम तो पूरी दोपहर मिस पेटिग्रेव का

हाथ पकड़े हुए थे।"
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "मैं जो कुछ भी कर रहा था, कसम खाकर कह सकता हूं कि मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है।"
गुरुवार रात।
हम अभी-अभी किम्बरली से निकले हैं। रेस को हीरे की चोरी की कहानी को फिर से बताने के लिए मजबूर किया गया। हीरे से जुड़ी किसी भी चीज़ को लेकर महिलाएं इतनी उत्साहित क्यों होती हैं?
अंततः ऐनी बेडिंगफेल्ड ने अपने रहस्य का पर्दा हटा दिया। ऐसा लगता है कि वह एक अखबार संवाददाता हैं। उन्होंने आज सुबह डी आर से एक लंबा-चौड़ा संदेश भेजा। श्रीमती ब्लेयर के केबिन में लगभग पूरी रात चली गड़गड़ाहट से ऐसा लगता है कि वह आने वाले वर्षों के लिए अपने सभी विशेष लेख जोर-जोर से पढ़ रही होंगी।
ऐसा लगता है कि वह शुरू से ही "भूरे रंग के सूट वाले आदमी" की तलाश में थी। जाहिर है, उसने उसे किल्मोर्डन पर नहीं देखा—असल में, उसे देखने का मौका ही नहीं मिला, लेकिन अब वह घर पर तार भेजने में व्यस्त है: "मैंने हत्यारे के साथ कैसे सफर किया," और "उसने मुझसे क्या कहा," जैसी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रही है। मुझे पता है ये सब कैसे किया जाता है। मैं खुद भी ऐसा करता हूँ, अपनी यादों में जब पैगेट मुझे इजाज़त देता है। और बेशक, नैस्बी के कुशल कर्मचारियों में से कोई एक विवरणों को और भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश करेगा, ताकि जब यह डेली बजट में छपे तो रेबर्न खुद को पहचान न पाए।
लेकिन वो लड़की बहुत होशियार है। उसने अकेले ही मेरे घर में मारी गई महिला की पहचान का पता लगा लिया। वो नादिना नाम की एक रूसी नर्तकी थी। मैंने ऐनी बेडिंगफेल्ड से पूछा कि क्या उसे इस बात का पूरा यकीन है। उसने जवाब दिया कि ये महज़ उसका अनुमान है—बिल्कुल शर्लक होम्स की तरह। हालांकि, मुझे पता चला है कि उसने इसे एक पुख्ता तथ्य मानकर नैस्बी को घर तार भेज दिया था। महिलाओं में ऐसी सहज बुद्धि होती है—मुझे इसमें कोई शक नहीं कि ऐनी बेडिंगफेल्ड का अनुमान बिल्कुल सही है—लेकिन इसे सिर्फ़ अनुमान कहना बेतुका है।
मुझे समझ नहीं आता कि वो डेली बजट के स्टाफ में कैसे शामिल हो गई। लेकिन वो ऐसी ही लड़की है जो ये सब कर सकती है। उसका विरोध करना नामुमकिन है। वो मीठी-मीठी बातों से भरी है, लेकिन उसके पीछे उसका अटूट दृढ़ संकल्प छिपा है।

देखो, ये मेरी निजी कार में कैसे घुस गई!

मुझे अब कुछ-कुछ समझ में आ रहा है कि ऐसा क्यों है। रेस ने पुलिस के बारे में कुछ कहा था कि उन्हें शक है कि रेबर्न रोडेशिया भाग जाएगा। हो सकता है कि वह सोमवार की ट्रेन से उतर गया हो। मुझे लगता है कि उन्होंने पूरी लाइन पर टेलीग्राम भेजे होंगे, और उसके हुलिए का कोई भी व्यक्ति नहीं मिला, लेकिन इससे कुछ खास पता नहीं चलता। वह एक होशियार नौजवान है और अफ्रीका को अच्छी तरह जानता है। उसने शायद एक बूढ़ी काफ़िर औरत का भेष बड़ी खूबसूरती से बनाया होगा—और भोली-भाली पुलिस अभी भी एक खूबसूरत नौजवान की तलाश में है जिसके चेहरे पर एक निशान है और जिसने यूरोपीय फैशन के कपड़े पहने हैं। मुझे वह निशान आज तक पूरी तरह समझ नहीं आया।

खैर, ऐन बेडिंगफेल्ड उसका पीछा कर रही है। वह उसे और डेली बजट को बेनकाब करने का श्रेय खुद लेना चाहती है। आजकल की युवतियाँ बहुत निर्मम होती हैं। मैंने उसे इशारा किया कि यह एक स्त्रीत्वहीन हरकत होगी। वह मुझ पर हँसी। उसने मुझे यकीन दिलाया कि अगर उसने उसे पकड़वाकर मौत के घाट उतार दिया तो उसकी किस्मत चमक जाएगी। मुझे लगता है कि नस्ल को भी यह पसंद नहीं आएगा। शायद रेबर्न भी इसी राह पर है। अगर ऐसा है, तो हम सब अपने बिस्तरों में ही मारे जा सकते हैं। मैंने यह बात मिसेज ब्लेयर से कही—लेकिन उन्हें यह विचार काफी पसंद आया और उन्होंने कहा कि अगर मेरी हत्या हो गई तो यह ऐन के लिए वाकई एक बड़ी खबर होगी! ऐन के लिए वाकई एक बड़ी खबर!

कल हम बेचुआनालैंड से होकर गुजरेंगे। धूल बहुत भयानक होगी। हर स्टेशन पर छोटे-छोटे काफ़िर बच्चे आकर खुद से तराशे हुए लकड़ी के अनोखे जानवर बेचते हैं। साथ ही मक्के के कटोरे और टोकरियाँ भी। मुझे डर है कि श्रीमती ब्लेयर कहीं पागल न हो जाएँ। इन खिलौनों में एक अलग ही आकर्षण है जो मुझे लगता है उन्हें पसंद आएगा।

शुक्रवार शाम।

जैसा मुझे डर था, वैसा ही हुआ। श्रीमती ब्लेयर और ऐनी ने उनतालीस लकड़ी के जानवर खरीद लिए हैं!

अध्याय XXIII

(ऐनी की कहानी पुनः शुरू)

मुझे रोडेशिया तक की यात्रा में बहुत आनंद आया।
हर दिन कुछ नया और रोमांचक देखने को मिलता था। पहले हेक्स नदी घाटी का अद्भुत नज़ारा, फिर कारू की सुनसान भव्यता, और अंत में बेचुआनालैंड में ट्रेन की सीधी और सुंदर पटरी, और वहाँ के मूल निवासियों द्वारा बेचे जाने वाले प्यारे-प्यारे खिलौने। सुज़ैन और मैं लगभग हर स्टेशन पर पीछे छूट जाते थे—अगर उन्हें स्टेशन कहा जा सकता है तो। मुझे ऐसा लगता था कि ट्रेन जब चाहे तब रुक जाती थी, और जैसे ही वह रुकती, खाली मैदान से मूल निवासियों का एक झुंड प्रकट हो उठता, जो मक्के के कटोरे, गन्ने, फर की बनी पट्टियाँ और प्यारे-प्यारे लकड़ी के जानवरों को लिए होते। सुज़ैन ने तुरंत इन खिलौनों को इकट्ठा करना शुरू कर दिया। मैंने भी उसका अनुकरण किया—उनमें से ज़्यादातर की कीमत एक "टिकी" (तीन पेंस) थी और हर एक अलग था। वहाँ जिराफ़, बाघ, साँप, एक उदास दिखने वाला एलांड और अजीब से छोटे काले योद्धा थे। हमने खूब आनंद लिया।
सर यूस्टेस ने हमें रोकने की कोशिश की—पर व्यर्थ। मुझे अब भी लगता है कि यह एक चमत्कार ही था कि हम रेल मार्ग के किसी सुनसान स्थान पर नहीं छूट गए। दक्षिण अफ़्रीकी ट्रेनें दोबारा चलने से पहले हॉर्न नहीं बजातीं या उत्साह नहीं दिखातीं। वे बस चुपचाप आगे बढ़ जाती हैं, और आप मोलभाव करते-करते नज़र उठाकर अपनी जान बचाने के लिए भागने लगते हैं।
केपटाउन में मुझे ट्रेन पर चढ़ते देख सुज़ैन की हैरानी का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। पहली शाम को हमने स्थिति का विस्तृत जायज़ा लिया। हमने आधी रात तक बातें कीं।
मुझे यह स्पष्ट हो गया था कि आक्रामक रणनीति के साथ-साथ रक्षात्मक रणनीति भी अपनानी होगी। सर यूस्टेस पेडलेर और उनके दल के साथ यात्रा करते हुए मैं काफी हद तक सुरक्षित था। वे और कर्नल रेस दोनों ही शक्तिशाली संरक्षक थे, और मुझे लगा कि मेरे दुश्मन मेरे आसपास कोई बवाल खड़ा नहीं करना चाहेंगे। साथ ही, जब तक मैं सर यूस्टेस के पास था, मैं गाइ पैगेट के संपर्क में था—और गाइ पैगेट ही इस रहस्य का केंद्र था। मैंने सुज़ैन से पूछा कि क्या उसकी राय में पैगेट ही वह रहस्यमय "कर्नल" हो सकता है। उसकी अधीनस्थ स्थिति, ज़ाहिर है, इस धारणा के विरुद्ध थी, लेकिन मुझे एक-दो बार यह लगा कि अपने निरंकुश स्वभाव के बावजूद, सर यूस्टेस वास्तव में अपने सचिव से बहुत प्रभावित थे। वे एक सहज स्वभाव के व्यक्ति थे, और

एक चतुर सचिव उन्हें अपनी उंगलियों पर नचा सकता था। उनकी अपेक्षाकृत कम प्रसिद्धि वास्तव में उनके लिए उपयोगी हो सकती थी, क्योंकि वे सुर्खियों से दूर रहना चाहते थे।

लेकिन सुज़ैन ने इन विचारों को पूरी तरह से नकार दिया। उसने यह मानने से इनकार कर दिया कि गाय पैगेट ही सत्ताधारी शक्ति है। उसका मानना था कि असली मुखिया —यानी "कर्नल"—कहीं पृष्ठभूमि में था और शायद हमारे आगमन के समय तक वह अफ्रीका पहुँच चुका था।

मैं इस बात से सहमत था कि उसके दृष्टिकोण में काफी सच्चाई थी, लेकिन मैं पूरी तरह संतुष्ट नहीं था। क्योंकि हर संदिग्ध मामले में पैगेट को एक कुशल निर्देशक के रूप में दिखाया गया था। यह सच था कि उसके व्यक्तित्व में वह आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय की कमी थी जो एक शातिर अपराधी से अपेक्षित होती है—लेकिन आखिरकार, कर्नल रेस के अनुसार, इस रहस्यमय नेता के पास केवल दिमागी क्षमता थी, और रचनात्मक प्रतिभा अक्सर कमजोर और डरपोक शारीरिक बनावट से जुड़ी होती है।

जब मैं अपनी बात के इस बिंदु पर पहुंचा, तो सुज़ैन ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "यह प्रोफेसर की बेटी बोल रही है।"

“यह सच है, फिर भी। दूसरी ओर, पैगेट को एक तरह से सर्वशक्तिमान का प्रधान दरबारी कहा जा सकता है।” मैं एक-दो मिनट चुप रहा, और फिर सोचते हुए बोला: “काश मुझे पता होता कि सर यूस्टेस ने अपना पैसा कैसे कमाया!”

"क्या तुम्हें उस पर फिर से शक हो रहा है?"

"सुज़ैन, मैं उस स्थिति में पहुँच गया हूँ कि मुझे किसी पर शक होने लगा है! मुझे उस पर सीधे तौर पर शक नहीं है—लेकिन, आखिरकार, वह पैगेट का मालिक है, और मिल हाउस का मालिक भी वही था।"

“मैंने हमेशा सुना है कि उसने किसी ऐसे तरीके से पैसा कमाया है जिसके बारे में वह बात करना पसंद नहीं करता,” सुज़ैन ने सोच-समझकर कहा। “लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह अपराध करता हो—हो सकता है वह टिन की कीलें बेचता हो या बालों को फिर से उगाने का काम करता हो!”

मैंने अनिच्छा से सहमति व्यक्त की।

“मुझे लगता है,” सुज़ैन ने संदेह से कहा, “कि हम कहीं गलत दिशा में तो नहीं जा रहे

हैं? मेरा मतलब है, पैगेट की मिलीभगत मानकर हम पूरी तरह से गुमराह तो नहीं हो रहे हैं? यह मानकर कि आखिरकार वह एक बिल्कुल ईमानदार आदमी है?"
मैंने एक-दो मिनट तक इस बारे में सोचा, फिर मैंने अपना सिर हिला दिया।
मुझे इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा है।
"आखिरकार, उसके पास हर बात का अपना स्पष्टीकरण होता है।"
"जी हां, लेकिन ये बातें ज्यादा विश्वसनीय नहीं हैं। उदाहरण के लिए, जिस रात उसने मुझे किल्मोर्डन जहाज से समुद्र में फेंकने की कोशिश की, उस रात उसने कहा कि वह रेबर्न के पीछे डेक पर गया और रेबर्न ने मुड़कर उसे नीचे गिरा दिया। अब हम जानते हैं कि यह सच नहीं है।"
"नहीं," सुज़ैन ने अनिच्छा से कहा। "लेकिन हमने यह कहानी सर यूस्टेस से सुनी-सुनाई ही है। अगर हमने इसे सीधे पैगेट से सुना होता, तो शायद बात कुछ और होती। आप जानते ही हैं कि लोग कहानी को दोहराते समय अक्सर थोड़ा-बहुत गलत बता देते हैं।"
मैंने इस बात पर मन ही मन विचार किया।
"नहीं," मैंने अंत में कहा, "मुझे कोई रास्ता नज़र नहीं आता। पैगेट दोषी है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि उसने मुझे जहाज से फेंकने की कोशिश की थी, और बाकी सब कुछ इससे मेल खाता है। आप अपने इस नए विचार पर इतने अड़े क्यों हैं?"
"उसके चेहरे की वजह से?"
"उसका चेहरा? लेकिन—"
"हाँ, मुझे पता है आप क्या कहेंगे। यह एक भयावह चेहरा है। बस यही बात है। ऐसे चेहरे वाला कोई भी व्यक्ति वास्तव में भयावह नहीं हो सकता। यह प्रकृति की ओर से एक बहुत बड़ा मजाक होना चाहिए।"
मुझे सुज़ैन की दलील पर ज़्यादा भरोसा नहीं था। मैं बीते युगों की प्रकृति के बारे में बहुत कुछ जानता हूँ। अगर उसमें हास्यबोध है भी, तो वो उसे ज़ाहिर नहीं करती। सुज़ैन तो बस ऐसी ही इंसान है जो प्रकृति को अपने सारे गुणों से ढकना चाहती है।
हम अपनी तात्कालिक योजनाओं पर चर्चा करने के लिए आगे बढ़े। मुझे स्पष्ट था कि मुझे किसी न किसी रूप में अपनी भूमिका निभानी ही होगी। मैं हमेशा के लिए स्पष्टीकरण देने से बचता नहीं रह सकता था। मेरी सभी कठिनाइयों का समाधान मेरे

हाथ में था, हालाँकि मैंने कुछ समय तक इस पर ध्यान नहीं दिया। दैनिक बजट! मेरी चुप्पी या मेरा बोलना अब हैरी रेबर्न को प्रभावित नहीं कर सकता था। उसे "भूरे रंग के सूट वाला आदमी" के रूप में चिह्नित किया गया था, इसमें मेरी कोई गलती नहीं थी। मैं उसके खिलाफ होने का दिखावा करके ही उसकी सबसे अच्छी मदद कर सकता था। "कर्नल" और उसके गिरोह को जरा भी संदेह नहीं होना चाहिए कि मेरे और उस व्यक्ति के बीच कोई मित्रतापूर्ण संबंध था जिसे उन्होंने मार्लो में हुए हत्याकांड का बलि का बकरा बनाया था। जहाँ तक मुझे पता था, मारी गई महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई थी। मैं लॉर्ड नैस्बी को तार भेजूंगा, जिसमें सुझाव दूंगा कि वह कोई और नहीं बल्कि प्रसिद्ध रूसी नर्तकी "नदीना" थी, जिसने इतने लंबे समय तक पेरिस का मनोरंजन किया था। मुझे यह अविश्वसनीय लग रहा था कि उसकी पहचान अभी तक नहीं हुई थी - लेकिन जब मुझे बहुत बाद में इस मामले के बारे में और अधिक जानकारी मिली, तो मुझे समझ आया कि यह वास्तव में कितना स्वाभाविक था। पेरिस में अपने सफल करियर के दौरान नादिना कभी इंग्लैंड नहीं गई थीं। लंदन के दर्शकों के लिए वह अनजान थीं। अखबारों में छपी मार्लो पीड़िता की तस्वीरें इतनी धुंधली और पहचान से परे थीं कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि किसी ने उन्हें पहचाना नहीं। दूसरी ओर, नादिना ने इंग्लैंड जाने की अपनी योजना को सबसे गुप्त रखा था। हत्या के अगले दिन उनके मैनेजर को एक पत्र मिला, जो कथित तौर पर नर्तकी की ओर से था। पत्र में उन्होंने लिखा था कि वह कुछ जरूरी निजी कामों के लिए रूस लौट रही हैं और उन्हें उनके अनुबंध के उल्लंघन को यथासंभव गंभीरता से निपटाना होगा। ये सब बातें मुझे बाद में ही पता चलीं। सुज़ैन की पूरी सहमति से मैंने डी आर से एक लंबा तार भेजा। यह एक अहम मौके पर पहुँचा (यह भी मुझे बाद में ही पता चला)। डेली बजट सनसनीखेज खबर की तलाश में था। मेरा अनुमान सही साबित हुआ और डेली बजट को अपने जीवन की सबसे बड़ी खबर मिल गई। "मिल हाउस हत्याकांड के पीड़ित की पहचान हमारे विशेष रिपोर्टर ने कर ली है।" और आगे लिखा था, "हमारा रिपोर्टर हत्यारे के साथ यात्रा पर निकला। 'भूरे रंग के सूट वाला आदमी।' वह असल में कैसा है।"

मुख्य तथ्य तो दक्षिण अफ़्रीकी अख़बारों को तार द्वारा भेज दिए गए थे, लेकिन मैंने अपने लंबे लेख बहुत बाद में पढ़े! मुझे बुलावायो में तार द्वारा स्वीकृति और पूरे निर्देश प्राप्त हुए। मैं डेली बजट के स्टाफ में था, और मुझे स्वयं लॉर्ड नैस्बी से बधाई का

निजी संदेश मिला। मुझे हत्यारे को पकड़ने का पूरा जिम्मा सौंपा गया था, और मैं, और केवल मैं ही जानता था कि हत्यारा हैरी रेबर्न नहीं था! लेकिन दुनिया को यही सोचने दो—फिलहाल यही ठीक है।

अध्याय XIV

हम शनिवार की सुबह जल्दी ही बुलावायो पहुँच गए। मुझे वह जगह देखकर निराशा हुई। बहुत गर्मी थी और होटल मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया। सर यूस्टेस भी बहुत उदास थे। मुझे लगता है कि हमारे सारे लकड़ी के जानवरों ने उन्हें परेशान कर दिया था—खासकर उस बड़े जिराफ ने। वह एक विशालकाय जिराफ था, जिसकी गर्दन अनोखी थी, आँखें सौम्य थीं और पूंछ झुकी हुई थी। उसमें एक अलग ही आकर्षण था। उसे लेकर पहले से ही विवाद शुरू हो गया था कि वह किसका है—मेरा या सुज़ैन का। हम दोनों ने उसे खरीदने में एक-एक टिकी (लकड़ी का खिलौना) दिया था। सुज़ैन ने वरिष्ठता और विवाहित होने का दावा किया, जबकि मैं इस बात पर अड़ा रहा कि मैंने ही सबसे पहले उसकी सुंदरता देखी थी।

इस बीच, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि इसने हमारे इस त्रि-आयामी स्थान का काफी हिस्सा घेर लिया। उनतालीस लकड़ी के जानवरों को उठाना, जो सभी अजीब आकार के और बेहद नाजुक लकड़ी के बने थे, एक बड़ी समस्या थी। दो कुली जानवरों का एक-एक झुंड लादे हुए थे—और उनमें से एक ने तुरंत ही शुतुरमुर्गों के एक खूबसूरत समूह को गिरा दिया और उनके सिर तोड़ दिए। इससे सबक लेकर, सुज़ैन और मैंने जितना हो सका उतना उठाया, कर्नल रेस ने मदद की, और मैंने बड़े जिराफ़ को सर यूस्टेस की बाहों में थमा दिया। यहाँ तक कि सभ्य मिस पेटिग्रेव भी नहीं बच पाईं, एक बड़ा दरियाई घोड़ा और दो काले योद्धा उनके हिस्से में आ गए। मुझे लगा कि मिस पेटिग्रेव मुझे पसंद नहीं करती थीं। शायद उन्हें लगा कि मैं एक बदतमीज़ औरत हूँ। खैर, उन्होंने जितना हो सके मुझसे बचने की कोशिश की। और मज़े की बात यह थी कि उनका चेहरा मुझे कुछ जाना-पहचाना सा लगा, हालाँकि मैं ठीक से पहचान नहीं पा रही थी।

हमने सुबह का ज़्यादातर समय आराम किया और दोपहर में रोड्स की कब्र देखने के लिए माटोपोस की ओर चल दिए। कहने का मतलब है, हमें जाना तो था, लेकिन आखिरी क्षण में सर यूस्टेस पीछे हट गए। उनका मिजाज लगभग उतना ही खराब था

जितना उस सुबह था जब हम केप टाउन पहुँचे थे—जब उन्होंने आड़ू ज़मीन पर उछाले और वे पिचक गए! ज़ाहिर है, सुबह-सुबह कहीं पहुँचने से उनका मिजाज बिगड़ जाता है। उन्होंने कुलियों को कोसा, नाश्ते के समय वेटरों को कोसा, पूरे होटल मैनेजमेंट को कोसा, और शायद वे मिस पेटिग्रेव को भी कोसना चाहते होंगे जो अपनी पेंसिल और पैड लेकर इधर-उधर घूम रही थीं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि सर यूस्टेस भी मिस पेटिग्रेव को कोसने की हिम्मत करते। वह तो बिल्कुल किताबों में लिखी कुशल सचिव जैसी हैं। मैंने तो बस सही समय पर अपने प्यारे जिराफ को बचा लिया। मुझे लगता है कि सर यूस्टेस उसे ज़मीन पर पटकना चाहते।

अब वापस अपने अभियान की बात पर आते हैं, सर यूस्टेस के पीछे हटने के बाद, मिस पेटिग्रेव ने कहा कि वह घर पर ही रहेंगी, शायद उन्हें उनकी ज़रूरत पड़ जाए। और ठीक आखिरी समय पर सुज़ैन ने संदेश भेजा कि उन्हें सिरदर्द है। इसलिए कर्नल रेस और मैं अकेले ही निकल पड़े।

वह एक विचित्र व्यक्ति है। भीड़ में तो यह बात इतनी आसानी से नज़र नहीं आती। लेकिन जब कोई उसके साथ अकेला होता है, तो उसके व्यक्तित्व का अहसास सचमुच अभिभूत कर देने वाला होता है। वह कम बोलने लगता है, फिर भी उसकी चुप्पी में मानो शब्दों से कहीं अधिक गहराई झलकती है।

उस दिन हम नरम पीले-भूरे रंग की झाड़ियों से होते हुए माटोपोस की ओर निकले। सब कुछ अजीब तरह से शांत लग रहा था—सिवाय हमारी कार के, जो मेरे ख्याल से इंसान द्वारा बनाई गई पहली फोर्ड कार थी! उसकी गद्दी बुरी तरह फटी हुई थी और हालाँकि मुझे इंजनों के बारे में कुछ नहीं पता, फिर भी मैं समझ गया था कि उसके अंदरूनी हिस्से में कुछ गड़बड़ है।

धीरे-धीरे देश का स्वरूप बदल गया। विशालकाय चट्टानें दिखाई देने लगीं, जो अजीबोगरीब आकृतियों में ढेर हो गई थीं। मुझे अचानक ऐसा लगा जैसे मैं किसी आदिम युग में आ गया हूँ। एक पल के लिए निएंडरथल मानव मुझे उतने ही वास्तविक लगे जितने पापा को लगते थे। मैंने कर्नल रेस की ओर देखा।

“कभी यहाँ दैत्य रहे होंगे,” मैंने स्वप्निल भाव से कहा। “और उनके बच्चे बिल्कुल आज के बच्चों जैसे ही थे—मुट्ठी भर कंकड़ों से खेलते, उन्हें ढेर लगाते और गिराते, और जितनी चतुराई से वे उन्हें संतुलित करते, उतने ही खुश होते। अगर मुझे इस जगह का नाम रखना होता, तो मैं इसे ‘दैत्य बच्चों का देश’ कहता।”

“शायद आप जितना सोचते हैं उससे कहीं ज़्यादा सही हैं,” कर्नल रेस ने गंभीरता से कहा। “सरल, आदिम, विशाल—यही है अफ्रीका।”
मैंने प्रशंसापूर्वक सिर हिलाया।
मैंने पूछा, "तुम्हें यह बहुत पसंद है, है ना?"
“हाँ। लेकिन इसमें लंबे समय तक रहना—खैर, यह इंसान को क्रूर बना देता है। इंसान जीवन और मृत्यु को बहुत हल्के में लेने लगता है।”
“हाँ,” मैंने हैरी रेबर्न के बारे में सोचते हुए कहा। वह भी ऐसा ही था। “लेकिन कमजोर चीजों के प्रति क्रूर नहीं?”
"मिस ऐनी, इस बात पर अलग-अलग राय हैं कि 'कमजोर चीजें' क्या हैं और क्या नहीं हैं।"
उनकी आवाज़ में गंभीरता का भाव था जिसने मुझे लगभग चौंका दिया। मुझे लगा कि मैं अपने बगल में बैठे इस व्यक्ति के बारे में वास्तव में बहुत कम जानता हूँ।
"मेरा मतलब बच्चों और कुत्तों से था, मुझे लगता है।"
“मैं सच कह सकती हूँ कि मैंने कभी बच्चों या कुत्तों के प्रति क्रूरता नहीं दिखाई। तो क्या आप महिलाओं को ‘कमजोर वस्तु’ नहीं मानते?”
मैंने विचार किया।
“नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा सोचता हूँ—हालाँकि वे सोचते हैं, शायद। मतलब, आजकल तो सोचते ही हैं। लेकिन पापा हमेशा कहते थे कि शुरुआत में पुरुष और महिलाएं बराबर ताकत के साथ दुनिया में घूमते थे—शेर और बाघ की तरह—”
“और जिराफ?” कर्नल रेस ने चालाकी से बीच में टोकते हुए कहा।
मुझे हंसी आ गई। सब लोग उस जिराफ का मजाक उड़ाते हैं।
“और जिराफ़। वे खानाबदोश थे, आप जानते हैं। जब वे समुदायों में बसने लगे, औरतें एक तरह का काम करने लगीं और मर्द दूसरी तरह का, तभी औरतें कमज़ोर हुईं। और बेशक, अंदर से, एक तो वही रहती है— मेरा मतलब है, वही महसूस करती है, और इसीलिए औरतें मर्दों में शारीरिक शक्ति की पूजा करती हैं—यही वो चीज़ है जो उनके पास कभी थी और अब खो चुकी हैं।”
"क्या यह वास्तव में पूर्वजों की पूजा के समान है?"
कुछ इसी तरह का।
“और आपको सच में लगता है कि यह सच है? मेरा मतलब है कि महिलाएं ताकत की

पूजा करती हैं?”
“मुझे लगता है कि यह बात बिल्कुल सच है—अगर कोई ईमानदार हो। आप नैतिक गुणों की प्रशंसा करते हैं, लेकिन जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो आप आदिम अवस्था में लौट जाते हैं जहाँ शारीरिक सुख ही सब कुछ होता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यही अंत है—अगर आप आदिम परिस्थितियों में रहते तो सब ठीक होता, लेकिन आप नहीं रहते—और इसलिए, अंत में, दूसरी चीज़ ही जीतती है। जो चीज़ें देखने में जीती हुई लगती हैं, वही हमेशा जीतती हैं, है ना? वे उसी तरह जीतती हैं जो मायने रखती है। जैसे बाइबल में आत्मा खोने और उसे पाने के बारे में कहा गया है।”
"अंत में," कर्नल रेस ने सोच-समझकर कहा, "आप प्यार में पड़ते हैं - और फिर उससे बाहर भी निकल जाते हैं, क्या आपका यही मतलब है?"
"बिल्कुल ऐसा नहीं है, लेकिन अगर आप चाहें तो इसे इस तरह कह सकते हैं।"
लेकिन मुझे नहीं लगता कि आप कभी प्यार से बाहर निकली हैं, मिस ऐनी?
“नहीं, मैंने नहीं किया है,” मैंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया।
"या फिर प्यार में पड़ गए हों?"
मैंने उत्तर नहीं दिया।
गाड़ी हमारे गंतव्य पर आकर रुकी और बातचीत समाप्त हो गई। हम उतरे और धीरे-धीरे वर्ल्ड्स व्यू की ओर चढ़ाई शुरू की। कर्नल रेस की संगति में मुझे पहली बार नहीं, बल्कि कई बार थोड़ी असहजता महसूस हुई। उन्होंने अपनी गहरी काली आँखों के पीछे अपने विचारों को बड़ी कुशलता से छिपा रखा था।
वह मुझे थोड़ा डराता था। वह मुझे हमेशा से डराता रहा है। मुझे कभी पता नहीं चला कि उसके साथ मेरा रिश्ता कैसा है।
हम चुपचाप चढ़ते रहे जब तक कि हम उस स्थान पर नहीं पहुँच गए जहाँ विशाल चट्टानों से घिरा रोड्स स्थित है। एक विचित्र, रहस्यमयी जगह, मनुष्यों के निवास से दूर, जो अपनी ऊबड़-खाबड़ सुंदरता का निरंतर गुणगान करती है।
हम कुछ देर तक वहाँ चुपचाप बैठे रहे। फिर एक बार फिर नीचे उतरे, लेकिन रास्ते से थोड़ा हटकर। कभी-कभी चढ़ाई काफी कठिन थी और एक बार हम एक खड़ी ढलान या लगभग खड़ी चट्टान पर पहुँच गए।
कर्नल रेस पहले गए, फिर मेरी मदद करने के लिए मुड़े।
"तुम्हें उठाना बेहतर होगा," उसने अचानक कहा और एक झटके में मुझे पैरों से ऊपर

उठा लिया।
जब उसने मुझे नीचे उतारा और अपनी पकड़ ढीली की, तो मुझे उसकी ताकत का एहसास हुआ। लोहे का आदमी, जिसकी मांसपेशियां लोहे की तरह कसी हुई थीं। और फिर से, मुझे डर लगा, खासकर इसलिए क्योंकि वह एक तरफ नहीं हटा, बल्कि सीधे मेरे सामने खड़ा हो गया, मेरे चेहरे को घूर रहा था।
“ऐनी बेडिंगफेल्ड, तुम यहाँ वास्तव में क्या कर रही हो?” उसने अचानक कहा।
मैं एक बंजारा हूँ जो दुनिया को देख रहा है।
“हां, यह बात बिल्कुल सही है। अखबार संवाददाता होना तो बस एक बहाना है। आपमें पत्रकार की आत्मा नहीं है। आप तो बस अपने स्वार्थ के लिए जी रहे हैं—जिंदगी को छीनने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती।”
वह मुझसे क्या उगलवाना चाहता था? मैं डरी हुई थी—बहुत डरी हुई। मैंने उसकी आँखों में आँखें डालकर देखा। मेरी आँखें उसके जैसे राज़ नहीं रख सकतीं, लेकिन वे युद्ध को दुश्मन के देश तक ले जा सकती हैं।
“आप यहाँ वास्तव में क्या कर रहे हैं, कर्नल रेस?” मैंने जानबूझकर पूछा।
एक पल के लिए मुझे लगा कि वह जवाब नहीं देगा। हालांकि, वह स्पष्ट रूप से अचंभित था। आखिरकार उसने बोलना शुरू किया, और उसके शब्दों से मानो उसे एक गंभीर आनंद मिल रहा था।
“महत्वाकांक्षा का पीछा करना,” उन्होंने कहा। “बस यही—महत्वाकांक्षा का पीछा करना। आपको याद होगा, मिस बेडिंगफेल्ड, कि ‘उसी पाप के कारण स्वर्गदूतों का पतन हुआ,’ इत्यादि।”
मैंने धीरे से कहा, "लोग कहते हैं कि आपका सरकार से सीधा संबंध है—आप गुप्त सेवा में हैं। क्या यह सच है?"
क्या यह मेरा भ्रम था, या जवाब देने से पहले वह एक पल के लिए हिचकिचाया था?
"मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं, मिस बेडिंगफेल्ड, कि मैं यहां पूरी तरह से एक निजी व्यक्ति के रूप में अपने निजी आनंद के लिए यात्रा कर रहा हूं।"
बाद में जवाब पर विचार करने पर मुझे लगा कि यह थोड़ा अस्पष्ट है। शायद उसका इरादा ऐसा ही रहा हो।
हम चुपचाप गाड़ी में वापस बैठ गए। बुलावायो लौटते समय आधे रास्ते में हम सड़क के किनारे एक साधारण सी झोपड़ी में चाय पीने के लिए रुके। दुकानदार बगीचे में

खुदाई कर रहा था और परेशान होने पर नाराज़ लग रहा था। लेकिन उसने विनम्रता से कहा कि वह कुछ कर सकता है। काफी देर इंतजार के बाद वह हमारे लिए कुछ बासी केक और गुनगुनी चाय लाया। फिर वह अपने बगीचे में वापस चला गया।

उसके जाते ही हम बिल्लियों से घिर गए। छह बिल्लियाँ एक साथ दर्द भरी आवाज़ में म्याऊँ-म्याऊँ कर रही थीं। शोर इतना तेज़ था कि कान बहरे हो रहे थे। मैंने उन्हें केक के कुछ टुकड़े दिए। उन्होंने उन्हें बड़ी चाव से खा लिया। मैंने सारा दूध एक तश्तरी में डाल दिया और वे उसे पाने के लिए आपस में लड़ने लगीं।

“ओह,” मैंने गुस्से से कहा, “वे भूखे मर रहे हैं! यह तो बहुत बुरा है। कृपया, कृपया, थोड़ा और दूध और केक की एक और प्लेट मंगवा दीजिए।”

कर्नल रेस चुपचाप मेरी आज्ञा का पालन करने के लिए चले गए। बिल्लियाँ फिर से म्याऊँ-म्याऊँ करने लगी थीं। वे दूध का एक बड़ा जग लेकर लौटे और बिल्लियों ने सारा दूध पी लिया।

मैंने चेहरे पर दृढ़ निश्चय के साथ उठकर कदम बढ़ाया।

मैं इन बिल्लियों को अपने साथ घर ले जाऊंगा—मैं इन्हें यहाँ नहीं छोड़ूंगा।

“मेरे प्यारे बच्चे, बेवकूफी मत करो। तुम अपने साथ छह बिल्लियाँ और पचास लकड़ी के जानवर नहीं ले जा सकते।”

“लकड़ी के जानवरों की परवाह मत करो। ये बिल्लियाँ तो जीवित हैं। मैं इन्हें अपने साथ ले जाऊँगा।”

“तुम ऐसा कुछ नहीं करोगे।” मैंने उसे नाराज़गी से देखा, लेकिन वह बोलता रहा:

“तुम मुझे क्रूर समझते हो—पर इन बातों पर भावुक होकर ज़िंदगी गुज़ारना ठीक नहीं है। अलग दिखने का कोई फ़ायदा नहीं—मैं तुम्हें इन्हें लेने नहीं दूँगा। यह एक पिछड़ा देश है, तुम्हें पता है, और मैं तुमसे ज़्यादा ताकतवर हूँ।”

मुझे हमेशा पता चल जाता है कि मैं हार गई हूँ। मैं आँखों में आँसू लिए कार की तरफ नीचे गई।

“शायद आज ही उनके पास खाने की कमी है,” उन्होंने दिलासा देते हुए समझाया। “उस आदमी की पत्नी सामान लेने बुलावायो गई है। तो सब ठीक हो जाएगा। और वैसे भी, दुनिया में भूखी बिल्लियाँ भरी पड़ी हैं।”

“नहीं—नहीं,” मैंने गुस्से से कहा।

मैं तुम्हें जीवन को उसके वास्तविक स्वरूप में स्वीकारना सिखा रहा हूँ। मैं तुम्हें कठोर

और निर्दयी बनना सिखा रहा हूँ—बिल्कुल मेरी तरह। यही शक्ति का रहस्य है—और सफलता का भी।
मैंने जोश से कहा, "कठोर होने से बेहतर है मर जाना।"
हम कार में बैठे और चल पड़े। मैंने धीरे-धीरे खुद को संभाला। अचानक, मुझे बेहद आश्चर्य हुआ, जब उसने मेरा हाथ अपने हाथ में ले लिया।
“ऐनी,” उसने कोमल स्वर में कहा, “मैं तुम्हें चाहता हूँ। क्या तुम मुझसे शादी करोगी?”
मैं पूरी तरह से अचंभित रह गया।
“ओह, नहीं,” मैं हकलाते हुए बोला। “मैं नहीं कर सकता।”
"क्यों नहीं?"
मुझे तुम्हारे लिए उस तरह की परवाह नहीं है। मैंने तुम्हारे बारे में कभी उस तरह से सोचा ही नहीं।
“मैं समझ गया। क्या यही एकमात्र कारण है?”
मुझे ईमानदार रहना ही था। यह मेरा कर्तव्य था।
“नहीं,” मैंने कहा, “ऐसा नहीं है। देखिए—मैं किसी और की परवाह करता हूँ।”
“मैं समझ गया,” उसने फिर कहा। “और क्या यह बात शुरू में भी सच थी—जब मैंने तुम्हें पहली बार किल्मॉर्डन पर देखा था?”
“नहीं,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा। “यह तब से था।”
“मैं समझ गया,” उसने तीसरी बार कहा, लेकिन इस बार उसकी आवाज़ में एक दृढ़ निश्चय था जिसने मुझे मुड़कर उसकी ओर देखने पर मजबूर कर दिया। उसका चेहरा पहले से कहीं अधिक गंभीर था।
“क्या—आपका क्या मतलब है?” मैं हिचकिचाया।
उसने मुझे रहस्यमय, प्रभुत्वपूर्ण ढंग से देखा।
"बस इतना ही—कि अब मुझे पता है कि मुझे क्या करना है।"
उनके शब्दों ने मुझे कंपकंपा दिया। उनमें एक दृढ़ संकल्प था जिसे मैं समझ नहीं पाया—और इसने मुझे डरा दिया।
होटल वापस आने तक हम दोनों में से किसी ने कुछ नहीं कहा। मैं सीधे सुज़ैन के पास गई। वह अपने बिस्तर पर लेटी पढ़ रही थी और देखने में ज़रा भी सिरदर्द के लक्षण नहीं लग रहे थे।

“यहाँ एकदम सही आंवला आराम कर रहा है,” उसने कहा। “उर्फ़ चतुर संरक्षक। अरे, प्यारी ऐनी, क्या बात है?”
क्योंकि मैं फूट-फूटकर रोने लगी थी।
मैंने उसे बिल्लियों के बारे में बताया—मुझे लगा कि कर्नल रेस के बारे में बताना ठीक नहीं होगा। लेकिन सुज़ैन बहुत समझदार है। मुझे लगता है कि उसने समझ लिया कि इसके पीछे कुछ और भी है।
"तुम्हें ठंड तो नहीं लग गई, ऐनी? इस गर्मी में ऐसी बातें कहना भी बेतुका लगता है, लेकिन तुम कांपती ही जा रही हो।"
मैंने कहा, "कुछ नहीं। घबराहट है—या फिर कोई मेरी कब्र पर चल रहा है। मुझे बार-बार ऐसा लग रहा है कि कुछ भयानक होने वाला है।"
“मूर्खता मत करो,” सुज़ैन ने दृढ़ता से कहा। “चलो कुछ दिलचस्प बात करते हैं। ऐनी, उन हीरों के बारे में——”
उनका क्या होगा?
मुझे यकीन नहीं है कि वे मेरे पास सुरक्षित हैं। पहले सब ठीक था, कोई सोच भी नहीं सकता था कि वे मेरे सामान के बीच होंगे। लेकिन अब जब सबको पता चल गया है कि हम इतने अच्छे दोस्त हैं, तो मुझ पर भी शक किया जाएगा।
मैंने तर्क दिया, "वैसे तो किसी को पता ही नहीं चलता कि वे फिल्मों की एक श्रृंखला में हैं। यह एक शानदार छिपने की जगह है और मुझे नहीं लगता कि इससे बेहतर कोई जगह हो सकती है।"
वह संशय के साथ सहमत हुई, लेकिन उसने कहा कि झरने पर पहुँचने पर हम इस पर फिर से चर्चा करेंगे।
हमारी ट्रेन नौ बजे चली। सर यूस्टेस का मिजाज अभी भी ठीक नहीं था, और मिस पेटिग्रेव उदास लग रही थीं। कर्नल रेस अपने सामान्य स्वभाव में थे। वापसी के दौरान मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने पूरी बातचीत सपने में देखी हो।
उस रात मैं अपने सख्त पलंग पर गहरी नींद सोई, अस्पष्ट और डरावने सपनों से जूझती रही। सिरदर्द के साथ उठी और ट्रेन के अवलोकन मंच पर गई। वहाँ का मौसम ताज़ा और मनमोहक था, और जहाँ तक नज़र जाती थी, लहरदार, घने जंगलों वाली पहाड़ियाँ ही दिखाई दे रही थीं। मुझे वह जगह बहुत पसंद आई—जितनी भी जगह मैंने आज तक देखी थी, उससे कहीं ज़्यादा। तब मेरी इच्छा हुई कि झाड़ियों के बीचोंबीच

कहीं मेरी एक छोटी सी झोपड़ी हो और मैं हमेशा वहीं रहूँ—हमेशा के लिए।
ढाई बजे से ठीक पहले, कर्नल रेस ने मुझे "कार्यालय" से बाहर बुलाया और झाड़ी के एक हिस्से पर मंडरा रहे गुलदस्ते के आकार के सफेद धुंध की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, "झरने से आती फुहार। हम लगभग पहुँच ही गए हैं।"
मैं अब भी उस अजीबोगरीब स्वप्निल उत्साह की अनुभूति में डूबा हुआ था, जिसने मेरी अशांत रात के बाद मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया था। मेरे भीतर यह भावना बहुत दृढ़ता से बैठी हुई थी कि मैं घर आ गया हूँ... घर! और फिर भी मैं यहाँ पहले कभी नहीं आया था—या शायद सपनों में ही आया था?
हम ट्रेन से होटल तक पैदल चले, जो मच्छरों से बचाव के लिए चारों ओर से तारों से घिरी एक बड़ी सफेद इमारत थी। वहाँ न सड़कें थीं, न घर। हम बरामदे में निकले और मैं दंग रह गई। वहाँ, आधा मील दूर, हमारे सामने झरने थे। मैंने इससे पहले कभी इतना भव्य और सुंदर कुछ नहीं देखा था—और न ही कभी देख पाऊँगी।
"ऐनी, तुम कुछ अजीब सी लग रही हो," सुज़ैन ने कहा, जब हम दोपहर के भोजन के लिए बैठे। "मैंने तुम्हें पहले कभी इस तरह नहीं देखा।"
उसने उत्सुकता भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।
“क्या मैं हूँ?” मैं हँसी, लेकिन मुझे लगा कि मेरी हँसी स्वाभाविक नहीं थी। “बस मुझे यह सब बहुत पसंद है।”
“यह उससे कहीं अधिक है।”
उसके माथे पर थोड़ी सी चिंता की लकीरें उभर आईं।
हाँ, मैं खुश तो थी, लेकिन इसके अलावा मुझे एक अजीब सी बेचैनी भी हो रही थी कि मैं किसी चीज़ का इंतज़ार कर रही हूँ—कुछ ऐसा जो जल्द ही होने वाला है। मैं उत्साहित थी—बेचैन थी।
चाय के बाद हम टहलने निकले, ट्रॉली में चढ़े और मुस्कुराते हुए अश्वेत लोगों ने हमें रेल की छोटी पटरियों पर धकेलते हुए पुल तक पहुँचा दिया।
यह एक अद्भुत नज़ारा था, विशाल खाई और नीचे बहता हुआ तेज़ पानी, और हमारे सामने धुंध और फुहार का पर्दा जो हर थोड़ी देर में एक पल के लिए हटकर झरने को दिखाता था और फिर अपने अभेद्य रहस्य में लिपट जाता था। मेरे विचार से, यही हमेशा से इन झरनों का आकर्षण रहा है—इनका मायावी गुण। आपको हमेशा लगता है कि आप इन्हें देखने वाले हैं—लेकिन आप कभी नहीं देख पाते।

हमने पुल पार किया और दोनों ओर सफेद पत्थरों से बने रास्ते पर धीरे-धीरे चलने लगे, जो खाई के किनारे से होकर गुजरता था। अंत में हम एक बड़े खुले मैदान में पहुँचे जहाँ बाईं ओर एक रास्ता खाई की ओर नीचे की ओर जाता था।

“खजूर के पेड़ों वाली घाटी,” कर्नल रेस ने समझाया। “क्या हम नीचे चलें? या इसे कल तक के लिए छोड़ दें? इसमें कुछ समय लगेगा, और फिर ऊपर चढ़ना भी काफी मुश्किल होगा।”

“हम इसे कल तक के लिए छोड़ देते हैं,” सर यूस्टेस ने दृढ़ता से कहा। मैंने देखा है कि उन्हें ज़ोरदार शारीरिक व्यायाम बिल्कुल पसंद नहीं है।

वह आगे-आगे चलने लगा। चलते-चलते हमें एक सुंदर आदिवासी धीरे-धीरे चलता हुआ मिला। उसके पीछे एक महिला आ रही थी जिसने मानो अपने सिर पर घर का सारा सामान लाद रखा हो! उस सामान में एक कड़ाही भी शामिल थी!

"जब मुझे कैमरे की जरूरत होती है, तब वह मेरे पास कभी नहीं होता," सुज़ैन ने आह भरते हुए कहा।

“श्रीमती ब्लेयर, ऐसा अवसर बार-बार आएगा,” कर्नल रेस ने कहा। “इसलिए शोक न करें।”

हम वापस पुल पर आ गए।

“क्या हम इंद्रधनुषी जंगल में चलें?” उसने आगे पूछा। “या तुम्हें भीगने से डर लगता है?”

सुज़ैन और मैं उनके साथ गए। सर यूस्टेस होटल वापस चले गए। इंद्रधनुषी जंगल देखकर मुझे थोड़ी निराशा हुई। वहाँ पर्याप्त इंद्रधनुष नहीं थे और हम पूरी तरह भीग गए, लेकिन बीच-बीच में हमें सामने झरने की झलक मिलती रही और हमें एहसास हुआ कि वे कितने विशाल हैं। ओह, प्यारे झरने, मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ और तुम्हारी पूजा करता हूँ और हमेशा करता रहूँगा!

हम ठीक समय पर होटल वापस पहुँच गए ताकि रात के खाने के लिए कपड़े बदल सकें। सर यूस्टेस कर्नल रेस के प्रति स्पष्ट रूप से शत्रुतापूर्ण रवैया अपना चुके थे। सुज़ैन और मैंने उन्हें प्यार से समझाने की कोशिश की, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली।

रात के खाने के बाद, वह मिस पेटिग्रेव को अपने साथ खींचते हुए अपने बैठक कक्ष में चले गए। सुज़ैन और मैंने कर्नल रेस से थोड़ी देर बात की, और फिर उसने एक बड़ी

जम्हाई लेते हुए कहा कि वह सोने जा रही है। मैं उनके साथ अकेला नहीं रहना चाहता था, इसलिए मैं भी उठकर अपने कमरे में चला गया।

लेकिन मैं इतनी उत्साहित थी कि मुझे नींद ही नहीं आई। मैंने अपने कपड़े भी नहीं उतारे। मैं कुर्सी पर लेट गई और सपनों की दुनिया में खो गई। और हर पल मुझे ऐसा लग रहा था जैसे कोई चीज मेरे करीब आती जा रही हो...

दरवाजे पर दस्तक हुई और मैं चौंक गया। मैं उठा और दरवाजे की ओर गया। एक छोटे काले लड़के ने एक नोट आगे बढ़ाया। उस पर मेरा नाम लिखा था और लिखावट मुझे समझ नहीं आई। मैंने उसे लिया और कमरे में वापस आ गया। मैं उसे पकड़े वहीं खड़ा रहा। आखिरकार मैंने उसे खोला। वह बहुत छोटा था:

मुझे तुमसे मिलना ही है। होटल आने की हिम्मत नहीं हो रही। क्या तुम ताड़ के पेड़ों की घाटी के पास खुले मैदान में आओगे? केबिन नंबर 17 की याद में, कृपया आना। वह आदमी जिसे तुम हैरी रेबर्न के नाम से जानते थे।

मेरा दिल घुटकर धड़कने लगा। वो यहाँ था! ओह, मुझे पता था—मुझे हमेशा से पता था! मैंने उसे अपने पास महसूस किया था। अनजाने में ही मैं उसके एकांत स्थान पर आ गई थी।

मैंने अपने सिर पर एक दुपट्टा लपेटा और चुपके से दरवाजे की ओर बढ़ी। मुझे सावधान रहना होगा। उसका पीछा किया जा रहा था। मुझे उससे मिलते हुए कोई नहीं देख सकता। मैं चुपके से सुज़ैन के कमरे में गई। वह गहरी नींद में सो रही थी। मुझे उसकी सांसें नियमित रूप से सुनाई दे रही थीं।

सर यूस्टेस? मैं उनके बैठक कक्ष के दरवाजे के बाहर रुक गया। जी हाँ, वे मिस पेटिग्रेव को कुछ लिखवा रहे थे, मैं उनकी नीरस आवाज़ को दोहराते हुए सुन सकता था। “इसलिए मैं यह सुझाव देने का साहस करता हूँ कि रंगीन श्रमिकों की इस समस्या से निपटने में—” वे उनके बोलने का इंतज़ार करने के लिए रुक गईं, और मैंने उन्हें गुस्से में कुछ बड़बड़ाते हुए सुना।

मैं चुपके से आगे बढ़ा। कर्नल रेस का कमरा खाली था। वह मुझे लाउंज में भी नहीं दिखे। और वही तो वह आदमी थे जिनसे मुझे सबसे ज़्यादा डर लगता था! फिर भी, मैं और समय बर्बाद नहीं कर सकता था। मैं तेज़ी से होटल से निकला और पुल की ओर जाने वाले रास्ते पर चल पड़ा।

मैं पुल पार करके छाया में खड़ा इंतज़ार करने लगा। अगर कोई मेरा पीछा कर रहा

होता, तो मैं उसे पुल पार करते हुए देख लेता। लेकिन मिनट बीतते गए, और कोई नहीं आया। मेरा कोई पीछा नहीं कर रहा था। मैं मुड़ा और खुले मैदान की ओर जाने वाले रास्ते पर चल पड़ा। मैंने लगभग छह कदम चले और फिर रुक गया। मेरे पीछे कुछ सरसराहट हुई। यह होटल से मेरा पीछा करने वाला कोई नहीं हो सकता था। यह कोई ऐसा व्यक्ति था जो पहले से ही यहाँ इंतज़ार कर रहा था।

और तुरंत, बिना किसी कारण के, बस सहज ज्ञान की दृढ़ता से, मुझे पता चल गया कि खतरा मुझ पर मंडरा रहा है। यह वही भावना थी जो मुझे उस रात किल्मोर्डन पर हुई थी—एक दृढ़ सहज ज्ञान जो मुझे खतरे की चेतावनी दे रहा था।

मैंने पीछे मुड़कर देखा। सन्नाटा। मैं एक-दो कदम आगे बढ़ा। फिर से मुझे सरसराहट सुनाई दी। चलते-चलते मैंने फिर पीछे मुड़कर देखा। एक आदमी परछाई से बाहर आया। उसने देखा कि मैंने उसे देख लिया है, और वह तेजी से मेरी ओर झपटा। अंधेरा इतना घना था कि किसी को पहचानना मुश्किल था। मुझे बस इतना ही दिखाई दिया कि वह लंबा था और यूरोपियन था, यहाँ का निवासी नहीं। मैं तेज़ी से भागा। मुझे उसके पीछे कदमों की आहट सुनाई दी। मैं और तेज़ भागा, अपनी नज़रें उन सफ़ेद पत्थरों पर टिकाए हुए था जो मुझे रास्ता दिखाते थे, क्योंकि उस रात चाँद नहीं था।

और अचानक मेरे पैर सुन्न पड़ गए। मैंने अपने पीछे खड़े आदमी की हंसी सुनी, एक भयानक, डरावनी हंसी। वह मेरे कानों में गूंजती रही, जैसे ही मैं सिर के बल नीचे, नीचे, नीचे विनाश की ओर गिरने लगा।

अध्याय XXV

मैं धीरे-धीरे और दर्दनाक ढंग से होश में आई। मुझे सिर में तेज़ दर्द और हिलने की कोशिश करने पर बाएँ हाथ में चुभन महसूस हो रही थी, और सब कुछ सपने जैसा और अवास्तविक लग रहा था। डरावने सपने मेरे सामने तैर रहे थे। मुझे लग रहा था कि मैं गिर रही हूँ—बार-बार गिर रही हूँ। एक बार हैरी रेबर्न का चेहरा धुंध से निकलता हुआ सा लगा। लगभग मुझे लगा जैसे वो सच हो। फिर वो मेरा मज़ाक उड़ाते हुए गायब हो गया। एक बार, मुझे याद है, किसी ने मेरे होठों पर प्याला रखा और मैंने पिया। एक काला चेहरा मेरी ओर मुस्कुराया—मुझे लगा जैसे किसी शैतान का चेहरा हो, और मैं चीख पड़ी। फिर से सपने—लंबे, परेशान करने वाले सपने जिनमें मैं व्यर्थ

ही हैरी रेबर्न को चेतावनी देने के लिए ढूँढ़ रही थी—उसे चेतावनी देने के लिए—किस बात की? मुझे खुद नहीं पता था। लेकिन कोई खतरा था—कोई बड़ा खतरा—और केवल मैं ही उसे बचा सकती थी। फिर से अँधेरा, दयालु अँधेरा, और फिर सच्ची नींद।
आखिरकार मैं जाग उठी। लंबा दुःस्वप्न समाप्त हो गया था। मुझे सब कुछ याद था, होटल से हैरी से मिलने के लिए मेरी जल्दबाजी में की गई भागदौड़, अंधेरे में छिपा वह आदमी और गिरने का वह आखिरी भयानक क्षण...
किसी चमत्कार से मैं बच गया था। मुझे चोटें आई थीं, दर्द हो रहा था और मैं बहुत कमजोर था, लेकिन मैं जीवित था। पर मैं कहाँ था? बड़ी मुश्किल से अपना सिर हिलाकर मैंने चारों ओर देखा। मैं एक छोटे से कमरे में था जिसकी दीवारें खुरदरी लकड़ी की थीं। उन पर जानवरों की खालें और हाथीदांत के कई टुकड़े लटके हुए थे। मैं खालों से ढके एक खुरदुरे सोफे पर लेटा हुआ था, और मेरा बायाँ हाथ पट्टी से बंधा हुआ था और अकड़ा हुआ और असहज महसूस हो रहा था। पहले तो मुझे लगा कि मैं अकेला हूँ, और फिर मैंने अपने और रोशनी के बीच एक आदमी की आकृति देखी, जिसका सिर खिड़की की ओर मुड़ा हुआ था। वह इतना स्थिर था मानो लकड़ी से तराशा गया हो। उसके छोटे-छोटे काले बालों में कुछ जाना-पहचाना सा था, लेकिन मैंने अपनी कल्पना को बेकाबू होने देने की हिम्मत नहीं की। अचानक वह मुड़ा, और मेरी साँस थम गई। वह हैरी रेबर्न था। साक्षात हैरी रेबर्न।
वह उठा और मेरे पास आया।
"अब कैसा लग रहा है?" उसने थोड़ी झिझक के साथ कहा।
मैं जवाब नहीं दे सकी। मेरी आँखों से आंसू बह रहे थे। मैं अभी भी कमजोर थी, लेकिन मैंने उसका हाथ दोनों हाथों में थाम लिया। काश, मैं इसी तरह मर पाती, जब वह वहाँ खड़ा होकर अपनी आँखों में उस नई चमक के साथ मुझे देख रहा होता।
“रो मत, ऐनी। कृपया रोना मत। अब तुम सुरक्षित हो। कोई तुम्हें नुकसान नहीं पहुंचाएगा।”
वह गया और एक कप लाकर मुझे दिया।
“इस दूध में से थोड़ा सा पी लो।”
मैंने आज्ञाकारी होकर पानी पिया। वह धीमी, प्यार भरी आवाज़ में बातें करता रहा, जैसे किसी बच्चे से कर रहा हो।
अब और सवाल मत पूछो। फिर से सो जाओ। धीरे-धीरे तुम ठीक हो जाओगे। अगर

तुम चाहो तो मैं चला जाता हूँ।
“नहीं,” मैंने जल्दबाजी में कहा। “नहीं, नहीं।”
“तो मैं यहीं रुकूंगा।”
वह मेरे पास एक छोटा सा स्टूल लाकर बैठ गया। उसने अपना हाथ मेरे हाथ पर रखा, और मुझे सुकून और तसल्ली मिली, और मैं एक बार फिर सो गई।
तब शाम का समय रहा होगा, लेकिन जब मैं दोबारा जागा तो सूरज आसमान में काफी ऊपर था। मैं झोपड़ी में अकेला था, लेकिन जैसे ही मैं हिला, एक बूढ़ी आदिवासी महिला दौड़ती हुई अंदर आई। वह देखने में बेहद बदसूरत थी, लेकिन उसने मुझे देखकर हौसला बढ़ाते हुए मुस्कुराया। वह मेरे लिए एक बर्तन में पानी लाई और मेरे चेहरे और हाथों को धोने में मेरी मदद की। फिर वह मेरे लिए सूप का एक बड़ा कटोरा लाई, और मैंने उसे एक-एक बूंद पी लिया! मैंने उससे कई सवाल पूछे, लेकिन वह सिर्फ मुस्कुराती रही, सिर हिलाती रही और अपनी कर्कश भाषा में बड़बड़ाती रही, जिससे मुझे समझ आया कि उसे अंग्रेजी नहीं आती।
अचानक वह खड़ी हो गई और हैरी रेबर्न के प्रवेश करते ही सम्मानपूर्वक पीछे हट गई। उसने उसे जाने का इशारा किया और वह हमें अकेला छोड़कर बाहर चली गई। उसने मेरी तरफ मुस्कुराया।
आज वाकई बहुत बेहतर है!
“जी हाँ, बिल्कुल, लेकिन फिर भी बहुत उलझन में हूँ। मैं कहाँ हूँ?”
"आप ज़ाम्बेसी नदी पर एक छोटे से द्वीप पर हैं, जो जलप्रपात से लगभग चार मील ऊपर स्थित है।"
"क्या मेरे दोस्तों को पता है कि मैं यहाँ हूँ?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
मुझे उन्हें संदेश भेजना होगा।
"यह तो आपकी मर्जी है, लेकिन अगर मैं आपकी जगह होता तो थोड़ा और मजबूत होने तक इंतजार करता।"
"क्यों?"
उन्होंने तुरंत जवाब नहीं दिया, इसलिए मैं आगे बढ़ गया।
मैं यहां कब से हूं?
उनके जवाब ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया।

लगभग एक महीना।
“ओह!” मैं चिल्लाई। “मुझे सुज़ैन को खबर भेजनी होगी। वह बहुत चिंतित होगी।”
“सुज़ैन कौन है?”
"श्रीमती ब्लेयर। मैं उनके साथ, सर यूस्टेस और कर्नल रेस के साथ होटल में था—लेकिन आप यह तो जानती ही होंगी, है ना?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"मुझे कुछ नहीं पता, सिवाय इसके कि मैंने तुम्हें एक पेड़ की शाखा में फंसा हुआ पाया, बेहोश और तुम्हारा हाथ बुरी तरह से मुड़ा हुआ था।"
“वह पेड़ कहाँ था?”
खाई के ऊपर लटकते हुए। अगर तुम्हारे कपड़े शाखाओं में न फंसे होते, तो तुम निश्चित रूप से टुकड़े-टुकड़े हो गए होते।
मैं सिहर उठा। तभी मेरे मन में एक विचार आया।
“तुम कहते हो कि तुम्हें पता नहीं था कि मैं वहाँ था। तो फिर उस नोट का क्या हुआ?”
“कौन सा नोट?”
"वह नोट जो आपने मुझे भेजा था, जिसमें आपने मुझे खुले मैदान में मिलने के लिए कहा था।"
उसने मेरी ओर घूरकर देखा।
मैंने कोई पत्र नहीं भेजा।
मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे बाल जड़ तक लाल हो गए हों। सौभाग्य से उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया।
मैंने यथासंभव सहज भाव से पूछा, “आप इतनी अद्भुत स्थिति में यहाँ कैसे पहुँच गए? और वैसे भी, आप दुनिया के इस हिस्से में क्या कर रहे हैं?”
उन्होंने सरल शब्दों में कहा, "मैं यहीं रहता हूं।"
“इसी द्वीप पर?”
"हां, मैं युद्ध के बाद यहां आया था। कभी-कभी मैं होटल से लोगों को अपनी नाव में सैर पर ले जाता हूं, लेकिन मेरा गुजारा बहुत कम होता है, और ज्यादातर मैं अपनी मर्जी से ही काम करता हूं।"
“क्या आप यहां बिल्कुल अकेले रहते हैं?”

“मैं समाज के लिए तरस नहीं रहा हूँ, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ,” उसने ठंडे स्वर में उत्तर दिया।
मैंने पलटकर जवाब दिया, "मुझे खेद है कि मैंने अपनी बात आप पर थोपी, लेकिन ऐसा लगता है कि इस मामले में मेरे पास कहने के लिए बहुत कम था।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि उसकी आँखों में थोड़ी सी चमक थी।
“बिल्कुल नहीं। मैंने तुम्हें कोयले की बोरी की तरह अपने कंधों पर लादा और अपनी नाव तक ले गया। बिलकुल पाषाण युग के आदिम मनुष्य की तरह।”
“लेकिन एक अलग कारण से,” मैंने कहा।
इस बार उसका चेहरा शर्म से लाल हो गया, एक गहरी जलन भरी शर्म। उसके चेहरे का सांवला रंग पूरी तरह से झलक रहा था।
"लेकिन आपने मुझे यह नहीं बताया कि आप मेरे लिए इतनी आसानी से इधर-उधर कैसे भटक रहे थे?" मैंने उसकी उलझन को छुपाने के लिए जल्दबाजी में कहा।
“मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं बेचैन था—अशांत था—ऐसा लग रहा था जैसे कुछ होने वाला है। अंत में मैंने नाव ली और किनारे पर आकर झरने की ओर चल पड़ा। मैं ताड़ के पेड़ों की घाटी के ठीक ऊपर ही था कि मैंने तुम्हारी चीख सुनी।”
मैंने पूछा, "होटल से मदद क्यों नहीं ली, मुझे इतनी दूर तक गाड़ी में बिठाकर क्यों लाए?"
उसका चेहरा फिर से लाल हो गया।
“मुझे लगता है कि यह आपके लिए एक अक्षम्य लापरवाही होगी—लेकिन मुझे नहीं लगता कि अब भी आपको अपने खतरे का एहसास है! आपको लगता है कि मुझे आपके दोस्तों को सूचित करना चाहिए था? प्यारे दोस्त, जिन्होंने आपको मौत के जाल में फँसने दिया। नहीं, मैंने खुद से वादा किया था कि मैं आपकी सबसे अच्छी देखभाल करूँगा। इस द्वीप पर कोई नहीं आता। मैंने बूढ़ी बटानी को, जिसे मैंने एक बार बुखार से ठीक किया था, आपकी देखभाल करने के लिए बुलाया है। वह वफादार है। वह कभी कुछ नहीं कहेगी। मैं आपको यहाँ महीनों तक रख सकता हूँ और किसी को पता भी नहीं चलेगा।”
मैं तुम्हें महीनों तक यहीं रख सकता हूँ और किसी को पता भी नहीं चलेगा! कुछ शब्द कितने सुखद होते हैं!
“तुमने बिलकुल सही किया,” मैंने धीरे से कहा। “और मैं किसी को भी खबर नहीं

भेजूँगी। एक-दो दिन की चिंता से कोई खास फर्क नहीं पड़ता। ऐसा नहीं है कि वे मेरे अपने लोग हैं। वे तो बस जान-पहचान वाले हैं— सुज़ैन भी। और जिसने भी वह नोट लिखा होगा, उसे काफी कुछ पता होगा। यह किसी बाहरी व्यक्ति का काम नहीं था।"
इस बार मैं बिना शर्माए उस नोट का जिक्र करने में कामयाब रहा।
"यदि आप मेरे मार्गदर्शन में चलें तो—" उसने हिचकिचाते हुए कहा।
मैंने स्पष्टवादिता से उत्तर दिया, "मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। लेकिन सुनने में कोई हर्ज नहीं है।"
"क्या आप हमेशा वही करती हैं जो आपको पसंद है, मिस बेडिंगफेल्ड?"
मैंने सावधानी से जवाब दिया, "आमतौर पर।" किसी और से मैं कहता, "हमेशा।"
"मुझे तुम्हारे पति पर तरस आता है," उसने अप्रत्याशित रूप से कहा।
"आपको इसकी ज़रूरत नहीं है," मैंने जवाब दिया। "मैं किसी से भी शादी करने का सपना भी नहीं देखूंगी जब तक कि मैं उससे बेइंतहा प्यार न कर बैठूं। और बेशक, एक औरत को इससे ज़्यादा खुशी किसी और चीज़ में नहीं मिलती कि वो अपने पसंद के इंसान के लिए वो सब काम करे जो उसे पसंद नहीं। और वो जितनी ज़्यादा अपनी मर्ज़ी की मालिक होती है, उसे उतना ही ज़्यादा मज़ा आता है।"
"मुझे खेद है कि मैं आपसे असहमत हूँ। आमतौर पर स्थिति उलटी होती है।" उन्होंने हल्के से व्यंग्य करते हुए कहा।
"बिल्कुल सही," मैंने उत्साह से कहा। "और इसीलिए इतने सारे विवाह नाखुशहाल होते हैं। ये सब पुरुषों की गलती है। या तो वे अपनी पत्नियों की बात मान लेते हैं— और फिर पत्नियाँ उनसे नफरत करने लगती हैं, या फिर वे पूरी तरह स्वार्थी होते हैं, अपनी मनमानी करते हैं और कभी 'धन्यवाद' नहीं कहते। सफल पति अपनी पत्नियों से वही करवाते हैं जो वे चाहते हैं, और फिर ऐसा करने पर उनकी खूब तारीफ करते हैं। महिलाओं को अधीन रहना पसंद होता है, लेकिन उन्हें अपने बलिदानों की सराहना न मिलना बिल्कुल पसंद नहीं होता। दूसरी ओर, पुरुष उन महिलाओं की कद्र नहीं करते जो हर समय उनके साथ अच्छा व्यवहार करती हैं। जब मेरी शादी होगी, तो मैं ज्यादातर समय शैतान की तरह व्यवहार करूंगी, लेकिन कभी-कभी, जब मेरे पति को इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होगी, तो मैं उन्हें दिखाऊंगी कि मैं कितनी प्यारी और नेक हो सकती हूँ!"
हैरी खुलकर हंस पड़ा।

"तुम्हें बिल्ली-कुत्ते की तरह संघर्ष भरी जिंदगी जीनी पड़ेगी।"
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "प्रेमी हमेशा लड़ते हैं। क्योंकि वे एक-दूसरे को समझते नहीं हैं। और जब तक वे एक-दूसरे को समझ पाते हैं, तब तक उनमें प्यार खत्म हो चुका होता है।"
क्या इसका उल्टा भी सच है? क्या आपस में लड़ने वाले लोग हमेशा प्रेमी होते हैं?
“मुझे—मुझे नहीं पता,” मैंने क्षण भर के लिए असमंजस में पड़कर कहा।
वह अंगीठी की ओर मुड़ गया।
"क्या आपको थोड़ा और सूप चाहिए?" उसने सहज लहजे में पूछा।
"जी हां, कृपया। मुझे इतनी भूख लगी है कि मैं एक दरियाई घोड़ा भी खा सकता हूं।"
"अच्छी बात है।"
वह आग बुझाने में व्यस्त हो गया; मैं उसे देखता रहा।
मैंने वादा किया, "जब मैं सोफे से उठ पाऊंगी, तो तुम्हारे लिए खाना बनाऊंगी।"
मुझे नहीं लगता कि आपको खाना पकाने के बारे में कुछ भी पता है।
मैंने पलटवार करते हुए कहा, "मैं भी तुम्हारी तरह ही टिन के डिब्बों से चीजें गर्म कर सकता हूँ," और मैंने मेंटलपीस पर रखे टिन के डिब्बों की एक पंक्ति की ओर इशारा किया।
“सही कहा,” उसने कहा और हंस पड़ा।
जब वह हंसता था तो उसका पूरा चेहरा बदल जाता था। वह बचकाना, खुशमिजाज हो जाता था—एक अलग ही व्यक्तित्व।
मुझे सूप बहुत पसंद आया। खाते समय मैंने उसे याद दिलाया कि उसने मुझे सलाह तो दी ही नहीं थी।
“हाँ, मैं यही कहना चाह रहा था। अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो जब तक तुम पूरी तरह ठीक नहीं हो जाते, तब तक चुपचाप यहीं छिपा रहता। तुम्हारे दुश्मन तुम्हें मरा हुआ समझेंगे। उन्हें तुम्हारा शव न मिलने पर शायद ही आश्चर्य होगा। वह चट्टानों पर चूर-चूर हो गया होगा और तेज धारा के साथ बह गया होगा।”
मुझे कंपकंपी हो आई।
"एक बार जब आप पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएं, तो आप शांतिपूर्वक बेइरा की यात्रा कर सकते हैं और वहां से नाव लेकर वापस इंग्लैंड जा सकते हैं।"
मैंने तिरस्कारपूर्वक आपत्ति जताते हुए कहा, "यह तो बहुत ही साधारण बात होगी।"

"यह तो एक नासमझ स्कूली छात्रा की बात है।"
मैंने आक्रोश से चिल्लाते हुए कहा, "मैं कोई नासमझ स्कूली छात्रा नहीं हूँ। मैं एक महिला हूँ।"
जब मैं शर्म से लाल होकर और उत्साहित होकर उठी तो उसने मुझे एक ऐसे भाव से देखा जिसे मैं समझ नहीं पाई।
"भगवान मेरी मदद करे, अगर तुम हो तो," उसने बुदबुदाते हुए कहा और अचानक बाहर चला गया।
मेरी रिकवरी बहुत तेज़ी से हुई। मुझे दो चोटें आई थीं: सिर पर एक ज़ोरदार चोट और हाथ में बुरी तरह मोच आना। इनमें से एक चोट ज़्यादा गंभीर थी और शुरुआत में मेरे बचावकर्ता को लगा था कि हाथ टूट गया है। लेकिन सावधानीपूर्वक जांच करने पर उन्हें पता चला कि ऐसा नहीं था, और हालांकि बहुत दर्द हो रहा था, मैं जल्दी ही अपने हाथ का इस्तेमाल करने में सक्षम हो गया।
वह एक अजीब दौर था। हम दुनिया से कटे हुए थे, आदम और हव्वा की तरह अकेले थे—लेकिन कितना फर्क था! बूढ़ा बटानी इधर-उधर मंडराता रहता था, बस एक कुत्ते की तरह गिनती करता रहता था। मैंने खाना बनाने की ज़िद की, या जितना मैं एक हाथ से कर सकती थी उतना खाना बनाया। हैरी ज़्यादातर समय बाहर रहता था, लेकिन हम घंटों ताड़ के पेड़ों की छाँव में लेटे रहते, बातें करते और झगड़ते—हर बात पर चर्चा करते, झगड़ते और फिर सुलह कर लेते। हम खूब नोकझोंक करते थे, लेकिन हमारे बीच एक ऐसी सच्ची और अटूट दोस्ती पनपी, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। बस यही—और कुछ और भी।
मुझे पता था कि वो समय नजदीक आ रहा है जब मैं ठीक होकर जाने लायक हो जाऊंगी, और इस बात का एहसास मेरे दिल में भारीपन लिए था। क्या वो मुझे जाने देगा? बिना कुछ कहे? बिना कोई इशारा किए? वो कभी चुप हो जाता था, कभी उदास हो जाता था, कभी अचानक उठकर अकेले ही चला जाता था। एक शाम वो संकट आ ही गया। हमने अपना सादा खाना खा लिया था और झोपड़ी के दरवाजे पर बैठे थे। सूरज डूब रहा था।
बालों में क्लिप लगाना जीवन की ऐसी आवश्यकता थी जो हैरी मुझे नहीं दे पाया था, और मेरे सीधे और काले बाल मेरे घुटनों तक लटक रहे थे। मैं ठुड्डी हाथों पर टिकाए बैठी थी, ध्यानमग्न। मुझे हैरी को अपनी ओर देखते हुए महसूस हो रहा था, न कि मैं

उसे देख पा रही थी।
"तुम चुड़ैल जैसी दिख रही हो, ऐनी," उसने अंत में कहा, और उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जो पहले कभी नहीं था।
उसने अपना हाथ बढ़ाया और मेरे बालों को बस छू लिया। मैं सिहर उठी। अचानक वह गाली देते हुए उठ खड़ा हुआ।
“तुम्हें कल यहाँ से जाना होगा, समझी?” वह चिल्लाया। “मैं—मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। आखिर मैं भी एक इंसान ही हूँ। तुम्हें जाना होगा, ऐनी। तुम्हें जाना ही होगा। तुम मूर्ख नहीं हो। तुम खुद जानती हो कि यह सब ऐसे ही नहीं चल सकता।”
“मुझे नहीं लगता,” मैंने धीरे से कहा। “लेकिन—यह सुखद रहा है, है ना?”
“खुश हो? ये तो नरक जैसा था!”
"बिल्कुल वैसा ही बुरा!"
“तुम मुझे किसलिए सता रहे हो? मेरा मजाक क्यों उड़ा रहे हो? अपने बालों में हंसते हुए ऐसा क्यों कह रहे हो?”
“मैं हंस नहीं रहा था। और मैं मजाक भी नहीं उड़ा रहा हूं। अगर आप चाहते हैं कि मैं जाऊं, तो मैं चला जाऊंगा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि मैं रुकूं—तो मैं रुक जाऊंगा।”
“नहीं!” वह गुस्से से चिल्लाया। “नहीं। मुझे उकसाओ मत, ऐनी। क्या तुम्हें पता है मैं क्या हूँ? दो बार का अपराधी। एक ऐसा आदमी जिसकी तलाश की जा रही है। यहाँ लोग मुझे हैरी पार्कर के नाम से जानते हैं—वे सोचते हैं कि मैं कहीं दूर देश के किसी इलाके में घूमने गया था, लेकिन किसी भी दिन वे सच्चाई जान लेंगे—और फिर मुझे करारा झटका लगेगा। तुम बहुत जवान हो, ऐनी, और बहुत खूबसूरत हो—तुम्हारी खूबसूरती मर्दों को दीवाना बना देती है। तुम्हारे सामने पूरी दुनिया है—प्यार, ज़िंदगी, सब कुछ। मेरी दुनिया पीछे छूट गई है—झुलसी हुई, बर्बाद, कड़वी राख का स्वाद लिए हुए।”
अगर तुम मुझे नहीं चाहते तो——”
“तुम जानती हो कि मैं तुम्हें चाहता हूँ। तुम जानती हो कि मैं तुम्हें अपनी बाहों में उठाकर, दुनिया से दूर, हमेशा-हमेशा के लिए अपने पास रखने के लिए अपनी आत्मा भी दे दूँगा। और तुम मुझे लुभा रही हो, ऐनी। तुम, अपने लंबे, चुड़ैल जैसे बालों और

सुनहरी, भूरी और हरी आँखों के साथ, जो गंभीर होने पर भी हँसना बंद नहीं करतीं। लेकिन मैं तुम्हें खुद से और खुद से बचाऊँगा। तुम आज रात जाओगी। तुम बेइरा जाओगी—”

मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "मैं बेइरा नहीं जा रहा हूँ।"

“तुम हो। अगर मुझे तुम्हें खुद बेइरा ले जाकर नाव पर फेंकना पड़े, तब भी तुम्हें वहीं जाना होगा। तुम्हें क्या लगता है मैं किस चीज का बना हूँ? क्या तुम्हें लगता है कि मैं रात-रात भर इस डर से जागता रहूँगा कि कहीं उन्होंने तुम्हें पकड़ न लिया हो? चमत्कारों के होने का इंतज़ार नहीं किया जा सकता। तुम्हें इंग्लैंड वापस जाना होगा, ऐनी—और—और शादी करके खुश रहना होगा।”

“मुझे एक ऐसा भरोसेमंद आदमी चाहिए जो मुझे एक अच्छा घर दे सके!”

"यह तो घोर आपदा से बेहतर है।"

और आपका क्या?

उसका चेहरा गंभीर और दृढ़ हो गया।

“मेरा काम पूरी तरह तैयार है। मुझसे मत पूछो कि क्या है। मुझे यकीन है कि तुम अंदाज़ा लगा सकते हो। लेकिन मैं तुम्हें यह बता दूँ—मैं अपना नाम साफ़ करूँगा, चाहे मर जाऊँ या मर जाऊँ, और मैं उस कमीने बदमाश का गला घोंट दूँगा जिसने पिछली रात तुम्हें जान से मारने की पूरी कोशिश की थी।”

मैंने कहा, "हमें निष्पक्ष रहना चाहिए। उसने मुझे धक्का देकर नहीं गिराया था।"

“उसे इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। उसकी योजना इससे कहीं ज़्यादा चालाक थी। मैं बाद में उस रास्ते पर गया। सब कुछ ठीक लग रहा था, लेकिन ज़मीन पर बने निशानों से मैंने देखा कि रास्ते की सीमा बनाने वाले पत्थरों को उखाड़कर थोड़ी अलग जगह पर रख दिया गया था। किनारे पर लंबी-लंबी झाड़ियाँ उग रही हैं। उसने बाहरी पत्थरों को उन पर इस तरह टिका दिया था कि आपको लगे कि आप अभी भी रास्ते पर हैं, जबकि असल में आप शून्य में कदम रख रहे थे। अगर मैंने उसे पकड़ लिया तो भगवान ही उसकी मदद करे!”

वह एक मिनट रुका और फिर एकदम अलग लहजे में बोला:

“हमने इन बातों पर कभी चर्चा नहीं की, ऐनी, है ना? लेकिन अब समय आ गया है। मैं चाहती हूँ कि तुम पूरी कहानी सुनो—शुरू से।”

मैंने धीमी आवाज में कहा, "अगर अतीत को याद करने से तुम्हें दुख होता है, तो मुझे

मत बताओ।"
लेकिन मैं चाहती हूं कि आप यह जान लें। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने जीवन के उस हिस्से के बारे में किसी से बात करूंगी। अजीब बात है ना, भाग्य के खेल?
वह एक-दो मिनट तक चुप रहा। सूरज डूब चुका था, और अफ़्रीकी रात का मखमली अंधेरा हमें एक चादर की तरह ओढ़ रहा था।
मैंने धीरे से कहा, "मुझे इसमें से कुछ पता है।"
"आप क्या जानते हैं?"
मुझे पता है कि तुम्हारा असली नाम हैरी लुकास है।
फिर भी वह हिचकिचाया—मेरी तरफ देखे बिना, सीधे अपने सामने घूरता रहा। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उसके मन में क्या चल रहा है, लेकिन आखिरकार उसने अपना सिर आगे की ओर झटका दिया, मानो अपने ही किसी अनकहे फैसले को स्वीकार कर रहा हो, और अपनी कहानी शुरू कर दी।

अध्याय XXVI

“आप सही कह रहे हैं। मेरा असली नाम हैरी लुकास है। मेरे पिता एक सेवानिवृत्त सैनिक थे जो रोडेशिया में खेती करने आए थे। जब मैं कैम्ब्रिज में दूसरे वर्ष में था तब उनका निधन हो गया।”
“क्या तुम उसे पसंद करती थी?” मैंने अचानक पूछा।
"मुझें नहीं पता।"
फिर उसका चेहरा लाल हो गया और वह अचानक जोश के साथ बोलने लगा:
“मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ? मैं अपने पिता से बहुत प्यार करता था। पिछली बार जब मैं उनसे मिला था, तब हम दोनों के बीच बहुत तीखी बहस हुई थी, और मेरी मनमानी और कर्ज़ को लेकर हमारे बीच कई बार झगड़े भी हुए थे, लेकिन मैं उस बूढ़े आदमी की परवाह करता था। अब मुझे पता है कि कितनी परवाह करता था—जबकि बहुत देर हो चुकी है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “कैम्ब्रिज में ही मेरी मुलाकात उस दूसरे आदमी से हुई थी—”
“युवा एर्ड्सले?”
“हाँ—युवा एर्ड्सले। जैसा कि आप जानते हैं, उनके पिता दक्षिण अफ्रीका के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक थे। हम दोनों, मेरे दोस्त, तुरंत एक-दूसरे के करीब आ

गए। हम दोनों को दक्षिण अफ्रीका से प्यार था और दुनिया के अनछुए स्थानों की सैर करने का शौक था। कैम्ब्रिज छोड़ने के बाद, एर्ड्सले का अपने पिता से आखिरी झगड़ा हुआ। बूढ़े पिता ने दो बार अपना कर्ज चुका दिया था, लेकिन उन्होंने दोबारा ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके बीच तीखी बहस हुई। सर लॉरेंस ने कहा कि उनका सब्र खत्म हो गया है—वे अपने बेटे के लिए अब और कुछ नहीं करेंगे। उसे कुछ समय के लिए अपने पैरों पर खड़ा होना होगा। नतीजा यह हुआ कि, जैसा कि आप जानते हैं, वे दोनों युवक हीरे की खोज में एक साथ दक्षिण अमेरिका चले गए। मैं अभी उस बारे में विस्तार से नहीं बता रहा हूँ, लेकिन हमने वहाँ बहुत अच्छा समय बिताया। आप समझ रहे हैं, वहाँ बहुत कठिनाइयाँ थीं, लेकिन जीवन अच्छा था—दुनिया से दूर, मुश्किलों से जूझते हुए जीवन यापन करना—और, हे भगवान! दोस्त को जानने के लिए वह जगह सबसे अच्छी है। हम दोनों के बीच वहाँ एक ऐसा बंधन बन गया जिसे केवल मृत्यु ही तोड़ सकती है। टूट सकता था। खैर, जैसा कि कर्नल रेस ने आपको बताया, हमारी मेहनत रंग लाई। हमें ब्रिटिश गुयाना के घने जंगलों में दूसरा किम्बर्ली मिल गया। मैं अपनी खुशी शब्दों में बयान नहीं कर सकता। यह खोज के वास्तविक मूल्य की बात नहीं थी—आप जानते हैं, एर्ड्सली को पैसों की आदत थी, और वह जानता था कि जब उसके पिता की मृत्यु होगी तो वह करोड़पति बन जाएगा, और लुकास हमेशा गरीब रहा था और उसे इसकी आदत थी। नहीं, यह खोज का अपार आनंद था।
वह रुका, और फिर लगभग माफी मांगते हुए बोला:
“आपको मेरे इस तरह बताने से कोई आपत्ति तो नहीं है, है ना? जैसे कि मैं इसमें बिल्कुल भी शामिल नहीं था। अब जब मैं पीछे मुड़कर उन दोनों लड़कों को देखता हूँ, तो ऐसा ही लगता है। मैं लगभग भूल ही जाता हूँ कि उनमें से एक हैरी रेबर्न था।”
मैंने कहा, "आप इसे जैसे चाहें वैसे बता सकते हैं," और वह आगे बोलने लगा:
“हम किम्बरली आए थे—अपनी खोज से बेहद उत्साहित थे। हम अपने साथ हीरों का एक शानदार संग्रह लाए थे, जिसे विशेषज्ञों को दिखाना था। और फिर—किम्बरली के होटल में—हमारी मुलाकात उससे हुई—”
मैं थोड़ा अकड़ गया, और दरवाजे के चौखट पर टिका हुआ मेरा हाथ अनायास ही मुट्ठी बन गया।
“अनिता ग्रुनबर्ग—यही उसका नाम था। वह एक अभिनेत्री थी। काफी युवा और बेहद खूबसूरत। उसका जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, लेकिन मुझे लगता है उसकी माँ

हंगरी की थी। उसके बारे में कुछ रहस्यमय सा था, और इसी वजह से जंगल से लौटे हम दोनों लड़कों के लिए उसका आकर्षण और भी बढ़ गया। उसका काम आसान रहा होगा। हम दोनों को उससे पहली ही नज़र में प्यार हो गया, और हम दोनों को ही बहुत दुख हुआ। यह पहली बार था जब हमारे बीच कोई दरार आई थी—लेकिन तब भी हमारी दोस्ती कमज़ोर नहीं हुई। मुझे सच में लगता है कि हम दोनों एक-दूसरे के लिए रास्ता छोड़ने को तैयार थे ताकि दूसरा आगे बढ़कर जीत हासिल कर सके। लेकिन यह उसका खेल नहीं था। कभी-कभी, बाद में, मुझे आश्चर्य होता था कि ऐसा क्यों नहीं हुआ, क्योंकि सर लॉरेंस एर्ड्सले का इकलौता बेटा काफी रंगीन मिजाज का था। लेकिन सच्चाई यह थी कि वह शादीशुदा थी—डी बीयर्स में एक सॉर्टर से—हालांकि किसी को इसके बारे में पता नहीं था। उसने हमारी खोज में बहुत दिलचस्पी दिखाई, और हमने उसे सब कुछ बताया और यहाँ तक कि उसे हीरे भी दिखाए। दलिल्लाह—उसे यही नाम दिया जाना चाहिए था—और उसने नाटक किया। उसने अपना किरदार बखूबी निभाया!

“डी बीयर्स की डकैती का पता चला और अचानक पुलिस हम पर टूट पड़ी। उन्होंने हमारे हीरे ज़ब्त कर लिए। पहले तो हमें हंसी आ गई—यह सब इतना बेतुका था। फिर हीरे अदालत में पेश किए गए—और इसमें कोई शक नहीं था कि वे डी बीयर्स से चुराए गए हीरे ही थे। अनीता ग्रुनबर्ग गायब हो गई थी। उसने बड़ी चालाकी से हीरे बदल दिए थे, और हमारी यह कहानी कि ये हीरे हमारे पास पहले से नहीं थे, हंसी का पात्र बन गई।”

सर लॉरेंस एर्ड्सले का बहुत प्रभाव था। वे मुकदमा खारिज करवाने में सफल रहे—लेकिन इससे दो नौजवान बर्बाद और बदनाम हो गए, जिनके नाम पर चोर का कलंक लग गया और बूढ़े पिता का दिल बुरी तरह टूट गया। उन्होंने अपने बेटे से एक तीखी मुलाकात की, जिसमें उन्होंने उस पर हर तरह के आरोप लगाए। उन्होंने परिवार का नाम बचाने के लिए हर संभव कोशिश की थी, लेकिन उस दिन से उनका बेटा उनका बेटा नहीं रहा। उन्होंने उसे पूरी तरह से त्याग दिया। और लड़का, अपने उस अभिमानी मूर्ख की तरह, चुप रहा, अपने पिता के अविश्वास के सामने अपनी बेगुनाही साबित करने से इनकार कर दिया। वह मुलाकात से गुस्से में बाहर आया—उसका दोस्त उसका इंतजार कर रहा था। एक हफ्ते बाद युद्ध की घोषणा हो गई। दोनों दोस्त एक साथ सेना में भर्ती हो गए। आप जानते हैं आगे क्या हुआ। एक आदमी का सबसे

अच्छा दोस्त मारा गया, कुछ हद तक उसकी अपनी ही लापरवाही के कारण, जो उसने अनावश्यक खतरे में कूदकर दिखाई थी। उसका नाम कलंकित हो गया। . . .

“मैं तुमसे कसम खाकर कहती हूँ, ऐनी, कि मुख्यतः उसी की वजह से मैं उस औरत के प्रति इतनी कड़वाहट रखती थी। उसके साथ मेरा रिश्ता मुझसे कहीं ज़्यादा गहरा था। उस पल तो मैं उससे बेइंतहा प्यार करती थी—मुझे तो लगता है कि कभी-कभी मैं उसे डरा भी देती थी—लेकिन उसके साथ मेरा रिश्ता शांत और गहरा था। वह उसके जीवन का केंद्र थी—और उसके धोखे ने उसके जीवन की नींव ही उखाड़ दी। इस आघात ने उसे स्तब्ध कर दिया और उसे पंगु बना दिया।”

हैरी रुका। एक-दो मिनट बाद उसने आगे कहा:

जैसा कि आप जानते हैं, मुझे 'लापता, मृत मान लिया गया' घोषित कर दिया गया था। मैंने इस गलती को सुधारने की कभी कोशिश नहीं की। मैंने पार्कर नाम अपना लिया और इस द्वीप पर आ गया, जिसे मैं पहले से जानता था। युद्ध की शुरुआत में, मुझे अपनी बेगुनाही साबित करने की बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन अब वह सारी उम्मीदें मानो बुझ चुकी थीं। मेरे मन में बस यही सवाल था, 'इसका क्या फायदा?' मेरा दोस्त मर चुका था, न तो उसका और न ही मेरा कोई जीवित रिश्तेदार था जिसे परवाह हो। मुझे भी मरा हुआ मान लिया गया था, बस यही बात रह जाए। मैंने यहाँ शांतिपूर्ण जीवन बिताया, न खुश न दुखी—हर भावना से सुन्न। अब मुझे समझ आता है, हालाँकि उस समय मुझे इसका एहसास नहीं था, कि यह कुछ हद तक युद्ध का ही असर था।

“और फिर एक दिन कुछ ऐसा घटित हुआ जिसने मुझे फिर से जगा दिया। मैं अपनी नाव में कुछ लोगों को नदी में सैर करा रहा था और घाट पर खड़ा होकर उन्हें नाव में चढ़ने में मदद कर रहा था, तभी उनमें से एक आदमी ने चौंककर एक आवाज़ निकाली। मेरी नज़र उस पर टिक गई। वह दाढ़ी वाला एक छोटा, दुबला-पतला आदमी था और वह मुझे इस तरह घूर रहा था मानो मैं कोई भूत हूँ। उसकी भावना इतनी तीव्र थी कि मेरी जिज्ञासा जाग उठी। मैंने होटल में उसके बारे में पूछताछ की और पता चला कि उसका नाम कार्टन था, वह किम्बरली से आया था और डी बीयर्स में हीरे छाँटने का काम करता था। पल भर में मेरे मन में फिर से वही पुरानी नाइंसाफी का भाव उमड़ आया। मैंने द्वीप छोड़ दिया और किम्बरली चला गया।”

“हालांकि, मैं उसके बारे में ज़्यादा कुछ पता नहीं लगा सका। अंत में, मैंने तय किया

कि मुझे उससे पूछताछ करनी ही होगी। मैं अपना रिवॉल्वर साथ ले गया। उसकी एक झलक में ही मैं समझ गया था कि वह शारीरिक रूप से डरपोक है। जैसे ही हम आमने-सामने आए, मैंने पहचान लिया कि वह मुझसे डरा हुआ है। मैंने जल्द ही उसे मजबूर कर दिया कि वह मुझे सब कुछ बता दे जो वह जानता था। उसने डकैती की एक योजना बनाई थी और अनीता ग्रुनबर्ग उसकी पत्नी थी। एक बार जब हम होटल में उसके साथ खाना खा रहे थे, तब उसने हम दोनों को देख लिया था, और यह पढ़कर कि मेरी हत्या कर दी गई है, झरने पर मुझे देखकर वह बुरी तरह चौंक गया था। उसने और अनीता ने कम उम्र में ही शादी कर ली थी, लेकिन वह जल्द ही उससे अलग हो गई थी। उसने मुझे बताया कि वह बुरे लोगों की संगत में पड़ गई थी—और तभी मैंने पहली बार 'कर्नल' के बारे में सुना। कार्टन खुद इस एक मामले के अलावा किसी और चीज़ में शामिल नहीं था—उसने मुझे पूरी गंभीरता से आश्वासन दिया, और मैं उसकी बात पर विश्वास करने को तैयार था। वह निश्चित रूप से उन लोगों में से नहीं था जिनसे सफल अपराधी बनते हैं।

मुझे अब भी लग रहा था कि वह कुछ छुपा रहा है। एक परीक्षण के तौर पर, मैंने उसे वहीं गोली मारने की धमकी दी और कहा कि अब मुझे अपने अंजाम की ज़रा भी परवाह नहीं है। दहशत में आकर उसने एक और कहानी सुनाई। ऐसा लगता है कि अनीता ग्रुनबर्ग को 'कर्नल' पर पूरी तरह भरोसा नहीं था। होटल से लिए गए पत्थरों को उसे सौंपने का नाटक करते हुए, उसने कुछ पत्थर अपने पास रख लिए थे। कार्टन ने अपने तकनीकी ज्ञान से उसे सलाह दी कि कौन से पत्थर रखने हैं। अगर कभी ये पत्थर पेश किए गए, तो उनका रंग और गुणवत्ता ऐसी थी कि उन्हें आसानी से पहचाना जा सकता था, और डी बीयर्स के विशेषज्ञ तुरंत मान लेंगे कि ये पत्थर कभी उनके हाथों से नहीं गुजरे थे। इस तरह पत्थरों को बदलने की मेरी कहानी को बल मिलेगा, मेरा नाम साफ हो जाएगा, और शक सही पक्ष की ओर चला जाएगा। मुझे पता चला कि अपनी सामान्य आदत के विपरीत, 'कर्नल' खुद इस मामले में शामिल था, इसलिए अनीता को तसल्ली थी कि जरूरत पड़ने पर उस पर उसका पूरा नियंत्रण है। कार्टन ने अब प्रस्ताव रखा कि मुझे एक अनीता ग्रुनबर्ग, या नादिना (जैसा कि वह अब खुद को बुलाती थी), से सौदेबाजी करने का उसका इरादा था। उसे विश्वास था कि पर्याप्त धनराशि मिलने पर वह हीरे छोड़ने और अपने पूर्व नियोक्ता के साथ विश्वासघात करने के लिए तैयार हो जाएगी। वह उसे तुरंत तार भेजेगा।

मुझे कार्टन पर अब भी शक था। वह ऐसा आदमी था जिसे डराना तो आसान था, लेकिन डर के मारे वह इतने झूठ बोलता था कि उनमें से सच को अलग करना आसान काम नहीं होता था। मैं होटल वापस गया और इंतज़ार करने लगा। अगली शाम तक मुझे लगा कि उसे अपने तार का जवाब मिल गया होगा। मैं उसके घर गया और मुझे बताया गया कि मिस्टर कार्टन बाहर गए हैं, लेकिन कल लौट आएंगे। तुरंत ही मेरा शक और बढ़ गया। ठीक समय पर मुझे पता चला कि वह वास्तव में किल्मोर्डन कैसल जहाज से इंग्लैंड के लिए रवाना हो रहे थे, जो दो दिन बाद केप टाउन से निकलने वाला था। मेरे पास बस इतना ही समय था कि मैं यात्रा करके उसी जहाज को पकड़ सकूँ।

“मेरा इरादा कार्टन को जहाज पर अपनी उपस्थिति बताकर डराने का नहीं था। मैंने कैम्ब्रिज में अपने समय में काफी अभिनय किया था, और मेरे लिए खुद को एक गंभीर, दाढ़ी वाले अधेड़ उम्र के सज्जन में बदलना अपेक्षाकृत आसान था। मैंने जहाज पर कार्टन से सावधानीपूर्वक दूरी बनाए रखी, और बीमारी का बहाना बनाकर यथासंभव अपने केबिन में ही रहा।”
लंदन पहुँचने पर मुझे उसका पीछा करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। वह सीधे एक होटल में गया और अगले दिन तक बाहर नहीं निकला। वह दोपहर एक बजे से कुछ देर पहले होटल से निकला। मैं उसके पीछे था। वह सीधे नाइट्सब्रिज में एक मकान एजेंट के पास गया। वहाँ उसने नदी के किनारे किराए पर उपलब्ध मकानों की जानकारी माँगी।
मैं बगल वाली मेज पर बैठकर घरों के बारे में पूछताछ कर रहा था। तभी अचानक अनीता ग्रुनबर्ग, नादिना—जो भी आप उसे कहना चाहें—अंदर आ गईं। शानदार, उद्दंड और लगभग पहले जैसी ही खूबसूरत। हे भगवान! मुझे उससे कितनी नफरत हो रही थी। वही थी वो औरत जिसने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी थी—और जिसने मुझसे बेहतर जिंदगी भी बर्बाद कर दी थी। उस पल मेरा मन किया कि मैं उसका गला दबाकर उसकी जान निकाल लूँ! बस एक-दो मिनट के लिए मेरा गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। एजेंट क्या कह रहा था, मैंने मुश्किल से ही सुना। फिर उसकी आवाज सुनाई दी, ऊँची और साफ, एक बनावटी विदेशी लहजे में: ‘मिल हाउस, मार्लो। सर यूस्टेस पेडलर की संपत्ति। लगता है ये मुझे पसंद आ सकता है।

खैर, मैं जाकर देखूँगी।'

"उस आदमी ने उसे एक आदेश लिखकर दिया, और वह अपने शाही और अक्खड़ अंदाज़ में फिर बाहर चली गई। उसने न तो शब्दों से और न ही इशारों से कार्टन को पहचाना था, फिर भी मुझे यकीन था कि वहाँ उनकी मुलाकात एक पूर्व-नियोजित योजना थी। फिर मैंने अंदाजे लगाने शुरू कर दिए। यह न जानते हुए कि सर यूस्टेस कान्स में थे, मैंने सोचा कि घर ढूंढने का यह मामला मिल हाउस में उनसे मिलने का महज़ एक बहाना था। मुझे पता था कि डकैती के समय वह दक्षिण अफ्रीका में थे, और उन्हें कभी न देखने के कारण मैंने तुरंत यह निष्कर्ष निकाल लिया कि वही रहस्यमय 'कर्नल' थे जिनके बारे में मैंने इतना कुछ सुना था।"

"मैंने नाइट्सब्रिज पर अपने दोनों संदिग्धों का पीछा किया। नादिना हाइड पार्क होटल में चली गई। मैंने भी अपनी चाल तेज़ की और अंदर चला गया। वह सीधे रेस्टोरेंट में चली गई, और मैंने तय किया कि इस समय मैं उसे पहचानने का जोखिम नहीं उठाऊंगा, बल्कि कार्टन का पीछा करना जारी रखूंगा। मुझे पूरी उम्मीद थी कि उसे हीरे मिल जाएंगे, और अचानक प्रकट होकर, जब उसे इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी, मैं उससे सच उगलवा सकता था। मैं उसका पीछा करते हुए हाइड पार्क कॉर्नर स्थित ट्यूब स्टेशन तक गया। वह प्लेटफार्म के आखिरी छोर पर अकेला खड़ा था। पास में एक लड़की खड़ी थी, लेकिन और कोई नहीं था। मैंने तय किया कि मैं उसे वहीं रोक लूंगा। आप जानते हैं कि क्या हुआ। दक्षिण अफ्रीका में दूर बैठे उस आदमी को अचानक देखकर, वह घबरा गया और लाइन में पीछे हट गया। वह हमेशा से डरपोक था। डॉक्टर होने का बहाना बनाकर, मैं उसकी जेबें तलाशने में कामयाब रहा। उसमें एक बटुआ था जिसमें कुछ नोट और एक-दो मामूली चिट्ठियां थीं, एक फिल्म का रोल था—जो शायद मुझसे कहीं गिर गया होगा। बाद में—मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला जिस पर किल्मॉर्डन कैसल में 22 तारीख के लिए अपॉइंटमेंट लिखा हुआ था। किसी के मुझे रोकने से पहले वहां से निकलने की जल्दी में, वह कागज भी मुझसे गिर गया, लेकिन सौभाग्य से मुझे आंकड़े याद थे।

मैं जल्दी से पास के क्लोकरूम में गई और फटाफट अपना मेकअप हटाया। मैं किसी मरे हुए आदमी की जेब काटने के जुर्म में जेल नहीं जाना चाहती थी। फिर मैं वापस हाइड पार्क होटल की ओर चल पड़ी। नादिना अभी भी दोपहर का खाना खा रही थी। मुझे यह विस्तार से बताने की ज़रूरत नहीं है कि मैं उसके पीछे-पीछे मार्लो तक कैसे

गई। वह घर के अंदर गई, और मैंने लॉज में बैठी महिला से बात की, यह जताते हुए कि मैं उसके साथ हूँ। फिर मैं भी अंदर चली गई।
वह रुक गया। चारों ओर तनावपूर्ण सन्नाटा छा गया।
“तुम मेरी बात मानोगी, ऐनी, है ना? मैं ईश्वर की कसम खाकर कहता हूँ कि जो मैं कह रहा हूँ वो सच है। मैं उसके पीछे घर में गया, मेरे दिल में हत्या करने जैसा कुछ चल रहा था—और वो मर चुकी थी! मैंने उसे पहली मंज़िल के उस कमरे में पाया—हे भगवान! ये कितना भयानक था। मरी हुई—और मैं उसके पीछे तीन मिनट से ज़्यादा नहीं पहुँचा था। और घर में किसी और का कोई निशान नहीं था! ज़ाहिर है, मुझे तुरंत अपनी भयानक स्थिति का एहसास हो गया था। एक ही झटके में ब्लैकमेल किए गए व्यक्ति ने ब्लैकमेलर से छुटकारा पा लिया था, और साथ ही एक ऐसा शिकार भी मिल गया था जिस पर अपराध का इल्ज़ाम लगाया जा सके। ‘कर्नल’ का हाथ साफ़ दिख रहा था। दूसरी बार मैं उसका शिकार बनने वाला था। मैं कितना मूर्ख था जो इतनी आसानी से उसके जाल में फँस गया।”
“मुझे ठीक से याद नहीं कि मैंने आगे क्या किया। मैं किसी तरह सामान्य दिखते हुए उस जगह से निकलने में कामयाब रहा, लेकिन मुझे पता था कि अपराध का पता चलने और मेरी शक्ल-सूरत का विवरण पूरे देश में टेलीग्राम द्वारा भेजे जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।”
कुछ दिनों तक मैं चुपचाप बैठा रहा, कोई कदम उठाने की हिम्मत नहीं कर रहा था। अंत में किस्मत ने मेरा साथ दिया। मैंने सड़क पर दो अधेड़ उम्र के सज्जनों की बातचीत सुनी, जिनमें से एक सर यूस्टेस पेडलेर निकले। मुझे तुरंत उनके सचिव के रूप में उनके साथ जुड़ने का विचार आया। बातचीत के उस अंश ने मुझे सुराग दे दिया। अब मुझे इतना यकीन नहीं था कि सर यूस्टेस पेडलेर ही 'कर्नल' थे। हो सकता है कि उनका घर संयोगवश या किसी ऐसे रहस्यमय मकसद से मुलाकात का स्थान बना हो जिसे मैं समझ नहीं पाया था।
मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "क्या आपको पता है कि हत्या वाले दिन गाय पैगेट मार्लो में मौजूद था?"
“तो अब बात पक्की हो गई। मुझे लगा था कि वह सर यूस्टेस के साथ कान्स में हैं।”
"उसे फ्लोरेंस में होना चाहिए था—लेकिन वह निश्चित रूप से कभी वहां नहीं गया। मुझे पूरा यकीन है कि वह वास्तव में मार्लो में था, लेकिन ज़ाहिर है मैं इसे साबित नहीं

कर सकता।"
और सोचो, मुझे पैगेट पर एक पल के लिए भी शक नहीं हुआ था, जब तक कि उस रात उसने तुम्हें जहाज से फेंकने की कोशिश नहीं की। वह आदमी कमाल का अभिनेता है।
"जी हां, है ना?"
“इसीलिए मिल हाउस को चुना गया था। पैगेट शायद बिना किसी की नज़र में आए वहाँ आ-जा सकता था। ज़ाहिर है, सर यूस्टेस के साथ नाव से मेरे जाने पर उसे कोई आपत्ति नहीं थी। वो मुझे तुरंत पकड़ना नहीं चाहता था। दरअसल, नादिना अपने साथ गहने लेकर नहीं आई थी, जैसा कि उन्होंने उम्मीद की थी। मुझे लगता है कि कार्टन के पास ही वो गहने थे और उसने उन्हें किल्मोर्डन कैसल में कहीं छिपा दिया था—वहीं से उसकी भूमिका शुरू हुई। उन्हें उम्मीद थी कि शायद मुझे पता हो कि हीरे कहाँ छिपे हैं। जब तक ‘कर्नल’ को हीरे नहीं मिल जाते, तब तक वो खतरे में था—इसीलिए वो उन्हें हर कीमत पर पाना चाहता था। कार्टन ने उन्हें कहाँ छिपाया—अगर छिपाया भी था, तो मुझे नहीं पता।”
मैंने कहा, "वो एक अलग कहानी है। मेरी कहानी। और मैं अब तुम्हें वो कहानी सुनाने जा रहा हूँ।"

अध्याय XXVII

मैंने इन पन्नों में जो भी घटनाएँ बताईं, उन्हें सुनकर हैरी ने ध्यान से सुना। सबसे ज़्यादा हैरानी और अचंभा इस बात से हुआ कि हीरे हर समय मेरे पास थे—या यूँ कहें कि सुज़ैन के पास। यह एक ऐसा तथ्य था जिसका उसे कभी शक नहीं था। बेशक, उसकी कहानी सुनने के बाद, मुझे कार्टन की उस छोटी सी योजना का मतलब समझ आ गया—या यूँ कहें कि नादिना की योजना का, क्योंकि मुझे पूरा यकीन था कि यह उसी के दिमाग की उपज थी। उसके या उसके पति के खिलाफ़ कोई भी अचानक की गई रणनीति हीरों को ज़ब्त नहीं कर सकती थी। राज़ उसके दिमाग में छिपा था, और "कर्नल" को यह अंदाज़ा लगाना नामुमकिन था कि हीरे एक समुद्री मज़दूर के पास रखे गए थे!
चोरी के पुराने आरोप से हैरी के बरी होने की संभावना लगभग निश्चित लग रही थी। लेकिन दूसरा, कहीं अधिक गंभीर आरोप ही था जिसने हमारी सारी गतिविधियों को

ठप्प कर दिया। क्योंकि मौजूदा स्थिति में वह खुलकर सामने आकर अपना पक्ष साबित नहीं कर सकता था।

जिस एक बात पर हम बार-बार लौटते रहे, वह थी "कर्नल" की पहचान। क्या वह गाइ पैगेट थे या नहीं?

“मैं तो यही कहूंगा, बस एक बात को छोड़कर,” हैरी ने कहा। “लगभग निश्चित है कि मारलो में अनीता ग्रुनबर्ग की हत्या पैगेट ने ही की थी—और इससे इस अनुमान को बल मिलता है कि वही असल में ‘कर्नल’ है, क्योंकि अनीता का मामला ऐसा नहीं था कि किसी अधीनस्थ से इस पर चर्चा की जाए। नहीं—इस सिद्धांत के विरुद्ध केवल एक ही बात है, और वो है आपके यहाँ आने की रात आपको रास्ते से हटाने की कोशिश। आपने पैगेट को केप टाउन में पीछे छूटते देखा था—किसी भी हालत में वो अगले बुधवार से पहले यहाँ नहीं पहुँच सकता था। इस क्षेत्र में उसके कोई दूत होने की संभावना नहीं है, और उसकी सारी योजनाएँ केप टाउन में आपसे निपटने के लिए ही बनी थीं। हो सकता है उसने जोहान्सबर्ग में अपने किसी लेफ्टिनेंट को निर्देश भेजे हों, जो माफ़ेकिंग में रोडेशियन ट्रेन में सवार हो सकता था, लेकिन उस संदेश को लिखने के लिए उसके निर्देश बहुत स्पष्ट होने चाहिए थे।”

हम कुछ देर चुप बैठे रहे, फिर हैरी धीरे-धीरे बोलने लगा: "आप कहते हैं कि जब आप होटल से निकले तो श्रीमती ब्लेयर सो रही थीं और आपने सर यूस्टेस को मिस पेटिग्रेव को कुछ लिखवाते हुए सुना? कर्नल रेस कहाँ थे?"

मुझे वह कहीं नहीं मिला।

"क्या उसके पास यह मानने का कोई कारण था कि हम दोनों एक-दूसरे के मित्र हो सकते हैं?"

“हो सकता है कि वो रहे हों,” मैंने सोच-समझकर जवाब दिया, मुझे मैटोपोस से लौटते समय हुई हमारी बातचीत याद आ रही थी। “वो बहुत प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं,” मैंने आगे कहा, “लेकिन मेरी नज़र में वो ‘कर्नल’ जैसे बिल्कुल नहीं हैं। और वैसे भी, ऐसा सोचना बेतुका होगा। वो तो गुप्त सेवा में हैं।”

“हमें कैसे पता चलेगा कि वह ऐसा है? इस तरह का इशारा देना दुनिया का सबसे आसान काम है। कोई इसका खंडन नहीं करता, और अफवाह तब तक फैलती रहती है जब तक कि हर कोई इसे अटल सत्य न मान ले। यह हर तरह के संदिग्ध कामों के लिए बहाना प्रदान करता है। ऐनी, क्या तुम्हें रेस पसंद है?”

“मैं उससे प्यार करती भी हूँ और नहीं भी। वह मुझे विकर्षित भी करता है और साथ ही आकर्षित भी करता है; लेकिन मैं एक बात जानती हूँ, मुझे उससे हमेशा थोड़ा डर लगता है।”

"वह किम्बरली डकैती के समय दक्षिण अफ्रीका में था, तुम्हें पता है," हैरी ने धीरे से कहा।

"लेकिन यह वही था जिसने सुज़ैन को 'कर्नल' के बारे में सब कुछ बताया और यह भी बताया कि वह पेरिस में उसका पता लगाने की कोशिश कर रहा था।"

"छलावरण—एक विशेष रूप से चतुर किस्म का।"

लेकिन पैगेट का इसमें क्या रोल है? क्या वह रेस से पैसे लेता है?

"शायद," हैरी ने धीरे से कहा, "वह बिल्कुल भी अंदर न आए।"

"क्या?"

“ऐनी, ज़रा सोचो। क्या तुमने कभी पैगेट से किल्मॉर्डन पर उस रात की घटना का खुद का वृत्तांत सुना था?”

"जी हां—सर यूस्टेस के माध्यम से।"

मैंने इसे दोहराया। हैरी ने ध्यान से सुना।

“उसने सर यूस्टेस के केबिन की तरफ से एक आदमी को आते देखा और उसका पीछा करते हुए डेक पर चला गया। क्या उसने यही कहा? अब, सर यूस्टेस के सामने वाला केबिन किसका था? कर्नल रेस का। मान लीजिए कर्नल रेस चुपके से डेक पर आ गया, और आप पर हमला करने में नाकाम रहने पर डेक के चारों ओर भागा और सैलून के दरवाजे से बाहर आते हुए पैगेट से टकरा गया। उसने उसे धक्का देकर गिरा दिया और अंदर घुस गया, दरवाजा बंद कर दिया। हम दौड़कर गए और पैगेट को वहाँ पड़ा हुआ पाया। कैसा लगा?”

"आप यह भूल जाते हैं कि वह स्वयं यह दावा करता है कि आपने ही उसे गिराया था।"

“मान लीजिए कि जैसे ही उसे होश आता है, वह मुझे दूर जाते हुए देखता है? क्या वह यह मानकर नहीं चलेगा कि मैं ही उसका हमलावर था? खासकर तब जब वह पूरे समय यही सोच रहा था कि वह मेरा ही पीछा कर रहा था?”

“हाँ, यह संभव है,” मैंने धीरे से कहा। “लेकिन इससे हमारे सारे विचार बदल जाते हैं। और भी कई बातें हैं।”

"इनमें से अधिकतर मामलों की व्याख्या की जा सकती है। केप टाउन में आपका पीछा

करने वाले व्यक्ति ने पैगेट से बात की थी, और पैगेट ने अपनी घड़ी देखी थी। हो सकता है उस व्यक्ति ने उनसे केवल समय पूछा हो।"
"आपका मतलब है कि यह महज एक संयोग था?"
“बिल्कुल नहीं। इस सब में एक रणनीति है, पैगेट को इस मामले से जोड़ना। हत्या के लिए मिल हाउस को ही क्यों चुना गया? क्या इसलिए कि हीरे चोरी होने के समय पैगेट किम्बरली में था? अगर मैं संयोगवश घटनास्थल पर न पहुँचता, तो क्या उसे ही बलि का बकरा बनाया जाता?”
"तो क्या आपको लगता है कि वह पूरी तरह निर्दोष हो सकता है?"
"ऐसा लगता तो है, लेकिन अगर ऐसा है तो हमें पता लगाना होगा कि वह मार्लो में क्या कर रहा था। अगर उसके पास इसका कोई वाजिब स्पष्टीकरण है, तो हम सही रास्ते पर हैं।"
वह उठ गया।
“आधी रात हो चुकी है। ऐन, अब सो जाओ। भोर होने से ठीक पहले मैं तुम्हें नाव से ले जाऊँगा। तुम्हें लिविंगस्टोन से ट्रेन पकड़नी होगी। वहाँ मेरा एक दोस्त है जो ट्रेन शुरू होने तक तुम्हें छिपाकर रखेगा। तुम बुलावायो जाओ और वहाँ से बेइरा ट्रेन पकड़ो। मैं लिविंगस्टोन में अपने दोस्त से पता कर लूँगा कि होटल में क्या चल रहा है और तुम्हारे दोस्त अभी कहाँ हैं।”
मैंने चिंतनशील भाव से कहा, "बेइरा।"
“हां, ऐनी, यह तुम्हारे लिए बीरा है। यह पुरुषों का काम है। इसे मुझ पर छोड़ दो।”
जब हम आपस में बातचीत कर रहे थे, तब हमें कुछ पल के लिए भावनाओं से राहत मिली थी, लेकिन अब फिर से वही हाल हमारा था। हमने एक-दूसरे की तरफ देखा तक नहीं।
“बहुत अच्छा,” मैंने कहा और झोपड़ी में प्रवेश कर गया।
मैं चमड़े से ढके सोफे पर लेट गया, लेकिन मुझे नींद नहीं आई, और बाहर मुझे हैरी रेबर्न के लंबे अंधेरे घंटों में इधर-उधर, इधर-उधर टहलने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। आखिरकार उसने मुझे पुकारा:
"चलो, ऐनी, अब जाने का समय हो गया है।"
मैं आज्ञाकारी होकर उठा और बाहर आ गया। अभी भी काफी अंधेरा था, लेकिन मुझे पता था कि भोर होने में ज्यादा देर नहीं है।

“हम डोंगी लेंगे, मोटरबोट नहीं—” हैरी ने कहना शुरू किया, तभी अचानक वह रुक गया और उसने अपना हाथ ऊपर उठा दिया।
“चुप रहो! यह क्या है?”
मैंने ध्यान से सुना, पर कुछ सुनाई नहीं दिया। हालाँकि, उसके कान मुझसे कहीं अधिक तेज़ थे, एक ऐसे व्यक्ति के कान जो लंबे समय से जंगल में रह चुका था। तभी मुझे भी वह आवाज़ सुनाई दी—नदी के दाहिने किनारे से आती हुई चप्पूओं की हल्की छपछपाहट, जो तेज़ी से हमारे छोटे से घाट की ओर बढ़ रही थी।
हमने अँधेरे में आँखें गड़ाकर देखा, और पानी की सतह पर एक धुंधला सा निशान दिखाई दिया। वह एक नाव थी। तभी क्षण भर के लिए आग की लपट उठी। किसी ने माचिस जलाई थी। उसकी रोशनी में मैंने एक आकृति को पहचाना, मुइज़ेनबर्ग के विला में रहने वाला लाल दाढ़ी वाला डच व्यक्ति। बाकी सब स्थानीय निवासी थे।
"जल्दी करो—वापस झोपड़ी में चलो।"
हैरी मुझे अपने साथ पीछे खींच ले गया। उसने दीवार से दो राइफलें और एक रिवॉल्वर उतार लीं।
“क्या आप राइफल लोड कर सकते हैं?”
मैंने कभी नहीं किया। मुझे करके दिखाओ।
मैंने उसके निर्देशों को अच्छी तरह समझ लिया। हमने दरवाजा बंद कर दिया और हैरी उस खिड़की के पास खड़ा हो गया जहाँ से नाव उतारने का स्थान दिखाई देता था। नाव बस उसके बगल में आने ही वाली थी।
"वो कौन है?" हैरी ने बुलंद आवाज में पूछा।
हमारे आगंतुकों के इरादों को लेकर हमारे मन में जो भी संदेह था, वह तुरंत दूर हो गया। गोलियों की बौछार हमारे चारों ओर बिखर गई। सौभाग्य से हममें से किसी को भी गोली नहीं लगी। हैरी ने राइफल उठाई। उससे लगातार जानलेवा गोलियां चलीं। मैंने दो कराहने की आवाज और एक छपछपाहट सुनी।
“इससे उन्हें सोचने का मौका मिल गया है,” उसने गंभीर स्वर में बुदबुदाते हुए दूसरी राइफल उठाई। “एनी, भगवान के लिए, ज़रा पीछे हट जाओ। और जल्दी से लोड करो।”
और गोलियां चलीं। एक गोली हैरी के गाल को छूकर निकल गई। उसकी जवाबी फायरिंग उनकी फायरिंग से कहीं ज्यादा घातक थी। मैंने राइफल में गोलियां भर ली

थीं, तभी वह मुड़ा। उसने मुझे अपने बाएं हाथ से कसकर पकड़ लिया और खिड़की की ओर मुड़ने से पहले मुझे एक बार बेदर्दी से चूमा। अचानक वह जोर से चिल्लाया। “वे जा रहे हैं—बहुत हो गया। पानी में वे हम पर अच्छी नज़र रखे हुए हैं, और उन्हें यह नहीं दिख रहा कि हम कितने लोग हैं। फिलहाल तो वे भाग गए हैं—लेकिन वे वापस आएंगे। हमें उनके लिए तैयार रहना होगा।” उसने राइफल नीचे फेंक दी और मेरी तरफ मुड़ा।

“ऐनी! तुम कितनी सुंदर हो! तुम तो अद्भुत हो! तुम छोटी रानी हो! शेरनी जैसी बहादुर। काली बालों वाली चुड़ैल!”

उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया। उसने मेरे बालों, मेरी आँखों और मेरे होंठों को चूमा।

“और अब काम की बात पर आते हैं,” उन्होंने अचानक मुझे छोड़ते हुए कहा। “पैराफिन के डिब्बे निकालो।”

मैंने वैसा ही किया जैसा मुझे कहा गया था। वह झोपड़ी के अंदर व्यस्त था। थोड़ी देर बाद मैंने उसे झोपड़ी की छत पर कुछ हाथों में लिए रेंगते हुए देखा। एक-दो मिनट में वह मेरे पास लौट आया।

“नाव के पास जाओ। हमें इसे द्वीप के दूसरी तरफ ले जाना होगा।”

मेरे गायब होते ही उसने पैराफिन उठा लिया।

“वे वापस आ रहे हैं,” मैंने धीरे से कहा। मैंने सामने वाले किनारे से धुंधली सी आकृति को दूर जाते हुए देखा था।

वह दौड़कर मेरे पास आया।

“बिल्कुल सही समय पर। अरे—नाव कहाँ है?” दोनों ही अलग-थलग पड़ गए थे। हैरी ने धीरे से सीटी बजाई। “हम मुश्किल में फँस गए हैं, जान। कोई बात नहीं?”

"तुम्हारे साथ नहीं।"

“अरे, लेकिन साथ में मरना मज़ेदार नहीं है। हम इससे बेहतर करेंगे। देखो— इस बार उनके पास दो नाव भरकर लोग हैं। दो अलग-अलग जगहों पर उतरने वाले हैं। अब बारी है मेरे छोटे से दृश्य की।”

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, झोपड़ी से एक लंबी लौ उठी। उसकी रोशनी ने छत पर दुबके हुए दो लोगों को रोशन कर दिया।

“मेरे पुराने कपड़े—चिथड़ों से भरे हुए—लेकिन अभी कुछ समय तक ये कपड़े काम

नहीं आएंगे। आओ, ऐनी, हमें कुछ न कुछ उपाय आजमाना ही पड़ेगा।”
हम हाथ में हाथ डाले द्वीप पर दौड़ पड़े। उस तरफ तट से द्वीप को केवल पानी की एक संकरी नहर ही अलग करती थी।
हमें तैरकर ही जाना होगा। क्या तुम तैर सकती हो, ऐनी? वैसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं तुम्हें पार करा सकता हूँ। नाव के लिए यह सही तरफ नहीं है—यहाँ बहुत सारी चट्टानें हैं, लेकिन तैरने के लिए सही तरफ है, और लिविंगस्टोन के लिए भी सही तरफ है।
“मैं थोड़ा तैर सकता हूँ—इससे भी ज़्यादा। हैरी, इसमें क्या खतरा है?” क्योंकि मैंने उसके चेहरे पर उदासी देखी थी। “शार्क?”
नहीं, तुम भोली हो। शार्क समुद्र में रहती हैं। लेकिन तुम बड़ी समझदार हो, ऐनी। मगरमच्छ ही तो मुसीबत हैं।
“मगरमच्छ?”
"हां, उनके बारे में मत सोचो—या अपनी प्रार्थना करो, जो भी तुम्हें उचित लगे।"
हम पानी में कूद पड़े। मेरी प्रार्थनाएँ ज़रूर कारगर रही होंगी, क्योंकि हम बिना किसी परेशानी के किनारे तक पहुँच गए और भीगे-भीगे हुए किनारे पर बैठ गए।
अब लिविंगस्टोन की बारी है। मुझे डर है कि यह रास्ता काफी कठिन है, और गीले कपड़े इसे और भी मुश्किल बना देंगे। लेकिन यह करना ही होगा।
वह सफर किसी बुरे सपने जैसा था। मेरी गीली स्कर्ट मेरे पैरों से टकरा रही थी, और कांटों ने मेरी मोजे फाड़ दिए। आखिरकार मैं पूरी तरह थककर रुक गई। हैरी मेरे पास वापस आया।
"रुको, जान। मैं तुम्हें थोड़ी देर के लिए गोद में उठा लेता हूँ।"
मैं लिविंगस्टोन में ऐसे ही आया था, जैसे कोयले की बोरी को उसके कंधे पर लादकर लाया गया हो। वह इतनी दूर तक मुझे कैसे ले गया, यह मैं नहीं जानता। भोर की पहली हल्की रोशनी अभी-अभी फैल रही थी। हैरी का दोस्त बीस साल का एक नौजवान था जो देसी अनोखी चीज़ों की दुकान चलाता था। उसका नाम नेड था—शायद उसका कोई और नाम भी था, लेकिन मैंने कभी नहीं सुना। हैरी को भीगे हुए, एक भीगी हुई औरत का हाथ पकड़े हुए अंदर आते देखकर उसे ज़रा भी हैरानी नहीं हुई। मर्द बड़े ही अद्भुत होते हैं!
उन्होंने हमें खाने के लिए भोजन और गर्म कॉफी दी, और हमारे कपड़े सुखा दिए

जबकि हम चटख रंगों के मैनचेस्टर कंबलों में लिपटे हुए थे। झोपड़ी के छोटे से पिछले कमरे में हम सुरक्षित थे, जबकि वह सर यूस्टेस के दल का क्या हुआ, और क्या उनमें से कोई अभी भी होटल में है, इसकी सावधानीपूर्वक जांच करने के लिए चले गए।
तब मैंने हैरी को बताया कि कोई भी बात मुझे बीरा जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। वैसे भी मेरा इरादा कभी ऐसा नहीं था, लेकिन अब ऐसी किसी भी कार्रवाई का कोई कारण नहीं रह गया था। योजना का मकसद यह था कि मेरे दुश्मन मुझे मरा हुआ मान लें। अब जब उन्हें पता चल गया था कि मैं मरा नहीं हूँ, तो मेरा बीरा जाना किसी काम का नहीं था। वे आसानी से मेरा पीछा करके वहाँ पहुँच सकते थे और चुपचाप मेरी हत्या कर सकते थे। मेरी रक्षा करने वाला कोई नहीं होगा। अंत में यह तय हुआ कि मैं सुज़ैन से मिल जाऊँ, चाहे वह कहीं भी हो, और अपनी सारी ऊर्जा अपनी देखभाल में लगाऊँ। किसी भी हालत में मुझे कोई जोखिम नहीं उठाना था और न ही "कर्नल" को मात देने की कोशिश करनी थी।
मुझे चुपचाप उसके साथ रहना था और हैरी के निर्देशों का इंतजार करना था। हीरे किम्बर्ली स्थित बैंक में पार्कर के नाम से जमा किए जाने थे।
मैंने सोच-समझकर कहा, "एक बात तो तय है, हमें किसी न किसी तरह का एक गुप्त कोड बनाना चाहिए। हम फिर से एक-दूसरे को भेजे जाने वाले संदेशों से धोखा नहीं खाना चाहते।"
“यह तो बहुत आसान है। मेरी ओर से आने वाले किसी भी वास्तविक संदेश में 'और' शब्द को काट दिया जाएगा।”
“बिना ट्रेडमार्क के, कोई भी असली नहीं,” मैंने धीरे से कहा। “तारों का क्या?”
मेरी ओर से भेजे गए किसी भी तार पर 'एंडी' के हस्ताक्षर होंगे।
"हैरी, ट्रेन थोड़ी देर में आ जाएगी," नेड ने अपना सिर अंदर डालते हुए और तुरंत बाहर निकालते हुए कहा।
मैं खड़ा हो गया।
"और अगर मुझे कोई अच्छा और स्थिर स्वभाव का आदमी मिल जाए तो क्या मैं उससे शादी कर लूँगी?" मैंने संकोच से पूछा।
हैरी मेरे करीब आया।
“हे भगवान! ऐनी, अगर तुमने मुझसे अलग किसी और से शादी की, तो मैं उसका गला घोंट दूँगा। और जहाँ तक तुम्हारी बात है—”

“हां,” मैंने खुशी से उत्साहित होकर कहा।
मैं तुम्हें उठाकर ले जाऊंगा और तुम्हारी इतनी पिटाई करूंगा कि तुम बुरी तरह घायल हो जाओगे!
मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "मैंने कितना प्यारा पति चुना है! और ये तो रातोंरात अपना मन बदल लेता है!"

अध्याय XXVIII

(सर यूस्टेस पेडलर की डायरी से उद्धरण)

जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मैं मूल रूप से शांतिप्रिय व्यक्ति हूँ। मैं एक शांत जीवन चाहता हूँ—और यही एक चीज़ है जो मुझे नहीं मिल पाती। मैं हमेशा तूफ़ानों और संकटों के बीच फंसा रहता हूँ। पैगेट से छुटकारा पाना बहुत राहत की बात थी, जो लगातार साज़िशों में दखल देता रहता था, और मिस पेटिग्रेव वाकई एक काम की महिला हैं। हालाँकि उनमें कोई अप्सरा जैसी बात नहीं है, फिर भी उनकी एक-दो उपलब्धियाँ अनमोल हैं। यह सच है कि बुलावायो में मुझे जिगर की थोड़ी सी समस्या हो गई थी और परिणामस्वरूप मैं भालू की तरह व्यवहार कर रहा था, लेकिन ट्रेन में मेरी रात अच्छी नहीं गुज़री थी। सुबह 3 बजे, एक बेहद सजे-धजे युवक, जो वाइल्ड वेस्ट के किसी म्यूज़िकल-कॉमेडी हीरो जैसा लग रहा था, मेरे डिब्बे में आया और मुझसे पूछा कि मैं कहाँ जा रहा हूँ। मेरे पहले "चाय—और भगवान के लिए उसमें चीनी मत डालना" कहने पर भी उसने मुझे अनसुना करते हुए अपना सवाल दोहराया, और ज़ोर देकर कहा कि वह कोई वेटर नहीं बल्कि एक इमिग्रेशन अधिकारी है। आखिरकार मैं उसे यह समझाने में कामयाब हो गया कि मुझे कोई संक्रामक बीमारी नहीं है, मैं पूरी ईमानदारी से रोडेशिया घूमने आया हूँ, और मैंने उसे अपना पूरा ईसाई नाम और जन्मस्थान बताकर और भी संतुष्ट किया। फिर मैंने थोड़ी देर सोने की कोशिश की, लेकिन एक बेवकूफ ने मुझे सुबह 5:30 बजे एक कप तरल चीनी के साथ जगा दिया, जिसे वह चाय कह रहा था। मुझे नहीं लगता कि मैंने उसे फेंका, लेकिन मुझे पता है कि मेरा मन तो यही कर रहा था। वह मेरे लिए 6 बजे बिना चीनी वाली, एकदम ठंडी चाय लाया, और फिर मैं पूरी तरह से थका हुआ सो गया, और जब मैं बुलवायो के ठीक बाहर जागा तो मुझे एक भयानक लकड़ी का जिराफ मिला, जिसमें सिर्फ टांगें और गर्दन ही थीं!

इन छोटी-मोटी गड़बड़ियों को छोड़कर, सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा था। और फिर एक नई विपत्ति आ पड़ी।

यह फॉल्स पहुंचने की हमारी रात थी। मैं अपने बैठक कक्ष में मिस पेटिग्रेव को लिखवा रही थी, तभी अचानक श्रीमती ब्लेयर बिना कुछ कहे और बेहद आपत्तिजनक पोशाक पहने हुए अंदर आ गईं।

“ऐनी कहाँ है?” वह चिल्लाई।

यह तो अच्छा सवाल है। मानो मैं उस लड़की के लिए ज़िम्मेदार था। मिस पेटिग्रेव क्या सोचेंगी, यह वह क्या सोचती थीं? कि मैं आधी रात के आसपास अपनी जेब से ऐनी बेडिंगफेल्ड निकालता था? मेरे जैसे आदमी के लिए यह बहुत शर्मनाक बात है।

मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मुझे लगता है कि वह अपने बिस्तर पर है।"

मैंने गला साफ किया और मिस पेटिग्रेव की ओर देखकर यह संकेत दिया कि मैं फिर से बोलकर लिखवाने के लिए तैयार हूँ। मुझे उम्मीद थी कि श्रीमती ब्लेयर इशारा समझ जाएँगी। लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। इसके बजाय, वह एक कुर्सी पर बैठ गईं और बेचैनी से चप्पल पहने हुए पैर को हिलाने लगीं।

“वह अपने कमरे में नहीं है। मैं वहाँ गया था। मुझे एक सपना आया—एक भयानक सपना—कि वह किसी भयानक खतरे में है, और मैं उठकर उसके कमरे में गया, बस खुद को तसल्ली देने के लिए। वह वहाँ नहीं थी और उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था।”

उसने मुझे निवेदन भरी नजरों से देखा।

“मुझे क्या करना चाहिए, सर यूस्टेस?”

"जाओ सो जाओ, और बेवजह चिंता मत करो। ऐनी बेडिंगफेल्ड जैसी स्वस्थ युवती अपना ख्याल रखने में पूरी तरह सक्षम है," यह कहकर मैंने मन ही मन माथे पर शिकन डाली।

“इस बारे में नस्ल क्या कहती है?”

जाति को ही सब कुछ क्यों मिलना चाहिए? उसे भी महिला समाज के कुछ लाभ और कुछ हानियाँ मिलनी चाहिए।

मुझे वो कहीं नहीं मिल रहा है।

वह जाहिर तौर पर रात भर मौज-मस्ती कर रही थी। मैंने आह भरी और एक कुर्सी पर बैठ गया।

मैंने धैर्यपूर्वक कहा, "मुझे आपकी बेचैनी का कारण समझ नहीं आ रहा है।"
मेरा सपना——”
“हमने रात के खाने में वो करी खाई थी!”
“ओह, श्री यूस्टेस!”
वह महिला काफी गुस्से में थी। और फिर भी, हर कोई जानता है कि बुरे सपने अनुचित खान-पान का सीधा परिणाम होते हैं।
मैंने अपनी बात को और भी प्रेरक ढंग से आगे बढ़ाते हुए कहा, "आखिरकार, ऐनी बेडिंगफेल्ड और रेस को थोड़ी देर टहलने के लिए बाहर क्यों नहीं जाना चाहिए, जबकि इससे पूरे होटल में हलचल मचनी चाहिए?"
“क्या आपको लगता है कि वे बस साथ में टहलने निकले हैं? लेकिन आधी रात हो चुकी है!”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "जवानी में ही ऐसी मूर्खतापूर्ण हरकतें हो जाती हैं, हालांकि रेस इतना समझदार तो है ही कि उसे बेहतर पता होना चाहिए।"
"क्या आप सच में ऐसा सोचते हो?"
“मुझे लगता है कि वे मुकाबला करने के लिए भाग गए हैं,” मैंने दिलासा देते हुए कहा, हालांकि मुझे पूरी तरह से पता था कि मैं एक बेवकूफी भरी बात कह रहा हूँ। आखिर, ऐसी जगह पर भागने के लिए और क्या जगह है?
मुझे नहीं पता कि मैं कब तक बेतुकी बातें करता रहता, लेकिन उसी क्षण रेस खुद हमारे बीच आ गया। खैर, मैं कुछ हद तक सही था—वह टहलने निकला था, लेकिन ऐनी को अपने साथ नहीं ले गया था। हालांकि, स्थिति से निपटने का मेरा तरीका पूरी तरह गलत था। यह बात मुझे जल्द ही पता चल गई। रेस ने तीन मिनट में पूरे होटल में हंगामा मचा दिया। मैंने इतना परेशान आदमी कभी नहीं देखा।
यह मामला बेहद अजीब है। वह लड़की कहाँ गई? वह सुबह ग्यारह बजकर दस मिनट पर पूरे कपड़े पहने होटल से निकली और फिर कभी नहीं दिखी। आत्महत्या की बात तो नामुमकिन लगती है। वह उन ऊर्जावान युवतियों में से एक थी जो जीवन से प्यार करती हैं और उसे छोड़ने का उनका ज़रा भी इरादा नहीं होता। कल दोपहर तक कोई ट्रेन नहीं थी, इसलिए वह वहाँ से जा ही नहीं सकती थी। तो फिर आखिर वह कहाँ है? रेस बेचारा लगभग पागल हो चुका है। उसने कोई कसर नहीं छोड़ी है। सैकड़ों मील के दायरे में फैले सभी डी.सी. (या जो भी वे खुद को कहते हों) को काम पर लगा दिया

गया है। स्थानीय खोजकर्ता भी जी-जान से लगे हुए हैं। हर संभव कोशिश की जा रही है—लेकिन ऐनी बेडिंगफेल्ड का कोई सुराग नहीं मिला। माना जा रहा है कि वह नींद में ही चल पड़ी। पुल के पास रास्ते पर कुछ निशान हैं जिनसे लगता है कि लड़की जानबूझकर किनारे से नीचे गिरी थी। अगर ऐसा है, तो ज़ाहिर है कि वह नीचे चट्टानों पर चूर-चूर हो गई होगी। दुर्भाग्य से, सोमवार की सुबह-सुबह उस रास्ते से गुज़रने वाले पर्यटकों के एक समूह ने उसके पैरों के निशान मिटा दिए।

मुझे नहीं लगता कि यह कोई संतोषजनक सिद्धांत है। बचपन में मुझे हमेशा यही बताया जाता था कि नींद में चलने वाले लोग खुद को नुकसान नहीं पहुंचा सकते—उनकी छठी इंद्री ही उनकी रक्षा करती है। मुझे नहीं लगता कि यह सिद्धांत श्रीमती ब्लेयर को भी संतुष्ट करता है।

मैं उस औरत को समझ नहीं पा रही हूँ। रेस के प्रति उसका रवैया पूरी तरह बदल गया है। अब वह उसे चूहे-बिल्ली की तरह देखती है, और उससे सभ्य व्यवहार करने के लिए साफ़ तौर पर कोशिश करती है। जबकि वे कभी बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वह बिल्कुल बदल गई है, घबराई हुई, बेकाबू, ज़रा सी भी आवाज़ पर चौंक जाती है और उछल पड़ती है। मुझे लगने लगा है कि अब जोहान्सबर्ग जाने का सही समय आ गया है।

कल एक अफवाह फैली कि नदी के ऊपर कहीं एक रहस्यमयी द्वीप है, जिस पर एक आदमी और एक लड़की रहते हैं। रेस बहुत उत्साहित हो गया। लेकिन बाद में पता चला कि यह सब झूठ था। वह आदमी तो सालों से वहीं था और होटल के मैनेजर का परिचित था। वह सीज़न में पार्टियों को नदी के किनारे ले जाता है और उन्हें मगरमच्छ और इधर-उधर भटकते दरियाई घोड़े दिखाता है। मुझे लगता है कि उसने एक पालतू दरियाई घोड़ा पाल रखा है जिसे नाव के टुकड़े काटने की ट्रेनिंग दी गई है। फिर वह उसे नाव के हुक से भगा देता है, और पार्टी को लगता है कि वे आखिरकार किसी सुनसान जगह पर पहुँच गए हैं। लड़की कितने समय से वहाँ है, यह तो पक्का पता नहीं, लेकिन यह तो साफ है कि वह ऐनी नहीं हो सकती, और दूसरों के मामलों में दखल देना ठीक नहीं होता। अगर मैं यह नौजवान होता, तो रेस के मेरे प्रेम प्रसंगों के बारे में पूछने पर मैं उसे द्वीप से ज़रूर भगा देता।

बाद में।

यह तो तय हो गया है कि मैं कल जोहान्सबर्ग जाऊँगा। रेस ने मुझे ऐसा करने के लिए

ज़ोर दिया है। मैंने सुना है कि वहाँ हालात बिगड़ते जा रहे हैं, लेकिन इससे पहले कि और खराब हों, मुझे चले जाना चाहिए। मुझे डर है कि वैसे भी कोई हड़ताली मुझे गोली मार देगा। श्रीमती ब्लेयर को मेरे साथ आना था, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना इरादा बदल दिया और फॉल्स में ही रुकने का फैसला किया। ऐसा लगता है जैसे वह रेस से अपनी नज़रें नहीं हटा पा रही थीं। वह आज रात मेरे पास आईं और कुछ झिझक के साथ बोलीं कि उन्हें एक मदद चाहिए। क्या मैं उनके स्मृति चिन्हों की ज़िम्मेदारी ले लूँगा?

"जानवर नहीं?" मैंने घबराहट भरे लहजे में पूछा। मुझे हमेशा से लगता था कि मुझे कभी न कभी उन खूंखार जानवरों से सामना करना ही पड़ेगा।

अंततः हमने समझौता कर लिया। मैंने उसके लिए दो छोटे लकड़ी के बक्से अपने हाथ में ले लिए जिनमें नाज़ुक वस्तुएँ थीं। जानवरों को स्थानीय दुकान द्वारा बड़े-बड़े बक्सों में पैक करके रेल द्वारा केप टाउन भेजा जाएगा, जहाँ पैगेट उनकी देखरेख का प्रबंध करेंगी।

इन्हें पैक करने वाले लोग कहते हैं कि इनका आकार बहुत ही अजीब है (!), और इनके लिए विशेष व्यवस्था करनी पड़ेगी। मैंने श्रीमती ब्लेयर को बताया कि जब तक वे इन्हें घर ले जाएंगी, तब तक हर जानवर की कीमत लगभग एक पाउंड हो जाएगी! पैगेट जोहान्सबर्ग में मुझसे मिलने के लिए बेताब है। मैं श्रीमती ब्लेयर के ठेकों का बहाना बनाकर उसे केप टाउन में रोक लूँगा। मैंने उसे लिख दिया है कि उसे ये ठेके लेने होंगे और इनकी सुरक्षित व्यवस्था करनी होगी, क्योंकि इनमें बेहद कीमती और दुर्लभ वस्तुएँ हैं।

तो सब कुछ तय हो गया, और मैं और मिस पेटिग्रेव एक साथ नीले आसमान की ओर चल पड़े। और जिसने भी मिस पेटिग्रेव को देखा है, वह मानेगा कि यह बिल्कुल सम्मानजनक है।

अध्याय XIX

जोहान्सबर्ग,
6 मार्च।

यहां की स्थिति कुछ ऐसी है जो बिल्कुल भी ठीक नहीं है। उस मशहूर कहावत का इस्तेमाल करूं जो मैंने अक्सर पढ़ी है, तो हम सब एक ज्वालामुखी के कगार पर जी

रहे हैं। हड़तालियों के गिरोह, या यूं कहें कि तथाकथित हड़ताली, सड़कों पर गश्त लगाते हैं और किसी को भी जानलेवा निगाहों से घूरते हैं। मुझे लगता है कि वे उन मोटे पूंजीपतियों को चुन रहे हैं जो नरसंहार शुरू होने पर उनका शिकार बनने वाले हैं। आप टैक्सी में नहीं बैठ सकते—अगर आप बैठते हैं, तो हड़ताली आपको फिर से उतार देते हैं। और होटल बड़े ही सुखद इशारे से कहते हैं कि खाना खत्म होने पर वे आपको चटाई पर फेंक देंगे!

कल रात मेरी मुलाकात किल्मॉर्डन के मेरे मजदूर मित्र रीव्स से हुई। उनमें डर का भाव इतना गहरा है जितना मैंने आज तक किसी में नहीं देखा। वे भी बाकी लोगों की तरह ही हैं, जो सिर्फ राजनीतिक उद्देश्यों के लिए भड़काऊ और लंबे-लंबे भाषण देते हैं, और फिर पछताते हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। आजकल वे यही कह रहे हैं कि उन्होंने ऐसा किया ही नहीं। जब मैं उनसे मिला, तब वे केप टाउन जा रहे थे, जहाँ वे डच भाषा में तीन दिन का भाषण देने की योजना बना रहे हैं, जिसमें वे खुद को सही साबित करेंगे और यह बताएंगे कि उनके कहे शब्दों का असली मतलब कुछ और ही था। शुक्र है कि मुझे दक्षिण अफ्रीका की विधान सभा में नहीं बैठना पड़ता। हाउस ऑफ कॉमन्स भी काफी बुरा है, लेकिन कम से कम वहाँ एक ही भाषा बोली जाती है और भाषणों की लंबाई पर थोड़ी-बहुत पाबंदी तो है। केप टाउन छोड़ने से पहले जब मैं विधानसभा गया, तो मैंने एक अधेड़ उम्र के सज्जन को सुना, जिनकी मूंछें झुकी हुई थीं और वे बिल्कुल एलिस इन वंडरलैंड के मॉक टर्टल जैसे दिखते थे।

वह एक-एक करके बड़े ही उदास अंदाज़ में अपने शब्द छोड़ता गया। बीच-बीच में वह "प्लैट स्कीट" जैसा कुछ बोलकर खुद को और ज़्यादा जोश में लाता, जो उसकी बाकी बातों से बिलकुल अलग था। जब वह ऐसा करता, तो आधे श्रोता "वूफ़, वूफ़!" चिल्लाते, जिसका शायद डच में अर्थ "सुनो, सुनो" होता है, और बाकी आधे अपनी सुहावनी नींद से एकदम से जाग जाते। मुझे पता चला कि वह सज्जन कम से कम तीन दिनों से बोल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका में लोगों में बहुत सब्र होता होगा।

मैंने पैगेट को केपटाउन में रखने के लिए अनगिनत काम गढ़े, लेकिन आखिरकार मेरी कल्पना शक्ति खत्म हो गई, और वह कल मेरे साथ उस वफादार कुत्ते की तरह शामिल हो रहा है जो अपने मालिक के पास मरने आता है। और मेरी यादें भी खूब अच्छी चल रही थीं! मैंने कुछ बेहद हास्यपूर्ण बातें गढ़ी थीं जो हड़ताल के नेताओं ने मुझसे कही थीं और मैंने हड़ताल के नेताओं से कही थीं।

आज सुबह एक सरकारी अधिकारी ने मेरा साक्षात्कार लिया। वे शालीन, प्रभावशाली और रहस्यमय थे। शुरुआत में उन्होंने मेरी उच्च पदवी और महत्व का जिक्र किया और सुझाव दिया कि मुझे स्वयं प्रिटोरिया चले जाना चाहिए, या वे मुझे वहां से हटा दें।
“तो क्या आपको परेशानी की आशंका है?” मैंने पूछा।
उनका जवाब इतना अस्पष्ट था कि उसका कोई मतलब ही नहीं निकला, इसलिए मैंने समझ लिया कि वे किसी गंभीर समस्या की आशंका जता रहे हैं। मैंने उनसे कहा कि उनकी सरकार हालात को कुछ ज्यादा ही बिगड़ने दे रही है।
"सर यूस्टेस, किसी व्यक्ति को पर्याप्त रस्सी देकर उसे खुद को फांसी लगाने देने जैसा भी कुछ होता है।"
“ओह, बिलकुल सही, बिलकुल सही।”
“मुसीबत की वजह खुद हड़ताल करने वाले नहीं हैं। इनके पीछे कोई संगठित संगठन काम कर रहा है। हथियार और विस्फोटक भारी मात्रा में आयात किए जा रहे हैं, और हमें कुछ ऐसे दस्तावेज़ मिले हैं जिनसे इनके आयात के तरीकों पर काफी रोशनी पड़ती है। एक तय सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। आलू का मतलब ‘डिटोनेटर’, फूलगोभी का मतलब ‘राइफल’ और अन्य सब्जियों का मतलब अलग-अलग तरह के विस्फोटक हैं।”
“यह बहुत दिलचस्प है,” मैंने प्रशंसा की।
"इससे भी बढ़कर, सर यूस्टेस, हमारे पास यह मानने के हर कारण हैं कि इस पूरे मामले को चलाने वाला व्यक्ति, इस पूरे आयोजन का निर्देशक, इस समय जोहान्सबर्ग में मौजूद है।"
वह मुझे इतनी घूरकर देख रहा था कि मुझे डर लगने लगा कि कहीं उसे मुझ पर ही शक न हो कि मैं ही वह आदमी हूँ। यह सोचकर मुझे पसीना आ गया और मुझे इस बात का पछतावा होने लगा कि मैंने कभी एक लघु क्रांति को प्रत्यक्ष रूप से देखने का विचार क्यों किया था।
“जोहान्सबर्ग से प्रिटोरिया के लिए कोई ट्रेन नहीं चल रही है,” उन्होंने आगे कहा। “लेकिन मैं आपको निजी कार से भेजने का इंतज़ाम कर सकता हूँ। अगर रास्ते में आपको रोका जाए तो मैं आपको दो अलग-अलग पास दे सकता हूँ, एक केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया और दूसरा यह बताते हुए कि आप एक अंग्रेज़ पर्यटक हैं जिनका केंद्र सरकार से कोई लेना-देना नहीं है।”

“एक आपके लोगों के लिए, और एक हड़तालियों के लिए, है ना?”
"बिल्कुल।"
मुझे यह प्रोजेक्ट बिल्कुल पसंद नहीं आया—मैं जानता हूँ कि ऐसे मामलों में क्या होता है। आप घबरा जाते हैं और सब कुछ गड़बड़ कर देते हैं। अगर मैंने गलती से किसी गलत व्यक्ति को गलत पास दे दिया, तो नतीजा यह होगा कि कोई खूनी विद्रोही या कानून-व्यवस्था के समर्थक, जो सड़कों पर टोपी पहने और पाइप पीते हुए राइफलें लापरवाही से दबाए पहरा दे रहे हैं, मुझे गोली मार देंगे। इसके अलावा, प्रिटोरिया में मैं क्या करूँ? यूनियन बिल्डिंग की वास्तुकला की प्रशंसा करूँ और जोहान्सबर्ग के आसपास हो रही गोलीबारी की गूँज सुनूँ? मुझे वहाँ पता नहीं कितने दिन रहना पड़ेगा। मैंने सुना है कि उन्होंने रेलवे लाइन उड़ा दी है। वहाँ तो पीने के लिए कुछ भी नहीं मिलता। दो दिन पहले वहाँ मार्शल लॉ लगा दिया गया है।
मैंने कहा, “मेरे प्रिय मित्र, आपको शायद इस बात का एहसास नहीं है कि मैं रैंड में हालातों का अध्ययन कर रहा हूँ। भला मैं प्रिटोरिया से ये अध्ययन कैसे कर पाऊँगा? मेरी सुरक्षा के प्रति आपकी चिंता के लिए धन्यवाद, लेकिन आप मेरे बारे में चिंता न करें। मैं ठीक रहूँगा।”
"मैं आपको चेतावनी देता हूं, सर यूस्टेस, कि भोजन का मुद्दा पहले से ही गंभीर है।"
मैंने आह भरते हुए कहा, "थोड़ा उपवास करने से मेरा शरीर सुधर जाएगा।"
मुझे एक टेलीग्राम सौंपा गया जिससे हमारी बातचीत में बाधा उत्पन्न हुई। मैंने उसे आश्चर्य से पढ़ा:
“ऐनी सुरक्षित है। वह किम्बर्ली में मेरे साथ है। सुज़ैन ब्लेयर।”
मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी ऐनी के विनाश पर सचमुच विश्वास किया था। उस युवती में कुछ अजीब सी अविनाशीता है—वह टेरियर कुत्तों को दिए जाने वाले अंडकोषों की तरह है। वह हमेशा मुस्कुराती हुई नज़र आती है। मुझे अब भी समझ नहीं आता कि आधी रात को होटल से निकलकर किम्बरली जाना उसके लिए क्यों ज़रूरी था। वैसे भी कोई ट्रेन नहीं थी। उसने ज़रूर देवदूतों के पंख पहनकर वहाँ उड़ान भरी होगी। और मुझे नहीं लगता कि वह कभी इसका कारण बताएगी। कोई भी मुझे नहीं बताता। मुझे हमेशा अनुमान ही लगाना पड़ता है। कुछ समय बाद यह नीरस हो जाता है। मुझे लगता है कि इसके पीछे पत्रकारिता की मजबूरियाँ ही हैं। "हाउ आई शूट द रैपिड्स", हमारे विशेष संवाददाता द्वारा।

मैंने टेलीग्राम को दोबारा मोड़ दिया और अपने सरकारी दोस्त से पीछा छुड़ा लिया। मुझे भूखे रहने का ख्याल अच्छा नहीं लगता, लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर मैं चिंतित नहीं हूँ। स्मट्स क्रांति से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। लेकिन एक ड्रिंक के लिए मैं अच्छी खासी रकम देने को तैयार हूँ! मुझे आश्चर्य है कि क्या पैगेट कल आने पर अपने साथ व्हिस्की की एक बोतल लाएगा?

मैंने अपनी टोपी पहनी और कुछ यादगार चीज़ें खरीदने के इरादे से बाहर निकल गया। जोहान्सबर्ग की अनोखी चीज़ों की दुकानें काफी अच्छी हैं। मैं एक खिड़की में सजी हुई शानदार कारों को देख रहा था, तभी दुकान से बाहर आता हुआ एक आदमी मुझसे टकरा गया। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह रेस निकला।

मैं ये नहीं कह सकती कि मुझे देखकर वो खुश हुए। असल में, वो काफी नाराज़ लग रहे थे, लेकिन मैंने उनसे होटल तक मेरे साथ चलने की ज़िद की। मिस पेटिग्रेव के अलावा किसी से बात न कर पाने से मैं ऊब जाती हूँ।

मैंने बातूनी लहजे में कहा, "मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि आप जोहान्सबर्ग में हैं। आप कब आए?"

"कल रात।"

"आप कहाँ रहते हैं?"

"दोस्तों के साथ।"

वह स्वभाव से बेहद कम बोलने वाला था और मेरे सवालों से शर्मिंदा प्रतीत होता था।

मैंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि वे मुर्गी पालन करते होंगे। मैंने सुना है कि जल्द ही ताजे अंडे खाना और कभी-कभार किसी बूढ़े मुर्गे को मारना उनके लिए काफी सुखद साबित होगा।"

“वैसे,” मैंने होटल वापस आकर कहा, “क्या आपने सुना है कि मिस बेडिंगफेल्ड बिल्कुल ठीक-ठाक हैं?”

उसने सहमति में सिर हिलाया।

मैंने बेपरवाही से कहा, "उसने हमें काफी डरा दिया था। उस रात वो कहाँ गई थी, यही तो मैं जानना चाहता हूँ।"

वह हर समय द्वीप पर ही रहती थी।

“कौन सा द्वीप? वह नहीं जिस पर वह युवक है?”

"हाँ।"

“यह तो सरासर अनुचित है,” मैंने कहा। “पैगेट को बहुत बड़ा झटका लगेगा। वह हमेशा से ऐनी बेडिंगफेल्ड को नापसंद करते थे। मुझे लगता है कि वही युवक था जिससे वह मूल रूप से डरबन में मिलने वाली थी?”
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
मैंने उसे प्रोत्साहित करते हुए कहा, "मुझे वह कुछ मत बताओ जो तुम नहीं बताना चाहते।"
मुझे लगता है कि यह एक ऐसा युवक है जिसे पाकर हम सभी बहुत खुश होंगे।
“नहीं—?” मैं बढ़ती उत्तेजना के साथ चिल्लाया।
उसने सहमति में सिर हिलाया।
“हैरी रेबर्न, उर्फ हैरी लुकास—यही उसका असली नाम है। वह एक बार फिर हम सबको चकमा दे चुका है, लेकिन हम उसे जल्द ही पकड़ लेंगे।”
"हे भगवान, हे भगवान," मैंने धीरे से कहा।
“हमें किसी भी मामले में लड़की की संलिप्तता का संदेह नहीं है। उसकी तरफ से तो यह महज एक प्रेम प्रसंग है।”
मुझे हमेशा से लगता था कि रेस ऐनी से प्यार करता था। उसके आखिरी शब्द सुनकर मुझे इस बात का पूरा यकीन हो गया था।
“वह बेइरा गई है,” उसने जल्दबाजी में अपनी बात जारी रखी।
मैंने घूरते हुए कहा, "जी हां, बिल्कुल। आपको कैसे पता?"
“उसने मुझे बुलावायो से पत्र लिखा, जिसमें उसने बताया कि वह उसी रास्ते से घर जा रही है। बेचारी बच्ची, यही उसके लिए सबसे अच्छा विकल्प है।”
मैंने सोच-विचार करते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि वह बेइरा में है।"
जब उसने लिखना शुरू किया था तब वह बस शुरुआत ही कर रही थी।
मैं असमंजस में था। कोई तो साफ़ झूठ बोल रहा था। ऐनी के भ्रामक बयानों के पीछे शायद अच्छे कारण हों, इस बात पर विचार किए बिना ही, मैंने रेस को नीचा दिखाने के आनंद में डूब गया। वह हमेशा इतना आत्मविश्वासी रहता है। मैंने अपनी जेब से टेलीग्राम निकाला और उसे सौंप दिया।
“तो फिर आप इसे कैसे समझाएंगे?” मैंने बेपरवाही से पूछा।
वह अचंभित प्रतीत हुआ।
“उसने कहा कि वह अभी-अभी बेइरा के लिए पढ़ाई शुरू कर रही है,” उसने स्तब्ध

स्वर में कहा।
मुझे पता है कि रेस को चतुर समझा जाता है। मेरी राय में, वह काफी मूर्ख व्यक्ति है। उसे कभी यह बात समझ में नहीं आई कि लड़कियां हमेशा सच नहीं बोलतीं।
“किम्बरली भी। वे वहाँ क्या कर रहे हैं?” उसने बुदबुदाते हुए कहा।
"हां, इससे मुझे आश्चर्य हुआ। मुझे लगा था कि मिस ऐनी यहां दैनिक बजट के लिए सामग्री जुटाने में व्यस्त होंगी।"
“किम्बरली,” उसने फिर कहा। वह जगह उसे परेशान करती हुई प्रतीत हुई। “वहाँ देखने लायक कुछ नहीं है—खदानों में काम नहीं चल रहा है।”
मैंने अस्पष्ट लहजे में कहा, "तुम जानते हो कि औरतें क्या होती हैं।"
उसने सिर हिलाया और चला गया। जाहिर है, मैंने उसे सोचने के लिए कुछ दे दिया है। उसके जाते ही मेरा सरकारी अधिकारी फिर से प्रकट हो गया।
“मुझे उम्मीद है कि आप मुझे दोबारा परेशान करने के लिए क्षमा कर देंगे, सर यूस्टेस,” उन्होंने क्षमा मांगते हुए कहा। “लेकिन मैं आपसे एक-दो प्रश्न पूछना चाहता हूँ।”
“ज़रूर, मेरे प्यारे दोस्त,” मैंने प्रसन्नतापूर्वक कहा। “पूछो तो सही।”
“यह आपके सचिव से संबंधित है—”
मैंने जल्दी से कहा, “मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता। वह लंदन में मेरे साथ जबरदस्ती मिला, मेरे कीमती कागजात चुरा लिए—जिसके लिए मुझे कड़ी सजा मिलेगी—और केप टाउन में जादूगर की तरह गायब हो गया। यह सच है कि मैं उसी समय फॉल्स पर था जब वह था, लेकिन मैं होटल में था और वह एक द्वीप पर था। मैं आपको यकीन दिला सकता हूँ कि जब तक मैं वहाँ था, मैंने उसे एक बार भी नहीं देखा।”
मैंने सांस लेने के लिए थोड़ी देर रुक गई।
“आप मुझे गलत समझ रहे हैं। मैंने आपकी दूसरी सचिव के बारे में बात की थी।”
“क्या? पैगेट?” मैंने बड़े आश्चर्य से कहा। “वह आठ साल से मेरे साथ है—एक बेहद भरोसेमंद साथी।”
मेरे वार्ताकार मुस्कुराए।
“हम अभी भी एक-दूसरे के विपरीत विचार रख रहे हैं। मेरा तात्पर्य उस महिला से है।”

“मिस पेटिग्रेव?” मैंने हैरानी से कहा।
“जी हां। उसे अग्रसातो की देसी कलाकृतियों की दुकान से बाहर आते देखा गया है।”
“भगवान मेरी आत्मा को शांति दे!” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मैं आज दोपहर खुद उस जगह जा रहा था। शायद आप मुझे बाहर आते हुए देख लेते!”
जोहान्सबर्ग में ऐसा कोई निर्दोष काम नहीं लगता जिसे बिना संदेह के किया जा सके।
“अरे! लेकिन वह वहाँ एक से अधिक बार जा चुकी है—और वह भी कुछ संदिग्ध परिस्थितियों में। बेहतर होगा कि मैं आपको बता दूँ—सर यूस्टेस—कि यह जगह इस क्रांति के पीछे छिपे गुप्त संगठन द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक प्रसिद्ध अड्डा होने का संदेह है। इसीलिए मुझे इस महिला के बारे में आप जो कुछ भी बता सकते हैं, उसे सुनकर खुशी होगी। आपने उसे कहाँ और कैसे नियुक्त किया?”
मैंने ठंडे लहजे में जवाब दिया, "उसे तो आपकी ही सरकार ने मुझे सौंपा था।"
वह पूरी तरह से गिर पड़ा।

अध्याय XXX

(ऐनी की कहानी पुनः शुरू)

किम्बर्ली पहुंचते ही मैंने सुज़ैन को तार भेजा।
वह अत्यंत शीघ्रता से मेरे पास पहुँच गई और रास्ते में टेलीग्राम भेजकर अपने आगमन की सूचना दी। मुझे यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि वह वास्तव में मुझे पसंद करती थी—मैंने सोचा था कि मैं उसके लिए बस एक नया आकर्षण हूँ, लेकिन मिलते ही वह मेरे गले लग गई और रोने लगी।
जब हम अपनी भावनाओं से थोड़ा उबर गए, तो मैं बिस्तर पर बैठ गया और उसे पूरी कहानी शुरू से अंत तक बताई।
जब मैंने अपनी बात खत्म की, तो उसने सोच-समझकर कहा, “तुम्हें हमेशा से कर्नल रेस पर शक था। मुझे तो तब तक नहीं था जब तक तुम गायब नहीं हो गईं। मैं तो उन्हें हमेशा से बहुत पसंद करती थी और सोचती थी कि वो तुम्हारे लिए कितने अच्छे पति बनेंगे। ओह, प्यारी ऐनी, गुस्सा मत करो, लेकिन तुम्हें कैसे पता कि तुम्हारा ये नौजवान सच बोल रहा है? तुम तो उसकी हर बात पर यकीन कर लेती हो।”
“बिल्कुल करता हूँ,” मैंने क्रोध से चिल्लाकर कहा।

"लेकिन उसमें ऐसा क्या है जो आपको इतना आकर्षित करता है? मुझे तो उसमें उसकी बेपरवाह खूबसूरती और आधुनिक शेख-सह-पाषाण युग के प्रेम-प्रसंग के अलावा कुछ भी नहीं दिखता।"

मैंने कुछ मिनटों तक सुज़ैन पर अपने क्रोध की सारी धारा उंडेल दी।

मैंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, "सिर्फ इसलिए कि आपकी शादीशुदा जिंदगी आरामदायक है और आप मोटे हो रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि आप रोमांस जैसी किसी चीज को भूल गए हैं।"

“अरे, मैं मोटी नहीं हो रही हूँ, ऐनी। तुम्हारे बारे में हाल ही में हुई सारी चिंता ने मुझे बुरी तरह थका दिया होगा।”

मैंने ठंडे लहजे में कहा, "तुम तो काफी तंदुरुस्त लग रहे हो। मुझे लगता है तुम्हारा वजन करीब आधा स्टोन बढ़ गया होगा।"

“और मुझे नहीं पता कि मेरी शादीशुदा ज़िंदगी भी इतनी खुशहाल है,” सुज़ैन ने उदास स्वर में आगे कहा। “क्लैरेंस से मुझे घर तुरंत आने के लिए लगातार भयानक संदेश आ रहे हैं। आख़िरकार मैंने उनका जवाब नहीं दिया, और अब दो हफ़्तों से ज़्यादा समय से मुझे उनसे कोई खबर नहीं मिली है।”

मुझे अफसोस है कि मैंने सुज़ैन की वैवाहिक समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया। समय आने पर वह क्लेरेंस को आसानी से मना लेगी। मैंने बातचीत का रुख हीरों की ओर मोड़ दिया।

सुज़ैन ने मुंह खुला रखकर मेरी तरफ देखा।

“मुझे समझाना होगा, ऐनी। देखो, जैसे ही मुझे कर्नल रेस पर शक हुआ, मैं हीरों को लेकर बहुत परेशान हो गया था। मैं फॉल्स में ही रुकना चाहता था, कहीं उसने तुम्हें आसपास कहीं से अगवा न कर लिया हो, लेकिन मुझे हीरों के बारे में कुछ समझ नहीं आ रहा था। मुझे उन्हें अपने पास रखने से डर लग रहा था—”

सुज़ैन ने बेचैनी से चारों ओर देखा, मानो उसे डर हो कि दीवारों के भी कान हो सकते हैं, और फिर मेरे कान में फुसफुसाते हुए ज़ोर से कुछ कहा।

“यह वाकई एक अच्छा विचार था,” मैंने सहमति जताई। “उस समय तो ठीक था। अब थोड़ा अटपटा लगता है। सर यूस्टेस ने उन मामलों का क्या किया?”

“बड़ी मछलियों को केप टाउन भेज दिया गया था। फॉल्स से निकलने से पहले मुझे पैगेट से खबर मिली थी, और उसने उनके भंडारण की रसीद भी भेज दी थी। वैसे, वह

आज केप टाउन से जोहान्सबर्ग में सर यूस्टेस से मिलने जा रहा है।”
मैंने सोच-समझकर कहा, "मैं समझ गया। और छोटे वाले कहाँ हैं?"
मुझे लगता है कि सर यूस्टेस उन्हें अपने साथ ले गए हैं।
मैंने इस मामले पर मन ही मन विचार किया।
अंत में मैंने कहा, "ठीक है, यह थोड़ा अजीब है, लेकिन काफी सुरक्षित है। फिलहाल हमें कुछ नहीं करना चाहिए।"
सुज़ैन ने हल्की सी मुस्कान के साथ मेरी तरफ देखा।
"तुम्हें खाली बैठना पसंद नहीं है, है ना, ऐनी?"
मैंने ईमानदारी से जवाब दिया, "ज्यादा नहीं।"
मैं बस इतना ही कर सकता था कि ट्रेन का टाइम टेबल देख लूँ और पता कर लूँ कि गाय पैगेट की ट्रेन किम्बरली से किस समय गुजरेगी। मुझे पता चला कि वह अगले दिन दोपहर 5:40 बजे पहुँचेगी और 6 बजे फिर रवाना हो जाएगी। मैं पैगेट से जल्द से जल्द मिलना चाहता था, और मुझे यह एक अच्छा मौका लगा। रैंड में हालात बहुत गंभीर होते जा रहे थे, और शायद मुझे दोबारा ऐसा मौका मिलने में काफी समय लग जाए।
दिन भर की एकमात्र खुशी की बात जोहान्सबर्ग से भेजा गया एक तार था। एक बेहद मासूम सा लगने वाला टेलीग्राम:
“सुरक्षित पहुँच गए। सब ठीक चल रहा है। एरिक और यूस्टेस यहाँ हैं, लेकिन गाय नहीं है। अभी आप यहीं रहें। एंडी।”
एरिक, रेस का हमारा छद्म नाम था। मैंने इसे इसलिए चुना क्योंकि यह एक ऐसा नाम है जिसे मैं बिल्कुल नापसंद करता हूँ। पैगेट से मिलने तक कुछ भी करना संभव नहीं था। सुज़ैन ने दूर बैठे क्लेरेंस को एक लंबा और सांत्वना भरा संदेश भेजा। वह उसके लिए बहुत भावुक हो गई थी। अपने तरीके से—जो निश्चित रूप से मुझसे और हैरी से बिल्कुल अलग है—वह क्लेरेंस को बहुत पसंद करती है।
“काश वो यहाँ होता, ऐनी,” उसने घबराकर कहा। “उसे देखे हुए बहुत समय हो गया है।”
मैंने प्यार से कहा, "थोड़ी सी फेस क्रीम लगा लो।"
सुज़ैन ने अपनी मनमोहक नाक की नोक पर थोड़ा सा मला।
“मुझे जल्द ही और फेस क्रीम की ज़रूरत पड़ेगी,” उसने कहा, “और इस तरह की

क्रीम तो सिर्फ़ पेरिस में ही मिलती है।" उसने आह भरी। "पेरिस!"
मैंने कहा, "सुज़ैन, बहुत जल्द तुम दक्षिण अफ्रीका और रोमांच से ऊब जाओगी।"
"मुझे एक बहुत अच्छी टोपी चाहिए," सुज़ैन ने उदास स्वर में कहा। "क्या मैं कल आपके साथ गाय पैगेट से मिलने चलूँ?"
"मैं अकेले जाना पसंद करता हूँ। हम दोनों के सामने बोलने में उसे शर्म आएगी।"
तो हुआ यूं कि अगली दोपहर मैं होटल के दरवाजे पर खड़ा था, एक जिद्दी छाते से जूझ रहा था जो ऊपर जाने से इनकार कर रहा था, जबकि सुज़ैन शांति से अपने बिस्तर पर एक किताब और फलों की टोकरी के साथ लेटी हुई थी।
होटल के पोर्टर के अनुसार, ट्रेन आज ठीक चल रही थी और लगभग समय पर ही पहुँचेगी, हालाँकि उसे इस बात पर बहुत संदेह था कि वह जोहान्सबर्ग तक पहुँच पाएगी या नहीं। उसने मुझे बड़े उत्साह से आश्वासन दिया कि रेलवे लाइन उड़ा दी गई है। उसकी बात सुनकर मुझे खुशी हुई!
ट्रेन दस मिनट देरी से आई। सब लोग प्लेटफार्म पर उतर आए और बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगे। मुझे पैगेट को ढूंढने में कोई दिक्कत नहीं हुई। मैंने उत्सुकता से उससे बात की। मुझे देखकर वह हमेशा की तरह थोड़ा घबरा गया—लेकिन इस बार उसकी घबराहट कुछ ज़्यादा ही थी।
"हे भगवान, मिस बेडिंगफेल्ड, मुझे लगा था कि आप गायब हो गई हैं।"
मैंने उनसे गंभीरतापूर्वक कहा, "मैं फिर से प्रकट हो गया हूँ। और आप कैसे हैं, श्रीमान पैगेट?"
"बहुत अच्छा, धन्यवाद—सर यूस्टेस के साथ अपना काम फिर से शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।"
"श्रीमान पैगेट," मैंने कहा, "मुझे आपसे कुछ पूछना है। मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा, लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है, जितना आप सोच भी नहीं सकते। मैं जानना चाहता हूँ कि आप पिछले साल 8 जनवरी को मार्लो में क्या कर रहे थे?"
उसने हिंसक प्रतिक्रिया दी।
"सचमुच, मिस बेडिंगफेल्ड—मैं—वास्तव में——"
आप वहां थे, है ना?
"मैं—अपने निजी कारणों से मैं आस-पड़ोस में था, हाँ।"
"क्या आप मुझे वे कारण नहीं बताएंगे?"

“क्या सर यूस्टेस ने आपको पहले ही नहीं बताया?”
“सर यूस्टेस? क्या उन्हें पता है?”
“मुझे लगभग यकीन है कि वह मुझे पहचानता है। मुझे उम्मीद थी कि उसने मुझे पहचाना नहीं होगा, लेकिन उसके इशारों और बातों से मुझे डर है कि यह लगभग निश्चित है। खैर, मैं इस मामले को साफ-साफ बताकर उसे अपना इस्तीफा देना चाहती थी। मिस बेडिंगफेल्ड, वह एक अजीब आदमी है, जिसका हास्यबोध असामान्य है। लगता है उसे मुझे सस्पेंस में रखना अच्छा लगता है। मुझे पूरा यकीन है कि वह हर समय सच्चाई से भली-भांति वाकिफ था। शायद वह इसे सालों से जानता है।”
मुझे उम्मीद थी कि देर-सवेर मैं पैगेट की बात समझ पाऊंगा। वह धाराप्रवाह बोलते रहे:
“सर यूस्टेस जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति के लिए खुद को मेरी स्थिति में रखना मुश्किल है। मैं जानता हूँ कि मैं गलत था, लेकिन यह एक हानिरहित छल प्रतीत हुआ। मुझे लगता है कि मेरे ऊपर परोक्ष रूप से मज़ाक करने के बजाय, सीधे-सीधे मुझसे निपटना उनके लिए बेहतर होता।”
एक सीटी बजी और लोग वापस ट्रेन में चढ़ने लगे।
“जी हां, श्रीमान पैगेट,” मैंने बीच में टोकते हुए कहा, “मैं सर यूस्टेस के बारे में आपकी कही हर बात से पूरी तरह सहमत हूं। लेकिन आप मार्लो क्यों गए थे?”
"यह मेरी गलती थी, लेकिन उन परिस्थितियों में स्वाभाविक था - हाँ, मुझे अभी भी उन परिस्थितियों में स्वाभाविक लगता है।"
“किन परिस्थितियों में?” मैंने हताशा से पूछा।
पहली बार पैगेट को ऐसा लगा जैसे वह समझ गया हो कि मैं उससे एक सवाल पूछ रहा हूँ। उसका ध्यान सर यूस्टेस की विचित्रताओं और अपने स्वयं के औचित्य से हटकर मुझ पर केंद्रित हो गया।
"मुझे क्षमा करें, मिस बेडिंगफेल्ड," उन्होंने कड़े स्वर में कहा, "लेकिन मुझे इस मामले में आपकी कोई चिंता नजर नहीं आती।"
वह अब ट्रेन में वापस आ गया था और मुझसे बात करने के लिए नीचे झुक रहा था। मैं हताश महसूस कर रही थी। ऐसे आदमी के साथ कोई क्या कर सकता है?
“बेशक, अगर यह इतना भयानक है कि आप मुझसे इसके बारे में बात करने में शर्म महसूस करते हैं—” मैंने चिढ़कर कहना शुरू किया।

अंततः मुझे सही पड़ाव मिल गया। पैगेट अकड़ गया और उसका चेहरा लाल हो गया।
“भयानक? शर्मिंदा? मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही।”
"तो मुझे बताओ।"
उन्होंने मुझे तीन छोटे वाक्यों में ही सब कुछ बता दिया। आखिरकार मुझे पैगेट का रहस्य पता चल गया! यह बिल्कुल वैसा नहीं था जैसा मैंने सोचा था।
मैं धीरे-धीरे होटल वापस चला गया। वहाँ मुझे एक तार दिया गया। मैंने उसे फाड़कर खोला। उसमें मुझे तुरंत जोहान्सबर्ग जाने के लिए, या यूँ कहें कि जोहान्सबर्ग के इस तरफ के किसी स्टेशन पर जाने के लिए, जहाँ एक कार मेरा इंतज़ार कर रही होगी, स्पष्ट निर्देश थे। उस पर एंडी के नहीं, बल्कि हैरी के हस्ताक्षर थे।
मैं कुछ गंभीर चिंतन करने के लिए एक कुर्सी पर बैठ गया।

अध्याय XXXI

(सर यूस्टेस पेडलर की डायरी से)

जोहान्सबर्ग,
7 मार्च।

पैगेट आ गया है। ज़ाहिर है, वो बहुत उदास है। उसने तुरंत सुझाव दिया कि हमें प्रिटोरिया चले जाना चाहिए। फिर, जब मैंने उसे विनम्रता से लेकिन दृढ़ता से कहा कि हम यहीं रुकेंगे, तो वो बिल्कुल ही भड़क गया, कहने लगा कि काश उसकी राइफल यहीं होती, और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जिस पुल की उसने रखवाली की थी, उसके बारे में बड़बड़ाने लगा। लिटिल पुडेकोम्ब जंक्शन पर कोई रेलवे पुल, या कुछ इसी तरह का।
मैंने उसे बड़ा टाइपराइटर खोलने को कहकर उसकी बात बीच में ही रोक दी। मुझे लगा कि इससे वह कुछ समय के लिए व्यस्त रहेगा, क्योंकि टाइपराइटर ज़रूर खराब हो गया होगा—अक्सर ऐसा होता ही है—और उसे मरम्मत के लिए कहीं ले जाना पड़ेगा। लेकिन मैं पैगेट की सही होने की क्षमता को भूल गया था।
“मैंने सारे बक्से खोल दिए हैं, सर यूस्टेस। टाइपराइटर एकदम सही हालत में है।”
"आपका मतलब क्या है—सभी मामलों से?"
"वे दोनों छोटे मामले भी।"
“काश तुम इतने दखलंदाजी न करते, पैगेट। उन छोटे-मोटे मामलों से तुम्हारा कोई

लेना-देना नहीं है। वे श्रीमती ब्लेयर के हैं।"
पैगेट बेहद निराश दिख रहा था। उसे गलती करना बिल्कुल पसंद नहीं था।
"तो आप इन्हें दोबारा अच्छे से पैक कर सकते हैं," मैंने आगे कहा। "उसके बाद आप बाहर जाकर आसपास देख सकते हैं। कल तक जोहान्सबर्ग शायद जलकर राख हो चुका होगा, इसलिए शायद यही आपका आखिरी मौका हो।"
मैंने सोचा कि कम से कम इससे वह सुबह के लिए तो सफलतापूर्वक चला ही जाएगा।
"जब आपको फुर्सत मिले, तो मैं आपसे कुछ कहना चाहता हूँ, सर यूस्टेस।"
मैंने जल्दबाजी में कहा, "मेरे पास अभी समय नहीं है। इस समय मेरे पास बिलकुल भी फुर्सत नहीं है।"
पैगेट सेवानिवृत्त हो गए।
"वैसे," मैंने उसके पीछे से पुकारा, "श्रीमती ब्लेयर के उन बक्सों में क्या था?"
"कुछ फर के कालीन, और शायद फर की कुछ टोपियाँ।"
"हाँ, बिल्कुल," मैंने सहमति जताई। "उसने इन्हें ट्रेन में खरीदा था। ये टोपियाँ हैं—एक खास तरह की—हालाँकि मुझे इस बात पर हैरानी नहीं है कि आप इन्हें पहचान नहीं पाए। मुझे पूरा यकीन है कि वह इनमें से एक टोपी एस्कॉट में पहनेगी। और क्या विकल्प था?"
"फिल्म के कुछ रोल और कुछ टोकरियाँ—बहुत सारी टोकरियाँ—"
मैंने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा, "हाँ, होंगी। श्रीमती ब्लेयर ऐसी महिला हैं जो कभी भी एक दर्जन से कम कोई भी चीज़ नहीं खरीदतीं।"
"मुझे लगता है कि बस इतना ही है, सर यूस्टेस, कुछ छोटी-मोटी चीजों को छोड़कर, जैसे कि एक मोटर-वेल और कुछ अजीब से दस्ताने - इस तरह की चीजें।"
"अगर तुम जन्मजात मूर्ख न होते, पैगेट, तो तुम शुरू से ही समझ जाते कि ये चीजें किसी भी हालत में मेरी नहीं हो सकतीं।"
मुझे लगा कि उनमें से कुछ मिस पेटिग्रेव के हो सकते हैं।
"अरे हाँ, मुझे याद आया—आप मुझे एक संदिग्ध व्यक्ति को सचिव के रूप में चुनने का क्या मतलब है?"
और मैंने उसे अपने साथ हुई तीखी पूछताछ के बारे में बताया। तुरंत ही मुझे खेद हुआ, मैंने उसकी आँखों में एक ऐसी चमक देखी जिसे मैं अच्छी तरह जानता था। मैंने जल्दी

से बातचीत का विषय बदल दिया। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। पैगेट गुस्से से आग बबूला हो चुका था।

इसके बाद उसने मुझे किल्मोर्डन के बारे में एक लंबी, बेमतलब की कहानी सुनाकर बोर कर दिया। कहानी एक फिल्म रोल और एक शर्त के बारे में थी। आधी रात को किसी ऐसे कर्मचारी ने फिल्म रोल को एक छोटे से छेद से फेंक दिया था जिसे बेहतर पता होना चाहिए था। मुझे इस तरह की शरारतें बिल्कुल पसंद नहीं हैं। मैंने पैगेट को यह बताया, और उसने मुझे पूरी कहानी फिर से सुनाना शुरू कर दिया। वैसे भी, वह कहानी बहुत बुरी तरह सुनाता है। मुझे यह कहानी समझने में बहुत समय लग गया। दोपहर के भोजन तक मैंने उसे दोबारा नहीं देखा। फिर वह उत्साह से लबालब होकर अंदर आया, मानो कोई शिकारी कुत्ता किसी गंध का पीछा कर रहा हो। मुझे शिकारी कुत्तों में कभी कोई दिलचस्पी नहीं रही। अंत में, उसने रेबर्न को देख लिया था।

“क्या?” मैं चौंककर चिल्लाई।

हाँ, उसने किसी को सड़क पार करते हुए देखा था, जिसके बारे में उसे पूरा यकीन था कि वह रेबर्न ही था। पैगेट ने उसका पीछा किया था।

और आपको क्या लगता है मैंने उन्हें किससे रुककर बात करते देखा? मिस पेटिग्रेव से!

"क्या?"

जी हां, श्री यूस्टेस। और बात यहीं खत्म नहीं होती। मैं उसके बारे में पूछताछ कर रहा था——”

“थोड़ा रुकिए। रेबर्न को क्या हुआ?”

“वह और मिस पेटिग्रेव उस कोने वाली अनोखी चीजों की दुकान में गए—”

मैंने अनजाने में एक विस्मयबोधक शब्द कह दिया। पैगेट ने रुककर प्रश्नवाचक चिह्न बनाए।

मैंने कहा, "कुछ नहीं। बोलो।"

“मैं घंटों बाहर इंतजार करता रहा—लेकिन वे बाहर नहीं आए। आखिरकार मैं अंदर गया। सर यूस्टेस, दुकान में कोई नहीं था! बाहर निकलने का कोई और रास्ता जरूर होगा।”

मैंने उसे घूर कर देखा।

“जैसा कि मैं कह रहा था, मैं होटल वापस आया और मिस पेटिग्रेव के बारे में कुछ

पूछताछ की।" पैगेट ने अपनी आवाज़ धीमी कर ली और गहरी साँसें लीं, जैसा कि वह हमेशा गोपनीय बात करते समय करते हैं। "सर यूस्टेस, कल रात उनके कमरे से एक आदमी को निकलते देखा गया था।"
मैंने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"और मैं हमेशा उन्हें एक अत्यंत प्रतिष्ठित महिला के रूप में देखता था," मैंने धीरे से कहा।
पैगेट ने बिना ध्यान दिए अपना काम जारी रखा।
मैं सीधे ऊपर गया और उसके कमरे की तलाशी ली। आपको क्या लगता है मुझे वहां क्या मिला?
मैंने अपना सिर हिलाया।
"यह!"
पैगेट ने एक सेफ्टी रेजर और शेविंग साबुन की एक स्टिक ऊपर उठाई।
"इनसे एक महिला को क्या चाहिए होगा?"
मुझे नहीं लगता कि पैगेट कभी उच्च वर्ग की महिलाओं के अखबारों में छपने वाले विज्ञापन पढ़ता होगा। मैं पढ़ता हूँ। हालाँकि मैं इस विषय पर उससे बहस नहीं करना चाहता, फिर भी मैंने रेज़र की मौजूदगी को मिस पेटिग्रेव के स्त्री होने का पुख्ता सबूत मानने से इनकार कर दिया। पैगेट तो हद से ज़्यादा पिछड़ा हुआ है। अगर वह अपने सिद्धांत के समर्थन में सिगरेट का डिब्बा भी पेश कर देता, तो मुझे ज़रा भी हैरानी नहीं होती। खैर, पैगेट की भी अपनी सीमाएँ हैं।
"आप आश्वस्त नहीं हैं, श्री यूस्टेस। इस बारे में आपका क्या कहना है?"
मैंने उस वस्तु का निरीक्षण किया जिसे वह विजयी भाव से हवा में लहरा रहा था।
मैंने अरुचि से कहा, "यह तो बालों जैसा दिखता है।"
"ये बाल हैं। मुझे लगता है इन्हें विग कहते हैं।"
"बिल्कुल," मैंने टिप्पणी की।
"अब क्या आपको यकीन हो गया है कि वह पेटिग्रेव नाम की महिला भेस बदलकर आया हुआ पुरुष है?"
"सच में, मेरी प्यारी पैगेट, मुझे लगता है कि मैं ही हूँ। मुझे उसके पैरों से ही पता चल गया होगा।"
"तो बस, बात यहीं खत्म होती है। और अब, सर यूस्टेस, मैं आपसे अपने निजी

मामलों के बारे में बात करना चाहता हूँ। आपके इशारों और फ्लोरेंस में बिताए समय के आपके लगातार उल्लेखों से मुझे कोई संदेह नहीं है कि आपने मुझे पहचान लिया है।"

अंततः फ्लोरेंस में पैगेट ने क्या किया था, इस रहस्य का खुलासा होने वाला है!

मैंने विनम्रता से कहा, "सच बता दो, मेरे प्रिय मित्र। यही सबसे अच्छा तरीका है।"

"धन्यवाद, सर यूस्टेस।"

“क्या यह उसका पति है? बड़े परेशान करने वाले लोग होते हैं पति। हमेशा तभी आ जाते हैं जब उनकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होती।”

“मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही, सर यूस्टेस। किसके पति?”

“उस महिला का पति।”

"कौन सी महिला?"

"भगवान मेरी आत्मा को शांति दे, पैगेट, फ्लोरेंस में तुम्हारी मुलाकात जिस महिला से हुई थी। वहाँ कोई महिला जरूर रही होगी। मुझे यह मत बताओ कि तुमने सिर्फ इसलिए किसी चर्च को लूटा या किसी इतालवी को पीठ में छुरा घोंपा क्योंकि तुम्हें उसका चेहरा पसंद नहीं आया।"

"मुझे आपकी बात बिल्कुल समझ नहीं आ रही है, सर यूस्टेस। मुझे लगता है आप मजाक कर रहे हैं।"

"मैं कभी-कभी मनोरंजक व्यक्ति होता हूँ, जब मैं ऐसा करने की कोशिश करता हूँ, लेकिन मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ कि मैं इस समय मजाकिया बनने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।"

"मुझे उम्मीद थी कि चूंकि मैं काफी दूर था, इसलिए आपने मुझे पहचाना नहीं होगा, सर यूस्टेस।"

“मैंने आपको कहाँ पहचाना?”

“मार्लो में, सर यूस्टेस?”

“मार्लो में? तुम मार्लो में क्या कर रहे थे?”

मुझे लगा था कि आप यह समझ गए थे——”

मुझे अब धीरे-धीरे कम समझ आ रहा है। कहानी की शुरुआत से फिर से शुरू करो। तुम फ्लोरेंस गए थे——”

"तो फिर आप जानते ही नहीं हैं—और आपने मुझे पहचाना भी नहीं!"

“जहाँ तक मैं समझता हूँ, आपने बेवजह खुद को बेनकाब कर दिया है—आपने अपनी अंतरात्मा के आगे घुटने टेक दिए हैं। लेकिन पूरी कहानी सुनने के बाद मैं बेहतर बता पाऊँगा। अब, गहरी साँस लीजिए और फिर से शुरू कीजिए। आप फ्लोरेंस गए थे—”
लेकिन मैं फ्लोरेंस नहीं गया। बस यही बात है।
"तो फिर आप कहाँ गए थे?"
मैं घर वापस चला गया—मार्लो में।
"तुम मार्लो क्यों जाना चाहते थे?"
“मैं अपनी पत्नी से मिलना चाहता था। उसकी सेहत नाजुक थी और वह गर्भवती थी।”
“आपकी पत्नी? मुझे तो पता ही नहीं था कि आप शादीशुदा हैं?”
“नहीं, श्री यूस्टेस, मैं आपको यही बता रहा हूँ। मैंने इस मामले में आपको धोखा दिया है।”
"आप कितने वर्ष से शादीशुदा हैं?"
“लगभग आठ साल से थोड़ा अधिक समय हो गया था। आपकी सचिव बनने के समय मेरी शादी को महज छह महीने ही हुए थे। मैं यह पद खोना नहीं चाहती थी। एक स्थायी सचिव को पत्नी रखने की अनुमति नहीं होती, इसलिए मैंने इस तथ्य को छुपाया।”
मैंने कहा, "तुम मुझे मंत्रमुग्ध कर देती हो। इतने सालों से वह कहां थी?"
"मार्लो में नदी के किनारे हमारा एक छोटा सा बंगला है, जो मिल हाउस के काफी करीब है, और हम इसे पांच साल से अधिक समय से इस्तेमाल कर रहे हैं।"
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "भगवान मेरी आत्मा को शांति दे। क्या आपके कोई बच्चे हैं?"
"चार बच्चे, सर यूस्टेस।"
मैं उसे एक तरह के अवाकपन से देखता रहा। मुझे शायद हमेशा से पता था कि पैगेट जैसे आदमी के पास कोई गुनाह का राज नहीं हो सकता। पैगेट की इज़्ज़तदार छवि हमेशा से मेरी परेशानी रही है। उसके पास बस इसी तरह का राज हो सकता था—एक पत्नी और चार बच्चे।
"क्या तुमने यह बात किसी और को बताई है?" मैंने आखिरकार पूछा, जब मैं काफी देर तक उत्सुकता से उसकी ओर देखता रहा था।
“सिर्फ मिस बेडिंगफेल्ड। वह किम्बरली स्टेशन पर आई थीं।”

मैं उसे लगातार घूरता रहा। मेरी निगाहें पड़ने पर वह बेचैन हो गया।
"मुझे उम्मीद है, सर यूस्टेस, कि आप गंभीर रूप से नाराज नहीं हैं?"
मैंने कहा, "मेरे प्यारे दोस्त, मुझे तुम्हें अभी और यहीं यह बताने में कोई आपत्ति नहीं है कि तुमने इसे बुरी तरह से फाड़ दिया है!"
मैं बहुत परेशान होकर बाहर निकला। कोने पर स्थित एक अनोखी चीज़ों की दुकान के पास से गुज़रते हुए, अचानक मुझ पर एक ज़बरदस्त लालच हावी हो गया और मैं अंदर चला गया। दुकानदार ने विनम्रता से हाथ मलते हुए आगे बढ़कर मेरी ओर देखा।
“क्या मैं आपको कुछ दिखा सकता हूँ? फर, अनोखी वस्तुएँ?”
मैंने कहा, “मुझे कुछ हटके चाहिए। यह एक खास मौके के लिए है। क्या आप मुझे दिखा सकते हैं कि आपके पास क्या है?”
"शायद आप मेरे पीछे वाले कमरे में आएंगे? वहां हमारे पास कई खास चीजें हैं?"
यहीं पर मुझसे गलती हुई। और मैंने सोचा था कि मैं बहुत चालाक बनूंगा। मैं झूलते हुए पर्दों से होते हुए उसके पीछे-पीछे चला गया।

अध्याय XXXII

(ऐनी की कहानी पुनः शुरू)

मुझे सुज़ैन से बहुत परेशानी हुई। उसने बहस की, गिड़गिड़ाया, यहाँ तक कि मेरी योजना को पूरा करने से पहले वह रो भी पड़ी। लेकिन अंत में मेरी बात मान ली गई। उसने मेरे निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का वादा किया और मुझे नम आँखों से विदाई देने के लिए स्टेशन तक आई।
अगली सुबह मैं जल्दी ही अपने गंतव्य पर पहुँच गया। वहाँ मुझे एक छोटे कद का, काली दाढ़ी वाला डच व्यक्ति मिला, जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था। उसके पास एक कार तैयार थी और हम चल पड़े। दूर से एक अजीब सी गड़गड़ाहट सुनाई दी, तो मैंने उससे पूछा कि यह क्या है। उसने संक्षिप्त उत्तर दिया, "बंदूकें।" तो जोहान्सबर्ग में लड़ाई चल रही थी!
मुझे समझ आ गया था कि हमारा लक्ष्य शहर के बाहरी इलाके में कहीं एक जगह था। वहाँ पहुँचने के लिए हम कई बार मुड़े, घूमे और चक्कर लगाए, और हर मिनट तोपें और करीब आती जा रही थीं। यह एक रोमांचक समय था। आखिरकार हम एक जर्जर

इमारत के सामने रुके। एक काफ़िर लड़के ने दरवाज़ा खोला। मेरे गाइड ने मुझे अंदर जाने का इशारा किया। मैं उस अंधेरे चौकोर हॉल में असमंजस में खड़ा रहा। वह आदमी मेरे पास से गुजरा और एक दरवाज़ा खोल दिया।

“युवती श्री हैरी रेबर्न से मिलने जा रही हैं,” उन्होंने कहा और हंस पड़े।

इस सूचना के बाद मैं अंदर चला गया। कमरा सादा था और उसमें सस्ते तंबाकू के धुएं की गंध आ रही थी। एक मेज के पीछे एक आदमी बैठा लिख रहा था। उसने ऊपर देखा और अपनी भौहें उठाईं।

“हे भगवान!” उसने कहा, “अगर यह मिस बेडिंगफेल्ड नहीं हैं तो कौन हैं!”

“मुझे शायद दो-दो दिख रहे हैं,” मैंने माफी मांगते हुए कहा। “क्या ये मिस्टर चिचेस्टर हैं, या मिस पेटिग्रेव? दोनों में ही असाधारण समानता है।”

“दोनों किरदार फिलहाल निष्क्रिय हैं। मैंने अपनी पेटीकोट उतार दी है—और अपने कपड़े भी। क्या आप बैठेंगे नहीं?”

मैंने शांत भाव से एक सीट स्वीकार कर ली।

मैंने कहा, "ऐसा लगता है कि मैं गलत पते पर आ गया हूँ।"

"आपके दृष्टिकोण से, मुझे डर है कि आप फंस चुकी हैं। वाकई, मिस बेडिंगफेल्ड, दूसरी बार इस जाल में फंसना!"

“यह मेरी तरफ से कोई समझदारी वाली बात नहीं थी,” मैंने विनम्रता से स्वीकार किया। मेरे हावभाव में कुछ ऐसा था जिसने उन्हें असमंजस में डाल दिया था।

"आप इस घटना से बिल्कुल भी परेशान नहीं दिखते," उन्होंने रूखेपन से टिप्पणी की।

मैंने पूछा, "क्या मेरे वीरतापूर्ण कार्य करने से आप पर कोई प्रभाव पड़ेगा?"

"ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।"

“मेरी परदादी जेन हमेशा कहा करती थीं कि एक सच्ची महिला किसी भी घटना से न तो चौंकती है और न ही आश्चर्यचकित होती है,” मैंने स्वप्निल स्वर में बुदबुदाया। “मैं उनके उपदेशों का पालन करने का प्रयास करती हूँ।”

मैंने श्री चिचेस्टर-पेटिग्रेव की राय उनके चेहरे पर इतनी स्पष्ट रूप से लिखी हुई पढ़ी कि मैं एक बार फिर बोलने के लिए जल्दी से आगे बढ़ा।

मैंने उदारतापूर्वक कहा, "आप मेकअप में सचमुच कमाल की हैं। जब आप मिस पेटिग्रेव के रूप में थीं, तब मैंने आपको कभी पहचाना ही नहीं - यहाँ तक कि जब केप टाउन में मुझे ट्रेन पर चढ़ते देख आप सदमे में आकर अपनी पेंसिल तोड़ बैठी थीं, तब

भी नहीं।"
उसने अपने हाथ में पकड़ी हुई पेंसिल से मेज पर थपथपाया।
“यह सब बहुत अच्छे से चल रहा है, लेकिन हमें काम पर लगना होगा। शायद, मिस बेडिंगफेल्ड, आप समझ सकती हैं कि हमें आपकी उपस्थिति की आवश्यकता क्यों थी?”
मैंने कहा, "आप मुझे क्षमा करेंगे, लेकिन मैं केवल अपने सिद्धांतों का पालन करने वालों के साथ ही व्यापार करता हूँ।"
मैंने यह वाक्यांश या इससे मिलता-जुलता कोई वाक्य साहूकार के पर्चे में पढ़ा था, और मुझे यह काफी पसंद आया था। श्री चिचेस्टर-पेटिग्रेव पर इसका वाकई गहरा असर हुआ। उन्होंने अपना मुंह खोला और फिर बंद कर दिया। मैं उन्हें देखकर मुस्कुरा उठा।
मैंने बाद में सोचते हुए कहा, "मेरे परदादा जॉर्ज का एक सिद्धांत था। परदादी जेन के पति का, आप जानते हैं ना? वो पीतल के पलंगों के लिए घुंडी बनाते थे।"
मुझे संदेह है कि चिचेस्टर-पेटिग्रू को इससे पहले कभी भी कपड़े उतारने की सजा मिली होगी। उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं था।
"मुझे लगता है कि आपको अपना लहजा बदलना चाहिए, युवती।"
मैंने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि जम्हाई ली—एक छोटी सी नाजुक जम्हाई जो तीव्र ऊब का संकेत दे रही थी।
“ये क्या बकवास है—” उसने गुस्से से कहना शुरू किया।
मैंने उसे बीच में ही रोक दिया।
“मैं आपको यकीन दिला सकता हूँ कि मुझ पर चिल्लाने का कोई फायदा नहीं है। हम यहाँ सिर्फ समय बर्बाद कर रहे हैं। मेरा अधीनस्थों से बात करने का कोई इरादा नहीं है। मुझे सीधे सर यूस्टेस पेडलेर के पास ले जाकर आप बहुत सारा समय और परेशानी बचा लेंगे।”
"को--"
वह अचंभित सा लग रहा था।
“जी हां,” मैंने कहा। “सर यूस्टेस पेडलेर।”
“मैं—मैं—माफ़ कीजिए—”
वह खरगोश की तरह कमरे से भाग निकला। मैंने इस मौके का फायदा उठाकर अपना

बैग खोला और अच्छे से मेकअप किया। साथ ही, मैंने अपनी टोपी को भी सही ढंग से सेट किया। फिर मैं धैर्यपूर्वक अपने दुश्मन के लौटने का इंतजार करने लगी।
वह कुछ हद तक संयमित मनोदशा में पुनः प्रकट हुआ।
"क्या आप इधर आएंगी, मिस बेडिंगफेल्ड?"
मैं उसके पीछे सीढ़ियों से ऊपर गया। उसने एक कमरे के दरवाजे पर दस्तक दी, अंदर से तेज आवाज में "अंदर आ जाओ" सुनाई दिया, और उसने दरवाजा खोलकर मुझे अंदर आने का इशारा किया।
सर यूस्टेस पेडलेर मुस्कुराते हुए और सौहार्दपूर्ण ढंग से मेरा अभिवादन करने के लिए उठ खड़े हुए।
“वाह, वाह, मिस ऐनी।” उन्होंने गर्मजोशी से मेरा हाथ मिलाया। “आपको देखकर बहुत खुशी हुई। आइए, बैठिए। यात्रा के बाद थकी हुई तो नहीं लग रही? बहुत अच्छा।”
वह मुस्कुराते हुए मेरे सामने बैठ गया। मैं थोड़ा असमंजस में पड़ गया। उसका व्यवहार इतना सहज था।
“मुझे सीधे लाए जाने पर जोर देना बिलकुल सही है,” उन्होंने आगे कहा। “मिंक्स एक मूर्ख है। एक चतुर अभिनेता—पर मूर्ख। नीचे आपने जिस मिंक्स को देखा, वही था।”
“ओह, सच में?” मैंने कमजोर आवाज में कहा।
“और अब,” सर यूस्टेस ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, “चलिए तथ्यों पर आते हैं। आपको कब से पता है कि मैं ही ‘कर्नल’ हूँ?”
"जबसे श्री पैगेट ने मुझे बताया कि उन्होंने आपको मार्लो में देखा था, जबकि आपको कान्स में होना चाहिए था।"
सर यूस्टेस ने खेदपूर्वक सिर हिलाया।
“हाँ, मैंने उस मूर्ख से कहा कि उसने इसे पूरी तरह से फाड़ दिया है। ज़ाहिर है, उसे समझ नहीं आया। उसका सारा ध्यान इसी बात पर था कि क्या मैंने उसे पहचाना है। उसे यह सोचने का ज़रा भी ख्याल नहीं आया कि मैं वहाँ क्या कर रही थी। यह तो सरासर बदकिस्मती थी। मैंने सब कुछ इतनी सावधानी से किया था, उसे फ्लोरेंस भेज दिया था, होटल को बताया था कि मैं एक या दो रातों के लिए नीस जा रही हूँ। फिर, जब हत्या का पता चला, तब तक मैं वापस कान्स में थी, और किसी को सपने में भी नहीं पता था कि मैंने कभी रिवेरा छोड़ा था।”

वह अब भी बड़ी सहजता और बनावट के साथ बोल रहा था। मुझे यकीन करने के लिए खुद को चुटकी काटनी पड़ी कि यह सब सच था—कि मेरे सामने खड़ा आदमी सचमुच वही कुख्यात अपराधी, "कर्नल" था। मैंने अपने मन में सारी बातें समझने की कोशिश की।

“तो फिर किल्मॉर्डन पर मुझे जहाज से फेंकने की कोशिश तुमने ही की थी?” मैंने धीरे से कहा। “उस रात पैगेट ने डेक पर तुम्हारा ही पीछा किया था?”

उसने अपने कंधे उचका दिए।

"मुझे माफ़ करना, मेरी प्यारी बच्ची, मैं सचमुच माफ़ी मांगता हूँ। मैं तुम्हें हमेशा पसंद करता था—लेकिन तुम हद से ज़्यादा दखलअंदाज़ी करती थी। मैं अपनी सारी योजनाओं को एक छोटी सी लड़की की वजह से बर्बाद नहीं होने दे सकता था।"

मैंने तटस्थ भाव से उस बात को देखते हुए कहा, "मुझे लगता है कि जलप्रपात पर तुम्हारी योजना वाकई सबसे चतुर थी। मैं कहीं भी कसम खाकर कह सकता था कि जब मैं बाहर गया था तो तुम होटल में ही थे। देखकर ही भविष्य का यकीन होता है।"

"हां, मिंक्स को मिस पेटिग्रेव के रूप में अपनी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक मिली थी, और वह मेरी आवाज की काफी अच्छी तरह से नकल कर सकते हैं।"

मैं एक बात जानना चाहूंगा।

"हाँ?"

"आपने पैगेट को उससे जुड़ने के लिए कैसे राजी किया?"

“ओह, यह तो बहुत आसान था। वह ट्रेड कमिश्नर के कार्यालय या चैंबर ऑफ माइंस, या जहाँ भी पैगेट जाते थे, के दरवाजे पर उनसे मिलीं—उन्होंने पैगेट को बताया कि मैंने जल्दी में फोन किया था और उन्हें संबंधित सरकारी विभाग द्वारा चुना गया है। पैगेट ने इसे बड़ी आसानी से मान लिया।”

मैंने उसे देखते हुए कहा, "तुम बहुत स्पष्टवादी हो।"

"ऐसा कोई कारण नहीं है कि मैं ऐसा न करूँ।"

मुझे यह बात कुछ खास पसंद नहीं आई। मैंने तुरंत इस पर अपनी राय देने की कोशिश की।

“क्या आपको इस क्रांति की सफलता पर विश्वास है? तो आपने अपने सारे रास्ते बंद कर दिए हैं।”

“एक बुद्धिमान युवती के लिए, यह एक बेहद मूर्खतापूर्ण टिप्पणी है। नहीं, मेरी प्यारी

बच्ची, मुझे इस क्रांति पर विश्वास नहीं है। अगर यह कुछ दिन और चली तो यह अपमानजनक ढंग से समाप्त हो जाएगी।”
"दरअसल, यह आपकी सफलताओं में से एक नहीं है?" मैंने चिढ़कर कहा।
“सभी महिलाओं की तरह, आपको व्यापार की कोई समझ नहीं है। मैंने जो काम लिया था, वह था कुछ विस्फोटक और हथियार सप्लाई करना—जिसके लिए मुझे भारी भरकम रकम मिली थी—ताकि आम लोगों की भावनाओं को भड़काया जा सके और कुछ लोगों को पूरी तरह से फंसाया जा सके। मैंने अपना अनुबंध पूरी सफलता के साथ पूरा किया है और मैंने अग्रिम भुगतान का पूरा ध्यान रखा था। मैंने इस पूरे काम को विशेष रूप से सावधानीपूर्वक किया, क्योंकि मेरा इरादा व्यापार से सेवानिवृत्त होने से पहले यह मेरा आखिरी अनुबंध था। जहाँ तक आपके द्वारा 'अपने सारे रास्ते बंद कर देने' की बात है, तो मैं समझ ही नहीं पा रही हूँ कि आपका क्या मतलब है। मैं कोई विद्रोही नेता या उस तरह की कोई हस्ती नहीं हूँ—मैं एक प्रतिष्ठित अंग्रेज पर्यटक हूँ, जो दुर्भाग्यवश एक खास कलाकृति की दुकान में तांक-झांक करने चला गया—और उसने कुछ ऐसा देख लिया जो उसे नहीं देखना चाहिए था, और इसलिए बेचारे का अपहरण कर लिया गया। कल या परसों, जब भी परिस्थितियाँ अनुकूल होंगी, मैं कहीं बंधा हुआ, दयनीय हालत में, आतंक और भूख से मरता हुआ मिलूँगा।”
“आह!” मैंने धीरे से कहा। “लेकिन मेरा क्या होगा?”
“बस यही तो बात है,” सर यूस्टेस ने धीरे से कहा। “और तुम्हारा क्या? मैंने तुम्हें यहाँ पकड़ रखा है—मैं तुम्हें किसी भी तरह से चिढ़ाना नहीं चाहता—लेकिन मैंने तुम्हें यहाँ बड़ी सफाई से पकड़ रखा है। सवाल यह है कि मैं तुम्हारे साथ क्या करूँ? तुमसे छुटकारा पाने का सबसे आसान तरीका—और, मैं यह भी कहूँ कि मेरे लिए सबसे सुखद—विवाह है। पत्नियाँ अपने पतियों पर आरोप नहीं लगा सकतीं, तुम्हें पता है, और मैं तो चाहूँगा कि एक सुंदर युवा पत्नी मेरा हाथ थामे और अपनी नम आँखों से मेरी ओर देखे—मुझे इस तरह मत देखो! तुम मुझे बहुत डरा देती हो। मुझे लगता है कि यह योजना तुम्हें पसंद नहीं आई?”
"यदि ऐसा नहीं होता।"
सर यूस्टेस ने आह भरी।
"अफसोस! लेकिन मैं कोई एडेलफी खलनायक नहीं हूँ। लगता है, वही पुरानी समस्या है। जैसा कि किताबों में लिखा है, आप किसी और से प्यार करते हैं।"

मैं किसी और से प्यार करता हूँ।

“मैंने भी यही सोचा था—पहले तो मुझे लगा कि वो लंबे पैरों वाला, घमंडी रेस है, लेकिन लगता है कि ये वही नौजवान हीरो है जिसने उस रात तुम्हें झरने से बचाया था। औरतों को कोई समझ नहीं होती। उन दोनों में से किसी के पास मेरे जितनी अक्ल नहीं है। मुझे कम आंकना बहुत आसान है।”

मुझे लगता है कि वह इस बारे में सही था। हालाँकि मैं अच्छी तरह जानती थी कि वह किस तरह का आदमी था और ज़रूर होगा, फिर भी मैं इसे स्वीकार नहीं कर पा रही थी। उसने एक से ज़्यादा बार मुझे जान से मारने की कोशिश की थी, उसने सचमुच एक औरत की हत्या की थी, और वह अनगिनत ऐसे कामों के लिए ज़िम्मेदार था जिनके बारे में मुझे कुछ पता नहीं था, फिर भी मैं उसके कामों को उनकी असलियत के मुताबिक समझने की स्थिति में नहीं आ पा रही थी। मैं उसे अपने मज़ेदार, मिलनसार सफ़र के साथी के अलावा कुछ और नहीं समझ पा रही थी। मुझे उससे डर भी नहीं लग रहा था—और फिर भी मैं जानती थी कि ज़रूरत पड़ने पर वह मेरी बेरहमी से हत्या करवा सकता था। मुझे बस स्टीवेन्सन के लॉन्ग जॉन सिल्वर का मामला याद आता है। वह भी लगभग उसी तरह का आदमी रहा होगा।

“वाह, वाह,” उस असाधारण व्यक्ति ने अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए कहा। “यह दुख की बात है कि लेडी पेडलर बनने का विचार आपको पसंद नहीं आया। बाकी विकल्प तो काफी भद्दे हैं।”

मुझे अपनी रीढ़ की हड्डी में एक अजीब सी बेचैनी महसूस हुई। बेशक, मुझे शुरू से ही पता था कि मैं एक बड़ा जोखिम ले रहा हूँ, लेकिन इनाम मुझे इसके लायक लग रहा था। क्या सब कुछ वैसा ही होगा जैसा मैंने सोचा था, या नहीं?

“असल बात तो ये है,” सर यूस्टेस अपनी बात जारी रखते हुए बोले, “मुझे आप पर थोड़ी सी दया आती है। मैं हद से ज्यादा आगे नहीं बढ़ना चाहता। मान लीजिए आप मुझे पूरी कहानी शुरू से बता दें, तो चलिए देखते हैं कि हम उससे क्या नतीजा निकालते हैं। लेकिन कोई रोमांटिक बातें नहीं—मुझे सच जानना है।”

मैं इस मामले में कोई गलती नहीं करने वाला था। सर यूस्टेस की सूझबूझ के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान था। यह सच बोलने का, पूरा सच बोलने का, और सिर्फ सच बोलने का समय था। मैंने उन्हें पूरी कहानी सुनाई, कुछ भी नहीं छिपाया, हैरी द्वारा बचाए जाने तक की घटना तक। जब मैंने अपनी बात खत्म की, तो उन्होंने सहमति में

सिर हिलाया।

“समझदार लड़की। तुमने सब कुछ साफ-साफ बता दिया। और मैं तुम्हें बता दूं, अगर तुमने ऐसा नहीं किया होता तो मैं तुम्हें जल्दी ही पकड़ लेता। वैसे भी, बहुत से लोग तुम्हारी कहानी पर विश्वास नहीं करेंगे, खासकर शुरुआती हिस्से पर, लेकिन मैं करता हूँ। तुम उस तरह की लड़की हो जो इस तरह से शुरुआत करती है—बिना किसी सूचना के, मामूली से मकसद पर। बेशक, तुम्हारी किस्मत बहुत अच्छी रही है, लेकिन देर-सवेर शौकिया का सामना पेशेवर से होता है और फिर नतीजा पहले से ही तय होता है। मैं पेशेवर हूँ। मैंने यह धंधा तब शुरू किया था जब मैं काफी छोटा था। सब बातों पर गौर करें तो, मुझे यह जल्दी अमीर बनने का एक अच्छा तरीका लगा। मैं हमेशा चीजों को सोच-समझकर और चतुर योजनाएँ बना सकता था—और मैंने कभी भी अपनी योजनाओं को खुद अंजाम देने की गलती नहीं की। हमेशा विशेषज्ञ को काम पर रखो—यही मेरा आदर्श वाक्य रहा है। एक बार जब मैंने इससे हटकर काम किया तो मुझे नुकसान हुआ—लेकिन मैं उस काम के लिए किसी पर भरोसा नहीं कर सकता था। नादिना बहुत कुछ जानती थी। मैं एक सहज स्वभाव का आदमी हूँ।” जब तक मुझे कोई बाधा न आए, मैं दयालु और सौम्य स्वभाव का रहता हूँ। नादिना ने मुझे बाधा भी डाली और धमकाया भी—ठीक उसी समय जब मैं अपने सफल करियर के शिखर पर था। उसकी मृत्यु के बाद और हीरे मेरे कब्ज़े में आने के बाद, मैं सुरक्षित हो गया। अब मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि मैंने काम बिगाड़ दिया। वह मूर्ख पैगेट, अपनी पत्नी और परिवार के साथ! मेरी गलती—उसके 1950 के दशक के ज़हर देने वाले जैसे चेहरे और मध्य-विक्टोरियन मानसिकता वाले उस आदमी को नौकरी पर रखना मुझे हास्यास्पद लगा। मेरी प्यारी ऐनी, तुम्हारे लिए एक सीख। अपने हास्यबोध को अपने ऊपर हावी मत होने दो। वर्षों से मुझे यह आभास होता रहा है कि पैगेट से छुटकारा पाना बुद्धिमानी होगी, लेकिन वह इतना मेहनती और कर्तव्यनिष्ठ था कि मुझे उसे बर्खास्त करने का कोई बहाना नहीं सूझा। इसलिए मैंने मामले को ऐसे ही छोड़ दिया।

लेकिन हम मुद्दे से भटक रहे हैं। सवाल यह है कि आपके साथ क्या किया जाए। आपका वर्णन सराहनीय रूप से स्पष्ट था, लेकिन एक बात अभी भी मेरी समझ से परे है। हीरे अब कहाँ हैं?

मैंने हैरी रेबर्न को देखते हुए कहा, "उनके पास वे चीजें हैं।"

उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला, उस पर व्यंग्यात्मक हास्य का भाव बरकरार रहा।
“हम्म। मुझे वो हीरे चाहिए।”
मैंने जवाब दिया, "मुझे नहीं लगता कि आपको वे मिल पाएंगे।"
“है ना? अब तो मुझे पता चल गया है। मैं अप्रिय नहीं बनना चाहता, लेकिन मैं चाहूँगा कि आप इस बात पर विचार करें कि शहर के इस हिस्से में एक-दो मृत लड़कियाँ मिलने पर कोई आश्चर्य नहीं होगा। नीचे एक आदमी है जो इस तरह के काम बहुत सफाई से करता है। आप एक समझदार युवती हैं। मेरा प्रस्ताव यह है: आप बैठिए और हैरी रेबर्न को पत्र लिखिए, उसे यहाँ आने और हीरे अपने साथ लाने के लिए कहिए—”
मैं ऐसा कुछ भी नहीं करूंगा।
“बड़ों की बात में दखल मत दो। मैं तुमसे एक सौदा करना चाहता हूँ। हीरे के बदले तुम्हारी जान। और इस बात को लेकर कोई गलतफहमी मत रखना, तुम्हारी जान पूरी तरह से मेरे हाथ में है।”
और हैरी?
मैं दो युवा प्रेमियों को अलग करने के लिए बहुत ही कोमल हृदय की हूँ। उसे भी रिहा कर दिया जाएगा—बेशक, इस शर्त पर कि आप दोनों में से कोई भी भविष्य में मेरे मामलों में दखल नहीं देगा।
और मुझे क्या गारंटी है कि आप अपने वादे को पूरा करेंगे?
“बिल्कुल नहीं, मेरी प्यारी बच्ची। तुम्हें मुझ पर भरोसा करना होगा और अच्छे की उम्मीद करनी होगी। बेशक, अगर तुम वीरता के मूड में हो और विनाश को प्राथमिकता देती हो, तो यह एक अलग बात है।”
मैं इसी के लिए खेल रहा था। मैंने लालच में न आने का पूरा ध्यान रखा। धीरे-धीरे मैंने खुद को धक्के और फुसलाने के आगे झुकने दिया। मैंने सर यूस्टेस के निर्देश पर लिखा:
प्रिय हैरी,
मुझे लगता है कि मैं आपकी बेगुनाही को हर तरह से साबित कर सकता हूँ। कृपया मेरे निर्देशों का ध्यानपूर्वक पालन करें। अग्रसातो की कलाकृतियों की दुकान पर जाएँ। वहाँ "किसी खास मौके के लिए" कोई "अनोखी" चीज़ दिखाने के लिए कहें। वह

आदमी आपको "पीछे वाले कमरे में आने" के लिए कहेगा। उसके साथ जाएँ। वहाँ आपको एक संदेशवाहक मिलेगा जो आपको मेरे पास ले आएगा। वह जो कहे, ठीक वैसा ही करें। हीरे अपने साथ लाना न भूलें। किसी को कुछ भी न बताएँ।
सर यूस्टेस रुक गए। उन्होंने कहा, "मैं बाकी के सजावटी पहलुओं को आपकी कल्पना पर छोड़ता हूँ। लेकिन ध्यान रहे कि कोई गलती न हो।"
मैंने कहा, "'तुम्हारी सदा-सदाबहार, ऐनी,' इतना कहना ही काफी होगा।"
मैंने शब्द लिख दिए। सर यूस्टेस ने पत्र लेने के लिए अपना हाथ बढ़ाया और उसे पूरा पढ़ा।
“यह ठीक लग रहा है। अब पता बताइए।”
मैंने उसे वह दे दिया। वह एक छोटी सी दुकान का था जो शुल्क लेकर पत्र और टेलीग्राम प्राप्त करती थी।
उसने हाथ से मेज पर रखी घंटी बजाई। चिचेस्टर-पेटिग्रेव उर्फ मिंक्स ने समन का जवाब दिया।
"यह पत्र तुरंत भेजा जाना है—सामान्य तरीके से।"
"बहुत खूब, कर्नल जी।"
उसने लिफाफे पर लिखे नाम को देखा। सर यूस्टेस उसे ध्यान से देख रहे थे।
"मुझे लगता है, वह आपका दोस्त है?"
“मेरा?”
वह आदमी चौंक गया।
"कल जोहान्सबर्ग में आपकी उनसे लंबी बातचीत हुई थी।"
“एक व्यक्ति मेरे पास आया और उसने आपसे और कर्नल रेस की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की। मैंने उसे गलत जानकारी दी।”
“बहुत बढ़िया, मेरे प्रिय मित्र, बहुत बढ़िया,” सर यूस्टेस ने सौहार्दपूर्वक कहा। “मेरी गलती थी।”
जब चिचेस्टर-पेटिग्रेव कमरे से बाहर निकले तो संयोगवश मेरी नज़र उन पर पड़ी। उनका चेहरा होंठों तक पीला पड़ गया था, मानो वे किसी भयानक भय से ग्रस्त हों। उनके बाहर निकलते ही सर यूस्टेस ने अपनी कोहनी के पास रखी एक बोलने वाली नली उठाई और उसमें से बोलना शुरू कर दिया।
“क्या तुम हो, श्वार्ट? मिंक्स पर नज़र रखो। उसे बिना आदेश के घर से बाहर नहीं

निकलना है।”
उसने स्पीकिंग ट्यूब को वापस नीचे रख दिया और भौंहें चढ़ाते हुए हल्के से हाथ से मेज पर थपथपाया।
“क्या मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछ सकता हूँ, सर यूस्टेस?” मैंने एक-दो मिनट की चुप्पी के बाद कहा।
“बिल्कुल। ऐनी, तुममें गजब का धैर्य है। जब ज्यादातर लड़कियां सिसकियाँ भरती और हाथ मलती रहतीं, तब तुम चीजों में समझदारी से दिलचस्पी लेने में सक्षम हो।”
"आपने हैरी को पुलिस के हवाले करने के बजाय उसे अपना सचिव क्यों बना लिया?"
“मुझे वो शापित हीरे चाहिए थे। नादिना, वो छोटी शैतान, तुम्हारे हैरी को मेरे खिलाफ भड़का रही थी। अगर मैंने उसे वो कीमत नहीं दी जो वो चाहती थी, तो उसने धमकी दी कि वो हीरे उसे वापस बेच देगी। ये मेरी एक और गलती थी—मैंने सोचा था कि वो हीरे उस दिन उसके पास होंगे। लेकिन वो इतनी चालाक थी कि ऐसा नहीं हो सका। उसका पति कार्टन भी मर चुका था—मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि हीरे कहाँ छिपे हैं। फिर मुझे किल्मोर्डन जहाज पर सवार किसी व्यक्ति द्वारा नादिना को भेजे गए एक वायरलेस संदेश की कॉपी मिल गई—या तो कार्टन ने भेजा था या रेबर्न ने, मुझे नहीं पता था किसने। ये उसी कागज़ के टुकड़े की कॉपी थी जो तुमने उठाया था। उस पर लिखा था, ‘सत्रह सौ एक सौ बाईस’। मैंने इसे रेबर्न से मिलने का समय समझा, और जब वो किल्मोर्डन पर चढ़ने के लिए इतना बेताब था, तो मुझे यकीन हो गया कि मैं सही था। इसलिए मैंने उसकी बातों पर विश्वास न करने का नाटक किया और उसे आने दिया। मैंने उस पर कड़ी नज़र रखी और उम्मीद की कि मुझे और जानकारी मिलेगी। फिर मैंने देखा कि मिंक्स अकेले ही मेरे काम में दखल दे रहा था।” मैंने जल्द ही उसे रोक दिया। वह आखिरकार मान गया। केबिन नंबर 17 न मिलना निराशाजनक था, और तुम्हें न पहचान पाने की चिंता भी थी। क्या तुम वाकई वैसी ही मासूम लड़की थीं जैसी दिखती थीं, या नहीं? जब रेबर्न उस रात तय समय पर जाने के लिए निकला, तो मिंक्स को उसे रोकने के लिए भेजा गया। ज़ाहिर है, मिंक्स ने गड़बड़ कर दी।
लेकिन वायरलेस संदेश में ‘इकहत्तर’ की जगह ‘सत्रह’ क्यों लिखा था?
“मैंने इस बारे में सोच लिया है। कार्टन ने उस वायरलेस ऑपरेटर को अपना मेमोरेंडम दिया होगा, जिसे उसे एक फॉर्म पर कॉपी करना था, और उसने उस कॉपी को कभी

पढ़ा ही नहीं। ऑपरेटर ने वही गलती की जो हम सबने की, और उसे 1.71.22 की जगह 17.1.22 पढ़ लिया। मुझे बस यह नहीं पता कि मिंक्स केबिन 17 तक कैसे पहुंचा। यह तो बस उसकी सहज प्रवृत्ति रही होगी।"
"और जनरल स्मट्स को भेजा गया संदेश? उसमें किसने छेड़छाड़ की?"
"मेरी प्यारी ऐनी, क्या तुम्हें नहीं लगता कि मैं अपनी कई योजनाओं को बिना बचाए ही सबके सामने उजागर होने देता? एक भगोड़े हत्यारे को सचिव बनाकर, मैंने खाली पदों को भरने में ज़रा भी संकोच नहीं किया। बेचारे पेडलर पर किसी को शक नहीं होता।"
"कर्नल रेस के बारे में क्या?"
"हाँ, वो बहुत ही बुरा अनुभव था। जब पैगेट ने मुझे बताया कि वो सीक्रेट सर्विस का आदमी है, तो मेरी रीढ़ की हड्डी में एक अजीब सी सिहरन दौड़ गई। मुझे याद आया कि वो युद्ध के दौरान पेरिस में नादिना के आसपास मंडरा रहा था—और मुझे भयानक शक हुआ कि वो मेरे पीछे पड़ा है! मुझे उसका तब से मेरे साथ चिपके रहने का तरीका पसंद नहीं है। वो उन मजबूत, शांत पुरुषों में से एक है जो हमेशा कुछ न कुछ चाल चलते रहते हैं।"
एक सीटी बजी। सर यूस्टेस ने ट्यूब उठाई, एक-दो मिनट तक सुना, फिर जवाब दिया:
"बहुत अच्छा, मैं अब उनसे मिलूंगा।"
"कामकाज है," उन्होंने कहा। "मिस ऐनी, चलिए मैं आपको आपका कमरा दिखाता हूँ।"
वह मुझे एक छोटे से जर्जर अपार्टमेंट में ले गया, एक काफ़िर लड़के ने मेरा छोटा सूटकेस ऊपर उठाया, और सर यूस्टेस ने मुझे जो कुछ भी चाहिए मांगने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, एक विनम्र मेज़बान की तरह व्यवहार करते हुए, वहाँ से चले गए। वॉशस्टैंड पर गर्म पानी का एक कैन रखा था, और मैंने कुछ ज़रूरी सामान निकालना शुरू किया। मेरे स्पंज बैग में कुछ सख्त और अपरिचित चीज़ ने मुझे बहुत परेशान किया। मैंने उसकी डोरी खोली और अंदर देखा।
मुझे बेहद आश्चर्य हुआ जब मैंने मोती के हैंडल वाली एक छोटी रिवाल्वर निकाली। किम्बरली से निकलते समय यह वहाँ नहीं थी। मैंने इसे सावधानीपूर्वक देखा। यह भरी हुई प्रतीत हुई।

मैंने इसे बड़ी सहजता से संभाला। ऐसे घर में यह एक उपयोगी वस्तु थी। लेकिन आधुनिक कपड़े हथियार रखने के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं हैं। अंत में मैंने इसे बड़ी सावधानी से अपनी मोज़े के ऊपरी हिस्से में डाल दिया। इससे एक भयानक उभार बन गया, और मुझे हर पल यही आशंका सता रही थी कि कहीं गोली चल न जाए और मेरे पैर में लग जाए, लेकिन वास्तव में वही एकमात्र जगह लग रही थी।

अध्याय XXXIII

मुझे दोपहर बाद तक सर यूस्टेस के समक्ष उपस्थित होने का निमंत्रण नहीं मिला। मेरे अपने कमरे में मुझे ग्यारह बजे की चाय और भरपेट दोपहर का भोजन परोसा गया था, और मैं आगे के संघर्ष के लिए पूरी तरह से तैयार महसूस कर रहा था।

सर यूस्टेस अकेले थे। वे कमरे में इधर-उधर टहल रहे थे, उनकी आँखों में एक चमक थी और उनके हाव-भाव में एक बेचैनी झलक रही थी जो मेरी नज़र से नहीं बच पाई। वे किसी बात को लेकर बेहद उत्साहित थे। मेरे प्रति उनके व्यवहार में एक सूक्ष्म बदलाव आया था।

“मेरे पास तुम्हारे लिए एक खबर है। तुम्हारा युवक रास्ते में है। वह कुछ ही मिनटों में यहाँ पहुँच जाएगा। ज़रा संभलकर रहो—मुझे कुछ और कहना है। तुमने आज सुबह मुझे धोखा देने की कोशिश की। मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी कि सच बोलना ही तुम्हारे लिए बुद्धिमानी होगी, और एक हद तक तुमने मेरी बात मानी भी। फिर तुम बेकाबू हो गई। तुमने मुझे यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि हीरे हैरी रेबर्न के पास हैं। उस समय मैंने तुम्हारी बात मान ली क्योंकि इससे मेरा काम आसान हो गया—तुम्हें बहला-फुसलाकर हैरी रेबर्न को यहाँ लाने का काम। लेकिन, मेरी प्यारी ऐनी, हीरे तो फॉल्स छोड़ने के बाद से ही मेरे पास हैं—हालाँकि मुझे इस बात का पता कल ही चला।”

“तुम्हें पता है!” मैंने हांफते हुए कहा।

आपको यह जानकर शायद दिलचस्पी हो कि सारा भेद पैगेट ने ही खोला था। उसने मुझे एक शर्त और फिल्मों के एक डिब्बे के बारे में एक लंबी, बेमतलब की कहानी सुनाकर बोर करने पर ज़ोर दिया। मुझे जल्द ही समझ आ गया - श्रीमती ब्लेयर का कर्नल रेस पर अविश्वास, उनकी बेचैनी, और उनका मुझसे अपने स्मृति चिन्हों का

ध्यान रखने का अनुरोध। पैगेट ने अति उत्साह में आकर पहले ही डिब्बों के खोल खोल दिए थे। होटल से निकलने से पहले, मैंने सभी फिल्मों के रोल अपनी जेब में रख लिए। वे वहीं कोने में हैं। मैं मानता हूँ कि मुझे अभी तक उन्हें देखने का समय नहीं मिला है, लेकिन मैंने देखा कि एक का वज़न बाकी से बिल्कुल अलग है, वह अजीब तरह से खड़खड़ाती है, और स्पष्ट रूप से उसे सेकोटिन से चिपकाया गया है, जिसके लिए टिन खोलने वाले उपकरण की आवश्यकता होगी। मामला साफ़ लगता है, है ना? और अब, आप देख रहे हैं, मैंने आप दोनों को अच्छे से जाल में फंसा लिया है। . . . यह अफ़सोस की बात है कि आपने इसे पसंद नहीं किया। लेडी पेडलर बनने के विचार के लिए।

मैंने कोई जवाब नहीं दिया। मैं उसे देखता रहा।

सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनाई दी, दरवाजा ज़ोर से खुला और हैरी रेबर्न को दो आदमियों के बीच से कमरे में धकेल दिया गया। सर यूस्टेस ने मुझे विजय भरी निगाहों से देखा।

“योजना के अनुसार,” उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। “तुम नौसिखिए पेशेवर खिलाड़ियों के खिलाफ़ मुकाबला करोगे।”

“इसका क्या मतलब है?” हैरी ने कर्कश स्वर में पूछा।

“इसका मतलब है कि तुम मेरे कमरे में आ गए हो—मकड़ी ने मक्खी से कहा,” सर यूस्टेस ने व्यंग्यपूर्वक कहा। “मेरे प्यारे रेबर्न, तुम बेहद बदकिस्मत हो।”

“आपने कहा था कि मैं सुरक्षित आ सकती हूँ, ऐनी?”

“उसे दोष मत दो, मेरे प्रिय मित्र। वह नोट मेरे कहने पर लिखा गया था, और वह महिला खुद को रोक नहीं सकी। अगर वह न लिखती तो बेहतर होता, लेकिन मैंने उस समय उसे यह नहीं बताया। तुमने उसके निर्देशों का पालन किया, कलाकृतियों की दुकान पर गए, पीछे के कमरे से गुप्त मार्ग से ले जाए गए—और खुद को अपने दुश्मनों के हाथों में पाया!”

हैरी ने मेरी तरफ देखा। मैं उसकी नज़र समझ गया और सर यूस्टेस के और करीब चला गया।

“हाँ,” दूसरे ने धीमी आवाज़ में कहा, “तुम बिल्कुल भी भाग्यशाली नहीं हो! यह—देखने दो, तीसरी मुठभेड़ है।”

“तुम सही कह रही हो,” हैरी ने कहा। “यह तीसरी भिड़ंत है। दो बार तुम मुझे हरा

चुकी हो—क्या तुमने कभी नहीं सुना कि तीसरी बार किस्मत पलटती है? यह मेरी बारी है—ऐनी, उसे बचाओ।"
मैं पूरी तरह तैयार था। पलक झपकते ही मैंने अपनी मोज़े से पिस्तौल निकाली और उसे उसके सिर पर तान दिया। हैरी की रखवाली कर रहे दोनों आदमी आगे बढ़े, लेकिन उसकी आवाज़ ने उन्हें रोक दिया।
"एक और कदम—और वो मर जाएगा! अगर वे और करीब आते हैं, ऐनी, तो ट्रिगर दबा देना—संकोच मत करना।"
मैंने खुशी से जवाब दिया, "मैं ऐसा नहीं करूँगा। वैसे भी, मुझे इसे खींचने से डर लगता है।"
मुझे लगता है कि सर यूस्टेस भी मेरी तरह ही डरे हुए थे। वे सचमुच जेली की तरह कांप रहे थे।
"वहीं रुक जाओ," उसने आदेश दिया, और वे लोग आज्ञाकारी होकर रुक गए।
"उनसे कहो कि वे कमरे से बाहर चले जाएं," हैरी ने कहा।
सर यूस्टेस ने आदेश दिया। सभी लोग बाहर निकल गए, और हैरी ने उनके पीछे दरवाजे पर कुंडी लगा दी।
"अब हम बात कर सकते हैं," उसने गंभीर स्वर में कहा, और कमरे के उस पार आकर उसने मेरे हाथ से रिवॉल्वर ले ली।
सर यूस्टेस ने राहत की सांस ली और रूमाल से अपना माथा पोंछा।
"मेरी हालत बहुत खराब है," उसने कहा। "मुझे लगता है मेरा दिल कमजोर है। शुक्र है कि रिवॉल्वर किसी काबिल के हाथ में है। मुझे मिस ऐन पर भरोसा नहीं था कि वो इसे संभाल पाएगी। खैर, मेरे युवा मित्र, जैसा कि तुम कहते हो, अब बात करते हैं। मैं मानता हूँ कि तुमने मुझसे पहले रिवॉल्वर निकाल ली। वो रिवॉल्वर कहाँ से आई, मुझे नहीं पता। जब वो आई थी, मैंने उसके सामान की तलाशी ली थी। और अब तुमने इसे कहाँ से निकाला? एक मिनट पहले तक तो ये तुम्हारे पास थी ही नहीं?"
"हां, मेरे पास था," मैंने जवाब दिया। "यह मेरी मोजे में था।"
"मुझे महिलाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। मुझे उनके बारे में और अधिक अध्ययन करना चाहिए था," सर यूस्टेस ने उदास होकर कहा। "मुझे आश्चर्य है कि क्या पैगेट को यह बात पता होती?"
हैरी ने मेज पर जोर से थपथपाया।

“मूर्खता मत करो। अगर तुम्हारे बाल सफेद न होते, तो मैं तुम्हें खिड़की से बाहर फेंक देता। तुम बदमाश! बाल सफेद हों या न हों, मैं—”

वह एक-दो कदम आगे बढ़ा, और सर यूस्टेस फुर्ती से मेज के पीछे चले गए।

“युवा लोग हमेशा इतने हिंसक होते हैं,” उसने फटकार भरे लहजे में कहा। “दिमाग का इस्तेमाल न कर पाने के कारण वे सिर्फ अपनी ताकत पर निर्भर रहते हैं। चलो समझदारी से बात करते हैं। फिलहाल तो तुम हावी हो। लेकिन यह स्थिति ज्यादा देर तक नहीं टिक सकती। घर मेरे आदमियों से भरा हुआ है। तुम्हारी संख्या बहुत कम है। तुम्हारी यह क्षणिक जीत एक संयोग मात्र है।”

“क्या ऐसा है?”

हैरी की आवाज़ में कुछ ऐसा था, एक गंभीर व्यंग्य, जिसने सर यूस्टेस का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने उसे घूर कर देखा।

“क्या सच में?” हैरी ने फिर कहा। “बैठ जाइए, सर यूस्टेस, और मेरी बात सुनिए।” रिवॉल्वर से उसे ताने हुए वह बोला, “इस बार हालात आपके खिलाफ हैं। सबसे पहले, यह सुनिए!”

नीचे दरवाजे पर धीमी-धीमी सी दस्तक सुनाई दी। चीख-पुकार, गालियां और फिर गोली चलने की आवाज आई। सर यूस्टेस का चेहरा पीला पड़ गया।

“यह क्या है?”

“रेस—और उसके लोग। आपको पता नहीं था, है ना सर यूस्टेस, कि ऐन ने मुझसे एक समझौता किया था जिससे हमें पता चल जाता कि एक-दूसरे को भेजे गए संदेश असली हैं या नहीं? टेलीग्राम पर ‘एंडी’ के हस्ताक्षर होने थे, और पत्रों में कहीं न कहीं ‘और’ शब्द को काट दिया जाना था। ऐन जानती थी कि आपका टेलीग्राम नकली है। वह अपनी मर्ज़ी से यहाँ आई, जानबूझकर जाल में फँसी, इस उम्मीद में कि वह आपको आपके ही जाल में फँसा लेगी। किम्बरली छोड़ने से पहले उसने मुझे और रेस दोनों को तार भेजा था। श्रीमती ब्लेयर तब से हमारे संपर्क में हैं। मुझे आपके कहने पर लिखा गया पत्र मिला, जो बिल्कुल वैसा ही था जैसा मैंने सोचा था। मैंने रेस से पहले ही क्यूरियो-शॉप से बाहर निकलने वाले गुप्त रास्ते की संभावनाओं पर चर्चा कर ली थी, और उसने निकास का स्थान खोज लिया था।”

चीखने-चिल्लाने और चीर-फाड़ की आवाज़ आई, और एक ज़ोरदार धमाका हुआ जिससे कमरा हिल गया।

“वे कस्बे के इस हिस्से पर गोलाबारी कर रहे हैं। मुझे तुम्हें यहाँ से निकालना होगा, ऐनी।”

एक तेज रोशनी चमकी। सामने वाला घर आग की चपेट में था। सर यूस्टेस उठ खड़े हुए और इधर-उधर चक्कर लगा रहे थे। हैरी ने रिवॉल्वर से उन पर निशाना साध रखा था।

तो देखिए, सर यूस्टेस, खेल खत्म हो गया है। आपने ही बड़ी मेहरबानी से हमें अपने ठिकाने का सुराग दिया था। रेस के आदमी गुप्त मार्ग के निकास द्वार पर नज़र रख रहे थे। आपके द्वारा बरती गई सावधानियों के बावजूद, वे मेरा पीछा करते हुए यहाँ तक पहुँचने में कामयाब हो गए।

सर यूस्टेस अचानक मुड़ गए।

“बहुत चालाक। बहुत सराहनीय। लेकिन मुझे अभी भी कुछ कहना है। अगर मैं चाल चूक गया, तो तुम भी। तुम नादिना की हत्या का दोष मुझ पर कभी नहीं डाल पाओगे। मैं उस दिन मार्लो में था, बस यही एक सबूत है जो तुम्हारे पास मेरे खिलाफ है। कोई यह साबित नहीं कर सकता कि मैं उस औरत को जानता भी था। लेकिन तुम उसे जानते थे, तुम्हारे पास उसे मारने का मकसद था—और तुम्हारा रिकॉर्ड तुम्हारे खिलाफ है। याद रखो, तुम चोर हो, चोर। शायद एक बात तुम नहीं जानते। हीरे मेरे पास हैं। और अब सुनो—”

अत्यंत तेज़ी से उसने झुककर, अपना हाथ ऊपर उठाया और फेंक दिया। कांच टूटने की हल्की सी आवाज़ आई, जैसे ही वस्तु खिड़की से गुज़री और सामने जलते हुए मलबे में गायब हो गई।

“किम्बरली मामले में अपनी बेगुनाही साबित करने की तुम्हारी एकमात्र उम्मीद भी खत्म हो गई। अब हम बात करेंगे। मैं तुमसे एक सौदा करूंगा। तुमने मुझे घेर लिया है। रेस को इस घर में वह सब मिल जाएगा जिसकी उसे ज़रूरत है। अगर मैं भाग निकला तो मेरे लिए एक मौका है। अगर मैं यहीं रहा तो मेरा काम तमाम हो जाएगा, लेकिन तुम्हारा भी, नौजवान! बगल वाले कमरे में एक रोशनदान है। बस कुछ मिनटों की रफ़्तार चाहिए और मैं ठीक हो जाऊंगा। मैंने एक-दो छोटे-मोटे इंतज़ाम पहले से ही कर रखे हैं। तुम मुझे उस रास्ते से बाहर जाने दो और मुझे निकलने दो—और मैं तुम्हें एक हस्ताक्षरित कबूलनामा दे दूंगा कि मैंने नादिना की हत्या की है।”

“हां, हैरी,” मैं चिल्लाई। “हां, हां, हां!”

उसने मेरे सामने कठोर चेहरा बना लिया।
“नहीं, ऐनी, बिल्कुल नहीं। तुम्हें पता नहीं कि तुम क्या कह रही हो।”
“हाँ, मैं करता हूँ। इससे सारी समस्याएँ हल हो जाती हैं।”
“मैं फिर कभी रेस का सामना नहीं कर पाऊँगी। मैं जोखिम उठाऊँगी, लेकिन इस धूर्त बूढ़े लोमड़ी को मैं कभी भागने नहीं दूँगी। यह ठीक नहीं है, ऐनी। मैं ऐसा नहीं करूँगी।”
सर यूस्टेस मुस्कुराए। उन्होंने बिना किसी भावना के हार स्वीकार कर ली।
“वाह वाह,” उन्होंने कहा। “लगता है ऐनी, तुम्हें तुम्हारा मालिक मिल गया है। लेकिन मैं तुम दोनों को यकीन दिला सकता हूँ कि नैतिक शुद्धता हमेशा फायदेमंद नहीं होती।”
लकड़ी के टूटने की तेज़ आवाज़ आई और कदमों की आहट सीढ़ियों पर सुनाई दी। हैरी ने कुंडी खोली। कर्नल रेस सबसे पहले कमरे में दाखिल हुए। हमें देखते ही उनका चेहरा चमक उठा।
“तुम सुरक्षित हो, ऐनी। मुझे डर था—” वह सर यूस्टेस की ओर मुड़ा। “मैं लंबे समय से तुम्हारा पीछा कर रहा था, पेडलर—और आखिरकार मैंने तुम्हें पकड़ लिया।”
“लगता है सब लोग पागल हो गए हैं,” सर यूस्टेस ने बेपरवाही से कहा। “ये नौजवान मुझे रिवाल्वर से धमका रहे हैं और मुझ पर बेहद घिनौने आरोप लगा रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये सब क्या चल रहा है।”
“है ना? इसका मतलब है कि मैंने ‘कर्नल’ को ढूंढ लिया है। इसका मतलब है कि पिछले साल 8 जनवरी को आप कान्स में नहीं, बल्कि मार्लो में थे। इसका मतलब है कि जब आपकी मोहर, मैडम नादिना, आपके खिलाफ हो गई, तो आपने उसे खत्म करने की योजना बनाई थी—और आखिरकार हम इस अपराध को आपके हाथों में लाने में सक्षम होंगे।”
“सचमुच? और आपको यह सारी रोचक जानकारी किससे मिली? उस आदमी से जिसकी तलाश पुलिस अभी भी कर रही है? उसके सबूत बहुत महत्वपूर्ण होंगे।”
“हमारे पास अन्य सबूत भी हैं। कोई और भी है जिसे पता था कि नादिना मिल हाउस में आपसे मिलने वाली थी।”
सर यूस्टेस आश्चर्यचकित दिखे। कर्नल रेस ने हाथ से इशारा किया। आर्थर मिंक्स उर्फ रेवरेंड एडवर्ड चिचेस्टर उर्फ मिस पेटिग्रेव आगे बढ़े। उनका चेहरा पीला और घबराया

हुआ था, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा:
“इंग्लैंड जाने से एक रात पहले मैंने नादिना को पेरिस में देखा था। उस समय मैं एक रूसी काउंट होने का दिखावा कर रहा था। उसने मुझे अपने इरादे के बारे में बताया। मैंने उसे चेतावनी दी, क्योंकि मैं जानता था कि उसे किस तरह के आदमी से निपटना है, लेकिन उसने मेरी सलाह नहीं मानी। मेज पर एक वायरलेस संदेश पड़ा था। मैंने उसे पढ़ा। उसके बाद मैंने सोचा कि मैं खुद ही हीरों पर हाथ आज़माऊँगा। जोहान्सबर्ग में, मिस्टर रेबर्न ने मुझसे संपर्क किया। उन्होंने मुझे अपने पक्ष में आने के लिए मना लिया।”
सर यूस्टेस ने उसकी ओर देखा। उन्होंने कुछ नहीं कहा, लेकिन मिंक्स स्पष्ट रूप से मुरझा गया।
“चूहे हमेशा डूबते जहाज को छोड़कर भाग जाते हैं,” सर यूस्टेस ने कहा। “मुझे चूहों से कोई मतलब नहीं है। देर-सवेर मैं इन कीड़ों को नष्ट कर ही दूंगा।”
“सर यूस्टेस, मैं आपको बस एक बात बताना चाहता हूँ,” मैंने कहा। “वह डिब्बा जिसे आपने खिड़की से बाहर फेंका था, उसमें हीरे नहीं थे। उसमें साधारण कंकड़ थे। हीरे एकदम सुरक्षित जगह पर हैं। दरअसल, वे बड़े जिराफ़ के पेट में हैं। सुज़ैन ने उसे खोखला किया, उसमें रुई से हीरे भर दिए ताकि वे खड़खड़ाहट न करें, और फिर उसे बंद कर दिया।”
सर यूस्टेस ने कुछ देर तक मेरी ओर देखा। उनका जवाब हमेशा की तरह था:
उन्होंने कहा, "मुझे वह टिमटिमाती जिराफ हमेशा से ही नापसंद थी। यह शायद मेरी सहज प्रवृत्ति थी।"

अध्याय XXXIV

हम उस रात जोहान्सबर्ग वापस नहीं लौट सके। गोले बहुत तेज़ी से बरस रहे थे, और मुझे समझ आ गया था कि अब हम लगभग अलग-थलग पड़ गए हैं, क्योंकि विद्रोहियों ने उपनगरों के एक नए हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया था।
हमारा शरणस्थल जोहान्सबर्ग से लगभग बीस मील दूर एक खेत था—बिल्कुल खुले मैदान में। मैं थकान से चूर था। पिछले दो दिनों की सारी उत्तेजना और चिंता ने मुझे लगभग बेजान कर दिया था।
मैं बार-बार मन ही मन यही दोहराती रही, हालांकि मुझे इस बात पर यकीन नहीं हो

रहा था, कि हमारी सारी परेशानियां सचमुच खत्म हो गई हैं। हैरी और मैं साथ थे और अब हम कभी अलग नहीं होंगे। फिर भी, हर पल मुझे हमारे बीच किसी रुकावट का एहसास होता रहा—उसकी तरफ से कोई बंधन, जिसका कारण मैं समझ नहीं पा रही थी।

सर यूस्टेस को भारी सुरक्षा घेरे के साथ विपरीत दिशा में ले जाया गया। विदा होते समय उन्होंने हमें हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

अगली सुबह तड़के मैं बरामदे में निकला और जोहान्सबर्ग की ओर फैले मैदान को देखा। मुझे सुबह की हल्की धूप में चमकते हुए बड़े-बड़े कूड़ेदान दिखाई दे रहे थे और तोपों की धीमी गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी। क्रांति अभी खत्म नहीं हुई थी।

किसान की पत्नी बाहर आई और मुझे नाश्ते के लिए अंदर बुलाया। वह एक दयालु, ममतामयी महिला थीं और मैं उनसे पहले ही बहुत स्नेह करने लगी थी। उन्होंने मुझे बताया कि हैरी सुबह तड़के बाहर गया था और अभी तक नहीं लौटा था। एक बार फिर मेरे मन में बेचैनी की लहर दौड़ गई। आखिर हमारे बीच यह कौन सा साया था जिसका मुझे इतना एहसास हो रहा था?

नाश्ते के बाद मैं बरामदे में बैठ गई, मेरे हाथ में एक किताब थी जिसे मैंने पढ़ा नहीं। मैं अपने विचारों में इतनी खोई हुई थी कि मैंने कर्नल रेस को घोड़े पर सवार होकर आते और उतरते हुए देखा ही नहीं। जब उन्होंने "सुप्रभात, ऐनी" कहा, तभी मुझे उनकी उपस्थिति का एहसास हुआ।

“ओह,” मैंने शर्म से लाल होते हुए कहा, “आप हैं।”

जी हाँ। क्या मैं बैठ सकता हूँ?

वह मेरे बगल में एक कुर्सी खींचकर बैठ गया। माटोपोस में उस दिन के बाद यह पहली बार था जब हम दोनों अकेले थे। हमेशा की तरह, मेरे मन में वही अजीब सा आकर्षण और भय का मिश्रण था जो वह मुझमें हमेशा जगा देता था।

मैंने पूछा, "क्या खबर है?"

“स्मट्स कल जोहान्सबर्ग में होंगे। मेरा अनुमान है कि यह प्रकोप पूरी तरह से समाप्त होने से पहले तीन दिन और चलेगा। इस बीच लड़ाई जारी है।”

मैंने कहा, “काश, यह सुनिश्चित किया जा सकता कि सही लोग ही मारे जा रहे हों। मेरा मतलब उन लोगों से है जो लड़ना चाहते थे—न कि उन सभी गरीब लोगों से जो संयोगवश उन इलाकों में रहते हैं जहाँ लड़ाई चल रही है।”

उसने सहमति में सिर हिलाया।
“मैं समझती हूँ तुम क्या कहना चाहती हो, ऐनी। यही युद्ध की नाइंसाफी है। लेकिन मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ और खबर है।”
"हाँ?"
“मेरी ओर से अक्षमता की स्वीकारोक्ति। पेडलर भागने में कामयाब हो गया है।”
"क्या?"
“हां। किसी को नहीं पता कि उसने यह कैसे किया। उसे रात भर सुरक्षित रूप से बंद रखा गया था—उन खेतों के चक्करों में से एक की ऊपरी मंजिल के एक कमरे में, जिन पर सेना ने कब्ज़ा कर लिया है, लेकिन आज सुबह कमरा खाली था और पक्षी उड़ गया था।”
मुझे चुपके से काफी खुशी हुई। आज तक मैं सर यूस्टेस के प्रति अपने दबे-छिपे लगाव से छुटकारा नहीं पा सका हूँ। मैं कह सकता हूँ कि यह शर्मनाक है, लेकिन सच यही है। मैं उनकी प्रशंसा करता था। मैं कह सकता हूँ कि वह एक पक्के बदमाश थे—लेकिन एक अच्छे बदमाश थे। उनके जैसा मनोरंजक व्यक्ति मुझे आज तक नहीं मिला।
मैंने अपनी भावनाओं को छुपा लिया, ज़ाहिर है। कर्नल रेस की राय तो बिल्कुल अलग होती। वो सर यूस्टेस को न्याय के कटघरे में लाना चाहते थे। देखा जाए तो उनके भाग जाने में कोई हैरानी की बात नहीं थी। जोहान्सबर्ग में उनके अनगिनत जासूस और एजेंट होंगे। और कर्नल रेस चाहे जो भी सोचें, मुझे इस बात पर बहुत संदेह था कि वे उन्हें कभी पकड़ पाएंगे। शायद उन्होंने पीछे हटने का एक सुनियोजित रास्ता बना रखा था। दरअसल, उन्होंने हमसे यही कहा भी था।
मैंने अपनी बात ठीक से रखी, हालांकि कुछ हद तक बेरुखी से, और बातचीत धीमी पड़ गई। तभी कर्नल रेस ने अचानक हैरी के बारे में पूछा। मैंने उन्हें बताया कि वह सुबह तड़के ही चला गया था और मैंने उसे आज सुबह नहीं देखा।
“तुम समझती हो ना, ऐनी, कि औपचारिकताओं के अलावा, वह पूरी तरह से निर्दोष साबित हो चुका है? तकनीकी पेचीदगियाँ तो हैं ही, लेकिन सर यूस्टेस का अपराध सिद्ध हो चुका है। अब तुम दोनों को अलग करने वाली कोई बात नहीं है।”
उसने मेरी ओर देखे बिना, धीमी और रुक-रुक कर आने वाली आवाज में यह बात कही।

मैंने कृतज्ञतापूर्वक कहा, "मैं समझ गया।"
और ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह तुरंत अपना असली नाम न अपना ले।
"नही बिल्कुल नही।"
"क्या आप उसका असली नाम जानते हैं?"
इस सवाल ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया।
“बिल्कुल, मैं जानता हूँ। हैरी लुकास।”
उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, और उनकी चुप्पी की प्रकृति में कुछ अजीब सा मुझे नजर आया।
"ऐनी, क्या तुम्हें याद है कि उस दिन जब हम माटोपोस से घर लौट रहे थे, तो मैंने तुमसे कहा था कि मुझे पता है कि मुझे क्या करना है?"
"बेशक मुझे याद है।"
मुझे लगता है कि मैं यह बात सही-सही कह सकती हूँ कि मैंने यह कर दिखाया है। जिस आदमी से आप प्यार करती हैं, वह संदेह से मुक्त हो गया है।
क्या आपका यही मतलब था?
"बिल्कुल।"
मैंने अपना सिर झुका लिया, मुझे अपने मन में पल रहे निराधार संदेह पर शर्म आ रही थी। उसने फिर विचारमग्न स्वर में कहा:
“जब मैं छोटा था, तब मुझे एक लड़की से प्यार हो गया था जिसने मुझे धोखा दिया। उसके बाद मैंने सिर्फ अपने काम के बारे में सोचा। मेरा करियर ही मेरे लिए सब कुछ था। फिर मैं तुमसे मिला, ऐनी—और सब कुछ व्यर्थ लगने लगा। लेकिन जवानी की पुकार... मेरा काम अब भी मेरे साथ है।”
मैं चुप रही। शायद कोई एक साथ दो पुरुषों से प्यार नहीं कर सकता—लेकिन ऐसा महसूस तो होता ही है। उस आदमी का आकर्षण बहुत ज़बरदस्त था। मैंने अचानक उसकी तरफ देखा।
मैंने स्वप्निल भाव से कहा, “मुझे लगता है कि तुम बहुत आगे जाओगे। मुझे लगता है कि तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है। तुम दुनिया के महान व्यक्तियों में से एक बनोगे।”
मुझे ऐसा लगा जैसे मैं कोई भविष्यवाणी कर रहा हूँ।
"हालांकि, मैं अकेला रहूंगा।"
"जो लोग वाकई बड़े काम करते हैं, वे सभी ऐसे ही होते हैं।"

"आपको ऐसा लगता है?"
"मैं इस बारे में निश्चिन्त हूं।"
उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और धीमी आवाज में कहा:
मुझे दूसरा वाला ज्यादा पसंद होता।
तभी हैरी घर के कोने से तेज़ी से आता हुआ दिखाई दिया। कर्नल रेस उठ खड़े हुए।
“सुप्रभात—लुकास,” उसने कहा।
पता नहीं क्यों, हैरी के बाल जड़ तक लाल हो गए।
“हां,” मैंने खुशी से कहा, “अब आपको आपके असली नाम से ही जाना जाता होगा।”
लेकिन हैरी अब भी कर्नल रेस को घूर रहा था।
"तो आपको पता है, महोदय," उसने अंत में कहा।
मैं किसी का चेहरा नहीं भूलता। मैंने तुम्हें एक बार बचपन में देखा था।
“यह सब क्या है?” मैंने एक-दूसरे को देखते हुए हैरानी से पूछा।
ऐसा लग रहा था जैसे उनके बीच इच्छाओं का टकराव हो। रेस जीत ली गई। हैरी थोड़ा सा मुँह फेर लिया।
"मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं, महोदय। उसे मेरा असली नाम बता दीजिए।"
“ऐनी, यह हैरी लुकास नहीं है। हैरी लुकास युद्ध में मारा गया था। यह जॉन हेरोल्ड एर्ड्सली है।”

अध्याय XXXV

अपने अंतिम शब्दों के साथ कर्नल रेस हमें छोड़कर चले गए। मैं उन्हें देखता रह गया। हैरी की आवाज़ ने मुझे होश में लाया।
"ऐनी, मुझे माफ कर दो, कह दो कि तुम मुझे माफ कर देती हो।"
उन्होंने मेरा हाथ अपने हाथ में लिया और मैंने लगभग सहजता से अपना हाथ छुड़ा लिया।
“तुमने मुझे धोखा क्यों दिया?”
“मुझे नहीं पता कि मैं आपको समझा पाऊँगा या नहीं। मैं इन सब चीजों से डरता था—धन-दौलत की शक्ति और उसके आकर्षण से। मैं चाहता था कि आप मेरी परवाह सिर्फ मेरे असली रूप में करें—बिना किसी दिखावे या आडंबर के।”

"क्या मतलब, तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं था?"
"आप चाहें तो इसे इस तरह कह सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है। मैं कड़वाहट और शंका से भर गया था—हमेशा छिपे हुए इरादों की तलाश करने की प्रवृत्ति रखता था—और जिस तरह से आपने मेरी देखभाल की, वह बहुत ही अद्भुत था।"
“मैं समझ गया,” मैंने धीरे से कहा। मैं अपने मन में उस कहानी पर विचार कर रहा था जो उसने मुझे सुनाई थी। पहली बार मैंने उसमें कुछ ऐसी विसंगतियाँ देखीं जिन्हें मैंने पहले नज़रअंदाज़ कर दिया था—पैसे का आश्वासन, नादिना के हीरे वापस खरीदने की शक्ति, और जिस तरह से उसने दोनों पुरुषों के बारे में एक बाहरी व्यक्ति के नज़रिए से बात करना पसंद किया था। और जब उसने “मेरा दोस्त” कहा था, तो उसका मतलब एर्ड्सली नहीं, बल्कि लुकास था। यह लुकास ही था, वह शांत स्वभाव का व्यक्ति, जिसने नादिना से इतना गहरा प्रेम किया था।
मैंने पूछा, "यह सब कैसे हुआ?"
“हम दोनों बेपरवाह थे—मरने के लिए बेताब थे। एक रात हमने किस्मत के लिए पहचान पत्र आपस में बदल लिए! अगले दिन लुकास मारा गया—उसके टुकड़े-टुकड़े हो गए।”
मैं सिहर उठा।
"लेकिन तुमने मुझे अब क्यों नहीं बताया? आज सुबह? क्या तुम्हें अब तक मेरे तुम्हारे प्रति स्नेह पर संदेह नहीं हो गया होगा?"
“ऐनी, मैं सब कुछ बिगाड़ना नहीं चाहता था। मैं तुम्हें वापस द्वीप पर ले जाना चाहता था। पैसे का क्या फायदा? उससे खुशी नहीं खरीदी जा सकती। हम द्वीप पर खुश रहते। मैं तुम्हें बताता हूँ, मुझे उस दूसरी ज़िंदगी से डर लगता है—उसने तो मुझे लगभग सड़ा ही दिया था।”
"क्या सर यूस्टेस को पता था कि आप वास्तव में कौन थे?"
"ओह हां।"
और कार्टन?
नहीं। उसने हम दोनों को नादिना के साथ किम्बर्ली में एक रात देखा था, लेकिन उसे पता नहीं था कि कौन कौन है। उसने मेरे इस बयान पर विश्वास कर लिया कि मैं लुकास हूँ, और नादिना उसके संदेश से धोखा खा गई। नादिना लुकास से कभी नहीं

डरती थी। वह शांत स्वभाव का, बहुत गंभीर इंसान था। लेकिन मेरा स्वभाव तो शैतान जैसा गुस्सैल था। अगर उसे पता चलता कि मैं दोबारा ज़िंदा हो गया हूँ, तो वह बुरी तरह डर जाती।

"हैरी, अगर कर्नल रेस ने मुझे नहीं बताया होता, तो तुम क्या करने वाले थे?"

“कुछ मत कहो। लुकास बनकर रहो।”

और तुम्हारे पिता के लाखों रुपये?

“रेस ने उनका स्वागत किया। वैसे भी, वह उनका मुझसे कहीं बेहतर उपयोग करेगा। ऐनी, तुम क्या सोच रही हो? तुम इतनी नाराज़ क्यों हो?”

मैंने धीरे से कहा, "मैं सोच रहा हूँ कि काश कर्नल रेस ने आपसे यह बात न कहलवाई होती।"

“नहीं। वह सही था। मुझे तुम्हें सच बताना ही था।”

वह रुका, फिर अचानक बोला:

“जानती हो, ऐनी, मुझे रेस से जलन होती है। वह भी तुमसे प्यार करता है—और वह मुझसे कहीं ज्यादा बड़ा आदमी है, जितना मैं हूं या कभी हो पाऊंगा।”

मैं हंसते हुए उसकी ओर मुड़ी।

"हैरी, तुम बेवकूफ हो। मुझे सिर्फ तुम चाहिए—और यही मायने रखता है।"

हम जल्द से जल्द केप टाउन के लिए रवाना हुए। वहाँ सुज़ैन मेरा स्वागत करने के लिए इंतज़ार कर रही थी, और हमने मिलकर उस विशाल जिराफ़ का पेट चीर दिया। जब क्रांति अंततः शांत हुई, तो कर्नल रेस केप टाउन आए और उनके सुझाव पर मुइज़ेनबर्ग में स्थित वह विशाल विला, जो सर लॉरेंस एर्ड्सले का था, फिर से खोला गया और हम सब उसमें रहने लगे।

वहाँ हमने अपनी योजनाएँ बनाईं। मुझे सुज़ैन के साथ इंग्लैंड लौटना था और लंदन में उसके घर पर शादी करनी थी। और दहेज का सामान पेरिस से खरीदा जाना था! सुज़ैन को इन सभी छोटी-छोटी बातों की योजना बनाने में बहुत मज़ा आता था। मुझे भी। फिर भी भविष्य अजीब तरह से अवास्तविक लग रहा था। और कभी-कभी, बिना कारण जाने, मुझे बिल्कुल घुटन महसूस होती थी—जैसे मैं साँस ही नहीं ले पा रही हूँ।

हमारी यात्रा शुरू होने से एक रात पहले की बात है। मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं बहुत दुखी थी, और मुझे पता नहीं क्यों। मुझे अफ्रीका छोड़ना बिल्कुल पसंद नहीं था।

जब मैं वापस आऊंगी, तो क्या सब कुछ वैसा ही रहेगा? क्या कभी सब कुछ पहले जैसा हो पाएगा?
तभी खिड़की के शटर पर ज़ोरदार दस्तक से मैं चौंक गया। मैं उछल पड़ा। हैरी बाहर बरामदे में खड़ा था।
“ऐनी, कपड़े पहन लो और बाहर आओ। मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।”
मैंने कुछ कपड़े लपेटे और ठंडी रात की हवा में बाहर कदम रखा— हवा शांत और सुगंधित थी, मखमली एहसास दे रही थी। हैरी ने मुझे घर से दूर जाने का इशारा किया। उसका चेहरा पीला और दृढ़ लग रहा था और उसकी आँखें धधक रही थीं।
"ऐनी, क्या तुम्हें याद है कि तुमने मुझसे एक बार कहा था कि महिलाएं अपने प्रिय व्यक्ति के लिए वो काम करने में आनंद लेती हैं जो उन्हें नापसंद होते हैं?"
“हां,” मैंने कहा, यह सोचते हुए कि आगे क्या होने वाला है।
उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया।
“ऐनी, मेरे साथ चलो—अभी—आज रात। रोडेशिया वापस—द्वीप वापस। मैं यह सब फिजूलखर्ची बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं तुम्हारा और इंतज़ार नहीं कर सकता।”
मैंने एक मिनट के लिए खुद को अलग कर लिया।
“और मेरी फ्रांसीसी पोशाकों का क्या होगा?” मैंने व्यंग्यपूर्वक विलाप किया।
आज तक हैरी को यह पता नहीं चलता कि मैं कब गंभीर हूं और कब सिर्फ उसे चिढ़ा रही हूं।
“तुम्हारे इन फ्रांसीसी फ्रॉकों को धिक्कार है। क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हें फ्रॉक पहनाना चाहता हूँ? मैं तो इन्हें तुम्हारे शरीर से फाड़ देना चाहता हूँ। मैं तुम्हें जाने नहीं दूँगा, समझी? तुम मेरी औरत हो। अगर मैंने तुम्हें जाने दिया, तो मैं तुम्हें खो सकता हूँ। मुझे तुम पर कभी भरोसा नहीं होता। तुम आज रात मेरे साथ चलोगी—और सब भाड़ में जाएँ।”
उसने मुझे गले लगाया और तब तक चूमता रहा जब तक मेरी सांसें थमने लगीं।
“मैं तुम्हारे बिना अब और नहीं रह सकता, ऐनी। बिल्कुल नहीं रह सकता। मुझे इस सारे पैसे से नफरत है। इसे रेस को दे दो। चलो। चलते हैं।”
“मेरा टूथब्रश?” मैंने संकोच से कहा।
“आप एक खरीद सकते हैं। मुझे पता है मैं पागल हूँ, लेकिन भगवान के लिए, आइए!”

वह उग्र कदमों से आगे बढ़ गया। मैं भी उसी नम्रता से उसके पीछे-पीछे चली, जैसे मैंने झरने पर उस बारोत्सी महिला को चलते देखा था। फर्क सिर्फ इतना था कि मैं अपने सिर पर कड़ाही नहीं लिए खड़ी थी। वह इतनी तेज़ी से चल रहा था कि उसके साथ चलना बहुत मुश्किल था।

अंत में मैंने नम्र स्वर में कहा, "हैरी, क्या हम रोडेशिया तक पैदल ही जाएंगे?"

वह अचानक मुड़ा और जोर से हंसते हुए मुझे अपनी बाहों में भर लिया।

"मैं पागल हूँ, जान, मुझे पता है। लेकिन मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ।"

“हम दोनों पागल हैं। और, ओह, हैरी, तुमने मुझसे कभी पूछा नहीं, लेकिन मैं कोई त्याग नहीं कर रही हूँ! मैं आना चाहती थी!”

अध्याय XXXVI

यह दो साल पहले की बात है। हम अब भी द्वीप पर ही रहते हैं। मेरे सामने, खुरदरी लकड़ी की मेज पर, सुज़ैन का लिखा हुआ पत्र रखा है।

जंगल में बसे प्यारे बच्चों—प्यार में पागल प्यारे लोगों,

मुझे ज़रा भी हैरानी नहीं हुई। जब से हम पेरिस और फ्रॉक के बारे में बात कर रहे थे, मुझे लग रहा था कि ये सब कुछ सच नहीं है—कि तुम दोनों एक दिन अचानक गायब हो जाओगे और पुराने जिप्सी रीति-रिवाजों के अनुसार शादी कर लोगे। लेकिन तुम दोनों तो बिल्कुल पागल हो! इतनी बड़ी दौलत को त्यागने का ये विचार बेतुका है। कर्नल रेस इस मामले पर बहस करना चाहते थे, लेकिन मैंने उन्हें मना लिया कि बहस को समय पर छोड़ दें। वो हैरी के लिए संपत्ति का प्रबंधन कर सकते हैं—उनसे बेहतर कोई नहीं। क्योंकि, आखिर हनीमून तो हमेशा नहीं रहता—तुम यहाँ नहीं हो, ऐनी, इसलिए मैं बिना किसी चिंता के कह सकता हूँ कि तुम मुझ पर एक जंगली बिल्ली की तरह टूट पड़ोगी—अकेले प्यार का रिश्ता काफी समय तक चलेगा, लेकिन एक दिन तुम अचानक पार्क लेन में घरों, आलीशान फर, पेरिस की फ्रॉक, सबसे बड़ी मोटरों और सबसे नए प्रैम, फ्रांसीसी नौकरानियों और नॉरलैंड नर्सों के सपने देखने लगोगी! हाँ, ज़रूर!

लेकिन अपने हनीमून का आनंद उठाओ, मेरे प्यारे दीवानों, और इसे लंबा होने दो। और कभी-कभी मुझे भी याद करना, मैं मौज-मस्ती के बीच आराम से अपना वजन

बढ़ा रही हूँ!

आपका प्रिय मित्र,

सुज़ैन ब्लेयर।

पी.एस.—मैं आपको शादी के तोहफे के रूप में कई तरह के फ्राइंग पैन भेज रहा हूँ, और साथ ही आपको मेरी याद दिलाने के लिए पैटे डे फोई ग्रास का एक विशाल टेरीन भी भेज रहा हूँ।

एक और पत्र है जिसे मैं कभी-कभी पढ़ता हूँ। यह पहले पत्र के काफी समय बाद आया था और इसके साथ एक मोटा सा पैकेट भी था। ऐसा लगता है कि यह बोलिविया से लिखा गया था।

मेरी प्रिय ऐनी बेडिंगफेल्ड,

मैं आपको पत्र लिखने से खुद को रोक नहीं पा रहा हूँ, इसलिए नहीं कि मुझे लिखने में आनंद आता है, बल्कि इसलिए कि आपको मुझसे पत्र सुनकर बहुत खुशी होगी। हमारा दोस्त रेस उतना होशियार नहीं था जितना वह खुद को समझता था, है ना? मुझे लगता है कि मैं आपको अपना साहित्यिक उत्तराधिकारी नियुक्त करूँगी। मैं आपको अपनी डायरी भेज रही हूँ। इसमें ऐसा कुछ नहीं है जो रेस और उसके साथियों को रुचिकर लगे, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें कुछ अंश ऐसे हैं जो आपको मनोरंजक लग सकते हैं। आप इसका जैसे चाहें उपयोग कर सकते हैं। मैं डेली बजट के लिए एक लेख का सुझाव देती हूँ, "जिन अपराधियों से मैं मिली हूँ।" मेरी एकमात्र शर्त यह है कि मैं ही मुख्य पात्र रहूँगी।

अब तक मुझे पूरा यकीन है कि आप ऐनी बेडिंगफेल्ड नहीं, बल्कि लेडी एर्ड्सली हैं, जो पार्क लेन में राज कर रही हैं। मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं है। बेशक, मेरी उम्र में सब कुछ नए सिरे से शुरू करना मुश्किल है, लेकिन सच कहूँ तो, मैंने ऐसी आपात स्थिति के लिए कुछ पैसे बचाकर रखे थे। वे बहुत काम आए और मेरा अच्छा-खासा संपर्क बन रहा है। वैसे, अगर कभी आपको अपने उस मजाकिया दोस्त आर्थर मिंक्स से मुलाकात हो, तो बस उसे बता देना कि मैं उसे भूली नहीं हूँ, ठीक है? इससे उसे बहुत झटका लगेगा।

कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि मैंने एक अत्यंत ईसाई और क्षमाशील भावना प्रदर्शित की है। यहाँ तक कि पैगेट के प्रति भी। मुझे पता चला कि उन्होंने—या यूँ कहें कि श्रीमती पैगेट ने—कुछ दिन पहले अपने छठे बच्चे को जन्म दिया है। जल्द ही पूरा

इंग्लैंड पैगेट परिवार से भर जाएगा। मैंने बच्चे को एक चांदी का मग भेजा और एक पोस्टकार्ड पर उसके गॉडफादर बनने की इच्छा व्यक्त की। मुझे लगता है कि पैगेट बिना मुस्कुराए मग और पोस्टकार्ड दोनों लेकर सीधे स्कॉटलैंड यार्ड पहुँच जाएँगे! हे खूबसूरत आंखों वाली, तुम्हें आशीर्वाद मिले। एक दिन तुम्हें जरूर एहसास होगा कि मुझसे शादी न करके तुमने कितनी बड़ी गलती की है।

आपका सदा,

यूस्टेस पेडलर।

हैरी बेहद गुस्से में था। यही एक मुद्दा है जिस पर हम दोनों की राय एक जैसी नहीं है। उसके अनुसार, सर यूस्टेस वही व्यक्ति थे जिन्होंने मेरी हत्या करने की कोशिश की थी और जिन्हें वह अपने मित्र की मृत्यु के लिए जिम्मेदार मानते हैं। सर यूस्टेस द्वारा मेरी जान लेने की कोशिशें मुझे हमेशा से हैरान करती रही हैं। सीधे शब्दों में कहें तो, ये सब मेरे लिए मायने नहीं रखता। क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि उनके मन में मेरे लिए हमेशा से ही सच्ची सद्भावना थी।

तो फिर उसने दो बार मेरी जान लेने की कोशिश क्यों की? हैरी कहता है, "क्योंकि वह एक नीच बदमाश है," और उसे लगता है कि इससे मामला सुलझ गया। सुज़ैन ज़्यादा समझदार थी। मैंने उससे इस बारे में बात की, और उसने इसे "डर की भावना" बताया। सुज़ैन मनोविश्लेषण में विश्वास रखती है। उसने मुझे बताया कि सर यूस्टेस का पूरा जीवन सुरक्षित और आरामदायक रहने की इच्छा से प्रेरित था। उनमें आत्मरक्षा की तीव्र भावना थी। और नादिना की हत्या ने उनकी कुछ झिझकें दूर कर दीं। उनके कार्यों से मेरे प्रति उनकी भावनाओं का पता नहीं चलता था, बल्कि यह उनकी अपनी सुरक्षा के प्रति उनके तीव्र भय का परिणाम था। मुझे लगता है सुज़ैन सही है। जहाँ तक नादिना की बात है, वह उस तरह की औरत थी जो मरने लायक थी। पुरुष अमीर बनने के लिए हर तरह के संदिग्ध काम करते हैं, लेकिन महिलाओं को स्वार्थ के लिए प्यार का दिखावा नहीं करना चाहिए, जबकि वे प्यार में नहीं हैं। मैं सर यूस्टेस को आसानी से माफ कर सकता हूँ, लेकिन मैं नादिना को कभी माफ नहीं करूँगा। कभी नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं!

कुछ दिन पहले मैं पुराने डेली बजट के टुकड़ों में लिपटे कुछ डिब्बे खोल रही थी, और अचानक मेरी नज़र "भूरे रंग के सूट वाला आदमी" पर पड़ी। कितना समय बीत गया! ज़ाहिर है, मैंने डेली बजट से अपना नाता बहुत पहले ही तोड़ लिया था—मैंने उससे

पहले ही नाता तोड़ लिया था, जितना उसने मुझसे तोड़ा था। मेरी रोमांटिक शादी को खूब प्रचार मिला था।

मेरा बेटा धूप में लेटा हुआ है और अपने पैर हिला रहा है। उसे आप चाहें तो "भूरे रंग का सूट पहने आदमी" कह सकते हैं। उसने बहुत कम कपड़े पहने हैं, जो अफ्रीका के लिए सबसे अच्छा पहनावा है, और उसका रंग बिल्कुल भूरा है। वह हमेशा मिट्टी खोदता रहता है। मुझे लगता है कि वह पापा जैसा है। उसे भी प्लीओसीन युग की मिट्टी से वैसा ही लगाव होगा।

जब उसका जन्म हुआ तो सुज़ैन ने मुझे एक तार भेजा:

“पागलों के द्वीप पर नए मेहमान को ढेर सारी शुभकामनाएँ और प्यार। क्या उसका सिर डोलीकोसेफेलिक है या ब्रैकीसेफेलिक?”

मैं सुज़ैन से यह बर्दाश्त नहीं कर सकता था। मैंने उसे एक शब्द का संक्षिप्त और सटीक जवाब भेजा:

“प्लेटीसेफेलिक!”

***** समाप्त *****

sjeet